THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-29 अंक : 285 (हैदराबाद, निज़ामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) पौष शु.7 2081 सोमवार, 6 जनवरी-2025

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ✲ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

अमृतपाल की पार्टी का नाम अकाली दल श्री आनंदपुर साहब

अमृतसर, 5 जनवरी (एजेंसियां)। असम की डिब्रूगढ़ जेल में राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (एनएसए) के तहत बंद खालिस्तान समर्थक और खडूर साहिब से सांसद अमृतपाल सिंह ने अपनी नई पार्टी का नाम 'अकाली दल (श्री आनंदपुर साहिब)' रखने का निर्णय लिया है। यह घोषणा 14 जनवरी को श्री मुक्तसर साहिब में माघी मेले के दौरान की जाएगी।

फरीदकोट से सांसद सरबजीत सिंह खालसा ने मीडिया से जानकारी साझा करते हुए बताया कि अमृतपाल सिंह के नेतृत्व में गठित की जाने वाली इस नई क्षेत्रीय पार्टी का उद्देश्य पंजाब के सिख समुदाय के हितों की रक्षा करना और राज्य की स्थानीय समस्याओं जैसे बेरोजगारी, कृषि संकट, पर्यावरण संरक्षण और नशे के खिलाफ संघर्ष करना है।

'आप-दा' से कम नहीं दिल्ली सरकार

भाजपा ही करेगी सपने साकार : पीएम मोदी

नई दिल्ली, 5 जनवरी (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले दिल्ली के रोहिणी स्थित जापानी पार्क में परिवर्तन रैली को संबोधित किया। इस दौरान पीएम मोदी ने उम्मीद जताई कि दिल्ली में इस बार कमल खिलेगा।

प्रधानमंत्री मोदी ने दिल्ली की आम आदमी पार्टी सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, मैं दिल्लीवासियों से एक विशेष अनुरोध करना चाहता हूं। दिल्ली और आपके बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए मैं आपसे अनुरोध करने आया हूं कि आप भाजपा को एक अवसर प्रदान करें। ये भाजपा ही है जो दिल्ली का विकास कर सकती है।

उन्होंने आगे कहा, बीते 10 साल में दिल्ली ने जिस तरह की राज्य सरकार देखी है, वो किसी 'आप-दा' से कम नहीं है। यह एहसास आज दिल्ली वालों को अच्छे से हो चुका है, इसलिए अब दिल्ली में एक ही आवाज गूंज रही है, 'आप-दा' नहीं सहेंगे, बदल के रहेंगे। अब दिल्ली विकास की धारा चाहती है और मुझे खुशी है कि दिल्ली का विश्वास भाजपा पर है। भाजपा पर ये विश्वास इसलिए है, क्योंकि भाजपा सुशासन लाने वाली पार्टी है। भाजपा सेवाभाव से काम करने वाली पार्टी है, भाजपा सपनों को पूरा करने वाली पार्टी है।

पीएम मोदी ने परिवर्तन रैली को संबोधित करते हुए कहा, हम 2025 में हैं। 21वीं सदी को 25 साल बीत चुके हैं यानी एक चौथाई सदी गुजर गई है। इस दौरान दिल्ली में नौजवानों की दो या तीन पीढ़ी जवान हो चुकी है। अब आने वाले 25 साल भारत के भविष्य के लिए, दिल्ली के भविष्य के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण है। उन्होंने आगे कहा, ये 25 साल, भारत को विकसित राष्ट्र बनते हुए देखेंगे। हम उसके भागीदार होंगे। ये भारत को आधुनिकता के एक नए दौर से गुजरते हुए देखेंगे। विकसित भारत के इस सफर का एक बहुत बड़ा पड़ाव जल्द ही आने वाला है।

>14

नमो भारत कॉरिडोर का पीएम मोदी ने किया उद्घाटन

दिल्ली को 12200 करोड़ की विकास परियोजनाओं की सौगात दी

नई दिल्ली, 5 जनवरी (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने न्यू अशोक नगर में 13 किमी. लंबे नमो भारत ट्रेन के साहिबाबाद-न्यू अशोक नगर सेक्शन का उद्घाटन किया। इससे पहले उन्होंने नमो भारत कॉरिडोर के साहिबाबाद स्टेशन पर अधिकारियों से बात कर इसके बार में जानकारी ली। साहिबाबाद आरआरटीएस स्टेशन से न्यू अशोक नगर आरआरटीएस स्टेशन तक नमो भारत ट्रेन में यात्रा की। यात्रा के दौरान उन्होंने स्कूली बच्चों और अन्य लोगों से बातचीत की। इसके अलावा पीएम ने 12,200 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली कई अन्य परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया।

पीएम ने दिल्ली मेट्रो फेज-4 के जनकपुरी पश्चिम-कृष्णा पार्क के बीच करीब 1,200 करोड़ रुपये की लागत वाले दो किमी लंबे हिस्से का उद्घाटन किया। इससे पश्चिमी दिल्ली के कृष्णा पार्क, विकासपुरी और जनकपुरी के लोगों को फायदा मिलेगा। इसके अलावा करीब

26 किलोमीटर लंबे रिठाला-कुंडली खंड की आधारशिला भी रखी। यह कॉरिडोर रिठाला को हरियाणा के नाथूपुर (कुंडली) से जोड़ेगा। वहीं, रोहिणी में केंद्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान (सीएआरआई) के नए अत्याधुनिक भवन की आधारशिला भी रखेंगे। इसका निर्माण करीब 185 करोड़ रुपये की लागत से होगा।

वहीं, पीएम ने नई दिल्ली के रोहिणी में केंद्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान (सीएआरआई) के लिए नए अत्याधुनिक भवन की आधारशिला भी रखी, जिसका निर्माण लगभग 185 करोड़ रुपये की लागत से किया जाएगा।

आरआरटीएस को दिल्ली के चारों और के शहरों से जोड़ा जाएगा। इससे न केवल लोगों के समय की बचत होगी बल्कि दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण में भी राहत मिलेगी। एनसीआर से दिल्ली में रोजाना आवाजाही करने वाले लोगों के लिए यह किसी वरदान से कम नहीं होगा। मौजूदा समय में आरआरटीएस के फेज-1 में तीन कॉरिडोर प्रस्तावित हैं। जिसमें से दिल्ली-मरेठ कॉरिडोर का निर्माण कार्य अंतिम चरण में है। शेष दो अन्य दिल्ली-अलवर और दिल्ली पानीपत कॉरिडोर पर भी जल्द काम शुरू होगा। वहीं फेज-दो में पांच कॉरिडोर प्रस्तावित हैं।

इस तरह से आरआरटीएस के आठ कॉरिडोर के तैयार हो जाने से दिल्ली-एनसीआर में मास ट्रांजिट सिस्टम दुनिया के अन्य शहरों से भी बड़ा हो जाएगा। दिल्ली के चारों ओर 100 किलोमीटर के दायरे में आने वाले सभी प्रमुख शहर आरआरटीएस से जुड़ेंगे।

>14

केजरीवाल ने बीजेपी पर किया पलटवार

नई दिल्ली, 5 जनवरी (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी के मुखिया अरविंद केजरीवाल ने रविवार को एक बार फिर प्रेस कॉन्फ्रेंस किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जी हर रोज दिल्ली के लोगों को गालियां दे रहे हैं। दिल्ली की जनता का अपमान कर रहे हैं। दिल्ली के लोग चुनाव में बीजेपी को इस अपमान का जवाब देंगे। उन्होंने कहा कि बीजेपी की जितनी डबल इंजन सरकार है उनसे कहीं ज्यादा काम आम आदमी पार्टी सरकार ने किया है। हमने विकास के लिए काम किया।

अरविंद केजरीवाल ने कहा कि आज प्रधानमंत्री 38 मिनट बोले, उसमें 29 मिनट दिल्लीवालों को गालियां देते रहे। वे दिल्ली की जनता और दिल्ली की चुनी हुई सरकार को गाली देते रहे। मैं सुन रहा था, बुरा लगा। आप हमें गाली दे लीजिए, लेकिन विकास के काम होने दीजिए। दिल्ली के विकास का काम केंद्र ने रोका। दिल्ली के किसानों को बीजेपी परेशान कर रही।

आप मुखिया ने आगे कहा कि पीएम मोदी ने 2020 में किए वादे पूरे नहीं किए। 2020 में प्रधानमंत्री ने दिल्ली में जो वादा किया था, दिल्ली देहात के लोग आज भी उसके पूरे होने का इंतजार कर रहे हैं। केजरीवाल ने केंद्र आरोप लगाते हुए कहा कि उन्होंने मोहल्ला क्लिनिक रोका। सीसीटीवी का जिक्र किया। यही नहीं दिल्ली के पूर्व सीएम ने कहा कि हम आपके काम के लिए हर हद तक जाएंगे।

केजरीवाल ने केंद्र सरकार पर दिल्ली के विकास में रोड़े अटकाने का भी आरोप लगाया। साथ ही उन्होंने किसानों से किए गए वादे पूरे न करने का भी जिक्र किया। आप मुखिया ने कहा कि केंद्र ने दिल्ली के विकास का प्लान रोका है। अभी तक मास्टर प्लान नोटिफाई नहीं किया गया है, जिसकी वजह से दिल्ली का विकास रुका हुआ है।

पुरी में जगन्नाथ मंदिर के ऊपर दिखा संदिग्ध ड्रोन : सुरक्षा को लेकर उठे सवाल

पुरी, 5 जनवरी (एजेंसियां)। रविवार की सुबह पुरी में स्थित प्रसिद्ध जगन्नाथ मंदिर के ऊपर ड्रोन देखे जाने के बाद हड़कंप मच गया। ड्रोन को सुबह करीब 4:10 बजे मंदिर के ऊपर देखा गया और यह करीब आधे घंटे तक मंदिर के ऊपर मंडराता रहा। इससे मंदिर की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल पैदा हो गए। गौरतलब है कि जगन्नाथ मंदिर और इसके आसपास का इलाका नो-फ्लाइंग जोन है। एक पुलिस

अधिकारी ने बताया कि घटना की जांच के लिए अलग-अलग टीमें बनाई गई हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, रविवार मंगला अलति अनुष्ठान के दौरान ड्रोन श्रीमंदिर के ऊपर से उड़ता हुआ दिखा। ड्रोन श्रीमंदिर के नीलचक्र और धादिनौती के ऊपर दिखाई दिया।

ओडिशा के कानून मंत्री पृथ्वीराज हरिचंदन ने घटना पर चिंता जताते हुए कहा, मंदिर के ऊपर ड्रोन उड़ाना गैरकानूनी है यह बिल्कुल भी स्वीकार्य नहीं है। सुरक्षा भंग करने वाले व्यक्ति के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

उन्होंने कहा, पुरी एसपी ने टीमें गठित कर घटना की जांच शुरू कर दी है। उम्मीद है कि संबंधित व्यक्ति की जल्द पहचान कर ली जाएगी और ड्रोन को जब्त कर लिया जाएगा। हरिचंदन ने कहा कि भविष्य में ऐसी घटना न हो, इसके लिए सरकार मंदिर परिसर के चारों ओर स्थित वॉच टावर्स पर चौबीस घंटे पुलिस कर्मियों को तैनात करने पर विचार कर रही है। माना जा रहा है कि किसी व्लॉगर ने यह ड्रोन उड़ाया हो सकता है। फिलहाल पुलिस घटना की जांच कर रही है।

सीएमआर कॉलेज वॉयरिज्म मामले में दो आरोपियों की गिरफ्तारी

पुलिस ने कालेज प्रबंधन के खिलाफ भी दर्ज किया मामला

हैदराबाद, 5 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सीएमआर कॉलेज में वॉयरिज्म (तांक-झांक) के मुद्दे पर छात्रों द्वारा बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन किए जाने के बाद, मेडचल पुलिस ने तुरंत जांच शुरू की और मामले को सुलझाया तथा मामले में शामिल आरोपियों की पहचान की। पुलिस ने 02/2025 में बीएनएस की धारा 77, 125, 49 और 239 तथा पोक्सो अधिनियम की धारा 11 सहपठित 12, 16 सहपठित 17 के तहत मामला दर्ज किया। आरोपियों की पहचान मुख्य आरोपी नंद किशोर कुमार निवासी गोपालपुर ग्राम, मेहंदिया थाना, अरवल जिला, बिहार, गोविंद कुमार, निवासी बसंतपट्टी ग्राम, पूर्णिया थाना, शिवहर जिला, बिहार, केवी धनलक्ष्मी, हॉस्टल वार्डन, सीएमआर कैंपस-II, कंडलकोया गांव, मेडचल मंडल, मेडचल-मलकाजीगिरी, तेलंगाना राज्य, आलम प्रीति रेड्डी हॉस्टल वार्डन, सीएमआर कैंपस- II, कंडलकोया गांव, मेडचल मंडल, मेडचल-मलकाजीगिरी, वराहबतला अनंत नारायण, सीएमआर कॉलेज के प्रिंसिपल, निवासी कृष्णानगर कॉलोनी, मौलाअली, रंगारेड्डी जिला, मदीरेड्डी जंगा रेड्डी, सीएमआर कॉलेज के निदेशक, श्रीनिवास नगर, सिकंदराबाद चमकुरा गोपाल रेड्डी, सीएमआर कॉलेज के अध्यक्ष निवासी बोवेनपल्ली, हैदराबाद के रूप में हुई। जांच के दौरान पुलिस ने आरोपी व्यक्तियों को पकड़ लिया और जांच जारी है। यह स्पष्ट है कि नंद किशोर कुमार और गोविंद कुमार ने वॉयरिज्म के लिए मौका लिया, जिन्होंने छात्रावास की लड़कियों को निशाना बनाया, जब लड़कियां अपने निजी कार्यों के लिए अपने शौचालय का उपयोग करती हैं।

केवी धनलक्ष्मी और आलम प्रीति रेड्डी सीएमआर गर्ल्स हॉस्टल वार्डन के रूप में काम कर रही हैं। उन्होंने पीड़ित लड़कियों द्वारा घटना के बारे में खुलासा करने पर लापरवाही दिखाई।

>14

पीएफआई का कैडर एयरपोर्ट से गिरफ्तार

नई दिल्ली, 5 जनवरी (एजेंसियां)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) के एक कैडर को दुबई से प्रतिबंधित संगठन के लिए भारत में अपनी गैरकानूनी गतिविधियों को आगे बढ़ाने के लिए फंड जुटाने के आरोप में गिरफ्तार किया है। रविवार को एक आधिकारिक बयान में कहा गया है। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की एक टीम ने शनिवार को बिहार के पूर्वी चंपारण जिले के मोहम्मद सज्जाद आलम को दुबई, यूएई से यहां इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय (आईजीआई) हवाई अड्डे पर उतरते ही गिरफ्तार कर लिया।

बता दें कि, विशेष एनआईए अदालत ने पीएफआई के प्रशिक्षित कैडर मोहम्मद सज्जाद आलम के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया था। आधिकारिक बयान में ये भी कहा गया है कि उसके खिलाफ लुकआउट सर्कुलर (एलओसी) भी जारी किया गया था। एनआईए के अनुसार, आरोपी यूएई, कर्नाटक और केरल में मौजूद सिंडिकेट के माध्यम से दुबई से बिहार में पीएफआई कैडरों तक अवैध फंड पहुंचाने में शामिल था। एनआईए ने कहा कि फंड का इस्तेमाल प्रतिबंधित संगठन की आपराधिक और गैरकानूनी गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए किया गया था। जुलाई 2022 में बिहार के फुलवारी शरीफ पुलिस की तरफ से दर्ज किया गया यह मामला पीएफआई कार्यकर्ताओं की गैरकानूनी और राष्ट्र विरोधी गतिविधियों में संलिप्तता से संबंधित है। बयान में कहा गया है कि कार्यकर्ताओं ने देश में शांति और सद्भाव बनाए रखने के लिए हानिकारक गतिविधियों के माध्यम से आतंक का माहौल बनाने और कई धर्मों और समूहों के सदस्यों के बीच धार्मिक दुश्मनी फैलाने की साजिश रची। जांच एजेंसी ने कहा कि सार्वजनिक शांति को बाधित करने और भारत के खिलाफ असंतोष पैदा करने के उद्देश्य से, उनकी गतिविधियों में भारत में इस्लामी शासन स्थापित करने की पीएफआई विचारधारा को आगे बढ़ाने के लिए आपराधिक बल का उपयोग शामिल था, जैसा कि संगठन के विजन दस्तावेज, 'भारत 2047: भारत में इस्लाम के शासन की ओर, आंतरिक दस्तावेज: प्रचलन के लिए नहीं' में परिकल्पित है।

तटरक्षक बल का हेलीकॉप्टर क्रैश क्रू के तीन सदस्यों की मौत

पोरबंदर, 5 जनवरी (एजेंसियां)। गुजरात के पोरबंदर एयरपोर्ट पर बड़ा हादसा हुआ है। दरअसल वहां तटरक्षक बल का एक हेलीकॉप्टर क्रैश हो गया। इस हादसे में तीन लोगों की मौत हुई है। भारतीय तटरक्षक बल का हेलीकॉप्टर एएलएच (एडवांस्ड लाइट हेलीकॉप्टर) ध्रुव रुटीन उड़ान पर था, जिस दौरान वह हादसे का शिकार हो गया। हादसे में क्रू के सदस्यों समेत तीन लोगों की मौत हो गई। क्रू के सदस्यों को जली हुई हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया था, लेकिन इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

नियमित उड़ान पर था हेलीकॉप्टर

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, तटरक्षक बल का हेलीकॉप्टर पोरबंदर हेलीकॉप्टर पर रविवार दोपहर करीब 12 बजे हादसे का शिकार हुआ। हेलीकॉप्टर नियमित उड़ान पर था और हादसा हेलीकॉप्टर की लैंडिंग के वक्त हुआ। लैंडिंग के दौरान हेलीकॉप्टर में आग लग गई। हेलीकॉप्टर में दो पायलट समेत कुल तीन लोग थे। इस दुर्घटना में तीनों की मौत हो गई। गुजरात के पोरबंदर के एसपी भगीरथ सिंह जडेजा ने बताया कि पुलिस और तटरक्षक बल हादसे की वजह की जांच कर रहे हैं।

गौरतलब है कि बीते सितंबर में ही भारतीय तटरक्षक बल का ध्रुव हेलीकॉप्टर ही अरब सागर में हादसे का शिकार हुआ था। उस हादसे में क्रू के तीन सदस्य लापता हो गए थे। क्रू के एक सदस्य को बचा लिया गया था। इससे पहले मार्च में भी नौसेना के ध्रुव हेलीकॉप्टर की अरब सागर में आपात लैंडिंग करनी पड़ी थी।

ध्रुव हेलीकॉप्टर को हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड ने बनाया था। कई साल की परीक्षण उड़ानों के बाद साल 2002 में इसे भारतीय वायुसेना में शामिल किया गया था। इस हेलीकॉप्टर में दो पायलट समेत 12 लोग बैठ सकते हैं।

इस सैन्य और नागरिक दोनों उद्देश्यों के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है। ध्रुव हेलीकॉप्टर को एंटी टैंक गाइडेड मिसाइल्स से भी लैस किया जा सकता है। साथ ही इससे हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइलें भी दागी जा सकती हैं। ध्रुव हेलीकॉप्टर को इसकी कैटेगरी का बेहतरीन हेलीकॉप्टर माना जाता है।

2 भगोड़े पूर्व सैनिक 19 साल बाद गिरफ्तार

केरल में मां-जुड़वां बेटियों की हत्या करके भागे थे, पेटर्निटी टेस्ट नहीं करवाना चाहते थे

पुडुचेरी, 5 जनवरी (एजेंसियां)। 10 फरवरी 2006 को केरल के कोल्लम जिले में अंचल के पास येरम में एक अविवाहित महिला और उसकी 17 दिन की जुड़वां बेटियों की हत्या हुई थी। हत्या करने वाला अंचल का ही रहने वाला दिबिल कुमार बी था, जो 2006 में भारतीय सेना की 45 ए.डी. रेजिमेंट में था।

इस हत्या में उसकी रेजिमेंट के ही एक और साथी पी राजेश ने मदद की थी। हत्या के बाद दोनों आरोपी रेजिमेंट में वापस न जाकर भाग गए थे। मार्च 2006 में सेना ने उन्हें भगोड़ा घोषित कर दिया था।

हत्या के 19 साल बाद खबर मिली कि कुमार और राजेश पुडुचेरी में पहचान बदलकर रह रहे हैं। सर्चिंग के बाद 3 जनवरी को चेन्नई सीबीआई दोनों को गिरफ्तार करके कोच्चि ले आई। पुडुचेरी में रहते हुए दोनों ने शादी कर ली थी। एर्नाकुलम चीफ ज्यूडीशियल मजिस्ट्रेट कोर्ट ने दोनों आरोपियों को 18 जनवरी तक पुलिस कस्टडी में भेज दिया है।

हत्या की वजह था पेटर्निटी टेस्ट :

24 साल की रंजिनी अंचल में अपनी मां के साथ रहती थी। रंजिनी और दिबिल कुमार बी रिलेशनशिप में थे। 24 जनवरी 2006 को रंजिनी ने जुड़वां बेटियों को जन्म दिया। जिसके बाद कुमार, रंजिनी से दूरी बनाने लगा।

रंजिनी ने केरल राज्य महिला आयोग से कुमार की शिकायत की, जिसके बाद आयोग ने पेटर्निटी टेस्ट करवाने का आदेश दिया। इसी बात से नाराज कुमार ने रंजिनी और बेटियों की हत्या की साजिश की। सीबीआई के मुताबिक कुमार ने राजेश को रंजिनी के पास भेजा। राजेश ने रंजिनी के परिवार को भरोसा दिलाया कि वह दोनों की शादी करवाने में मदद करेगा। लेकिन उसने हत्या में कुमार का साथ दिया। हत्या वाले दिन रंजिनी की मां जुड़वां बच्चों का जन्म प्रमाण पत्र लेने पंचायत ऑफिस गईं थी। लौटने पर उसने घर में बेटी और नातिनों की लाशें देखीं। बाद में पुलिस को खबर दी।

पुडुचेरी में नाम बदलकर छिपे रहे, शादी भी की

केरल पुलिस ने दोनों आरोपियों की तलाश की, लेकिन उन्हें कामयाबी नहीं मिली। दोनों पर 2-2 लाख का ईनाम भी रखा गया। 2010 में केरल हाईकोर्ट ने केस सीबीआई को सौंप दिया, लेकिन एजेंसी भी उन्हें पकड़ने में नाकाम रही। अंचल से भागकर दोनों आरोपी पुडुचेरी पहुंचे। यहां उन्होंने अपना नाम-पहचान बदली। कुमार ने नया नाम विष्णु और राजेश ने प्रवीण रखा था। उन्होंने शादी की, संपत्ति भी खरीदी।

केरल पुलिस ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का इस्तेमाल किया। आरोपियों की पहचान का पता लगाया और सोशल मीडिया पर मौजूद तस्वीरों की तुलना की। एक तस्वीर में कुमार को एक शादी में शामिल होते हुए दिखा, जिसके बाद टीमें पुडुचेरी पहुंचीं और उन्हें अरेस्ट किया।

यूपी-बिहार में ठंड से 10 की मौत

दिल्ली में 160 फ्लाइट और 60 ट्रेनें लेट, अरुणाचल के तवांग में जमी झील में फंसे 4 टूरिस्ट

नई दिल्ली, 5 जनवरी (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश में बर्फबारी के कारण पूरे उत्तर भारत में ठंड का असर तेज हो रहा है। पिछले 24 घंटे में उत्तर प्रदेश में ठंड से 8 लोग और बिहार में 2 लोगों ने जान गंवाई।

अरुणाचल प्रदेश की सेला झील का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें 4 टूरिस्ट फंसे हुए नजर आ रहे हैं। ये सभी जमी हुई झील पर चलते समय उसमें फंस गए। हालांकि बाद में उनका रेस्क्यू कर लिया गया।

देश के 14 राज्यों में लगातार दूसरे दिन घना कोहरा देखने को मिल रहा है। विजिबिलिटी घटने के कारण दिल्ली में रविवार को 160 फ्लाइट लेट हुईं। 7 कैंसिल भी हुईं। वहीं, 60 से ज्यादा ट्रेनें भी निर्धारित समय पर नहीं पहुंचीं। दिल्ली में 3 दिनों में कुल 900 से ज्यादा फ्लाइट्स प्रभावित हुईं।

राजस्थान में ठंड से फिलहाल राहत है। यहां आज कुछ जिलों में रविवार को बारिश की संभावना है।

सीएम पूरी तरह हाईजैक हो चुके हैं : तेजस्वी

उनके कुछ बोलने से कोई फर्क नहीं पड़ता

मोतिहारी, 5 जनवरी (एजेंसियां)। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने रविवार को कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को हमने कोई ऑफर नहीं दिया है। वो क्या बोल रहे है, उससे कोई फर्क नहीं पड़ता है। तेजस्वी ने नीतीश कुमार के उस बयान पर भी प्रतिक्रिया दी हैं, जिसमें उन्होंने कहा था कि अब वह कभी इधर-उधर नहीं जाएंगे, एनडीए के साथ रहेंगे।

रविवार को कार्यकर्ता दर्शन कार्यक्रम के तहत मोतिहारी पहुंचे तेजस्वी यादव ने पत्रकारों से बातचीत में नीतीश कुमार, बीजेपी और प्रशांत किशोर पर जमकर निशाना साधा। तेजस्वी ने कहा कि नीतीश कुमार पूरी तरह हाईजैक हो चुके हैं। पटना और दिल्ली में बैठे 2-4 लोग अपने फायदे के लिए मुख्यमंत्री के साथ मिलकर सरकार चला रहे हैं। मुख्यमंत्री के कुछ बोलने और नहीं बोलने से कोई फर्क नहीं पड़ता।

तेजस्वी ने कहा कि सीएम की ये हालत है कि राजनीतिक बयान के लिए उन्हें प्रेस रिलीज का सहारा लेना पड़ रहा है। सीएम कोई भी निर्णय लेने के लायक नहीं रह गए हैं। वो खुद रिटायर्ड है और रिटायर्ड लोगों के साथ सरकार चला रहे है। हम लोगों ने सीएम को कोई ऑफर दिया ही नहीं है। नीतीश कुमार में अब फैसला लेने की क्षमता नहीं बची है।

नए साल में नई सरकार बनेगी :

तेजस्वी यादव ने आगे कहा कि नए साल में नई सरकार बनेगी, जहां बिहार की उन्नति और प्रगति की बात होगी। इसके साथ ही सरकार बनने पर 'माई बहन सम्मान योजना' के तहत महिलाओं को 2500 प्रति माह देने का वादा किया। तेजस्वी ने कहा कि हमारी प्राथमिकता कार्यकर्ताओं से सीधे संवाद कर क्षेत्र की समस्याओं को समझने और उन पर रोड मैप तैयार करने की है।

प्रशांत किशोर के धरने पर की टिप्पणी :

बीपीएससी अभ्यर्थियों के समर्थन में गांधी मैदान में आमरण अनशन पर बैठे प्रशांत किशोर पर भी तेजस्वी ने तीखा हमला बोला। उन्होंने धरने को 'शूटिंग' करार देते हुए कहा, यह सभी जानते हैं कि इस फिल्म का डायरेक्टर और प्रोड्यूसर कौन है। प्रशांत किशोर यहां केवल राजनीति के डैमेज कंट्रोल के लिए आए हैं।

नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि गर्दनीबाग में छात्रों को उकसाकर गांधी मैदान लाया गया, लेकिन जब स्थिति बिगड़ी तो वे मौके से फरार हो गए। अब अपनी छवि सुधारने के लिए धरना दे रहे हैं। तेजस्वी ने कहा कि छात्रों की समस्याओं से प्रशांत किशोर का कोई लेना-देना नहीं है। उनका मकसद केवल अपनी छवि बचाने और मीडिया में बने रहने का है।

सागर में बीजेपी के पूर्व एमएलए के घर पर आईटी का छापा

10 गाड़ियों में पहुंचा काफिला

सागर, 5 जनवरी (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के सागर जिले के बंडा से पूर्व विधायक और भाजपा जिला अध्यक्ष की रेस में शामिल हरवंश सिंह राठौर के मकान पर आज सुबह आठ बजे भोपाल से करीब 10 गाड़ियों से आयकर विभाग की टीम पहुंची। अधिकारियों ने सदर क्षेत्र में स्थित राठौर बंगले पर दबिश दी है। राठौर बंगले पर छापे की खबर मिलते ही आसपास के लोग मौके पर पहुंच गए हैं। टीम गेट बंद कर बंगले में सर्वे की कार्रवाई कर रही है। इसके अलावा आयकर विभाग की सर्वे टीम ने अंदर बाजार निवासी भाजपा के पूर्व पार्षद राजेश केशरवानी व राकेश छाबड़ा के घर भी सर्वे की कार्रवाई की है। गौरतलब है कि हरवंश सिंह राठौर बंडा विधानसभा क्षेत्र से भाजपा के विधायक रहे हैं। इसके अलावा वे एक बार जिला पंचायत अध्यक्ष भी रहे। हरवंश सिंह के पिता हरनाम सिंह राठौर उमा भारती के बहुत करीबी थे। वे जेल मंत्री रहे हैं।

वर्तमान में हरवंश सिंह राठौर सागर जिलाध्यक्ष के पद की दौड़ में सबसे आगे बताए जा रहे हैं। कार्रवाई के संबंध में कोई भी अधिकारी कुछ भी कहने को तैयार नहीं है। हरवंश और कुलदीप राठौर एमपी भाजपा के कद्दावर नेता और पूर्व मंत्री स्व. हरनाम सिंह राठौर के बेटे हैं। इस परिवार का बुंदेलखंड में काफी दबदबा माना जाता है।

हरनाम सिंह उमा भारती कैंप के माने जाते थे। बता दें एक समय ऐसा था जब जिले का भाजपा संगठन उनके बंगले से संचालित होता रहा है।

पूर्व विधायक और पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष रहे हरवंश सिंह राठौर उनके बड़े बेटे हैं। वहीं कुलदीप राठौर बड़े शराब करोबारी हैं।

सुप्रीम कोर्ट पहुंचा पीथमपुर यूनियन कार्बाईड का मामला, आज होगी सुनवाई

भोपाल, 5 जनवरी (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के पीथमपुरा में यूनियन कार्बाईड का कचरा जलाने का मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। इस मामले को लेकर सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दाखिल की गई है। याचिका में कचरे को भोपाल से पीथमपुरा ले जाने और वहां इसे जलाने पर रोक लगाने की मांग की गई है। याचिका में कहा गया है कि यूनियन कार्बाईड के कचरे को भोपाल से पीथमपुरा ले जाने का फैसला लेते समय पीथमपुरा के लोगों से सलाह नहीं ली गई। पीथमपुरा में रेडिएशन का खतरा हो सकता है। अगर वहां एसा होता है तो पीथमपुरा में उचित मेडिकल फेसिलिटी मौजूद नहीं है। वहीं अह इस याचिका पर सुप्रीम कोर्ट कल सुनवाई करेगा।

विरोध कर रहे हैं पीथमपुर के लोग

दरअसल, मध्य प्रदेश के पीथमपुर में यूनियन कार्बाइड फैक्ट्री के रासायनिक कचरे के निष्पादन को लेकर बवाल मचा हुआ है। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के अनुसार सरकार ने वहां कचरा पहुंचा दिया है और अब इसके निष्पादन की तैयारी चल रही है। इस बीच बड़ी संख्या में पीथमपुर के लोग इसका विरोध कर रहे हैं। लोगों का कहना है कि इस कचरे को किसी दूसरी जगह पर जलाया जाना चाहिए। वहीं मुख्यमंत्री मोहन यादव ने लोगों से अफवाहों पर यकीन न करने की अपील की है और कहा है कि सरकार जो कर रही है, वह सभी के हित में है। इस दौरान उन्होंने इशारों में कांग्रेस नेताओं पर निशाना भी साधा।

सीएम ने की अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील

सीएम मोहन यादव ने कहा था कि 40 साल पहले जिनके कार्यकाल में गैस त्रासदी हुई, वही गलतफहमी फैलाने से आज भी बाज नहीं आ रहे। अज्ञानता के आधार पर गलत बात फैलाई जा रही है, वोट की राजनीति के लिए कोई झूठी बात फैलाए तो मैं क्या कर सकता हूं। मैं इसकी निंदा करूंगा और इससे उन्हें बचाना चाहिए। अब इस मामले को लेकर सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की गई है, जिसपर सोमवार को सुनवाई होनी है।

हरियाणा में फिर आया भूकंप

12 दिनों में 3 बार महसूस किए गए झटके

सोनीपत, 5 जनवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के सोनीपत में एक बार फिर भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं पिछले 12 दिन के बीच सोनीपत में भूकंप के ये झटके तीसरी बार आए हैं। आज सुबह रविवार को सुबह 3 बजकर 57 मिनट पर भूकंप के झटके आए हैं। आज के भूकंप के कारण जमीन के अंदर तकरीबन 10 किलोमीटर तक हलचल महसूस की गई है। एनसीएस के मुताबिक, भूकंप के झटकों की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 3.0 रही। फिलहाल, किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। इसके पहले 25 और 26 दिसंबर को भी दो बार भूकंप के झटके महसूस किए जा चुके हैं। 25 दिसंबर 2024 को दोपहर 12 बजकर 28 मिनट पर 31 सेकेंड तक आया था। उस समय भूकंप केंद्र सोनीपत का कुंडल गांव रहा था। 26 अक्टूबर 2024 को 9 बजकर 42 मिनट पर 3 सेकंड का आया था, उस समय इसका केंद्र गांव प्रहलादपुर रहा था।

आज आए भूकंप का केंद्र सोनीपत रहा है। पिछले 12 दिनों के भीतर इतनी बार आए भूकंप के झटकों ने लोगों को डरा दिया है। इसके साथ ही उनके बीच फिर से भूकंप आने की चिंता बनी हुई है। ऐसी स्थिति में लोगों को काफी सतर्क रहने को कहा गया है। ताकि भूकंप आने की स्थिति में वो खुले वाले स्थानों में जाकर किसी भी तरह की अनहोनी से बच सकें। भू-वैज्ञानिकों ने हरियाणा में बार-बार आ रहे भूकंप के झटकों के पीछे की वजह टैक्टोनिक प्लेटों में संचरण को बताया है। इन प्लेटों के बीच हो रही लगातार गतिविधियां बताई है।

'पुष्पा' वाले स्टाइल से तस्करी, ओडिशा से छिपाकर भोपाल मंगाया गांजा, तीन अरेस्ट

भुवनेश्वर, 5 जनवरी (एजेंसियां)। फिल्म पुष्पा देखी होगी आपने। इस फिल्म में अभिनेता अल्लू अर्जुन एक तस्कर का रोल निभाते दिखते हैं। दूध के टैंकरों को मॉडिफाई करके लाल चंदन की तस्करी का एक सीन फिल्म में दिखाई देता है। ठीक इसी तर्ज पर मध्य प्रदेश के भोपाल में तस्करी की जा रही थी। हालांकि, तस्कर लाल चंदन नहीं, बल्कि गांजे की तस्करी कर रहे थे। पुलिस ने तीन तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि तस्करों ने ड्रम में गांजे को छिपाया था।तस्कर गांजे की डिलेवरी देने निकले ही थे कि पुलिस ने रास्ते में ही दबोच लिया। तस्करों के पास से 27 किलो गांजा बरामद किया है। गांजा तस्कर इतने शातिर हैं कि पुलिस को उनकी भनक ना लगे, इसलिए पहले अपनी बाइक को मॉडिफाई करवा लिया था। इसी बाइक पर पीछे बैठा साथी ड्रम को पकड़ता था। किसी को शक न हो इसके लिए घरेलू सामान के बीच गांजा रख कर ले जाते थे।

पुलिस ने तीन तस्करों को दबोचा

मुखबिर से मिली जानकारी पर पुलिस ने दो बाइकों के साथ नाबालिग सहित तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया। आरोपीयो के पास से 27 किलो गांजा बरामद किया है। एडिशनल डीसीपी शैलेंद्र सिंह चौहान ने बताया कि क्राइम ब्रांच पुलिस ने शाहपुरा क्षेत्र में घेराबंदी कर इन तस्करों को गिरफ्तार किया है। एक पार्किंग के शेड में यह तीनों तस्कर खड़े हुए थे। इनके पास नीले रंग के दो ड्रम थे, जिसमें तलाशी ली गई तो घरेलू सामान के साथ 27 किलो गांजा निकला।

ओडिशा से ट्रेन के रास्ते गांजा मंगाया

पूछताछ में आरोपियों ने अपना नाम तारा सिंह भाटिया और दीपक टाकिया बताया। तीसरा नाबालिग तस्कर भोपाल का ही रहने वाला है। गांजे की ये खेप ओडिशा से ट्रेन के रास्ते लाई गई है। गांजे की सप्लाई कहां होना थी, फिलहाल इसकी जानकारी जुटाई जा रही है। ड्रम रखने के लिए बाइक मॉडिफाई कराई गई थी। तीनों तस्करों ने ऐसा होलिया बनाया ताकि लोगों को लगे वह गृहस्थी का सामान ले जा रहे हैं। सभी का आपराधिक रिकार्ड भी खंगाला जा रहा है।

हल्की धूप दे रही कड़ाके की ठंड से राहत, फिर करवट ले सकता है मौसम

देहरादून, 5 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तराखंड में मौसम पल-पल बदल रहा है। सुबह और शाम को हल्का कोहरा छा रहा है, वहीं पाला भी हो रहा है। जिससे ठंड में इजाफा हुआ है। वहीं, दिन में हल्की धूप राहत भी दे रही है। वहीं, देहरादून में पिछले दो-तीन दिनों से धूप खिलने से लोगों को ठंड से राहत मिली हैं। वहीं तापमान में भी बढ़ोतरी दर्ज की गई है। मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक दो जनवरी को अधिकतम तापमान 22.1 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 9.5 डिग्री सेल्सियस था। दो दिनों के बाद यह तापमान बढ़कर 26.4 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया है। जबकि न्यूनतम तापमान 7.8 डिग्री सेल्सियस है। कल यानि छह और सात जनवरी को मौसम फिर से करवट ले सकता है। मौसम विभाग के मुताबिक इन दिनों में बारिश होने की संभावना है। मौसम के बार-बार करवट बदलने से राजधानी का एक्यूआई भी प्रभावित हो रहा है।

प्रियंका गांधी पर दिए विवादित बयान पर कायम हैं रमेश बिधूड़ी

बोले- 'कांग्रेस को ऐतराज है तो पहले वह लालू यादव से कहे कि वह हेमा मालिनी से माफी मांगें'

नई दिल्ली, 5 जनवरी (एजेंसियां)। रमेश बिधूड़ी ने कालकाजी विधानसभा क्षेत्र में चुनाव प्रचार के दौरान कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी को लेकर बेहद शर्मनाक बयान दिया। लेकिन विरोध के बावजूद वह अपने बयान पर कायम नजर आ रहे हैं। रमेश बिधूड़ी ने कहा कि अगर कांग्रेस को मेरे बयान से आपत्ति है तो पहले वह लालू यादव से कहे कि वह हेमा मालिनी से माफी मांगें। रमेश बिधूड़ी ने कहा, मैंने कोई विवादित बयान नहीं दिया है। कांग्रेस को बयान पर ऐतराज है तो पहले लालू यादव से कहे कि वह हेमा मालिनी से माफी मांगें। क्योंकि उन्होंने भी इस तरह का बयान दिया था। रमेश बिधूड़ी ने कालकाजी के लोगों को संबोधित करते हुए कहा था कि जिस तरह संगम विहार और ओखला की सड़कें

बना दीं वैसे ही यहां की सड़कें प्रियंका गांधी के गाल की तरह बना देंगे।

पहले भी विवादों से घिरे रहे हैं रमेश बिधूड़ी

ऐसा पहली बार नहीं है जब रमेश बिधूड़ी ने विवादित बयान दिया है। उन्होंने 2023 में लोकसभा में तत्कालीन सांसद दिनेश अली को लेकर अपशब्दों का इस्तेमाल किया था। इसके पहले 2023 में ही मुसलमानों को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी तो 2017 में यूपी में विवादित बयान दे डाला था। रमेश बिधूड़ी के बयान पर काफी हंगामा हुआ था। दानिश अली को लेकर दिए गए बयान पर विपक्ष ने बीजेपी को घेरा था। दो बार सांसद रहे रमेश बिधूड़ी को बीजेपी ने 2024 लोकसभा चुनाव में टिकट नहीं दिया था। माना जा रहा था कि उनके बयानों के कारण ही बीजेपी ने उन्हें टिकट नहीं दिया लेकिन 4 जनवरी को बीजेपी ने जब दिल्ली विधानसभा चुनाव के प्रत्याशियों की पहली सूची जारी की तो उन्हें कालकाजी से प्रत्याशी बनाया और वह सीएम आतिशी के खिलाफ मैदान में हैं। हालांकि अपने बयान के कारण उन्होंने बीजेपी के लिए असहज स्थिति पैदा कर दी है।

बीड सरपंच हत्या मामला

संजय राउत ने फडणवीस सरकार को घेरा, घटना की तुलना छत्तीसगढ़ में पत्रकार की मौत से की

मुंबई, 5 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के पत्रकार मुकेश चंद्रकार की हत्या पर शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने प्रतिक्रिया दी। मुंबई में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए उन्होंने पत्रकार की हत्या की तुलना बीड में सरपंच की हत्या से की। उन्होंने इस मामले में फडणवीस सरकार (महाराष्ट्र सरकार) को घेरा। शिवसेना (यूबीटी) नेता ने बताया कि जो छत्तीसगढ़ में हुआ वही महाराष्ट्र में भी हो रहा है। संजय राउत ने आगे कहा कि महाराष्ट्र के बीड में सरपंच की हत्या कर दी गई, क्योंकि वह भ्रष्ट्रचार के खिलाफ आवाज उठा रहा था। प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने कहा, छत्तीसगढ़ में एक पत्रकार मुकेश चंद्राकर की हत्या कर दी गई। उस पत्रकार ने वहां जारी भ्रष्टाचार को उजागर किया। यही चीज महाराष्ट्र में भी हो रहा है। बीड के सरपंच संतोष देशमुख की हत्या कर दी गई, क्योंकि वह भ्रष्ट्रचार के खिलाफ आवाज उठा रहा था। इसी तरह झारखंड में रुपेश कुमार सिंह नाम के एक पत्रकार को जेल में डाल दिया गया है। ऐसा पूरे देश में हो रहा है। यह लोकतंत्र नहीं है। महाराष्ट्र में बीड के मासाजोग के सरपंच संतोष देशमुख को 9 दिसंबर को अपहरण कर प्रताड़ित किया गया और फिर उनकी हत्या कर दी गई, क्योंकि वे बीड जिले में एक पवनचक्की परियोजना का संचालन करने वाली एक ऊर्जा कंपनी पर जबरन वसूली की कोशिश को रोकने की कोशिश कर रहे थे। मामले में महाराष्ट्र के मंत्री और एनसीपी नेता धनंजय मुंडे के करीबी सहयोगी वाल्मिक कराड को हत्या के सिलसिले में जबरन वसूली के मामले में गिरफ्तार किया गया है। सड़क निर्माण में 120 करोड़ रुपये का भ्रष्टाचार उजागर करने वाले छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले के युवा पत्रकार मुकेश चंद्राकर की नृशंस हत्या कर दी गई। चंद्राकर एक जनवरी की शाम सात बजे से लापता थे। उनकी लाश आरोपी ठेकेदार और उसके रिश्तेदार सुरेश चंद्राकर के बाडे. में बने सेप्टिक टैंक से बरामद हुई थी।

इंदौर में 'लेडी डॉन' गिरफ्तार, हाई-प्रोफाइल पार्टियों में करती थी डांस; लाखों का ड्रग्स बरामद

इंदौर, 5 जनवरी (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के इंदौर में अपराध शाखा ने ड्रग्स स्पलाई करने वाली एक लेडी डॉन और जेल प्रहरी को गिरफ्तार किया है। आरोपित दीपक यादव और 20 साल की श्रुति निषाद ने बड़े पैमाने पर नशीला पदार्थों की सप्लाई की थी। पुलिस ने 20.30 ग्राम ब्राउन शुगर और 10.22 ग्राम एमडी ड्रग्स बरामद की है। जिस पर पुलिस लिखा हुआ है। एडिशनल डीसीपी (अपराध) राजेश दंडोतिया के मुताबिक आरोपित दीपक यादव निवासी मॉडल विलेज कालोनी और 20 साल की श्रुति निषाद निवासी भगतसिंह नगर (बाणगंगा) है।

डांस के बहाने ड्रग्स की पुड़िया बेचती थी युवती

पब, होटल, रेस्टोरेंट और हाई प्रोफाइल पार्टियों में युवती डांस के बहाने ड्रग्स की पुड़िया बेचती थी। अपराध शाखा ने जेल प्रहरी और डांसर युवती को गिरफ्तार किया है। दोनों की जोड़ी बड़े पैमाने पर नशीला पदार्थों की सप्लाई कर रही थी। पब, होटल, रेस्टोरेंट और हाई प्रोफाइल पार्टियों में युवती डांस के बहाने ड्रग्स की पुड़िया बेचती थी। पुलिस ने 20.30 ग्राम ब्राउन शुगर और 1-.22 ग्राम एमडी ड्रग्स बरामद की है। एक कार भी जब्त हुई है, जिस पर पुलिस लिखा हुआ है। एडिशनल डीसीपी (अपराध) राजेश दंडोतिया के मुताबिक आरोपित दीपक यावद निवासी मॉडल विलेज कालोनी और 20 साल की श्रुति निषाद निवासी भगतसिंह नगर (बाणगंगा) है। शुक्रवार रात एमआर-04 (लक्ष्मीबाई रेलवे स्टेशन के पास) डिलीवरी के लिए पहुंचे थे। पुलिस की तरफ से घेराबंदी करने पर कार (एमपी 09 सीयू 8756) लेकर भागे लेकिन जवानों ने एक इंजीनियरिंग कंपनी के पास रोक लिया। तलाशी में 20.30 ग्राम ब्राउन शुगर और 10.22 ग्राम एमडी ड्रग्स बरामद हुई। आरोपितों ने गुमराह करने की कोशिश की और बताया खुद ही नशा करते है। सख्ती से पूछने पर आरोपियों ने स्पलाई करने की बात स्वीकारी और बताया कि सस्ते दामों पर राजस्थान के ड्रग्स माफिया से एमडी खरीदी कर शहर के विभिन्न क्षेत्रों में सप्लाई करते थे। पुलिस ने आरोपित दीपक की कार और आईडी कार्ड जब्त किए हैं। पैडलर और सप्लाई करने वालों की तलाश की जा रही है। इंदौर नारकोटिक्स विंग ने मादक पदार्थों के साथ पैडलर को गिरफ्तार किया है। आरोपित से एलएसडी और एमडी ड्रग्स मिली है। पुलिस के मुताबिक आरोपित शिवम आनंद बिस्ट है। आरोपित को राऊ क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया है। आरोपित टोकन बना कर ड्रग्स बेचता था। शिवम पर केस दर्ज हुआ है।

देहरादून में गरजा बुलडोजर, एक साथ 24 दुकानों को किया धराशायी

देहरादून, 5 जनवरी (एजेंसियां)। मसूरी देहरादून विकास प्राधिकरण (एमडीडीए) ने अवैध निर्माण पर कड़ा रुख अपनाया है। प्राधिकरण के उपाध्यक्ष बंशीधर तिवारी के आदेश पर ऋषिकेश में 24 अवैध दुकानों पर एक साथ जेसीबी चला दी गई। इस कार्रवाई से अवैध निर्माण करने वाले लोगों में खलबली की स्थिति रही। क्योंकि सामान्य रूप में एमडीडीए अवैध निर्माण को पहले सील करता है, लेकिन इस बार सीधे ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की गई। ऋषिकेश में भारत मंदिर इंटर कालेज के पास अवैध रूप से 24 दुकानों का निर्माण किया गया था। जिस मार्ग पर दुकानों का निर्माण किया गया, उसकी चौड़ाई महज 15 फीट है। इसमें कमर्शियल रूप में निर्माण किए जाने को एमडीडीए उपाध्यक्ष ने गंभीरता से लिया। ट्रैकरों के लिए उत्तराखंड में खास सौगात, केदारकांठा के बर्फ से ढके पहाड़ और बांसुरी वाले बाबा देते हैं अनूठा एहसास अवैध रूप से खड़ी की गई दुकानों को लेकर स्थानीय नागरिकों में भी आक्रोश देखने को मिल रहा था।

मिजोरम-म्यांमार सीमा पर आवाजाही नियंत्रित करने की तैयारी, बॉर्डर पास समेत अहम दिशा-निर्देश जारी

आइजोल, 5 जनवरी (एजेंसियां)। मणिपुर में जारी हिंसा के बीच केंद्र सरकार ने मिजोरम-म्यांमार सीमा पर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है। मिजोरम की म्यांमार से 510 किलोमीटर लंबी सीमा लगती है और यहां लोगों की आवाजाही को नियंत्रित करने के लिए केंद्र सरकार ने कुछ अहम दिशा-निर्देश जारी किए हैं। इन दिशा-निर्देशों के तहत बिना बाड़ वाली अंतरराष्ट्रीय सीमा के दोनों ओर 10 किलोमीटर के दायरे में रहने वाले लोगों की आवाजाही की छूट दी गई है, लेकिन इनकी आवाजाही को नियंत्रित करने और अवैध घुसपैठ को रोकने के लिए बॉर्डर पास अनिवार्य कर दिया गया है। एक अधिकारी ने बताया कि म्यांमार और भारत के नागरिकों को एक दूसरे के देश जाने के लिए सात दिनों का वैध बॉर्डर पास जारी किया जाएगा। हालांकि इस पास को पाने के लिए आवेदनकर्ता को यह सत्यापित करना होगा कि वे सीमा के दोनों तरफ 10 किलोमीटर के दायरे में रहते हैं।

चालान के लिए रोका तो ड्राइवर ने पुलिसकर्मी से ही कर दी मारपीट, सीसीटीवी फुटेज आया सामने

पुणे, 5 जनवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के पुणे से सटे आलंदी इलाके से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने वाले गाड़ी का चालान करने के दौरान गाड़ी के मालिक ने पुलिस अधिकारी के साथ मारपीट कर दी। पूरी वारदात वहीं पर पास में लगे एक सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। हालांकि पुलिस को जब इसकी सूचना मिली तो आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। उसके खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। वहीं पुलिस अग्रिम कार्रवाई कर रही है। वीडियो में पूरी घटना को देखा जा सकता है। मिली जानकारी के मुताबिक विजय नामदेव जरे (33) नामक व्यक्ति मिनी टेंपो से जा रहा था। इस दौरान उसने ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन किया। इसे देखते हुए वहां पर अपनी ड्यूटी पर तैनात असिस्टेंट पुलिस सब इंस्पेक्टर अंकुश वाडेकर ने उसकी गाड़ी को रोकने की कोशिश की। हालांकि रोके जाने के बाद भी उक्त व्यक्ति ने अपना वाहन नहीं रोका और आगे बढ़ाता रहा।

जैसे नौकरी जाने से लोग नाराज वैसे ही मैं भी नाराज हूं

मंत्री पद न मिलने पर फिर छलका छगन भुजबल का दर्द

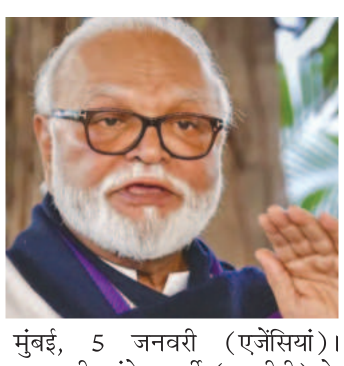

मुंबई, 5 जनवरी (एजेंसियां)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के नेता छगन भुजबल को लेकर ऐसा कहा जा रहा था कि वे मंत्री पद न मिलने से नाराज हैं। इस पर अब खुद भुजबल ने पुष्टी की है। भुजबल ने खुलकर कैमरे पर माना कि मंत्रिपद न मिलने से वो अजीत पवार और पार्टी से नाराज हैं। महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के दिग्गज नेता छगन भुजबल ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि, जैसे नौकरी जाने से लोग नाराज होते हैं, ठीक उसी तरह मैं भी नाराज हूं। साथ ही उन्होंने महाराष्ट्र सरकार के मंत्री धनंजय मुंडे की जगह खुद को मंत्री बनाये जाने के सवाल पर कहा कि वे किसी अन्य की जगह नहीं आना चाहते हैं।

क्यों उठी मंत्रिमंडल में शामिल करने की बात

कांग्रेस के विजय वडेट्टीवार और एनसीपी (शरद चंद्र पवार) के जितेंद्र आव्हाड ने दावा किया था कि धनंजय मुंडे को हटाकर छगन भुजबल को शामिल किया जाएगा। धनंजय मुंडे अपने सहयोगी वाल्मीक कराड की मसाजोग सरपंच संतोष देशमुख की हत्या से संबंधित जबरन वसूली के मामले में कथित संलिप्तता को लेकर विरोध का सामना करना पड़ रहा है। यही कारण है कि इस बात की अटकलों ने जोर पकड़ लिया था। हालांकि भुजबल ने साफ कर दिया कि वे किसी दूसरे की जगह पर शामिल नहीं होंगे।

मुलाकात के क्या हैं मायने?

एनसीपी नेता छगन भुजबल की नाराजगी सामने आने के बाद उनकी मुलाकात सीएम देवेंद्र फडणवीस से हुई थी। इस मुलाकात के कई मायने निकाले जा रहे हैं। राजनीतिक पंडितों की मानें तो भुजबल कोई अपनी अलग ही रणनीति बना रहे होंगे। बता दें कि इस समय डिप्टी सीएम और एनसीपी प्रमुख अजित पवार विदेश दौरे पर हैं। ऐसे में देखना होगा कि पवार की वापसी के बाद भुजबल की नाराजगी को कैसे दूर किया जाएगा।

क्या पाला बदलेंगे भुजबल?

छगन भुजबल के बयानों से तो लग रहा है कि उनके तेवर अभी नर्म नहीं पड़े हैं। उन्होंने पिछले दिनों कहा था कि 'जहां नहीं चैना वहां नहीं रहना'। हालांकि इसको लेकर न उनकी तरफ से किसी तरह का बयान सामने नहीं आया है।

संदीप दीक्षित ने कहा 10 सालों में क्या काम किया केजरीवाल और मोदी ने, दोनों एक जैसे हैं

नई दिल्ली, 5 जनवरी (एजेंसियां)। पीएम नरेंद्र मोदी द्वारा दिल्ली में कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन करने पर, नई दिल्ली विधानसभा से कांग्रेस उम्मीदवार संदीप दीक्षित ने आम आदमी पार्टी और कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि चुनाव नजदीक होने की वजह से आम आदमी पार्टी और बीजेपी की तरफ से विकास परियोजनाओं का उद्घाटन किया जा रहा है। दिल्ली के लोगों को ये सारी बातें पता हैं। दोनों पार्टियों के लोग इसी एक बात को लेकर एक दूसरे पर चुनाव के पहले की विकास परियोजनाओं को लेकर भी सवाल उठाते रहते हैं। लेकिन हैरान करने वाली बात है कि दोनों में से कोई भी इस बात का जवाब नहीं दे पा रहा है कि ये सभी विकास परियोजनाएं पिछले 10 सालों में क्यों शुरू नहीं हुईं? एमसीसी लागू होने के कुछ दिन पहले ही ऐसा क्यों किया जा रहा है? सबकुछ चुनाव के कुछ समय पहले ही क्यों ऐसा किया जाता है। सालों से विकास को नजरअंदाज करने वालों को चुनाव के पहले ही विकास की बातें याद आती हैं।

मेरे पास बांटने के लिए पैसे नहीं हैं

नई दिल्ली में किसी भी पार्टी का कैंडिडेट आए हमें कोई दिक्कत नहीं है। यहां पर तो कुछ पार्टियां पैसे भी बांट रही हैं, लेकिन हम तो इन्हें बार-बार विकास के नाम पर चुनाव लड़ने को कहते हैं। उन्होंने कहा कि मेरे पास न तो एनजीओ है और न ही पैसा है कि मैं किसी को भी बाटूं। मैं तो काम के दम पर चुनाव लड़ूंगा। शीला जी का दिल्ली की मुख्यमंत्री रहते हुए किया गया काम, साथ मौजूदा समय में हमारी तरफ से उठाए गए कदम पर मैं चुनाव लड़ूंगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी बीजेपी और आम आदमी पार्टी की नाकामियों पर चुनाव लड़ेगी। दिल्ली ने एमसीडी को क्यों बर्बाद कर दिया? डीडीए ने पिछले 10 सालों में क्या काम किया है? नई दिल्ली में एनडीएमसी है, उसने 10 साल में ऐसा क्या काम किया है? केजरीवाल जी ने तो कुछ किया ही नहीं तो जाहिर तौर पर उनसे बहुत से सवाल पूछे जाएंगे। केजरीवाल जी गलती से कभी कभी अपना रूप बाहर दिखा देते हैं। जहां काम किया वहां से तो भाग आए दूसरी जगह चुनाव लड़ने के लिए।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

सोमवार, 6 जनवरी, 2025 3

सु वि चा र

बेस्ट सुविचार स्टेटस इन हिंदी
जीवन उसी का मस्त है
जो स्वंय के कार्य में व्यस्त है,
परेशान वही है जो
दुसरों की खुशीयों से
त्रस्त है!

युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता : सीएम रेवंत

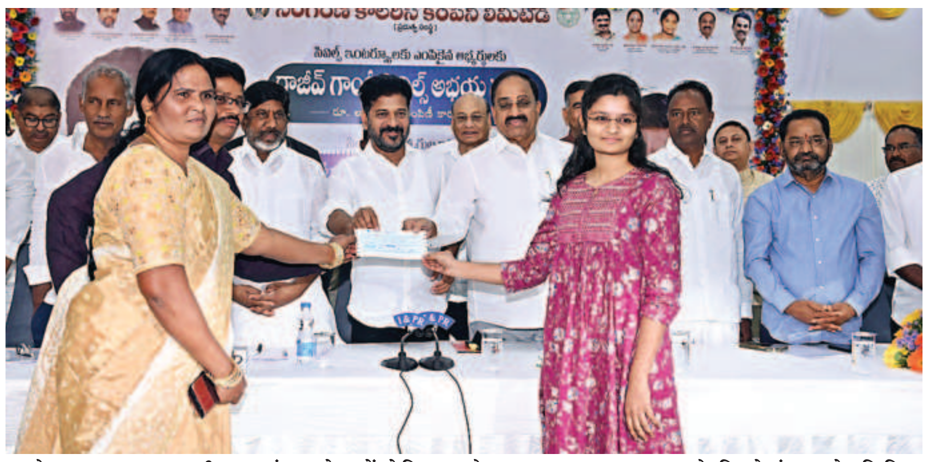

हैदराबाद, 5 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने इस बात पर जोर दिया कि राज्य सरकार ने तेलंगाना के युवाओं के विकास को अपनी प्राथमिकताओं में सबसे आगे रखा है। रविवार को प्रजा भवन में मुख्यमंत्री ने राजीव गांधी सिविल्स अभयहस्तम योजना के तहत सिविल सेवा में शामिल होने के इच्छुक व्यक्तियों को चेक वितरित किए।

अपने भाषण के दौरान रेवंत रेड्डी ने इस बात पर प्रकाश डाला कि राज्य सरकार नौकरी कैलेंडर के अनुसार सभी रिक्त पदों को भरने के लिए सक्रिय रूप से उपायों को लागू कर रही है, साथ ही सिविल सेवाओं की तैयारी करने वाले उम्मीदवारों को व्यापक सहायता भी प्रदान कर रही है। उन्होंने कहा, कांग्रेस सरकार ने अपने प्रशासन के पहले वर्ष के भीतर विभिन्न विभागों में 55,143 पदों को सफलतापूर्वक भरा है। स्पष्ट रूप से कहें तो इतनी बड़ी संख्या में रिक्तियों को तेजी से भरने के मामले में यह उपलब्धि देश में बेमिसाल है।

अपने विकास पहलों के माध्यम से, तेलंगाना राज्य राष्ट्र के लिए एक मॉडल के रूप में उभरा है। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि पिछले 14 वर्षों से तेलंगाना में ग्रुप-1 की परीक्षाएं नहीं हुई थीं। हालांकि, लोगों की सरकार ने विभिन्न चुनौतियों और विपक्षी पार्टी की साजिशों को पार करते हुए सफलतापूर्वक इस प्रक्रिया को शुरू किया। रेवंत रेड्डी ने कहा, 563 पदों को भरने के लिए ग्रुप-1 परीक्षाओं की भर्ती प्रक्रिया 3 मार्च तक पूरी हो जाएगी। उन्होंने जोर देकर कहा कि सरकार का प्राथमिक लक्ष्य तेलंगाना से सिविल सेवा परीक्षाओं के लिए चुने गए उम्मीदवारों की संख्या बढ़ाना है।

इस प्रयास का समर्थन करने के लिए, राज्य सरकार 15 लाख रुपये की वित्तीय सहायता दे रही है। राजीव सिविल्स अभयहस्तम के माध्यम से 1 लाख रुपये की राशि का वितरण किया गया, जिसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि तेलंगाना के सिविल सेवा के इच्छुक उम्मीदवार महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त करें। उम्मीदवारों को इस वित्तीय सहायता को सरकार की ओर से प्रोत्साहन के रूप में देखना चाहिए। सफलता केवल उन्हीं को मिलती है जो खुद को समर्पित करते हैं और लगन से काम करते हैं।

मुझे उम्मीद है कि सभी साक्षात्कार में भाग लेंगे और सिविल सेवा परीक्षा में चयन सुनिश्चित करेंगे। तेलंगाना राज्य के कुल 20 उम्मीदवार, जिन्होंने सिविल मुख्य परीक्षा उत्तीर्ण की, प्रत्येक को 1 लाख रुपये का चेक मिला। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क, मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव, सरकारी सलाहकार वेम नरेंद्र रेड्डी और हरकारा वेणुगोपाल, विधायक, मुख्य सचिव शांति कुमारी, सिंगरेनी के सीएमडी बलराम और अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

5.9 डिग्री सेल्सियस पर पहुंचा अर्ली (टी) का तापमान

आदिलाबाद, 5 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। आदिलाबाद और कुमराम भीम आसिफाबाद जिलों के कई हिस्से रविवार को कड़ाके की ठंड की चपेट में रहे, जिससे कई लोग घरों के अंदर ही रहने को मजबूर हो गए। तेलंगाना प्लानिंग डेवलपमेंट सोसाइटी के अनुसार, आदिलाबाद जिले के भीमपुर मंडल के अर्ली (टी) गांव में तेलंगाना में सबसे कम न्यूनतम तापमान 5.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। बेला और मावला मंडल मुख्यालय और बेला मंडल केंद्र में न्यूनतम तापमान क्रमशः 6.3 डिग्री सेल्सियस और 7.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। आदिलाबाद ग्रामीण, नेराडिगोंडा, आदिलाबाद शहरी, तलमाडु, तमसी, तलमाडुगु, मंडलों में न्यूनतम तापमान 11 डिग्री सेल्सियस से नीचे रहा। इस बीच, कुमराम भीम आसिफाबाद जिले के सिरपुर (यू) मंडल केंद्र में न्यूनतम तापमान 6.1 डिग्री सेल्सियस रहा। तिरयानी मंडल के गिन्नधारी गांव में न्यूनतम तापमान 7.1 डिग्री सेल्सियस रहा, जबकि केरमेरी मंडल में न्यूनतम तापमान 8.3 डिग्री सेल्सियस रहा। जैनूर, आसिफाबाद, सिरपुर (टी), बेज्जुर और वानकीडी मंडलों में कहीं-कहीं 9 डिग्री सेल्सियस और कहीं-कहीं 11 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया।

पीएम आज चेर्लापल्ली न्यू टर्मिनल स्टेशन का उद्घाटन करेंगे

हैदराबाद, 5 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 6 जनवरी को रिमोट वीडियो लिंक के माध्यम से चेर्लापल्ली न्यू टर्मिनल स्टेशन का उद्घाटन करेंगे। साथ ही, चेर्लापल्ली रेलवे स्टेशन के दूसरे प्रवेश द्वार पर 10.15 बजे एक समारोह आयोजित किया जाएगा।

दमरे के अनुसार राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा, मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी, केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी, वी. केंद्रीय रेल राज्य मंत्री, जल शक्ति, सोमन्ना, बंडी संजय कुमार, केंद्रीय गृह राज्य मंत्री, सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री डी. श्रीधर बाबू इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार, उद्योग एवं वाणिज्य और विधायी मामले, सांसद ईटेला राजेंदर और अन्य जन प्रतिनिधि और अरुण कुमार जैन, महाप्रबंधक, एससीआर व अन्य वरिष्ठ रेलवे अधिकारी भी उपस्थित रहेंगे।

हैदराबाद आधुनिक प्रौद्योगिकी केंद्र के रूप में उभरा : मंत्री श्रीधर बाबू

हैदराबाद, 5 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। आईटी और उद्योग मंत्री दुदिल्ला श्रीधर बाबू ने कहा कि हैदराबाद तेजी से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और उन्नत प्रौद्योगिकियों के लिए एक वैश्विक केंद्र के रूप में विकसित हो रहा है। रविवार को एचआईटीईसी सिटी में अभिनव तकनीक कंपनी डेटा इकोनॉमी के लिए एक नए वर्कस्टेशन के उद्घाटन पर बोलते हुए, मंत्री ने अपने प्रतिभाशाली मानव संसाधनों और विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचे की बदौलत वैश्विक उद्यमों के बीच हैदराबाद की बढ़ती अपील पर जोर दिया। मंत्री श्रीधर बाबू ने क्वांटम कंप्यूटिंग, डिजिटल ट्विन्स और डेटा ट्रांसफर समाधान जैसे अत्याधुनिक क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति के लिए डेटा इकोनॉमी की सराहना की। उन्होंने कंपनी के विकास और विस्तार को सुविधाजनक बनाने में सरकार के पूर्ण समर्थन का आश्वासन दिया। प्रतिभा को बढ़ावा देने के लिए राज्य की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डालते हुए, मंत्री ने हाल ही में लॉन्च किए गए यंग इंडिया स्किल्स यूनिवर्सिटी का उल्लेख किया, जिसका उद्देश्य उद्योग को कुशल पेशेवरों से लैस करना है। मंत्री ने सॉफ्टवेयर कंपनियों से अपने परिचालन को टियर-2 और टियर-3 शहरों तक विस्तारित करने का आग्रह किया, संतुलित क्षेत्रीय विकास की क्षमता पर जोर दिया। उन्होंने आशा व्यक्त की कि हैदराबाद में स्टार्टअप, एआई सेंटर, क्वांटम कंप्यूटिंग हब और डेटा सेंटर का बढ़ता हुआ पारिस्थितिकी तंत्र युवाओं के लिए महत्वपूर्ण रोजगार के अवसर पैदा करेगा। प्रस्तावित एआई सिटी के विकास में डेटा इकोनॉमी को महत्वपूर्ण भूमिका निभाने का आह्वान करते हुए, मंत्री ने अगले साल के अंत तक हैदराबाद में अतिरिक्त 500 कर्मचारियों को नियुक्त करने की कंपनी की योजना की सराहना की। उद्घाटन समारोह में कंपनी के प्रतिनिधि रवि कोपुरी, जवाहर और रोशन कुमार सहित अन्य लोग शामिल हुए।

बुनकर ने तिरुमाला वेंकटेश्वर स्वामी को माचिस की डिब्बी में भेंट की साड़ी

राजन्ना-सिरसिल्ला, 5 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सिरसिल्ला के एक बुनकर नल्ला विजय ने एक ऐसी साड़ी बुनी है जो माचिस की डिब्बी में समा सकती है और शनिवार को इसे तिरुमाला के भगवान श्री वेंकटेश्वर स्वामी को भेंट किया। नवीन कपड़ा बुनने के लिए प्रसिद्ध विजय ने भगवान वेंकटेश्वर स्वामी के लिए हथकरघे पर एक विशेष साड़ी बनाई। साड़ी पेश करने के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि 5 मीटर लंबी और 48 इंच चौड़ी साड़ी को बुनने में 15 दिन लगे। हर साल, विजय वेमुलावाड़ा की देवी श्री राजराजेश्वरी देवी और तिरुमाला के वेंकटेश्वर स्वामी को रेशमी कपड़े भेंट करते हैं। हाल ही में उन्होंने 200 ग्राम सोने का उपयोग करके रेशमी बॉर्डर वाली एक सुनहरी साड़ी बुनी, जिस पर कथित तौर पर 20 लाख रुपये खर्च हुए।

वन अधिकारियों पर हमला किये जाने से तनाव

आदिलाबाद, 5 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। रविवार को इकोडा मंडल के केशवपटनम गांव में लकड़ी जब्त करने गए वन अधिकारियों पर ग्रामीणों द्वारा कथित तौर पर हमला किए जाने तथा वाहन में तोड़फोड़ किए जाने के बाद कुछ देर के लिए हल्का तनाव व्याप्त हो गया। पता चला है कि घेराबंदी और तलाशी अभियान के दौरान गांव के कई लोगों से सागौन की लकड़ी जब्त करने पर अधिकारियों के खिलाफ विद्रोह कर दिया। उनमें से कुछ ने वन अधिकारियों पर हमला किया और विभाग के एक वाहन को नुकसान पहुंचाया। वन अधिकारी जादव नैशिलाल को मामूली चोटें आईं।

वन अधिकारियों के खिलाफ ग्रामीणों के विद्रोह की सूचना मिलने पर इकोड़ा और आसपास के थानों की पुलिस मौके पर पहुंची और उग्र ग्रामीणों को शांत कराकर स्थिति को नियंत्रण में किया। बताया जा रहा है कि घटना के बाद गांव में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था कर दी गई है।

जॉगर्स ने गांधारी वनम में प्रवेश शुल्क पर जताई नाराजगी

मंचेरियल, 5 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सुबह की सैर करने वालों ने वन विभाग द्वारा आने वाले दिनों में राष्ट्रीय राजमार्ग 363 से सटे मंडमरी मंडल के बोक्कलगुट्टा गांव के बाहरी इलाके में स्थित शहरी पार्क गांधारी वनम में प्रवेश के लिए शुल्क वसूलने के निर्णय पर नाराजगी व्यक्त की है। 2015 में 137 हेक्टेयर वन भूमि पर निर्मित, गांधारी वनम न केवल एक शहरी वन पार्क है, बल्कि यह न केवल मंचेरियल शहर, बल्कि क्यथानपल्ली, कोटेश्वरपल्ली, कुरमापल्ली, थिम्मापुर और बोक्कलगुट्टा के सुबह के जॉगर्स, फिटनेस फ्रीक और प्रकृति प्रेमियों के लिए एक स्वर्ग है। इसमें जॉगिंग के लिए 3 किलोमीटर का वॉकिंग ट्रैक है। यह एक योग शेड से सुसज्जित है।

सुबह की सैर करने वाले और पुलिस की नौकरी के इच्छुक लोग पार्क का इस्तेमाल शुरू से ही मुफ्त में करते आ रहे हैं। वन अधिकारियों ने कहा कि पार्क के रख-रखाव, कूड़ा उठाने और अन्य खर्चों को पूरा करने के लिए हर महीने जॉगर से 500 रुपये की एंट्री जल्द ही शुरू की जाएगी। हालांकि, सुबह की सैर करने वाले लोग इस कदम से हैरान हैं कि पार्क में जॉगिंग और टहलने के लिए मासिक शुल्क लिया जाए।

क्याथनपल्ली नगरपालिका के वार्ड नंबर 10 के पार्षद और जॉगिंग के शौकीन पनासा राजू ने बताया कि उन्होंने इस मामले को चेन्नूर के विधायक डॉ. विवेक के संज्ञान में लाया है, जिन्होंने वन विभाग के अधिकारियों से बात करके शुल्क रद्द करने के लिए कदम उठाने का आश्वासन दिया है।

उन्होंने तर्क दिया कि कमजोर आर्थिक पृष्ठभूमि के कारण सुबह जॉगिंग करने वाले लोग शुल्क का भुगतान नहीं कर सकते।

राजू ने कहा कि उन्होंने नगर निगम आयुक्त को ज्ञापन सौंपकर शुल्क रद्द करने और पार्क में ओपन-एयर जिम और पीने के पानी की सुविधा बनाने की मांग की है। उन्होंने कहा कि अगर ये दोनों सुविधाएं बनाई जाती हैं तो पार्क में मौजूदा सुविधाओं के मुकाबले ज़्यादा पर्यटक आएंगे। जॉगर्स लंबे समय से जिम और पानी की सुविधा की मांग कर रहे हैं।

3.5 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से स्थापित यह पार्क जैव विविधता को दर्शाता है। यह वन पौधों की कई प्रजातियों, पक्षियों, तितलियों, जंगली सूअरों और बंदरों की एक चौंका देने वाली श्रृंखला का घर है। इसमें 11,000 पूरी तरह से विकसित पेड़ प्रजातियां हैं जैसे नीम, पाला (ऑक्सीस्टेल्मा एस्कुलेंटम), सागौन टेक्टोना ग्रैंडिस, रेगु (ज़िज़िफ़स न्यूमुलेरिया) और सैकड़ों हर्बल पौधे, जो जॉगर्स और आगंतुकों को एक सुखद अनुभव प्रदान करते हैं।

अगले 3 दिन तक जारी रहेगा शीतलहर का प्रकोप

तापमान सामान्य से 2 से 4 डिग्री सेल्सियस नीचे रहेगा

हैदराबाद, 5 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में चल रही शीत लहर की स्थिति अगले तीन दिनों तक जारी रहने की संभावना है तथा कुछ स्थानों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से 2 डिग्री सेल्सियस और 4 डिग्री सेल्सियस नीचे रहने की संभावना है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी)-हैदराबाद ने रविवार को अपने सुबह के पूर्वानुमान में संकेत दिया है कि तेलंगाना में कई स्थानों पर सुबह के समय कोहरा और धुंध की स्थिति अगले पांच दिनों तक जारी रहने की उम्मीद है। इस बीच, हैदराबाद और जिलों में लगातार चौथे दिन भी शीतलहर की स्थिति बनी रही। शनिवार रात और रविवार सुबह के बीच सबसे कम औसत न्यूनतम तापमान भीमपुर, आदिलाबाद में 5.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि सिरपुर, कोमारामभीम आसिफाबाद में 6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

अंग दान के माध्यम से किसी अन्य व्यक्ति को जीवन देना बहुत बड़ी बात : सीपी सुधीर बाबू

ब्रेन डेड कांस्टेबल प्रशांत रेड्डी के परिवार के सदस्यों ने अंगदान में योगदान दिया

हैदराबाद, 5 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राचकोंडा पुलिस आयुक्तालय के अंतर्गत कंदुकुरु पुलिस स्टेशन में कांस्टेबल के रूप में काम करते समय एक दुर्घटना में इलाज के दौरान मारे गए पेद्दोला प्रशांत रेड्डी के परिवार के सदस्यों ने मानवीय दृष्टिकोण से विचार किया। अपने परिवार के सदस्यों को खोने के दर्द के बावजूद, वे खतरे में पड़ी अन्य जिंदगियों को बचाने के लिए आगे आए। बीते 28 दिसंबर को ड्यूटी खत्म कर घर लौटते समय रात 10 बजे किसी अज्ञात वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी, जिससे उसके सिर में गंभीर चोट आई और वह बेहोश हो गए।

उन्हें तुरंत इलाज के लिए मलकपेटा यशोदा अस्पताल ले जाया गया और शनिवार को उनकी मृत्यु हो गई। प्रशांत रेड्डी के अंग उनके पिता सेवानिवृत्त सहायक उप-निरीक्षक नागिरेड्डी और उनकी पत्नी सौम्या ने जीवन दान के लिए किडनी, लीवर को सौंप दिए।

राचकोंडा के पुलिस आयुक्त जी. सुधीर बाबू ने अपने बच्चे के खोने का दर्द दिल में छिपाकर अंगदान के लिए आगे आने के लिए परिवार के सदस्यों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि मृतक के परिवार को हर संभव मदद की जायेगी।

आयुक्त ने कहा कि जिन लोगों ने अंगदान किया है वे शारीरिक रूप से मृत होते हुए भी जीवित हैं और अंगदान के माध्यम से किसी अन्य व्यक्ति को जीवन देना बहुत बड़ी बात है। रविवार को उप्पल में हुए कांस्टेबल प्रशांत रेड्डी के अंतिम संस्कार के खर्च के लिए कमिश्नर ने 90 हजार रुपये मंजूर किए। महेश्वरम एसीपी लक्ष्मीकांत रेड्डी ने सीपी की ओर से इस कार्यक्रम में भाग लिया और प्रशांत रेड्डी के पार्थिव शरीर को श्रद्धांजलि दी। इस कार्यक्रम में कांडुकुरु इंस्पेक्टर सीताराम, राचकोंडा पुलिस ऑफिसर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष सीएच भद्र रेड्डी, राचकोंडा सहकारी समिति के निदेशक सुवर्णा, बैच मेट्स और अन्य ने भाग लिया।

स्थानीय निकाय चुनावों से पहले पिछड़े वर्गों को लुभाने में जुटीं पार्टियां

हैदराबाद, 5 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। स्थानीय निकाय चुनाव तेजी से नजदीक आ रहे हैं, तेलंगाना में राजनीतिक दल पिछड़े वर्गों (बीसी) का समर्थन हासिल करने की होड़ में हैं, जो मतदाताओं का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। कांग्रेस, बीआरएस और भाजपा, सभी ने अपना ध्यान पिछड़े वर्गों पर केंद्रित वादों और कार्यक्रमों पर केंद्रित कर दिया है।

सत्तारूढ़ कांग्रेस ने नवंबर 2023 में विधानसभा चुनावों से पहले अपने कामारेड्डी बीसी घोषणापत्र का अनावरण किया, जिसमें स्थानीय निकायों में समुदाय के लिए 42 प्रतिशत आरक्षण का वादा किया गया, जो वर्तमान 23 प्रतिशत से अधिक है। इसके साथ ही बीसी कल्याण के लिए सालाना 20,000 करोड़ रुपये आवंटित करने की महत्वाकांक्षी प्रतिज्ञा भी की गई।

कांग्रेस को अपने चुनावी वादों को लागू करने में देरी के लिए आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा है। हालांकि पार्टी ने पिछड़ी जातियों की प्रमुख मांग जाति जनगणना की पहल की, लेकिन कांग्रेस के सत्ता में आने के एक साल बाद भी कोई रिपोर्ट नहीं आई है, जिसके कारण पिछड़ी जातियों के आरक्षण में और देरी हुई है।

इसी तरह, बुनकरों और अन्य जाति-आधारित पेशेवरों से किए गए किसी भी वादे को आज तक पूरा नहीं किया गया। विपक्षी दलों, खासकर बीआरएस ने अपनी प्रतिबद्धताओं को पूरा करने में विफलता के लिए सत्तारूढ़ पार्टी पर निशाना साधा। इस बीच, मुख्य विपक्षी दल बीआरएस का अपने 10 साल के शासन के दौरान बुनकरों, मछुआरों, ताड़ी निकालने वालों, धोबियों, चरवाहों और कई अन्य जाति-आधारित पेशेवरों के कल्याण और विकास के लिए कई पहलों के माध्यम से पिछड़े वर्गों के कल्याण का समर्थक होने का एक मजबूत रिकॉर्ड है।

इसके अलावा, बीआरएस उन चंद पार्टियों में से एक है जो केंद्र सरकार में पिछड़ा वर्ग कल्याण के लिए एक विशेष मंत्रालय की मांग करती है। पार्टी ने विधानसभा चुनावों में सबसे ज़्यादा पिछड़ा वर्ग के उम्मीदवार भी उतारे हैं।

CLASSIFIEDS
WANTED

Wanted a Branch supervisor, Business executive and Assistant for Shree Baliram Road Carriers. Min 3-5years experience in Transport industry. Walk-in interview.

Ph: 9347231534

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

पूर्व बीआरएस विधायक को आवास पर किया गया नजरबंद

करीमनगर, 5 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस चोप्पाडंडी प्रभारी और पूर्व विधायक सुंके रविशंकर को पुलिस ने रविवार को गंगाधारा मंडल में उनके आवास पर नजरबंद कर दिया। रविशंकर ने अन्य पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर राज्य सरकार द्वारा किसानों को 'रैतु भरोसा' के तहत 15,000 रुपये प्रति एकड़ देने के वादे के बजाय केवल 12,000 रुपये प्रति एकड़ देने के फैसले के विरोध में गंगाधर चौक पर धरना देने की योजना बनाई थी। जैसे ही बीआरएस नेता घर से निकलकर प्रदर्शन स्थल पर जाने वाले थे, पुलिस उनके आवास पर पहुंच गई और उन्हें घर में ही हिरासत में ले लिया। रविशंकर चाहते हैं कि पुलिस किसानों को झूठे वादे करके गुमराह करने के लिए मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज करे। उन्होंने मांग की कि मुख्यमंत्री को अपने पद से इस्तीफा दे देना चाहिए और किसान समुदाय से माफी मांगनी चाहिए।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा मुख्यमंत्री के फ्लेक्स बोर्डों पर किए जा रहे पलाभिषेक पर टिप्पणी करते हुए उन्होंने पूछा कि यह पलाभिषेक किस लिए किया जा रहा है और क्या यह मुख्यमंत्री द्वारा अपने वादों से मुकरने के लिए किया जा रहा है।

सीएफआर लागू करने की योजना

जनजातीय कल्याण विभाग कर रहा अध्ययन

हैदराबाद, 5 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जनजातीय कल्याण विभाग राज्य में जनजातीय समुदायों को आजीविका प्रदान करने के लिए सामुदायिक वन संसाधन (सीएफआर) अधिकारों को लागू करने की योजना बना रहा है। जनजातीय आवासों को सामुदायिक वन संसाधन अधिकार प्रदान करके, स्थानीय आबादी स्थानीय तालाबों और जलाशयों में मछली पालन कर सकेगी, मैदानी इलाकों में घास उगाकर उसे मवेशियों के चारे के रूप में उपयोग कर सकेगी तथा खाली पड़ी जमीनों पर बागवानी कर सकेगी।

जनजातीय कल्याण विभाग महाराष्ट्र, ओडिशा, झारखंड और छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों में सीएफआर अधिकारों के कार्यान्वयन का अध्ययन कर रहा है, जो इन अधिकारों के कार्यान्वयन के माध्यम से अच्छे परिणाम प्राप्त कर रहे हैं। विभाग के अधिकारी तेलंगाना में सीएफआर के कार्यान्वयन के बारे में प्रत्यक्ष जानकारी प्राप्त करने के लिए बेंगलुरू स्थित अशोक ट्रस्ट फॉर रिसर्च इन इकोलॉजी एंड एनवायरनमेंट (एटीआरईई) से संपर्क करने की योजना बना रहे हैं, जो महाराष्ट्र के विदर्भ क्षेत्र में इस योजना को प्रभावी ढंग से क्रियान्वित कर रहा है। आदिवासी कल्याण विभाग के अधिकारियों के अनुसार, तेलंगाना में सीएफआर का क्रियान्वयन कम है और पिछले दिनों 3,000 आवेदन प्राप्त हुए थे, लेकिन केवल 700 सीएफआर जारी किए गए थे। आदिवासी विभाग ने पाया है कि राज्य में 2,700 ऐसे आवास हैं जहां सीएफआर का क्रियान्वयन नहीं किया जा रहा है। पता चला है कि राज्य के आदिवासी क्षेत्र में प्रति आवास कम से कम 2 से 7 सीएफआर स्थापित करने की संभावना है।

आदिवासी विभाग राजस्व अभिलेखों, मानचित्रों और उपग्रह चित्रों के आधार पर सामुदायिक संसाधनों और उनके क्षेत्रों की जांच कर रहा है। आदिवासी कल्याण विभाग ने वन और राजस्व विभागों के सहयोग से सीएफआर को लागू करने का प्रस्ताव दिया है।

वन अधिनियम 2006 की धारा 3(1)(बी) और 3(1)(सी) के तहत सामुदायिक अधिकारों (सीआर) के साथ-साथ सीएफआर अधिकार, जिसमें निस्तार अधिकार और गैर-लकड़ी वन उत्पादों पर अधिकार शामिल हैं, समुदाय की स्थायी आजीविका सुनिश्चित करते हैं।

पूर्वोत्तर रेलवे

शुद्धि पत्र

दिनांक 03.01.2025

Website- www.ner.indianrailways.gov.in

निविदा सूचना सं: 20 दिनांक 02.01.2025 के अन्तर्गत मद सं० 3 में निम्न संशोधन जारी किया जाता है।

मद सं० 3, मद विवरण - टेंडर शीर्षक, वर्तमान प्रविष्टि - प्रविष्टि, अब पढ़ा जाय - यह आरडीएसओ ड्रग नंबर के अनुरूप पीएससी स्लीपर के निर्माण और आपूर्ति के लिए रनिंग कॉन्ट्रैक्ट में प्रवेश करने के लिए निविदा है। टी-8746 और आईआरएस विशिष्टता संख्या टी 39

मद सं० 3, मद विवरण - स्टैंडर्ड गवर्निंग कंडीशन, वर्तमान प्रविष्टि - 1 कंडीशन, अब पढ़ा जाय - 1 & 2 कंडीशन जोड़ा गया।

नोट: उपरोक्त निविदा सूचना को पूर्वोत्तर रेलवे के वेबसाईट www.ner.indianrailways.gov.in तथा भारत सरकार के वेबसाईट www.tenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

उप मुख्य सामग्री प्रबन्धक/सा.

मुजाधि/एस - 84

गाड़ियों की छतों व पायदान पर कदापि यात्रा न करें।

मुसलमानों की तरह बड़ा दिल दिखाएं महाकुंभ को लेकर मौलाना ने क्यों कही ये बात?

प्रयागराज, 5 जनवरी (एजेंसियां)। प्रयागराज में होने जा रहे महाकुंभ को लेकर सियासी सरगर्मी भी देखने को मिल रही है। एक पक्ष महाकुंभ में मुसलमानों की एंट्री पर बैन की मांग कर रहा है। तो वहीं दूसरी तरफ से अलग-अलग बयान सामने आ रहे हैं। जिसके कारण सियासी सरगर्मी देखी जा रही है। अब इसको लेकर मुस्लिम जमात के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना शहाबुद्दीन ने कहा कि महाकुंभ वक्फ की जमीन पर आयोजित हो रहा है, हम कोई विरोध नहीं कर रहे हैं। उन्हें भी बड़ा दिल दिखाना चाहिए। आल इंडिया मुस्लिम जमात के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना शहाबुद्दीन रजवी बरेलवी ने प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि प्रयागराज के निवासी सरताज ने दावा किया है कि कुंभ के मेले की जहां तैयारियां की जा रही हैं, वो जमीन

वक्फ की है। ये जमीन लगभग 54 बीघा है। मुसलमानो ने बड़ा दिल दिखाते हुए कोई आपत्ति नही की, कुंभ मेले के सारे इंतजाम इसी वक्फ की जमीन पर हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि मगर दूसरी तरफ अखाड़ा परिषद और दूसरे बाबा लोग मुसलमानों के प्रवेश पर पाबंदी लगा रहे हैं। ये तंग नजरी छोड़नी होगी। मुसलमानों की तरह बड़ा दिल दिखाना होगा।

जेडीयू के 10 सांसद तोड़ने जा रही बीजेपी!

संजय राउत बोले- बेईमानी करना उनकी आदत

पटना, 5 जनवरी (एजेंसियां)। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के नेता संजय राउत ने दावा किया कि नीतीश कुमार के नेतृत्व वाले जनता दल-यूनाइटेड (जेडीयू) केंद्र में सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) से अलग हो सकता है, क्योंकि भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) नीतीश कुमार के 10 सांसदों को अपने पाले में लाने की कोशिश कर रही है। संजय राउत ने आरोप लगाया कि बीजेपी बिहार में अपने सहयोगी दल जेडीयू की पीठ में छुरा घोंप रही है। उन्होंने कहा कि बिहार में बीजेपी नीतीश कुमार के साथ गठबंधन में है। उसने जेडीयू के 10 सांसदों को तोड़ने का काम शुरू कर दिया है। इसलिए नीतीश असहज महसूस कर रहे हैं। मुझे शक है कि वह एनडीए में बने रहेंगे कि नहीं।

लोकसभा में जेडीयू के 12 सांसद

संजय राउत ने कहा कि जेडीयू के एनडीए के घटक दल के रूप में 2025 का बिहार विधानसभा चुनाव लड़ने की संभावना नहीं है। लोकसभा में जेडीयू के 12 सांसद हैं, जो केंद्र में एनडीए सरकार के अस्तित्व के लिए महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि संसद के निचले सदन में बीजेपी अपने दम पर बहुमत में नहीं है।

विश्वासघात बीजेपी की पहचान

संजय राउत ने कहा कि बीजेपी अपने सहयोगियों के साथ विश्वासघात के लिए जानी जाती है। यह बीजेपी का असली चेहरा है। वो उन लोगों के साथ धोखा करते हैं, जो उनके साथ रहते हैं, उनका समर्थन करते हैं और मदद करते हैं। शिवसेना यूबीटी के सांसद ने कहा कि जो उनके साथ रहता है, दोस्ती है, मदद करता है, उनके साथ वो बेईमानी करते हैं। हमारे पास खबर है कि जेडीयू के 10 सांसद बीजेपी तोड़ने जा रही हैं। इसलिए नीतीश कुमार बहुत परेशान हैं और कोई फैसला ले सकते हैं। ये मैं सुन रहा हूं। लेकिन मेरा विश्वास है कि बीजेपी ये कर सकती है।

कुंभ मेले को बम से उड़ाने की धमकी देने वाला गिरफ्तार

प्रयागराज, 5 जनवरी (एजेंसियां)। प्रयागराज महाकुंभ में बम ब्लास्ट की धमकी देने वाला अरेस्ट हो गया है। यूपी पुलिस ने उसे बिहार के पूर्णिया से पकड़ा। आरोपी 11वीं का छात्र है। पूछताछ में सामने आया है कि दोस्त को फंसाने के लिए साजिश रची। आरोपी छात्र हिंदू ने बताया- उसका कुछ दिन पहले दोस्त से झगड़ा हो गया। उसे फंसाने के लिए फर्जी इंस्टाग्राम अकाउंट बनाया और धमकी भरा पोस्ट शेयर कर दिया। फिलहाल, यूपी पुलिस की टीम उसे प्रयागराज लेकर आई है। एटीएस उससे पूछताछ कर रही है। छात्र ने 31 दिसंबर को इंस्टाग्राम पर नसर पठान नाम की आईडी से धमकी दी थी। लिखा था- ऑल ऑफ यू, तुम सब अपराधी हो। महाकुंभ में बम ब्लास्ट करेंगे। 1000 हिंदुओं को मारेंगे। उसी दिन विपिन गौर नाम के युवक ने पोस्ट के स्क्रीनशॉट को डायल-112 यूपी पुलिस को टैग करते हुए शेयर किया।

सरकार पर जमकर बरसे अखिलेश

'महंगाई चरम पर और कानून व्यवस्था ध्वस्त' बोले- योगी वास्तव में योगी नहीं

लखनऊ, 5 जनवरी (एजेंसियां)। राजधानी लखनऊ में सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि हमारा लक्ष्य 2027 के विधानसभा चुनाव को जीत कर पीडीए की सरकार बनाना है। सपा सरकार बनाने के लिए अभी से बूथ स्तर तक संगठन को और मजबूत करना है। उन्होंने कहा कि भाजपा की नीतियों से प्रदेशवासियों को तबाही के सिवा कुछ नहीं मिला है। भाजपा भ्रष्टाचार में पूरी तरह से डूबी हुई है। घर-घर जल योजना में लूट मची है। स्वास्थ्य विभाग में प्रत्येक स्तर पर भ्रष्टाचार है। अखिलेश पार्टी मुख्यालय में राष्ट्रीय और प्रदेश फ्रंटल संगठनों के पदाधिकारियों की बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भाजपा में माफिया की भरमार है। उन्होंने सीएम पर निशाना साधते हुए कहा कि यह प्रदेश का दुर्भाग्य है कि यहां सत्ता में विराजमान योगी वास्तव में योगी नहीं है। वे ईमानदार भी नहीं हैं। कहा, भाजपा सरकार में कानून व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त है। महंगाई चरम पर है।

सामाजिक न्याय की लड़ाई

समाजवादी ही लड़ते रहे हैं

सपा मुखिया ने कहा कि किसान, नौजवान, मजदूर, व्यापारी, शिक्षक, अधिवक्ता समेत सभी वर्ग परेशान है। उन्होंने कहा कि सपा के पास डॉ। राममनोहर लोहिया, डॉ। भीमराव आंबेडकर की विचारधारा और मुलायम सिंह यादव के संघर्ष की विरासत है। सामाजिक न्याय की लड़ाई समाजवादी ही लड़ते रहे हैं। यह संघर्ष आज भी जारी है। कहा, जातीय जनगणना से ही हर एक की भागीदारी तय हो सकेगी।

संविधान बदलना चाहती है भाजपा

अखिलेश ने कहा कि लोकतंत्र की बुनियादी आत्मा संविधान है। भाजपा संविधान को ही बदलना, आरक्षण और वोट के अधिकार को समाप्त करना चाहती है। लोकतांत्रिक संस्थानों को भी कमजोर किया जा रहा है। भाजपा चुनाव में अधिकृत प्रत्याशियों के नामांकन पत्र जबरन छीनने और फाड़ने का काम करती है। बैठक में राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल सिंह यादव, विधानसभा में नेता विरोधी दल माता प्रसाद पांडेय और विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष लाल बिहारी यादव व राष्ट्रीय सचिव राजेंद्र चौधरी भी शामिल हुए।

जिओ कंपनी मैनेजर अपहरणकांड, हाथरस पुलिस ने एक और मुठभेड़ में गिरफ्तार किए तीन बदमाश, दो को लगी गोली

हाथरस, 5 जनवरी (एजेंसियां)। जिओ कंपनी के मैनेजर अभिनव भारद्वाज के अपहरण के मामले में फरार चल रहे तीन बदमाशों को हाथरस पुलिस ने रविवार सुबह गिरफ्तार कर लिया है। मुठभेड़ में दो बदमाशों के पैर में गोली लगी है। इस मामले में कुल नौ आरोपित नामजद किए गए थे। जिनमें से सात गिरफ्तार हो चुके हैं। दो की तलाश अभी जारी है। पुलिस के अनुसार रविवार की सुबह चेकिंग के दौरान थाना हाथरस गेट क्षेत्र में रुहेरी किंदौली नहर कट ये तहसील सदर की ओर से एक बाइक पर सवार तीन युवक आते दिखाई दिए। पुलिस ने उन्हें रोकने की कोशिश की तो उन्होंने बाइक को और तेज दौड़ा दिया। पुलिस टीम पर अचानक फायरिंग करने लगे। पुलिस ने आत्मरक्षा में फायरिंग की। इसमें बुलंदशहर जनपर के थाना छतारी के गांव सहार निवासी प्रशांत, हाथरस के गांव हतीसा निवासी अंशुल उर्फ गोलू के पैर में गोली लगी है। घायलों को उपचार के लिए बागला जिला अस्पताल ले जाया गया। उनके पास से दो तमंचा 315 बोर, कारतूस, एक बाइक बरामद की गई है।

'ओवैसी को संभल की चिंता है तो रिकॉर्ड चेक करें'

बीजेपी विधायक ने एआईएमआईएम चीफ को सुनाई खरी-खरी

सहारनपुर, 5 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के सहारनपुर से बीजेपी विधायक राजीव गुंबर ने ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) चीफ और हैदराबाद से सांसद असदुद्दीन ओवैसी पर निशाना साधा है। मेरठ में पंजाबी समाज के लोहड़ी महोत्सव में बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे बीजेपी विधायक राजीव गुंबर ने असदुद्दीन ओवैसी के बयानों पर पलटवार करते हुए कहा कि ओवैसी बयानवीर व्यक्ति हैं कर्मवीर नहीं।

उन्होंने कहा कि ओवैसी का काम बयानों को देकर विवादों को पैदा करना है। बीजेपी विधायक ने कहा कि ओवैसी को संभल की चिंता है तो वहां आकर रिकॉर्ड चेक करें। पता नहीं भगवान ने कौन सी दूरदृष्टि दी है जो हैदराबाद से वक्फ की जमीन दिख रही है वक्फ का बोर्ड ही इल्लीगल निकला। इसके साथ बीजेपी विधायक ने सीओ अनुज चौधरी के गदा लेकर चलने पर कहा जो जिस धर्म में पैदा हुआ उसमें

आस्था होती है, सीओ हो, एसएसपी हो, डीआईजी हो, मुख्यमंत्री हो और चाहे विधायक हो वो गदा लेकर भी जाएगा और त्रिशूल लेकर भी।

विपक्ष का काम शोर मचाना- बीजेपी विधायक

बीजेपी नेता ने कहा कि मुस्लिम नमाज पढ़ते हैं हमने तो कभी एतराज नहीं किया। विपक्ष का काम शोर मचाना है लेकिन जनता ने घर बैठा दिया, विपक्ष की खिसियानी बिल्ली खंभा नोचे वाली स्थिति है और विवाद ही पैदा करेंगे।

इसके अलावा बीजेपी विधायक राजीव गुंबर ने सपा मुखिया अखिलेश यादव पर भी पलटवार किया।

अखिलेश सीएम थे तब क्यों नहीं आया ये सपना

बीजेपी विधायक ने अखिलेश यादव के सीएम आवास की खुदाई वाले बयान पर कहा अखिलेश को स्वप्न आया कि पांच कालीदास मार्ग के नीचे भी मंदिर है। जब अखिलेश सीएम थे तब क्यों नहीं आया ये सपना, सबूत दे तों बाबा वहां भी मंदिर बनवा देंगे।

जम्मू-कश्मीर में कानपुर का जवान शहीद

कानपुर, 5 जनवरी (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के बांदीपोरा जिले में पहाड़ी पर बर्फबारी के दौरान सेना का ट्रक खाई में गिर गया। हादसे में कानपुर का जवान पवन यादव (38) भी शहीद हो गया। हादसे में 3 अन्य जवान भी शहीद हुए हैं, जबकि कई घायल हैं। घटना की जानकारी पर जवान के घर पर सांत्वना देने के लिए लोगों का तांता लग गया। परिजन बदहवास हो गए। आज देर रात जवान का शव कानपुर पहुंचने की संभावना है। बांदीपोरा में शनिवार की दोपहर बर्फबारी के दौरान रास्ते से गुजरे रहे सेना के ट्रक का संतुलन बिगड़ गया। इससे ट्रक खाई में गिर गया। हादसे में कुल 4 जवानों की मौत हो गई। इनमें से एक कानपुर के बिल्हौर तहसील के गांव दुर्गापुर के रहने वाले पवन यादव भी हैं। हादसे में कई जवान घायल भी हुए। हादसे की जानकारी मिलने पर स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंच गई। इसके बाद सेना के अन्य जवानों के साथ मिलकर बचाव कार्य शुरू किया। पवन की तैनाती इस समय जम्मू कश्मीर में थी। इससे पहले वह प्रयागराज में तैनात थे। पवन की पत्नी सुषमा और 2 बच्चे तेजस व तनवी प्रयागराज में ही रहते हैं। पवन के दो भाई पारस और नीलेंद्र यादव हैं। वे परिवार समेत मां गोमती और पिता सतेंद्र के साथ गांव में ही रहते हैं। हादसे की सूचना गांव पहुंचने पर परिवार के लोगों में कोहराम मच गया। पत्नी समेत अन्य परिजनों में चीख-पुकार मच गई। गांव के लोग भी शोक में डूब गए। आसपास के सभी समाजसेवी व जनप्रतिनिधि परिजनों का सांत्वना देने पहुंच गए। जवान का शव आज देर रात तक गांव पहुंचने का अनुमान है। सोमवार को अंतिम संस्कार किया जाएगा।

'20 साल से बात न सुनने के आदी हैं नीतीश कुमार', प्रशांत किशोर ने सीएम पर साधा निशाना

पटना, 5 जनवरी (एजेंसियां)। बीपीएससी परीक्षा को लेकर बिहार में जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर धरने पर बैठे हुए हैं। इस बीच उन्होंने नीतीश कुमार पर जमकर निशाना साधा है। उन्होने कहा कि जो व्यक्ति 20 साल तक जनता की बात न सुनने का आदि हो, वह 4 दिन में समर्पण नहीं करेगा। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि जनता खुद जागना होगा और अपने बारे में सोचना होगा। बता दें कि बीपीएससी परीक्षा को रद्द करके दोबारा परीक्षा कराने की मांग लगातार की जा रही है।

जनता को जागना होगा

प्रशांत किशोर ने सीएम नीतीश कुमार को लेकर कहा, जो व्यक्ति 20 साल तक जनता की बात न सुनने का आदी हो, वह 4 दिन में जनता के सामने कैसे समर्पण करेगा। जब तक बिहार की जनता नहीं जागेगी, तब तक कोई सुधार नहीं होगा। इन लोगों को समझना होगा कि जनता की ताकत से बड़ी कोई ताकत नहीं है। यह तभी होगा जब लोग जागेंगे और अपने बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए आगे आएंगे। प्रशांत किशोर ने आगे कहा कि लोगों को धर्म, जाति और 5 किलो अनाज से परे सोचना शुरू करना होगा और अपने बच्चों के बेहतर भविष्य के बारे में सोचना शुरू करना होगा।

कैबिनेट मंत्री ओम प्रकाश राजभर के इस नेता को लोगों ने जमकर पीटा, बाइक चोर की कर रहे थी पैरवी?

सुल्तानपुर, 5 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के सुल्तानपुर में सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी यानी सुभासपा प्रदेश उपाध्यक्ष की पिटाई का मामला सामने आया है। सुल्तानपुर में शनिवार को दीवानी परिसर में सुभासपा प्रदेश उपाध्यक्ष की पिटाई हो गई। बताया जा रहा है कि सुभासपा प्रदेश उपाध्यक्ष जिस व्यक्ति की पैरवी करने गए थे, वो बाइक चोरी में पकड़ा गया था। हालांकि प्रदेश उपाध्यक्ष की मानें तो जैसे ही उन्हें बाइक चोरी की जानकारी लगी वैसे ही उन्होंने चोर से किनारा कर लिया था, फिर भी उनकी पिटाई हो गई। बहरहाल पिटाई के बाद वे कोतवाली पहुंचे जिसके बाद पुलिस ने उन्हें मेडिकल के लिए भेज कार्रवाई में जुट गई है। दरअसल ये मामला है नगर कोतवाली के दीवानी न्यायालय परिसर का है, जहां शुक्रवार को सुभासपा के प्रदेश उपाध्यक्ष अखिलेश शर्मा पैरवी के लिए दीवानी पहुंचे थे। इसी बीच उनके दूर के रिश्तेदार ने उन्हें फोन कर मुसीबत में फंसने की बात बताई।

अतीक अहमद को गोली मारने वाले युवकों को बताया देवदूत! महाकुंभ में लगे पोस्टर्स की हो रही चर्चा

प्रयागराज, 5 जनवरी (एजेंसियां)। महाकुंभ में माफिया अतीक अहमद को लेकर एक विवादित पोस्टर लगाया गया है। इस पोस्टर में लिखा गया था कि अतीक का आतंक मुक्त प्रथम प्रयागराज महाकुंभ महाकुंभ में आप सभी का हार्दिक स्वागत है। इस पोस्टर में अतीक अहमद की दो बड़ी तस्वीर लगाई गई हैं, तस्वीर पर क्रॉस का निशाना बनाया गया है। राष्ट्रीय हिंदू दल संगठन की ओर से यह पोस्टर लगाया गया है, इसके साथ ही कुछ तस्वीरें भी जारी की गई हैं। इन तस्वीरों में अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ के हत्यारोपियों की फोटो लगाई गई है। हत्यारोपियों को पोस्टर में देवदूत बताया गया है और पोस्टर में हत्यारोपी लवलेश तिवारी, अरुण मौर्य और सनी सिंह की तस्वीर लगाई गई है। सोशल मीडिया पर जारी फोटो में राष्ट्रीय हिंदू दल संगठन के कार्यकर्ताओं के साथ ही कुछ साधु संत भी नजर आ रहे हैं।

अतीक अहमद और उसके हत्यारोपियों को लेकर लगाए गए पोस्टर की महाकुंभ मेले में चर्चा हो रही है। यह पोस्टर महाकुंभ मेले में झूंसी कोतवाली के अंतर्गत लगाया गया था। जानकारी मिलते ही एसएसपी महाकुंभ राजेश द्विवेदी की निर्देश पर पोस्टर को तत्काल हटा दिया गया है, इस पोस्टर को लेकर पुलिस और दूसरी सुरक्षा एजेंसियां भी जांच पड़ताल में जुटी हैं।

'काशी, मथुरा और संभल जैसे विवादित स्थल हिंदुओं को सौंप दें मुसलमान', इंद्रेश कुमार बोले-करें बड़े फैसले

लखनऊ, 5 जनवरी (एजेंसियां)। राजधानी लखनऊ में मुस्लिम राष्ट्रीय मंच के मार्गदर्शक एवं राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के केंद्रीय पदाधिकारी डॉ। इंद्रेश कुमार ने काशी, मथुरा और संभल जैसे विवादित धार्मिक स्थलों को हिंदुओं को सौंपने की अपील की। उन्होंने कहा कि मुस्लिम समाज को पहल दिखाकर कुरान और हदीस की रोशनी में बड़े फैसले करने होंगे। उन्होंने विवादित स्थलों का बातचीत के जरिए हल निकालने की वकालत भी की। इंद्रेश कुमार मुस्लिम राष्ट्रीय मंच के कार्यकर्ता सम्मेलन के बाद पत्रकारों को संबोधित कर रहे थे।

कैसरबाग स्थित गांधी भवन प्रेक्षागृह में आयोजित कार्यक्रम में डॉ। इंद्रेश कुमार ने कहा कि अदालतें सर्वोपरि हैं, लेकिन विवादित धर्मस्थलों का हल संवाद के माध्यम से निकाला जाना चाहिए। इससे देश की एकता, अखंडता, सौहार्द, भाईचारा और मेलमिलाप बना रहता है। उन्होंने कहा कि अब वक्त आ गया है कि मुस्लिम समाज अपनी जिम्मेदारी समझे और संवाद से काशी, मथुरा और सम्भल जैसे स्थलों पर विवाद खत्म करे। उन्होंने कहा कि धर्म के नाम पर कब्जा और हिंसा इस्लामिक उसूलों के खिलाफ है। उन्होंने मुस्लिम समुदाय से इन स्थलों को हिंदू समाज को सौंपने की अपील की, ताकि भारत सांप्रदायिक सौहार्द का वैश्विक उदाहरण बने। इंद्रेश कुमार ने कहा कि इस्लाम अमन और इंसाफ का मजहब है।

विवादों का हल संवाद और सहमति से निकाला जाना चाहिए। वक्फ संशोधन विधेयक 2024 का समर्थन करते हुए इंद्रेश कुमार ने कहा कि यह कानून मुस्लिम समाज की भलाई और पारदर्शिता के लिए है। वक्फ संपत्तियों को समाज सेवा, शिक्षा और स्वास्थ्य के लिए उपयोग में लाना चाहिए। इससे पहले कार्यक्रम का आगाज मुफ्ती नोमान ने कुरान की तिलावत से की। कार्यक्रम का संचालन कर रहे मुस्लिम राष्ट्रीय मंच के राष्ट्रीय संयोजक रजा हुसैन रिजवी ने कहा कि अगर किसी मस्जिद में बुत है तो वहां नमाज नहीं होगी। हमें आगे आकर विवादित स्थलों को वापस कर उसका हल निकालना चाहिए।

इंस्टाग्राम पर दोस्ती फिर प्यार दो लड़कियां अब शादी के लिए अड़ीं, थाने पहुंचकर बोलीं- हमारी शादी करा दें सर

नोएडा, 5 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के नोएडा से एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है, जहां दो लड़कियों की सोशल मीडिया पर दोस्ती हुई। इसके बाद दोनों ने कॉल पर बात करनी शुरू की। फिर एक साथ रहने का फैसला किया। वह अपने गांव से आकर उत्तर प्रदेश के नोएडा के गांव मामूरा में रहने लगीं। दोनों एक प्राइवेट कंपनी में काम करती हैं। अब लड़कियों ने शादी करने की कसम खा ली है। उनका कहना है कि वह एक-दूसरे को पति-पत्नी बना चुकी हैं। दोनों लड़कियों की दोस्ती करीब एक से डेढ़ साल पहले इंस्टाग्राम पर हुई थी। एक लड़की मध्य प्रदेश के जबलपुर तो वहीं दूसरी सहारनपुर की रहने वाली है। दोनों की दोस्ती जब प्यार में बदली तो दोनों ने साथ रहने के लिए अपना गांव छोड़ दिया और नोएडा में नौकरी करने के बहाने साथ में रहने लगीं। हालांकि दोनों एक प्राइवेट कंपनी में काम भी करती हैं। इसके बाद जब लड़कियों के परिजनों को दोनों के प्यार और शादी करने वाली बात पता चली तो उन्होंने इस शादी का विरोध किया।

ठंड में कई गुना ज्यादा बढ़ गई है कीथम झील की सुंदरता 20 हजार से ज्यादा विदेशी मेहमान पहुंचे अभयारण्य

आगरा, 5 जनवरी (एजेंसियां)। ताजनगरी की आबोहवा प्रवासी पक्षियों को खूब भा रही है। आगरा-दिल्ली हाईवे पर स्थिति रामसर साइट सूर सरोवर पक्षी विहार (कीठम झील) मेहमान प्रवासी पक्षियों का ठिकाना बना हुआ है। यहां एक ओर जहां मध्य एशिया से 2300 किलोमीटर से आए पाइड एवोसेट का कलरव सुनाई देता है तो हिमालय की चोटी पार करके आई बार हेडेड की गूंज भी सुनाई दे रही है। 800 हेक्टेयर में फैली रामसर साइट में 20 हजार से अधिक प्रवासी पक्षियों के झुंड कीठम की सुंदरता को बढ़ा रहे हैं। कीठम झील के पानी में अठखेलियां करते पक्षी मनमोहक लगते हैं। इसलिए यहां शहर के साथ आसपास के जिलों से हर दिन प्रवासी पक्षियों को देखने के लिए पर्यटक पहुंच रहे हैं।

310 हेक्टेयर में फैला हुआ है कीठम झील

दरअसल आगरा-दिल्ली हाईवे पर रुनकता के पास स्थित सूर सरोवर (कीठम झील) रामसर साइट है। यहां कीठम झील 310 हेक्टेयर में फैला हुआ है। इन दिनों सूर सरोवर में प्रवासी पक्षियों ने अपना डेरा जमाया हुआ है। परिंदों को ताज नगरी की आबोहवा खूब पसंद आ रही है। डीसीएफ चंबल चांदनी सिंह का कहना है कि झील अपने तरह का आकर्षक वैटलैंड हैं। अभी गिनती तो नहीं हुई है। फिर भी इस बार 20 हजार से अधिक प्रवासी पक्षियों ने डेरा जमाया हुआ है। इसके अलावा उन्होंने बताया कि सुरक्षा व्यवस्था के लिए स्टाफ निरंतर निगरानी कर रहा है। दूरबीन से भी यहां निगरानी की जा रही है। सभी पक्षी पूरी तरह से यहां पर सुरक्षित हैं। लोगों की भीड़ भी प्रवासी पक्षियों को देखने के लिए पहुंच रही है। फोटोग्राफी का शौक रखने वालों की भी संख्या देखने को मिलती है।

ये प्रवासी पक्षी पहुंचे रामसर साइट

रामसर साइट (कीठम झील) पर लिटिल कार्मोरेंट, बार हेडेड गूज, नोर्दन शोवलर, कॉमन टील, इंडियन कोर्मोरेंट, ब्लैक निग्ड आइबिस, पर्पल स्वैम्प हेन, पेलिकन, ब्लैक विंग्ड, ग्रेट कोर्मोरेंट, पाइड एवोसेट, फ्लेमिंगो, डार्टर सेमत अन्य प्रवासी पक्षियों ने डेरा जमाया हुआ है।

दाऊद इब्राहिम को मारना था मकसद, बुर्का छोड़ थामी बंदूक, बनी गैंगस्टर, कौन थी सपना दीदी

मुंबई, 5 जनवरी (एजेंसियां)। 1993 मुंबई बम धमाकों मास्टरमाइंड दाऊद इब्राहिम को मारना उसका मकसद था। अपने पति की मौत का बदला लेने के लिए उसने मुंबई अंडरवर्ल्ड में कदम रखा और गैंगस्टर बन गई। उसने डॉन को मारने की साजिश भी रची लेकिन ऐन वक्त पर उसकी हत्या कर दी गई। यूं तो दाऊद के दुश्मनों की फेहरिस्त काफी लंबी है, लेकिन उसकी एक दुश्मन ऐसी भी है जो आज भी गुमनाम है। हाल ही में पत्रकार हुसैन जैदी की किताब माफिया क्वींस ऑफ मुंबई में दाऊद की इस दुश्मन का जिक्र किया गया है। अंडरवर्ल्ड के डॉन दाऊद की इस दुश्मन का नाम है सपना दीदी। हुसैन जैदी की किताब में सपना दीदी को फेम फेटेल और बदला लेने वाली परी कहा गया है। किताब में मुंबई के गैंगस्टर और दाऊद के प्रतिद्वंदी हुसैन उस्तारा के हवाले से सपना दीदी की पूरी कहानी बताई गई है। इसके मुताबिक सपना दीदी का असली नाम अशरफ था। मुंबई के मुस्लिम परिवार में जन्मी अशरफ की मुलाकात महमूद खान नाम के एक गैंगस्टर से हुई। अशरफ ने महमूद खान से शादी कर ली। उसे पता नहीं था कि महमूद एक गैंगस्टर है और उसका अंडरवर्ल्ड से संबंध है। एक बार जब अशरफ और महमूद दुबई से लौट रहे थे तो मुंबई एयरपोर्ट पर महमूद की अशरफ के सामने गोली मारकर हत्या कर दी गई। पति की हत्या के बाद अशरफ सदमे में चली गई। काफी समय बाद अशरफ को पता चला कि उसके पति की हत्या दाऊद इब्राहिम ने कराई थी। इसके बाद अशरफ ने डॉन दाऊद से बदला लेने का फैसला किया।

दाऊद को मारने के लिए बदला नाम

दाऊद को मारने के लिए अशरफ ने नाम बदला और सपना दीदी बन गई। उसने दाऊद के प्रतिद्वंदी गैंगस्टर हुसैन उस्तारा से संपर्क किया। वह चाहती थी कि उस्तारा उसे गोली चलाना सिखाए। कुछ ही महीनों में उसने उस्तारा के साथ दोस्ती कर ली। इसके बाद दोनों ने मिलकर दाऊद की डी-कंपनी की ओर नेपाल से भारत मंगाए जा रहे हथियारों को रोका। दोनों का मिशन दाऊद के कारोबार नुकसान पहुंचाना था। इन सबके बीच अशरफ उर्फ सपना दीदी का जीवन बदलने लगा। वह बुर्का छोड़कर जींस और शर्ट पहनने लगी। उसने बाइक और बंदूक चलाना सीख लिया। हुसैन जैदी की किताब माफिया क्वींस ऑफ मुंबई में लिखा गया है कि दाऊद के गुर्गों के बीच सपना का नाम धीरे-धीरे बढ़ने लगा। वह अंडरवर्ल्ड से अच्छी तरफ वाकिफ हो चुकी थी। उसने दाऊद के कई जुए के अड्डे और डांस बार बंद करा दिए थे। जैसे-जैसे सपना दीदी का नाम और रुतबा अंडरवर्ल्ड में बढ़ने लगा तो दाऊद के विरोधियों की उससे जुड़ने लगे। इस बीच उसके उस्तारा से रिश्ते खराब हो गए।

भारत-पाकिस्तान मैच के दौरान बनाई दाऊद की योजना

शारजाह में भारत-पाकिस्तान मैच के दौरान उसने दाऊद को मारने की योजना बनाई। सपना दीदी का मानना था कि दाऊद वैसे तो वीआईपी और सुरक्षा घेरे में रहता है, लेकिन मैच के दौरान वह सार्वजनिक रूप से सामने आएगा। उसने हजारों लोगों के बीच स्टेडियम में ही दाऊद को मारने का प्लान बनाया। उसने अपने गुर्गों को स्टेडियम भेजा। गुर्गों को छाते और टूटी बोतलों के साथ वीआईपी बाउंड्री के पास तैनात करने की योजना बनाई। उसका प्लान था कि मैच के दौरान किसी समय कुछ लोग इन हथियारों के साथ दाऊद के गुर्गों पर हमला करेंगे और जबकि कुछ दाऊद से भिड़ेंगे।

लीक हो गया प्लान

सपना दीदी की योजना उस वक्त विफल हो गई, जब इसके बारे में दाऊद के गुर्गों को पता चल गया। 1994 में दाऊद के आदमियों ने उसके मुंबई स्थित घर पर मार डाला। उसके पेट में 22 बार चाकू घोंपा गया। उसकी चीखें सुनने के बाद भी पड़ोसी चुप रहे। क्योंकि वे दाऊद से डरे हुए थे। अस्पताल पहुंचने से पहले उसने दम तोड़ दिया। आज भी बहुत कम लोग उसके बारे में जानते हैं। हुसैन जैदी की किताब में सपना दीदी का जिक्र आने के बाद वे चर्चा में हैं।

सूरत इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर सीआईएसफ जवान ने खुद को मारी गोली, इलाज के दौरान मौत

सूरत, 5 जनवरी (एजेंसियां)। गुजरात की आर्थिक राजधानी सूरत में एयरपोर्ट पर एक सीआईएसफ जवान ने दोपहर तीन बजे के आसपास आत्महत्या कर ली। जवान ने अपनी ही सर्विस राइफल से खुद को गोली मारी। घटना के बाद जवान को तुरंत हॉस्पिटल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक जवान का नाम किशन सिंह बताया जा रहा है और वह राजस्थान के रहने वाले थे। जानकारी के अनुसार, सीआईएसएफ में कार्यरत कांस्टेबल किशन सिंह एयरपोर्ट के बाथरूम में जाकर अपनी सर्विस रिवॉल्वर से पेट में गोली मारकर आत्महत्या कर ली। घटना की जानकारी होने पर वहां मौजूद अन्य स्टाफ उन्हें खून से लथपथ हालत में इलाज के लिए तुरंत एक निजी अस्पताल ले गए, जहां गंभीर हालत में इलाज के दौरान जवान की मौत हो गई। घटना के बाद सीआईएसएफ के आलाधिकारी मौके पर पहुंचे। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

एक साल से सूरत इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर थे तैनात

सूरत एयरपोर्ट के इंचार्ज एसीपी नीरव सिंह गोहिल ने बताया कि सीआईएसएफ में पोस्टेड सब इंस्पेक्टर किशनसिंह कनवर की मौत हो गई है। 2015 में उन्होंने एएसआई सीआईएसएफ ज्वाइन किया था। 2022 में उनका प्रमोशन हुआ था, जिसके बाद पीसीआई बने थे। पहले मुंबई एयरपोर्ट पर उनकी ड्यूटी थी, लेकिन पिछले एक साल से वो सूरत एयरपोर्ट पर ड्यूटी में तैनात थे। उन्होंने कहा, यह पूरी घटना एयरपोर्ट के अंदर बाथरूम में हुई। जैसे ही गोली चलने की आवाज आई तो दूसरे सीआईएसएफ के जवान घटना स्थल पहुंचे तो किशन सिंह घायल अवस्था में मिले। बता दें अभी हाल में ही सीआईएसएफ ने घोषणा की थी कि सेना के भीतर आत्महत्याओं में लगभग 40% की गिरावट आई है, जो 2023 में 25 से घटकर 2024 में 15 हो गई थी।

जिस भारत को तल्खी दिखा रहा बांग्लादेश वहीं उसके जज लेने आएंगे ट्रेनिंग

नई दिल्ली, 5 जनवरी (एजेंसियां)। बांग्लादेश में तख्तापलट के बाद से ही स्थिति खराब बनी हुई है। भारत के साथ भी रिश्ते कुछ ठीक नहीं चल रहे हैं। इसके बाद भी बांग्लादेश के 50 जजों को भारत में ट्रेनिंग दी जाएगी। उनकी ये ट्रेनिंग कार्यक्रम 10 दिन चलेगी। इन सभी को मध्य प्रदेश के भोपाल में राष्ट्रीय न्यायिक अकादमी और राज्य न्यायिक अकादमी में प्रशिक्षण में ट्रेनिंग दी जाएगी। जिसमें बांग्लादेश से किसी भी तरह का कोई चार्ज नहीं लिया गया है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार यह ट्रेनिंग कार्यक्रम सुप्रीम कोर्ट की सलाह के बाद किया जा रहा है। ये ट्रेनिंग प्रोग्राम 10 फरवरी से 20 फरवरी तक चलने वाला है। प्रशिक्षण के लिए सहायक न्यायाधीश, वरिष्ठ सहायक न्यायाधीश, संयुक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश, अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश, जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं समकक्ष रैंक के अधिकारियों को इस ट्रेनिंग के लिए चुना गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि कानून, न्याय और संसदीय मामलों के मंत्रालय के कानून एवं न्याय प्रभाग के उप सचिव (प्रशिक्षण) अबुल हसनत की तरफ से असाइन एक सर्कुलर में कहा गया है कि ट्रेनिंग का पूरा खर्च भारत सरकार की तरफ से उठाया जाएगा। यही कारण है कि किसी भी तरह की कोई फीस नहीं ली गई है। बांग्लादेश में तख्तापलट के बाद से ही वहां पर हिंदू समुदाय को निशाना बनाया जा रहा है। लगातार उनके घर और धार्मिक स्थलों पर हमला किया जा रहा है। इसके साथ ही उनकी दुकानों को भी टारगेट किया जा रहा है। भारत की तरफ से इस बारे में कई बार सवाल उठाया गया। इसके बाद भी स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ है। वहीं पिछले महीने इस्कॉन संत को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया। कई बार जमानत याचिका लगाने के बाद भी उन्हें बेल नहीं दी गई। इसके बाद भी भारत की तरफ से ये ट्रेनिंग कार्यक्रम चलाया जा रहा है।

उलटी-पेट दर्द पिकनिक मनाने आए थे 150 छात्र, अचानक बिगड़ गई बच्चों की तबीयत

रायगढ़, 5 जनवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के रायगढ़ में पिकनिक मनाने आए 18 छात्र फूड प्वाइजनिंग का शिकार हो गए। अचानक तबीयत बिगड़ने पर उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। बीमार हुए छात्र जालना जिले के न्यू हाई स्कूल के बताए जा रहे हैं। स्कूल से 150 छात्र-छात्राओं का दल नई साल की पार्टी पर पिकनिक मनाने के लिए रायगढ़ के महाबलेश्वर आए थे।

घटना की सूचना मिलते ही पोलादपुर के पुलिस निरीक्षक अनिल जाधव, उपविभागीय पुलिस अधिकारी शंकर काले और तहसीलदार तुरंत अस्पताल पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। स्कूली छात्रों की अचानक तबीयत बिगड़ने से हड़कंप मच गया। उनके साथ आए स्कूल के स्टाफ के हाथ-पांव फूल गए। आनन-फानन में उन्हें पोलादपुर के ग्रामीण अस्पताल लाया गया। जहां उनका उपचार किया जा रहा है। अस्पताल के डॉक्टरों की एक टीम उनका इलाज कर रही है। डॉक्टर का कहना है की उनकी हालत अब ठीक है। जल्द ही सभी छात्रों की छुट्टी कर दी जाएगी।

अचानक बिगड़ी 18 छात्रों की तबीयत

जानकारी के मुताबिक, जालना जिले के न्यू हाई स्कूल के 150 स्टूडेंट्स नए साल के मौके पर स्कूल की तरफ से आयोजित पिकनिक मनाने रायगढ़ के महाबलेश्वर आए हुए थे। इसी बीच 18 छात्रों की अचानक तबीयत बिगड़ने लगी। उन्हें उल्टी, पेट खराब, शरीर के कंपकंपी और तेज सिरदर्द की शिकायत हुई। ये देखकर स्कूल के स्टाफ घबरा गया। बीमार हुए सभी छात्रों को अस्पताल में भर्ती कराया। महाड ग्रामीण अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक डॉ। शंतनू डोईफोडे की अगुवाई में डॉक्टरों की टीम छात्रों का इलाज कर रही है।अस्पताल द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, सभी छात्रों की हालत स्थिर है।

सेप्टिक टैंक में 4 शव मिलने से सनसनी

सिंगरौली, 5 जनवरी (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के सिंगरौली जिले में एक सेप्टिक टैंक से चार शव बरामद किए गए जिससे इलाके में सनसनी फैल गई। जिस सेप्टिक टैंक से ये शव बरामद हुए हैं वह हरि प्रसाद प्रजापति नाम के एक व्यक्ति के घर के पीछे ही मौजूद है। यह घटना जिले के बाडोखर गांव में हिंडाल्को फैक्ट्री के गेट नंबर तीन के पास हुआ है। स्थानीय लोगों को सेप्टिक टैंक से दुर्गंध आई तो वे उस घर के पास पहुंचे और फिर पुलिस को इसकी जानकारी दी। घटना के बाद सिंगरौली के एसपी मनीष खत्री ने कहा, "सेप्टिक टैंक के भीतर चार शव थे। सीढ़ियों का इस्तेमाल कर शव को बाहर निकालने में कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है इसलिए जेसीबी मशीन लगाई गई और शव निकालने के लिए साथ में ही एक गड्ढा खोदा जा रहा है।

पुलिस अधिकारी ने बताया कि पड़ोसियों ने सबसे पहले शाम चार बजे शव देखा और पुलिस को सूचित किया। ये घर के मालिक के रिश्तेदार भी हैं। अभी सभी शवों की पहचान नहीं हो पाई है।

तीन साल से पालम में रह रहे बांग्लादेशी नागरिक को दिल्ली पुलिस किया गिरफ्तार

नई दिल्ली, 5 जनवरी (एजेंसियां)। दिल्ली पुलिस ने पालम गांव में एक बांग्लादेशी नागरिक को गिरफ्तार किया है, जो तीन साल से भारत में अवैध रूप से रह रहा था। पुलिस ने यह कार्रवाई अवैध प्रवासियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत की। यह घटना पालम गांव के मंगलापुरी इलाके की है। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि एक बांग्लादेशी नागरिक संदिग्ध रूप से रह रहा है। इस सूचना के आधार पर पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए आरोपी को पकड़ लिया। गिरफ्तार किए गए व्यक्ति के पास से बांग्लादेशी दस्तावेजों की फोटोकॉपी बरामद की गई है। जांच के दौरान यह सामने आया कि वह व्यक्ति पिछले तीन वर्षों से भारत में अवैध रूप से रह रहा था। उसके पास कोई वैध दस्तावेज या वीजा नहीं था, और न ही उसे भारतीय नागरिकता मिली हुई थी। इसके बाद पुलिस ने पूरी कानूनी प्रक्रिया का पालन करते हुए आरोपी को एफआरआरओ के माध्यम से बांग्लादेश निर्वासित कर दिया। दिल्ली पुलिस का यह कदम अवैध प्रवासियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान का हिस्सा है, जिसमें पुलिस प्रशासन लगातार ऐसे व्यक्तियों की पहचान कर उन्हें देश से बाहर भेजने का काम कर रहा है। इससे पहले मुम्बई में भी 13 बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया गया था, जिनके बारे में जानकारी दिल्ली पुलिस ने भी साझा की थी। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, इस तरह की कार्रवाई से भारत की सुरक्षा को और मजबूती मिलेगी।

देश की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पुलिस की योजना

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि इस तरह की कार्रवाई से न केवल अवैध प्रवासियों की संख्या में कमी आएगी, बल्कि देश की सुरक्षा को भी सुनिश्चित किया जा सकेगा। दिल्ली पुलिस ने इस अभियान को और तेज करने का फैसला लिया है, ताकि देश में अवैध रूप से रह रहे विदेशी नागरिकों को शीघ्र निर्वासित किया जा सके। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, यह कदम देश में अवैध प्रवास और आतंकवाद को बढ़ावा देने वाली गतिविधियों को रोकने में सहायक साबित होगा।

लालू यादव के राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक बुलाने पर बीजेपी ने बोला हमला, कहा- 'पार्टी पर मालिकाना हक'

पटना, 5 जनवरी (एजेंसियां)। बिहार में इस साल होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर सभी राजनीतिक दलों ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। इसी बीच राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव ने 18 जनवरी को पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक बुलाई है। इसको लेकर बीजेपी ने निशाना साधा है। बीजेपी नेता नीरज कुमार ने कहा कि लालू यादव के परिवार में उनकी पार्टी पर मालिकाना हक को लेकर उनके बेटे-बेटियों में लड़ाई चल रही है। उन्होंने कहा कि एक बार लालू यादव कहते हैं कि दरवाजा खुला है, बेटा आकर बंद करता है फिर बेटी आकर कहती है कि दरवाजा खुला रहेगा, पापा जो कहेंगे, वहीं होगा।

'पार्टी को चार हिस्सों में बांट दीजिए'

बीजेपी नेता नीरज कुमार ने लालू यादव को सलाह देते हुए कहा कि आप स्वस्थ रहते हुए अपनी पार्टी को चार हिस्सों में बांट दिजिए। ताकि आपके बेटे-बेटी संतुष्ट रहे। आरजेडी टी-1 तेजस्वी यादव के लिए, आरजेडी -2 तेजप्रताप के लिए, आरजेडी 'एम' मीसा भारती के लिए और आरजेडी 'आर' रोहिणी के लिए। नहीं तो पार्टी के साथ-साथ आपके परिवार में भी कलह मचेगी, भगदड़ मचेगी। बीजेपी नेता ने कहा लालू यादव अपने बेटे को औकात दिखाना चाहते हैं इसलिए उन्होंने बैठक बुलाई है।

आरजेडी की बैठक कई मायनों में अहम

साल 2025 में होने वाले विधानसभा चुनाव को देखते हुए आरजेडी की बैठक कई मायनों में अहम है। माना जा रहा है कि इस बैठक में तेजस्वी यादव के नेतृत्व में आगामी विधानसभा चुनाव लड़ने की अधिकारिक घोषणा हो सकती है। इसके अलावा बैठक में पार्टी के विधायकों और सांसदों से आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर फीडबैक भी लिया जा सकता है। संभावना है कि बैठक में पार्टी के नए प्रदेश अध्यक्ष की घोषणा भी की जा सकती है। बता दें कि आरजेडी के राष्ट्रीय प्रधान महासचिव अब्दुल बारी सिद्दीकी की तरफ से एक पत्र जारी किया गया है। जिसमें लिखा गया है कि राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू यादव के निर्देशानुसार राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक 18 जनवरी 2025 को पटना के मौर्या होटल में आयोजित की जाएगी।

रतलाम में चार्ज हो रही ई-बाइक में ब्लास्ट, 11 साल की बच्ची जिंदा जली, 2 अन्य घायल

रतलाम, 5 जनवरी (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के रतलाम में बीती रात करीब 3 बजे एक दर्दनाक हादसा हुआ। यह हादसा पीएनटी कॉलोनी में हुई, जहां एक इलेक्ट्रिक स्कूटर चार्जिंग के दौरान अचानक विस्फोट हो गया, जिससे भीषण आग लग गई। इस हादसे में गुजरात से अपने नाना के घर आई 10-11 वर्षीय बच्ची की मौत हो गई, जबकि परिवार के दो अन्य सदस्य गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों का इलाज मेडिकल कॉलेज में चल रहा है। बताया जा रहा हैं कि रात इलेक्ट्रिक स्कूटी को चार्जिंग पर लगाकर परिवार के लोग सो रहे थे। रात में लगभग 3 बजे करीब स्कूटी चार्ज हो रही थी, तभी स्कूटी से चिंगारियां निकली और ई -स्कूटी में अचानक आग लग गई। इसके बाद परिवार के लोगों ने मदद के लिए चिल्लाना शुरू किया। हादसे के बाद फौरन आसपास के लोगों ने आग बुझानी शुरू की और परिवार के लोगों को बाहर निकलने का प्रयास शुरू कर दिया। वहां मौके पर मौजूद लोगों ने फायर ब्रिगेड को सूचना दी और जैसे तैसे परिवार के लोगों को बाहर निकाला।

एक ही परिवार के आईएएस और आईपीएस की पोस्टिंग एक ही जिले में

पुणे, 5 जनवरी (एजेंसियां)। कई लोग आईएएस और आईपीएस बनने का सपना देखते हैं। कुछ लोगों का ये सपना पूरा हो जाता है, तो वहीं कुछ लोगों का ये बड़ा सपना अधूरा भी रह जाता है, लेकिन एक परिवार ऐसा भी है, जिसमें तीन-तीन अधिकारी हैं। एक ही परिवार के तीन लोग आईएएस और आईपीएस हैं और तीनों की पोस्टिंग भी एक ही जिले में है। हालांकि तीनों सदस्य अलग-अलग जिम्मेदारियां संभाल रहे हैं। जितेंद्र डूडी पुणे के जिला आयुक्त बनकर आए हैं, जिनका सतारा से ट्रांसफर किया गया है। जितेंद्र डूडी की पत्नी आंचल दलाल भी एक आईपीएस अधिकारी हैं और पुणे में ही रहती हैं। इसके साथ ही उनके बहनोई शेखर सिंह पिंपरी चिंचवड़ नगर पालिका के आयुक्त हैं और अब जितेंद्र डूडी का भी इसी जिले में ट्रांसफर हो गया है। इस तरह एक परिवार के तीन आईएएस और आईपीएस एक ही जिले में तैनात हैं। राज्य सरकार की ओर से भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों का ट्रांसफर करना शुरू कर दिया है, जिसके चलते जितेंद्र डूडी का भी तबादला किया गया। जितेंद्र डूडी साल 2016 बैच के आईपीएस हैं। वह राजस्थान के जयपुर के रहने वाले हैं। उन्होंने प्रशासनिक सेवा की शुरुआत झारखंड से की थी। वह केंद्र सरकार में सहायक सचिव भी रहे हैं। इसके बाद साल 2018 में उनकी पोस्टिंग महाराष्ट्र में हो गई थी। उनका ये सफर सांगली जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी, सतारा के कलेक्टर और अब पुणे के कलेक्टर के रूप में जारी है। पुणे के कलेक्टर जितेंद्र डूडी ने आईपीएस आंचल दलाल से शादी की। आंचल उत्तर प्रदेश के शामली जिले की रहने वाली हैं। आंचल का परिवार गाजियाबाद में रहता है। उनके पिता टेलीकॉम विभाग में जीएम थे। वह 2018 में आईपीएस बनीं। आंचल के बड़े भाई शेखर दलाल 2012 में आईएएस बने। इसके अलावा आंचल की बहन भी खुद आईपीएस अधिकारी हैं। जितेंद्र डूडी का पूरा परिवार आईपीएस -आईएएस अधिकारियों से भरा हुआ है।

बीजेपी विधायक धस पर भड़की एनसीपी, कहा- अगर अजित पवार को बदनाम किया तो देंगे करारा जवाब

मुंबई, 5 जनवरी (एजेंसियां)। बीड के मसजोग गांव के सरपंच संतोष देशमुख की हत्या मामले में आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी है। एनसीपी प्रवक्ता सूरज चव्हाण ने रविवार को भाजपा विधायक सुरेश धस पर हमला बोला। उन्होंने धस द्वारा उपमुख्यमंत्री अजित पवार पर जांच को लेकर निशाना साधने पर आपत्ति जताई। चव्हाण ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर सवाल उठाया कि क्या धस को राज्य गृह विभाग पर भरोसा नहीं है कि वह हत्या की निष्पक्ष जांच करेगा। बता दें, मुख्यमंत्री और भाजपा नेता देवेंद्र फडणवीस गृह विभाग के प्रभारी हैं। एनसीपी प्रवक्ता ने कहा कि अगर पार्टी से कोई व्यक्ति इस हत्या के मामले से जुड़ा पाया जाता है, तो अजित पवार उस पर कड़ी कार्रवाई करने में कोई संकोच नहीं करेंगे। पुलिस के अनुसार, सरपंच संतोष देशमुख की हत्या के पीछे एक बड़ी जबरन वसूली का मामला है। बीड जिले में पवन चक्कियां स्थापित करने वाली एक ऊर्जा कंपनी से कथित तौर पर दो करोड़ रुपये की वसूली की जा रही थी। देशमुख ने इस जबरन वसूली का विरोध किया था, जिसके बाद नौ दिसंबर को उनका अपहरण किया गया और फिर हत्या कर दी गई। उनकी मौत के बाद मामले ने तूल पकड़ लिया, जिसके बाद चार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। वहीं, कुछ दिन पहले, महाराष्ट्र के मंत्री धनंजय मुंडे के करीबी सहयोगी वाल्मीक कराड ने पुणे में पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण किया था। कराड को 14 दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया गया है। एक दिन पहले पुलिस ने फरार दो आरोपी 26 वर्षीय सुदर्शन चंद्रभान घुले और 23 साल के सुधीर सांगले को शिकंजे में लिया। अभी तक कुल सात आरोपी इस मामले में गिरफ्तार हो चुके हैं। आपराधिक जांच विभाग (सीआईडी) का एक विशेष जांच दल (एसआईटी) सरपंच हत्या मामले की जांच कर रहा है। एनसीपी नेता चव्हाण ने कहा कि शनिवार को परभणी में एक विरोध-प्रदर्शन के दौरान धस ने अजित पवार पर निशाना साधते हुए पूछा था कि उनके द्वारा किए गए वादे (मामले की जांच) का क्या हुआ। उन्होंने कहा, 'अगर एनसीपी से कोई व्यक्ति हत्या मामले में शामिल पाया जाता है, तो अजित पवार उसे नहीं छोड़ेंगे।

सदमे से आखिर कैसे मर जाते हैं जानवर, क्या वे जानते हैं मौत का खौफ ?

सूरत, 5 जनवरी (एजेंसियां)। गुजरात के स्टैच्यू ऑफ यूनिटी सफारी में एक जंगली तेंदुए ने काले हिरण को मार डाला। यह खबर अनोखी शायद ना लगे लेकिन इस घटना को देकर दूसरे साथी अन्य काले हिरण सदमें से मर गए। वड़ोदरा के वन विभाग के अधिकारियों ने इस अजीब से हादसे की जानकारी दी जिसमें एक जंगली तेंदुआ सफारी के सरदार पटेल जूलॉजिकल पार्क में घुस गया था जहां काले हिरण रहते थे। यह सफारी में यह इस तरह का पहला मामला है जिसमें जानवरों को सदमे से मरते देखा गया है। पर आखिर ऐसा कैसे हो सकता है? इंसान तो सदमे से मरते बहुत देखे जाते हैं पर काले हिरण जैसे जानवर सदमे से कैसे मर सकते हैं?

सदमे से मरना नई बात नहीं

ऐसा नहीं है कि जानवर पहले कभी सदमे से नहीं मरते पाए गए। भारत में ही सरकारी आंकड़ों के मुताबिक 2017 से 2020 के बीच अकेले दिल्ली के ही चिड़ियाघर में 144 जानवर सदमे से मरे थे। हालांकि मरने वाले जानवरों की मौत के सटीक कारण विवाद का मुद्दा बन गए थे, यह अनोखी बात नहीं है कि जानवर सदमे से मरते हैं। कई ऐसा मामले पाए गए हैं, जिनमें पालतू जानवर खास तौर से कुत्ता अपने मालिक के मरने के बाद सदमे से मर गया था।

क्या काले हिरण का मामला अलग है?

जी हां काले हिरण का मामला अलग है क्योंकि वे पालतू जानवर नहीं होते हैं। एक्सपर्ट्स कहते हैं कि पालतू जानवरों में सदमें से मरने का खतरा ज्यादा रहता है। दूसरी तरफ पाले गए जानवरों पर निगरानी आसान होती है इसलिए उनके सदमें से मरने का पता चल जाता है। लेकिन कई लोग यह भी संदेह करते हैं कि चिड़िया घर के कर्मचारी अपनी गलतियां छिपाने के लिए भी जानवरों को सदमे से मरा घोषित कर सकते हैं। बहरहाल केवल भारत ही नहीं दुनिया भर में जानवरों को सदमे से मरने के मामले पाए गए हैं। पश्चिमी देशों में तो यहां तक शोध हुए हैं कि सदमे से मरे जानवर का मांस स्वादिष्ट क्यों नहीं होता है? पर अगर जानवर वाकई सदमें से मरते हैं तो पहले समझना जरूरी है कि क्या कुछ खास तरह के जानवर ही हैं जिनके सदमे से मरने की संभावना ज्यादा होती है और क्या जानवर मरने का खौफ समझते हैं? जी हां, लगभग सभी जानवर, खास तौर से समूह में रहने वाले जानवर तो मौत का मतलब बहुत अच्छे से समझते हैं और वे किसी निकटसंबंधी की मौत का मातम तक भी मनाते देखे गए हैं पूरे समूह के किसी के मरने के बाद बर्ताव में भारी बदलाव देखने को मिलता है। इसके अलावा, इंसान के साथ हर जानवर में खुद के अस्तित्व के खतरे को पहचानने की क्षमता होती है और शिकार होने के बचने के लिए वह उपाय करता दिखता है।

कई जानवरों में ऐसा देखा गया है को वहीं पशु विज्ञानिकों का कहना है कि हिरण जैसे जानवर तनाव में आ जाते हैं और कई बार उन्हें तनाव की वजह से मरते देखा गया है। कई बार उनके मरने की वजह दिल का दौरा भी पाई गई है। इसमें कोई संदेह नहीं कि जानवरों की मौत के प्रति धारणा वैसी नहीं होती है जैसी इंसानों की होती है, लेकिन वे खतरे से चौकन्ने और प रेशान जरूर होते हैं और यहां तक कि उस तनाव से मर भी सकते हैं।

काले हिरण भी तनाव से आसानी से मरते देखे जाते हैं। वे दूसरे हिरण और अन्य कई जानवरों की तरह इंसानों की उपस्थिति से घबरा जाते हैं और कई बार देखा गया है कि यह तनाव ही उनके लिए जानलेवा तक साबित होता है। यहां गौर करने वाली बात ये है कि हिरण और अन्य कई जानवर भी इंसानों को शिकारियों की तरह समझते हैं। ऐसे में जाहिर है कि जब तेंदुओं को किसी दूसरे काले हिरण को मारते हुए बाकी सात हिरणों ने देखा होगा तो वे तनाव शायद नहीं झेल सके होंगे।

स्वतंत्र वार्ता

सोमवार, 6 जनवरी - 2025

क्या नीतीश-केजरी की राजनीति खत्म होने वाली है ?

श्रवण गर्ग

भविष्यवाणी की जा सकती है कि विपक्ष की राजनीति में नया साल सिर्फ़ दो नेताओं के 'निर्मम' चमत्कारों की बलि चढ़ने वाला है। नए साल में इन दो नेताओं की सफलता-असफलता कई आशंकाओं और समीकरणों को जन्म देने वाली है। कहा जा सकता है साल की शुरुआत 'पर्दे के पीछे' से 'मुख्यमंत्री' पद सम्भाल रहे अरविंद केजरीवाल के चौथी बार भी भाग्योदय या फिर राजनीतिक पराभव से होगी और 2025 का पटाक्षेप मोदी द्वारा नीतीश कुमार के भविष्य निर्धारण के साथ। माना जा सकता है भाजपा और कांग्रेस के बीच कम से कम एक मुद्दे पर तो मौन सहमति बनी होगी कि केजरीवाल की तरह की राजनीति के लिये दिल्ली विधानसभा का चुनाव हर क़ीमत पर आख़िरी किश्त साबित होना चाहिए। 'आप' नेता को इस बात का अगर संदेह भी हो गया हो कि दोनों दल उनके ख़िलाफ़ एक हो गए हैं तो आश्चर्य नहीं किया जाना चाहिए। केजरीवाल चतुर हैं। वे 'आप' को लेकर मोदी और राहुल दोनों के ख़ौफ़ को समझते हैं। इसीलिए उन्होंने अब दोनों दलों पर समान रूप से हमले प्रारंभ कर दिये हैं। केजरीवाल के निशाने पर पहले सिर्फ़ मोदी-शाह ही थे, कांग्रेस नहीं ! अजय माकन के बहाने कांग्रेस नेतृत्व पर पर जिस तरह के आरोप संजय सिंह और आतिशी से 'लगवाए' गए और कांग्रेस को 'इंडिया ब्लॉक' से बाहर करने की धमकी दी गई उससे केजरीवाल के इरादे ज़्यादा उजागर हो गए। दस सालों की सत्ता में अपने राजनीतिक भविष्य को लेकर केजरीवाल इतने आशंकित पहले कभी नज़र नहीं आए जितने इस समय

दिखाई पड़ रहे हैं। अपनी पार्टी को लेकर जैसे डर का सामना केजरीवाल कर रहे हैं वैसी ही कुछ स्थिति जेडीयू को लेकर नीतीश कुमार की बिहार में है। केंद्र द्वारा आरिफ़ मोहम्मद ख़ान को केरल से हटाकर बिहार का राज्यपाल बनाने का वैसे तो जेडीयू ने स्वागत किया है पर उससे ये आशंकाएँ ख़ारिज नहीं हो जातीं कि चुनावों के बाद नीतीश कुमार भी 'एकनाथ' को प्राप्त हो सकते हैं। अमित शाह एक बार तो सिक्का उछाल ही चुके हैं कि बिहार चुनावों के लिये मुख्यमंत्री का चेहरा अभी तय नहीं है और दूसरी ओर भाजपा नेता गिरिराज सिंह नीतीश को 'भारत रत्न' बनाने का सुझाव दे चुके हैं। भाजपा और कांग्रेस दोनों जानते हैं कि कड़े विरोध के बावजूद केजरीवाल अगर चौथी बार भी मुख्यमंत्री बनने में कामयाब हो गए तो उसके राजनीतिक परिणाम क्या निकलने वाले हैं ! उस स्थिति में मोदी को चुनौती देने का काम राहुल गांधी नहीं बल्कि केजरीवाल करेंगे। क्या आश्चर्यजनक नहीं लगता कि 2014 के बाद से मोदी कांग्रेस को तो देश भर में हराते रहे पर सत्ता की ठीक नाक के नीचे दिल्ली में केजरीवाल के सामने विफल साबित होते रहे। केजरीवाल में कोई तो बात होगी जो राहुल में नहीं है ! राहुल के सामने चुनौती यह है कि केजरीवाल की जीत विपक्ष की राजनीति में उस घातक गठजोड़ (लीथल कॉम्बिनेशन) की प्रसूति करेगी जिसकी कि ममता बनर्जी कोलकाता में प्रतीक्षा कर रही हैं। ममता अपने इरादे पहले ही ज़ाहिर कर चुकी हैं कि वे कांग्रेस को हटा कर 'इंडिया ब्लॉक' का नेतृत्व करना चाहती हैं। उस स्थिति में शरद पवार की एनसीपी सहित अन्य विपक्षी दल भी कांग्रेस की छत्रछाया से अपने को आज़ाद कर लेंगे। राहुल के लिये इस समय दिल्ली चुनावों में भाजपा को हराने से ज़्यादा बड़ा काम केजरीवाल को फिर से सत्ता में आने से रोकने का है। मंदिरों के पुजारियों और गुरुद्वारों के ग्रंथियों को अठारह हज़ार रुपये महीने देने की केजरीवाल की नई योजना को भाजपा और कांग्रेस दोनों की कमजोर नसों पर सुनियोजित तरीक़े से प्रहार करने की रणनीति का हिस्सा माना जा सकता है। महाराष्ट्र की तर्ज पर केजरीवाल ने 12 दिसंबर को घोषणा की थी कि महिलाओं को अभी हर महीने हज़ार रुपए और चुनाव बाद 2,100/- रुपए दिए जाएँगे। उसके बाद 18 दिसंबर को घोषणा कर दी कि साठ साल से ऊपर के बुजुर्गों का निजी और सरकारी अस्पतालों में निशुल्क इलाज होगा। दिल्ली सरकार ने बाद में दोनों योजनाओं को 'फ़र्ज़ी' करार दिया। पूछा जा सकता है जिन योजनाओं का पिछले दस सालों के दौरान केजरीवाल के मन में विचार भी नहीं आया उन्हें इस वक्त क्यों लागू किया जा रहा है ?नीतीश कुमार और केजरीवाल हाल के सालों में भारतीय राजनीति के सबसे ज़्यादा महत्वाकांक्षी राजनेताओं के रूप में अवतरित हुए हैं। आरोप है दोनों नेताओं ने ही सत्ता की लालसा के चलते भाजपा के ख़िलाफ़ विपक्ष की साझा लड़ाई का सबसे ज़्यादा नुक़सान किया है। नीतीश अपने आपको 'इंडिया ब्लॉक' का रचनाकार बताते रहे पर उसे सबसे ज़्यादा चोट भी उन्होंने ही पहुँचाई। केजरीवाल की छवि को लेकर ढाई दशकों के बाद भी मुल्क तय नहीं कर पाया रहा है कि वे किसकी टीम के खिलाड़ी हैं। अन्ना-केजरीवाल का 'इंडिया अगेंस्ट करप्शन' गवाह है भाजपा और संघ की मदद लेकर किस तरह पहले शीला दीक्षित और बाद में डॉ मनमोहन सिंह की साफ़-सुथरी सरकारों को तबाह किया गया। महसूस किया जाने लगा है कि भारतीय राजनीति का वह क्षण विलक्षण होगा जब नीतीश कुमार और केजरीवाल जैसी महत्वाकांक्षाओं वाले लोग इतिहास के पन्नों में हाशियों पर धकेल दिये जाएँगे। केजरीवाल के पास तो मोदी जैसी राजनीति करने के लिए अभी बीस-पच्चीस साल की उम्र भी बची है। कल्पना की जा सकती है कि 'आम आदमी पार्टी' का यह धुंआधार नेता अगर सफलताओं के झंडे गाड़ता गया तो राजनीति को किस मुक़ाम पर ले जाकर छोड़ेगा !

http://shravangarg1717.blogspot.com

लालू और नीतीश की केमस्ट्री

बिहार की राजनीति की सियासत के दो धुरंधर खिलाडी एक बार फिर बाहें फैलाए एक दूसरे के स्वागत को आतुर दिखाई दे रहे हैं। इन दोनों की पुरानी केमिस्ट्री को देखते हुए एक बार फिर से राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव ने मुख्यमंत्री और जेडीयू सुप्रीमो नीतीश कुमार को फिर से साथ आने का निमंत्रण दे दिया है, वहीं अपनी आदत के अनुसार नीतीश ने भी सीधे खंडन करने के बजाय इसे हंसकर टाल दिया है। उनके हंसने के साथ ही कयासबाजी का वह दौर शुरू हो गया है, जिसने पटना से लेकर दिल्ली तक राजनीति के सभी धड़ों के कान खड़े कर दिए हैं। आज की राजनीति में नीतीश कुमार इकलौते ऐसे राजनेता हैं, जो बार-बार पाला बदलकर बिहार की सत्ता पर काबिज हैं। सबसे बडी बात तो यह है कि इसके बाद भी वे प्रासंगिक भी बने हुए हैं। वे भाजपा के साथ सरकार मुख्यमंत्री तो हैं ही, लालू प्रसाद ने भी उन्हें साथ आकर मुख्यमंत्री बनने का मौका देने का आह्वान किया है। उन्होंने साफ कहा कि नीतीश कुमार के लिए उनके दरवाजे हमेशा खुले हुए हैं। बड़ी बात यह है कि कोई भी प्रामाणिकता के साथ इस संभावना को इंकार भी नहीं कर रहा है। नीतीश को लेकर अटकलों को मजबूती बिहार में एनडीए खेमे के मौजूदा आंतरिक समीकरणों से भी मिल रही है। कुछ ही दिन पहले अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती के मौके पर उपमुख्यमंत्री और बीजेपी नेता विजय कुमार सिन्हा ने यह कहकर सनसनी फैला दी कि अटल जी को सच्ची श्रद्धांजलि तभी होगी कि बिहार में बीजेपी की पूर्ण बहुमत वाली सरकार बन जाए। हालांकि थोडी देर बाद ही उन्हें एहसास हो गया कि उन्होंने कितनी बडी गलती कर दी है। इसलिए जल्द ही उन्होंने इस बयान से किनारा कर लिया। लेकिन उनके बयान से तबतक इतना नुकसान हो चुका था कि नीतीश कुमार आज तक हर कदम बहुत सोच-समझकर उठा रहे हैं। राजनीति के माहिर नीतीश को भी अच्छी तरह मालूम हो चुका है कि बिहार की राजनीति में जेडीयू और उनकी अनिवार्यता का अंतिम दौर चल रहा है। इसीलिए पिछले हफ्ते जब नीतीश कुमार दिल्ली दौरे पर गए तो उनकी अनदेखी की खबरें सुर्खियों में रही। खबरों के अनुसार दिल्ली में नीतीश कुमार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा से मिलना चाहते थे, लेकिन कहीं से भी मिलने का समय नहीं मिला। लालू यादव ने हालात को भांपा और आफर दे दिया लेकिन बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने ऐसी किसी भी संभावना इंकार कर दिया। उनका फोकस साल के आखिर में होने वाले विधानसभा चुनाव पर है। उनका मानना है कि इस वक्त नीतीश कुमार के आने की संभावना मात्र से राजद के कार्यकर्ताओं और मतदाताओं के बीच भ्रम और असमंजस की स्थिति बन जाएगी। यह बात भी ध्यान देने लायक है कि केंद्र सरकार में बीजेपी के पास बहुमत नहीं है। नीतीश कुमार का साथ उसके लिए भी अहम है। हालांकि आगामी लोकसभा चुनाव 2029 में है। इसलिए अभी से केंद्रीय सत्ता का समीकरण बिगाड़ने का विकल्प नीतीश कुमार किसी भी हालत में चुनने की स्थिति में बिलकुल नहीं है। एनडीए के साथ रहना अब उनकी मजबूरी बन गई है।

उपचुनाव की हार से मायूस सपा ने बनाया एक्शन प्लान

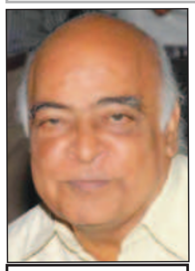

अशोक भाटिया

अगले 2027 के चुनाव में कोई कोर कसर न रहा जाए इसलिए 2024 के लोकसभा चुनाव में अस्सी फीसदी से ज्यादा भाजपा के पक्ष में वोटिंग करने वाले ब्राह्मण समाज पर भी सपा की नजर है। कांग्रेस ने ब्राह्मण समाज से अविनाश पांडेय को उत्तरप्रदेश का प्रभारी बना रखा है तो भूमिहार समुदाय से आने वाले अजय राय को प्रदेश अध्यक्ष पद की कमान सौंप रखी है। मनोज पांडेय, राकेश पांडेय और विनोद चतुर्वेदी जैसे ब्राह्मण समुदाय के विधायकों के बागी रुख अपनाने के बाद अखिलेश यादव ने ब्राह्मण विरोधी नैरेटिव को तोड़ने के लिए माता प्रसाद पांडेय को नेता प्रतिपक्ष का पद सौंप दिया है। ऐसे में सपा की नजर ब्राह्मण को भी साधकर 2027 की सत्ता में वापसी करने का प्लान है । वैसे 2024 के लोकसभा चुनावों से अखिलेश यादव को समझ में आ गया है कि अगर वो ब्राह्मण को वरीयता देते हैं तो सफलता की दर बढ़ सकती है। विशेषकर पूर्वी उत्तरप्रदेश में ब्राह्मणों को एक साथ लाने में पार्टी को सफलता मिल सकती है। हाल ही में उत्तर प्रदेश विधानसभा में माता प्रसाद पांडेय को जब से नेता प्रतिपक्ष बनाया गया तबसे सपा प्रमुख अखिलेश यादव की दोबारा ब्राह्मण समुदाय को साधने की कोशिश के तौर पर ही देखा जा रहा है। यह बात इसलिए कही जा रही है कि सपा ने अपने सियासी इतिहास में पहली बार किसी अगड़े समुदाय को सदन में नेता प्रतिपक्ष बनाया है। इस तरह सपा अपने सियासी आधार को पीडीए (पिछड़ा-दलित-अल्पसंख्यक) तक ही सीमित नहीं रखना चाहती बल्कि उसे विस्तार देने के लिए ब्राह्मण नेता पर दांव लगाना ज्यादा मुफीद लगा। इसके चलते माता प्रसाद पांडेय को विधानसभा में सपा विधायकों की नुमाइंदगी सौंपी है। माता प्रसाद पांडेय को नेता प्रतिपक्ष बनाए जाने के समर्थन-विरोध में भले ही सपा के भीतर और बाहर आवाज उठ रही हो और बीजेपी-बसपा ने सवाल खड़े किए हैं, लेकिन अखिलेश के इस फैसले के बाद यह चर्चा भी चल पड़ी है कि क्या ब्राह्मणों की गोलबंदी के लिए सियासी कसरत तेज होगी और क्या ब्राह्मण वोटर भाजपा का साथ छोड़कर सपा के साथ जाना पसंद करेंगे। भाजपा के पूर्व विधायक आनंद शुक्ला ने ट्वीट कर माता प्रसाद पांडेय को बधाई देते हुए लिखा कि 15 फीसदी ब्राह्मण वोटों की जरूरत सबको है। वहीं, बसपा प्रमुख मायावती की प्रतिक्रिया के बाद पार्टी के ब्राह्मण चेहरे माने जाने वाले सतीश चंद्र मिश्रा ने सपा सरकार में अगड़ों-पिछड़ों की उपेक्षा का आरोप लगाते हुए ब्राह्मण समुदाय पर हुए अत्याचार याद दिलाया। गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश की सियासत में कभी ब्राह्मण किंग हुआ करते थे, लेकिन अब किंगमेकर बनकर रह गए हैं। उत्तर प्रदेश में लंबे समय तक सियासत और सत्ता दोनों ही ब्राह्मण समुदाय के इर्द-गिर्द सिमटी रही। आजादी के बाद उत्तरप्रदेश में 1989 तक ब्राह्मणों का वर्चस्व कायम रहा और छह ब्राह्मण मुख्यमंत्री बने। गोविंद वल्लभ पंत, सुचेता कृपलानी, कमलापति त्रिपाठी, हेमवती नंदन बहुगुणा, श्रीपति मिश्र और नारायण दत्त तिवारी उत्तरप्रदेश में सीएम रहे। ये सभी कांग्रेस से थे। इनमें नारायण दत्त तिवारी तीन बार उत्तरप्रदेश के सीएम रहे। ब्राह्मण समुदाय के मुख्यमंत्रियों के कार्यकाल को देखें तो करीब 23 साल तक उत्तर प्रदेश की सत्ता की कमान ब्राह्मण समुदाय के हाथ में रही है। लेकिन, मंडल और कमंडल की राजनीति ने उन्हें हाशिए पर धकेल किया। नारायण दत्त तिवारी के बाद उत्तर प्रदेश में कोई भी ब्राह्मण समुदाय से मुख्यमंत्री नहीं बन सका। सूबे में पिछले साढ़े तीन दशक से राजनीतिक दलों के लिए ब्राह्मण समुदाय सिर्फ वोटबैंक बनकर रह गए हैं। उत्तरप्रदेश में भले ही 1989 के बाद कोई ब्राह्मण किंग न बन सका हो, लेकिन किंगमेकर की भूमिका जरूर अदा कर रहे हैं। उत्तरप्रदेश में ब्राह्मण, दलित और मुस्लिम समीकरण के जरिए कांग्रेस का दबदबा बना रहा और ब्राह्मण सीएम भी उसी दौर में बनते रहे। मंडल बनाम कमंडल की राजनीति ने कांग्रेस और ब्राह्मण दोनों को सत्ता से बाहर कर दिया। नब्बे के दशक से ब्राह्मणों ने भाजपा को पकड़ा तो उसके सियासी खूंटे से कमोबेश वैसे ही बंधे जैसे यादव सपा और दलित बसपा के साथ। बसपा और सपा के मजबूत होने और भाजपा के कमजोर होने के चलते ब्राह्मणों की सियासत हाशिए पर पहुंच गई। ऐसे में मायावती ने 2007 में ब्राह्मणों को साधकर सोशल इंजीनियरिंग की शुरुआत की। बसपा ने नारा दिया था कि ब्राह्मण शंख बजाएगा, हाथी बढ़ता जाएगा।' भाजपा के उदय के साथ ही ब्राह्मण समुदाय का कांग्रेस से मोहभंग हुआ। उत्तरप्रदेश में जिस भी पार्टी ने पिछले तीन दशक में ब्राह्मण कार्ड खेला, उसे सियासी तौर पर बड़ा फायदा हुआ है। सीएसडीएस के आंकड़ों की मानें तो साल 2014 के लोकसभा चुनाव में भाजपा गठबंधन को 72 फीसदी ब्राह्मणों ने वोट दिया जबकि सपा-बसपा को 5-5 फीसदी ब्राह्मण वोट मिले। कांग्रेस को लगभग 11 फीसदी ब्राह्मणों ने वोट दिया। 2019 चुनाव में भाजपा को 82 फीसदी ब्राह्मणों ने वोट किया लेकिन लेकिन सपा-बसपा गठबंधन और कांग्रेस को 6-6 फीसदी ब्राह्मण वोट मिले। 2024 चुनाव में भी ब्राह्मण समुदाय का 82 फीसदी वोट भाजपा को मिला है। उत्तरप्रदेश में सबसे ज्यादा ब्राह्मण विधायक 1980 के चुनाव में जीते थे। उस समय ब्राह्मण समुदाय के 87 विधायक थे, लेकिन उसके बाद से लगातार विधानसभा में उनकी संख्या घटती जा रही है। 2002 में 41 ब्राह्मण विधायक ने, लेकिन 2007 में 56 विधायक बनने में कामयाब रहे। 2007 में जब मायावती सत्ता में आईं तो उस समय बीएसपी से 41 ब्राह्मण विधायक चुने गए। 1993 में बसपा से महज एक ब्राह्मण विधायक था, लेकिन चुनाव दर चुनाव यह आंकड़ा बढ़ता गया। 2007 के उत्तरप्रदेश चुनाव में सीएसडीएस की रिपोर्ट के मुताबिक सिर्फ 38 फीसदी ब्राह्मणों ने ही मायावती को वोट दिया था और इसमें से भी अधिकतर वोट बसपा को वहां मिले थे जहां उसने ब्राह्मण उम्मीदवार खड़े किए थे। 2012 में 47 ब्राह्मण समाज से विधायक बने थे जबकि 2017 में 58 विधायक ब्राह्मण समुदाय से चुने गए थे, जिनमें 46 विधायक भाजपा से बने थे। इससे पहले भाजपा से जीते ब्राह्मणों की संख्या 20 से ज्यादा नहीं बढ़ी थी। 2002 से लेकर 2012 तक तो भाजपा से जीतने वाले ब्राह्मणों की संख्या दहाई का अंक भी नहीं छू पाई थी। वहीं, सपा से सबसे ज्यादा 21 ब्राह्मण 2012 के चुनाव में जीतकर आए थे जबकि इससे पहले यह आंकड़ा 11 तक ही सिमटा रहा है। 2022 के विधानसभा चुनाव में 52 विधायक ब्राह्मण समाज से चुने गए हैं, जिनमें सबसे ज्यादा 46 भाजपा से हैं जबकि पांच सपा और एक ने कांग्रेस से जीत दर्ज की है। उत्तर प्रदेश में भाजपा का 2017 में दोबारा से उभार हुआ तो ब्राह्मणों को लगा कि उन्हें सत्ता की कमान मिलेगी, लेकिन सीएम योगी आदित्यनाथ को बना दिया, जो ठाकुर समुदाय से हैं और ब्राह्मण समुदाय के दिनेश शर्मा को डिप्टी सीएम से संतोष करना पड़ा। इसके बाद 2022 के चुनाव में भाजपा दोबारा सत्ता में आई तो सत्ता की बागडोर सीएम योगी के हाथों में रही जबकि डिप्टी सीएम का पद बृजेश पाठक को दे दिया गया।

तेज़ी से बढ़ रहा है ई-कचरा ग्लोबल ई-वेस्ट मॉनिटर

सुनील कुमार महला

आज पूरे विश्व में प्रौद्योगिकी हमारे दैनिक जीवन का एक अनिवार्य और महत्वपूर्ण हिस्सा हो गई है। हम काम से लेकर मनोरंजन और संचार से लेकर शिक्षा, व्यापार, चिकित्सा तक, लगभग-लगभग हर काम के लिए इलेक्ट्रॉनिक डिवाइसों का उपयोग करते हैं। विज्ञान और प्रौद्योगिकी की तीव्र प्रगति के साथ, एक नई समस्या सामने आई है - ई-कचरा। आज दुनिया में ई-कचरा लगातार बढ़ रहा है क्यों कि एक तो तीव्र तकनीकी उन्नति हो रही है, दूसरा यह कि आज विभिन्न कंपनियां उपभोक्ताओं को इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के नए मॉडल में अपग्रेड करने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए करती हैं, जिससे पुराने इलैक्ट्रोनिक सामान एक समय विशेष के बाद उपभोक्ताओं के लिए व्यर्थ हो जाते हैं। आज दुनिया में बहुत से लोग इस बात से अनजान हैं कि अपने इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का सही तरीके से निपटान कैसे किया जाए, जिसके कारण वे इन उपकरणों को लैंडफिल में फेंक देते हैं और इस तरह से धरती पर ई-कचरा लगातार बढ़ रहा है। इसी संदर्भ में इन दिनों ग्लोबल ई-वेस्ट मॉनिटर 2024 की रिपोर्ट काफी चर्चा में है। हाल ही में, संयुक्त राष्ट्र प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान (यूनिटार) ने इसे जारी किया है , जिसमें यह कहा गया है कि दुनिया में इलेक्ट्रॉनिक कचरे का उत्पादन दर्ज ई-कचरे के पुनर्चक्रण की तुलना में पांच गुना तेजी से बढ़ रहा है। पाठकों को बताता चलूं कि यूएनआईटीएआर संयुक्त राष्ट्र की एक प्रशिक्षण शाखा है जो सरकारों, संगठनों और व्यक्तियों को वैश्विक चुनौतियों पर काबू पाने में मदद करती है। इसकी रिपोर्ट से यह पता चलता है कि वैश्विक ई-कचरा उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है , जो 2010 में 34 बिलियन किलोग्राम से बढ़कर 2022 में 62 बिलियन किलोग्राम तक पहुंच गई। रिपोर्ट में यह बात कही गई है यदि यही प्रवृत्ति जारी रहती तो वर्ष 2030 तक यह लगभग 32 प्रतिशत बढ़कर 82 बिलियन किलोग्राम तक पहुंच जाएगी। वर्ष 2022 में जो रिकॉर्ड 62 मिलियन टन ई-कचरा उत्पन्न हुआ, वह वर्ष 2010 से 82% अधिक है। गौरतलब है कि इस 62 अरब किलोग्राम में से केवल 13.8 अरब किलोग्राम को ही 'औपचारिक रूप से एकत्रित और पर्यावरण की दृष्टि से उचित तरीके से पुनर्चक्रित' किया गया । यह भी उल्लेखनीय है कि 62 अरब किलोग्राम ई-कचरे में 31 अरब किलोग्राम धातु, 17 अरब किलोग्राम प्लास्टिक और 14 अरब किलोग्राम अन्य सामग्रियां (खनिज, कांच, मिश्रित सामग्री आदि) शामिल हैं। कहना ग़लत नहीं होगा कि ई-कचरा(इलैक्ट्रोनिक अपशिष्ट) सभी प्रकार के पुराने या त्याग दिए गए विद्युत और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जैसे टीवी, फ्रिज, वाशिंग मशीन व अन्य और ट्युबलाइट, बल्ब व सी.एफ.एल. जैसी अन्य चीजें, मोबाइल फोन, कम्प्यूटर, विभिन्न घरेलू उपकरण, कार्यालय सूचना और संचार उपकरण,प्लग या बैटरी आदि होते हैं, जो मानव व जीवों के स्वास्थ्य, जैव-विविधता और पर्यावरण के लिए खतरनाक है, क्यों कि इनमें अनेक विषाक्त योजक या पारे, सीसा, कैडमियम तथा निकल जैसी धातुएं तथा अनेक खतरनाक पदार्थ शामिल होते हैं। सच तो यह है कि ई-कचरे के अनुचित प्रबंधन से पर्यावरण में पारा और ब्रोमीनयुक्त अग्निरोधी प्लास्टिक जैसे खतरनाक पदार्थ निकलते हैं , जिससे पर्यावरण, जैव-विविधता और मनुष्य और जीवों के स्वास्थ्य दोनों पर प्रत्यक्ष और गंभीर प्रभाव पड़ता है। यहां यह भी एक तथ्य है कि वैश्विक स्तर पर वर्ष 2019 में लगभग 53.6 मिलियन टन ई-कचरा उत्पन्न हुआ था, जो लगभग 7.3 किलोग्राम प्रति व्यक्ति था।आज भारत समेत दुनिया भर में बहुत बड़ी मात्रा में इलैक्ट्रोनिक कचरा पैदा हो रहा है। एक आंकड़े के अनुसार भारत ने वर्ष 2019 में लगभग 3.2 मिलियन टन ई-कचरा उत्पन्न किया, जिसमें से लगभग 90% कचरे का विवरण उपलब्ध नहीं है। वास्तव में इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के उत्पादन में वृद्धि को औद्योगीकरण और शहरीकरण के लिये ज़िम्मेदार ठहराया गया है, जिसके परिणामस्वरूप अन्य इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की माँग में वृद्धि हुई है। इतना ही नहीं,बढ़ता हुआ तकनीकी विकास, उच्च खपत दर, विभिन्न इलैक्ट्रोनिक उत्पादों के जीवन चक्र का कम होना, खराब हुए इलैक्ट्रोनिक उपकरणों को ठीक करने के विकल्पों का कम होना, बढ़ता इलैक्ट्रोनिकीकरण, डिजाइन में कमियां और ई-कचरे का सही प्रबंधन नहीं होना जैसे प्रमुख कारण भी हैं।हाल फिलहाल, यदि हम यहां भारत के इलैक्ट्रोनिक कचरे से संबंधित आंकड़ों की बात करें तो भारत वर्तमान में विश्व स्तर पर ई-कचरा पैदा करने वाले सबसे बड़े देशों में तीसरे स्थान पर है, जो केवल चीन और अमेरिका से पीछे है। भारत में ई-कचरे की मात्रा 2021-22 में उल्लेखनीय वृद्धि के साथ 1.6 मिलियन टन हो गई है। उल्लेखनीय है कि भारत के 65 शहर कुल ई-कचरे का 60% से अधिक उत्पन्न करते हैं, जबकि 10 राज्य कुल ई-कचरे का 70% उत्पन्न करते हैं।

अदभुत है गुरु गोविंद सिंह की जन्म स्थली पटना साहिब का गुरुद्वारा !

डा.श्रीगोपाल नारसन

सिख धर्म के दसवें गुरु हुए गुरु गोविंद सिंह की जन्म स्थली बिहार की राजधानी पटना के बारे में कहा जाता है कि पटना शहर को सन 1541 ई0 में शेरशाह सुरी ने बसाया था। हालांकि पटना महानगर का इतिहास 600 शताब्दी पूर्व भगवान बुद्ध के समय से भी जुडा है। पटना तब एक छोटा सा कस्बा हुआ करता था और इसे पाटलीपुत्र नाम से दुनियाभर में पहचान मिली हुई थी। राजा अजात शत्रु ने अपने शत्रु लिच्छवी गणतन्त्र का मुकाबला करने के लिए गंगा किनारे इस पाटलीपुत्र कस्बे को एक किले के रूप में विकसित किया। जिसके तहत कस्बे के चारो ओर दीवारे बनाई गई। इसके बाद महात्मा बुद्ध यहां आए और कुछ समय यहां प्रवास किया ,इसी कारण पटना को भगवान बुद्ध की नगरी भी कहां जाता है। कहा जाता है कि 320 ई0 पूर्व नन्द राजा की राजधानी पाटलीपुत्र हुआ करती थी। राजा नन्द का साम्राराज्य भारत के एक बडे क्षेत्र तक फैला हुआ था। उस समय भी इस नगर के चारो तरफ दीवारे होने के प्रमाण मिलते है। सेल्यूकश निकेटर के राजदूत मेगास्थिनज के शब्दों में ,'पटना शहर भारत के बडे शहरों में से एक है, जिसके चारों तरफ लकडी की दीवारे होना बताई गई थी,साथ ही इस शहर के चारों तरफ 36 फीट चौडी व 15 फीट गहरी खाई होने होने की बात भी इतिहास में दर्ज है। इस शहर में 64 प्रवेशद्वार थे और 367 गुम्बज पटना नगर की शोभा बढाते थे। लेकिन 530 ई0 में आए भंयकर भुकम्प ने पटना शहर को बर्बाद कर दिया था। बाद में समय के साथ पटना ने अपने आपको संभालाऔर कुछ ही वर्षो में फिर यह शहर दुनिया को अपनी तरफ आकर्षित करने लगा।धार्मिक,साहित्यिक व राजनीतिक गतिविधियों के केन्द्र पटना वह पावन धरती है जहां महात्मा बुद्ध,गुरू नानकदेव,गुरू तेग बहादुर व गुरू गोविन्द सिंह के चरण पडे जिससे यह धरती पवित्र और पावन हो गई। कहा जाता है कि प्रसिद्ध अर्थशास्त्री कौटिल्य ने इसी धरती पर अर्थशास्त्र की रचना की थी।दुनियाभर में प्रख्यात रहे व्याकरण विद्वान पाणिनी की प्रसिद्ध पुस्तक 'अष्टाध्यायी' भी यही लिखी गई थी। कहा यह जाता है कि महाराजा पत्रक ने अपनी रानी पाटल के नाम पर इस शहर का नाम पटना रखा था वही भविष्य पुराण में महाबली पाली द्वारा अपनी पत्नी पटल के नाम पर इस शहर का नाम पटना रखे जाने का उल्लेख मिलता है। वास्तव में सही क्या है यह तो इतिहासकार ही जाने परन्तु इतना सच है कि पटना में गुरू गोविन्द सिंह 22 दिसम्बर सन 1666 ई0को जन्मे थे। गुरू तेगबहादुर धर्म प्रचार के दौरान आसाम के धुब डी गए थे और माता गुजरी को गर्भवती होने के कारण पटना में विश्राम के लिए छोड गए थे जहां पर माता गुजरी ने गुरू गोविन्द सिंह को जन्म दिया और गुरू गोविन्द सिंह जन्म से सात साल तक पटना में ही रहे। यानि उनका बाल्यकाल पटना में ही बीता। इसी कारण पटना को गुरू का घर भी कहा जाता है। पटना की महिमा स्वयं सिख धर्म के दसवें गुरू गोविन्द सिंह ने की है। जिसका वर्णन उन्होने यूं किया है, 'तही प्रकाश हमारा भयों ।पटना शहर बिखै भव लयौ ।'पटना गुरू का घर इसलिए भी है क्योंकि यहां गुरू गोविन्द सिंह के नन्हे नन्हे पैरों की अमिट छाप पडी और उनका बचपन यहां बीता।गुरू गोविन्द सिंह के बचपन की स्वर्णिम यादें पटना के ऐतिहासिक श्री हरिमन्दिर साहिब गुरूद्वारें में संजोयी हुई है। जिन्हे निहारने के लिए देश विदेश से बडी संख्या में श्रद्धालु यहां आए दिन पधारते है।

हम बाराती हैं

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

बारात यात्रा – यह वह अनुभव है जिसमें हम भारतीय संस्कृति के सबसे रंगीन और उल्लासपूर्ण पारंपरिक आयोजनों का हिस्सा बनते हैं। परंतु यह यात्रा एकमात्र उत्सव का समय नहीं होती, बल्कि कई अनकहे मज़ेदार और कभी-कभी दुखद पहलुओं का सम्मिलन होती है। बहुतों के लिए यह सफ़र एक संघर्ष से कम नहीं, जहां रास्ते में कई ऐसी स्थितियाँ आती हैं, जो आपको जीवन की सच्चाई और मानवता का एहसास कराती हैं। बारात का मतलब है - खुशियाँ, ढोल-नगाड़े, झूमते हुए लोग, बैंड-बाजा और हलचल। लेकिन यह सब सिर्फ़ बाहरी आभूषण होते हैं, असली कहानी तो उन घबराए हुए बारातियों की होती है, जो किसी कारणवश बारात के सफ़र में घुसे होते हैं। एक ओर बात यह कि अगर आपको बारात में जाना है तो यह जरूरी नहीं कि आपको प्यार ही मिले, बल्कि दहेज की भारी-भरकम व्यवस्था में आपको अपने पैसे और समय की भारी हानि का सामना करना पड़ सकता है। बारात में जाने की एक ठानी हुई वजह है - बड़े लोगों से मिलने और अच्छा खाना खाने की लालसा। पर जब सच्चाई का सामना होता है तो समझ आता है कि आपकी लालसा से कहीं अधिक महत्वपूर्ण होता है किसे बारात के बाद चुपके से भगा लिया जाए, या किसके घर में किसका ताना-माना जाए। सच्चाई तो यह है कि बारात यात्रा के समय आपके पास जो सबसे बड़ा कार्य होता है, वह है - चुपके से किसी को नज़रअंदाज़ करना और फिर खुद के अस्तित्व को वहां से निकालकर एक निष्कलंक छवि में बदलने का प्रयास करना। इस यात्रा का अंत अक्सर बुरे ख्वाब के जैसे होता है, जब आप यह महसूस करते हैं कि आधे रास्ते में आपका बैंड बज चुका है और बाकी की यात्रा एक संघर्ष बन चुकी है। इस बारात यात्रा के दौरान, खासकर अगर आप वह सौभाग्यशाली व्यक्ति हैं जो दूल्हे के रिश्तेदार होते हैं, तो एक नये अनुभव का सामना करना पड़ता है। आपको दहेज की मांग, अनचाही सलाह, और अंतहीन रिश्तेदारों से भरी एक लंबी सूची का सामना करना पड़ता है। आप उन रिश्तेदारों से बचने की कोशिश करते हैं जो हर शादी में आपको और आपके परिवार को बार-बार बताते हैं कि आपकी शादी कब होने वाली है। इसके बाद शुरू होती है बारात की विदाई – वह विशेष समय, जब आपको ऐसा लगता है कि आप शाही परिवार के सदस्य हैं। लेकिन जब आप देखेंगे कि दूल्हे के पिता ने पूरे बारातियों से किराया मांग लिया है और आप उन सबके साथ 'गुप्त रूप से' बचे हुए पैसों की गिनती कर रहे होते हैं, तब आपको समझ आ जाता है कि बारात यात्रा सिर्फ़ नाच-गाने और खाने का नाम नहीं है। इसके साथ ही, यह एक सामाजिक अनुशासन और पारिवारिक कर्तव्य की यात्रा भी है। अब बात करते हैं उस वापसी यात्रा की, जो प्रायः अधिक दुखदायी और थका देने वाली होती है।

केसरगुट्टा शिव मंदिर हैदराबाद

केसर या केसरगुट्टा हैदराबाद शहर के पूर्वी हिस्से में स्थित एक छोटा, शांतिपूर्ण गांव है। यह एक प्रमुख गांव और मेडचल-मलकाजगिरी जिले की नगरपालिका राजधानी है। यह इलाका हैदराबाद मेट्रोपॉलिटन रीजन, हैदराबाद मेट्रोपॉलिटन डेवलपमेंट अथॉरिटी और शहर के एक बाहरी उपनगर का हिस्सा है।

केसरगुट्टा हैदराबाद मुख्य रूप से एक आवासीय क्षेत्र है जो प्रसिद्ध केसरगुट्टा मंदिर के लिए जाना जाता है। शिव और उनकी पत्नी पार्वती को समर्पित मंदिर, एक छोटी पहाड़ी के ऊपर स्थित है। हिंदू महीने कार्तिक में महा शिवरात्रि उत्सव के दौरान देश भर से लाखों तीर्थयात्री मंदिर जाते हैं।

केसरगुट्टा हैदराबाद के बारे में

केसरगुट्टा हैदराबाद हैदराबाद-वरंगल राजमार्ग और नगरम से अच्छी तरह से जुड़ा हुआ है। यह एक तेजी से विकासशील गांव है जिसमें अच्छे सामाजिक और भौतिक बुनियादी ढांचे और अपार्टमेंट, भूखंडों और घरों के रूप में कई आवासीय संपत्तियां हैं।

केसरगुट्टा हैदराबाद और बोम्मलरामरम के बीच के खंड में भविष्य के विकास की व्यापक संभावनाएं हैं और भविष्य में बेहतर रिटर्न का आनंद लेने के लिए निवेश के उद्देश्यों के लिए यह सबसे अच्छा स्थान है। स्थान तेजी से विकसित हो रहा है, जो केसरगुट्टा हैदराबाद को और अधिक वांछनीय बनाता है। बाजार, अस्पताल, स्कूल और कॉलेज जैसी सभी सुविधाएं पास में उपलब्ध हैं।

केसरगुट्टा शिव मंदिर

केसरगुट्टा मंदिर हैदराबाद के केसरगुट्टा में एक ऐतिहासिक और प्राचीन मंदिर है। इसे केसरगिरी क्षेत्रम या श्री रामलिंगेश्वर स्वामी मंदिर के रूप में भी जाना जाता है और माना जाता है कि यह त्रेता युग के आसपास रहा है। यह मंदिर भगवान शिव और उनके सेवकों, भवानी और शिव दुर्गा को समर्पित है।

रंगारेड्डी क्षेत्र में एक पहाड़ी की चोटी पर स्थित इस मंदिर में प्रतिदिन एक टन श्रद्धालु आते हैं। केसरगुट्टा शिव मंदिर हैदराबाद से सप्ताहांत की छुट्टी के लिए भी एक शानदार गंतव्य है क्योंकि यह वास्तुकला के मामले में भी अपने महत्व के लिए जाना जाता है।

केसरगुट्टा शिव मंदिर इतिहास

पारंपरिक साहित्य के अनुसार भगवान राम रावण का वध कर यहां आए थे। भगवान राम ने हनुमान से कहा कि वे इस स्थल पर स्थापित करने के लिए वाराणसी से 101 शिवलिंग लाएँ। लेकिन, वह मुहूर्त से पहले वाराणसी से नहीं लौट सके, इसलिए भगवान शिव श्री राम के सामने प्रकट हुए और उन्हें स्थान पर स्थापना के लिए एक स्वयं प्रकट शिव लिंगम दिया। इस शिव लिंगम को स्वयंभू के नाम से जाना जाता है।

स्वयंभू शिव लिंगम की स्थापना के बाद, हनुमान पहाड़ी पर लौट आए। उन्होंने अपने लिंगम को न खड़ा करने के लिए दुखी महसूस किया और उन्हें पूरे क्षेत्र में फेंक दिया। आज भी मंदिर के बाहर कई शिवलिंग हैं। हनुमान की भक्ति के कारण श्री राम ने केसरीगिरी पर्वत का नाम रखा।

केसरगुट्टा मंदिर हैदराबाद से दूरी

केसरगुट्टा मंदिर प्रवेश मार्ग केसरगुट्टा मंदिर तक जाने वाली सड़क

केसरगुट्टा मंदिर हैदराबाद से लगभग 40 किमी दूर है। NH163, ECIL - केसरा रोड और नेहरू आउटर रिंग रोड के जरिए निजी वाहनों के जरिए इस स्थान तक पहुंचा जा सकता है। केसरगुट्टा मंदिर तक पहुँचने के लिए परिवहन के विभिन्न साधन हैं, जिनमें शामिल हैं

ट्रेन - श्री रामलिंगेश्वर स्वामी देवस्थानम - केसरगुट्टा जाने के लिए आप घाटकेसर स्टेशन पर ट्रेन पकड़ सकते हैं। कई बसें और स्थानीय ऑटो रिक्शा आपको घाटकेसर रेलवे स्टेशन से केसरगुट्टा ले जा सकते हैं, जो लगभग 15 किमी दूर है।

बस - कई सरकारी और निजी बसें हैदराबाद की यात्रा करती हैं, और कई स्थानीय बसें, टैक्सी और कार हैदराबाद से यात्रा करती हैं। तेलंगाना सरकार ने आगंतुकों और उपासकों के लिए केसरगुट्टा मंदिर के लिए विशेष सीधी बसों की आपूर्ति की है। हैदराबाद शहर से केसरगुट्टा जाने वाली TSRTC की बसें

क्या आप भी ऑफिस डेस्क पर रखते हैं तुलसी का पौधा?

तुलसी पौधे के नियम

कई लोग बिना वास्तु नियम जाने अपने ऑफिस डेस्क पर कई पौधे सजा देते हैं। हालांकि इसमें कई पौधे रखना शुभ होता है वहीं कुछ को रखना अशुभ माना जाता है। वास्तुशास्त्र के अनुसार कई पौधों को ऑफिस डेस्क पर रखना अशुभ माना गया है। इसमें से एक है तुलसी का पौधा। वास्तु शास्त्र और हिंदू धर्म में तुलसी का पौधा अत्यधिक पवित्र और सकारात्मक ऊर्जा का स्रोत माना जाता है, लेकिन इसे कहां और कैसे रखा जाए, इसके लिए कुछ नियम बताए गए हैं।

पूजनीय है तुलसी का पौधा

हिंदू धर्म में तुलसी के पौधे की पूजा की जाती है। जिसे ऑफिस डेस्क पर करना संभव नहीं है। ऐसा में तुलसी का अपमान समझा जाता है।

एक जगह से हटाया नहीं जाता

तुलसी के पौधे की पूजा विधिवत की जाती है। ऐसे में इसे बारबार एक स्थान से हटाया नहीं जा सकता है। जोकि ऑफिस डेस्क पर संभव नहीं है। इसलिए इसे ऐसे रखना अशुभ माना जाता है।

मनी प्लांट का पौधा रख सकते हैं

अगर आप डेस्क पर पौधा रखना चाहते हैं तो मनी प्लांट, स्नेक प्लांट या बांस के छोटे पौधे रखें। ये पौधे समृद्धि और उन्नति का प्रतीक हैं।

अगर तुलसी का पौधा रखना हो तो कहां रखें?

ऑफिस के गार्डन या बालकनी में रखें।ऑफिस में पूजा स्थल हो तो वहां तुलसी रख सकते हैं।

ज्योतिष के अनुसार तुलसी के पौधे के फायदे

तुलसी का पौधा घर में सकारात्मक ऊर्जा लाता है और वास्तु दोष को दूर करता है।यह राहु, केतु और शनि जैसे क्रूर ग्रहों की नकारात्मकता को कम करता है।तुलसी के आसपास नकारात्मक शक्तियां प्रवेश नहीं कर पातीं, जिससे घर में सुखशांति बनी रहती है।

कब और किस दिन धारण करनी चाहिए तुलसी माला?

तुलसी की माला दूर करेगी संकट

कहते हैं कि भगवान विष्णु को तुलसी बहुत प्रिय है और इसमें मां लक्ष्मी का वास माना गया है। इसलिए तुलसी का पूजन करने से घर में खुशहाली और सुखसमृद्धि आती है। तुलसी के पौधे की तरह ही तुलसी की माला का भी विशेष महत्व होता है। मान्यता है कि तुलसी की माला धारण करने से व्यक्ति के जीवन से सभी संकट मिट जाते हैं। लेकिन इस माला को धारण करने से पहले दिन व नियमों के बारे में पता होना चाहिए।

किस दिन धारण करें तुलसी माला

तुलसी माला धारण करते समय इससे जुड़े नियमों के बारे में जानना चाहिए। क्योंकि यह तभी लाभ देती है जब इसे सही समय व सही तरीके से धारण किया जाए। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार तुलसी माला धारण करने के लिए प्रदोष काल को शुभ माना गया है। प्रदोष काल यानि

सूर्यास्त के बाद शाम का समय तुलसी माला धारण करने के लिए अच्छा होता है। इसके अलावा सोमवार, गुरुवार और बुधवार को भी तुलसी माता धारण कर सकते हैं।

तुलसी माला के लाभ

तुलसी में मां लक्ष्मी का वास माना गया है और इसलिए इसका पूजन करने से मां लक्ष्मी प्रसन्न होती हैं। ऐसे में यदि आप तुलसी की माला गले में धारण करते हैं तो आपके जीवन में धन संबंधी समस्याएं दूर हो जाएंगे और सुखसमृद्धि बनी रहेगी। तुलसी माला पहनने के बाद मन में सकारात्मक विचार आते हैं और व्यक्ति अच्छी सोच के साथ अपने कार्यों में आगे बढ़ता है।

तुलसी माला पहनने के नियम

यदि आप तुलसी माला धारण कर रहे हैं तो इस बात का विशेष ध्यान रखें कि इस पहनने के बाद मांस व मदिरा का सेवन नहीं करना चाहिए। तुलसी माला धारण करने वाले जातक को तामसिक भोजन यानि लहसुनप्याज के सेवन से भी दूर रहना चाहिए।

इस बात का रखें ध्यान

यदि किसी कारणवश तुलसी माला को गले से उतारना पड़ जाए तो दोबारा पहनने से पहले माला को फिर से शुद्ध करना चाहिए। इसके लिए तुलसी माला को गंगाजल में धोकर भगवान के चरणों में रखें और फिर धारण करें।

पैसों के साथ भूलकर भी ना रखें ये चीजें

अगर किसी व्यक्ति को अचानक से धन घटने की चिंता सताने लगी है तो समझ लीजिए की इसके पीछे कोई ना कोई वजह जरुर है। इस बात को आप अगर कई दिनों से नजरअंदाज कर रहे हैं तो अब ना करें, बल्कि इसके कारण और उपायों के बारे में जानें।

अचानक से पैसों की तंगी या फिर धन संबंधित दिक्कतें झेलनी पड़ती हैं तो इसका कारण हमारे द्वारा की गई कुछ गलतियां भी हो सकती हैं। जी हां, ज्योतिष कहता है कि व्यक्ति को कभी भी अपनी तिजोरी, पर्स, धन के पास कुछ चीजें रखते हैं तो आपको धन की कमी या कुछ स्थिति में कंगाली का सामना भी करना पड़ सकता है। ऐसे में अगर आप भी ऐसी गलती कर रहे हैं तो आज ही सुधार कर लें। आइए जानते हैं उपायों के बारे में।

पैसों के साथ ना रखें ये चीजें

अगर आप पैसे रखने की जगह पर तिजोरी, पर्स में मुफ्त में मिली चीजों को रखते हैं जैसे- ज्वेलरी, इलेक्ट्रॉनिक गैजेट, श्रृंगार सामग्री रखते हैं तो ऐसे में इन चीजों को पैसों के पास से जल्द हटा दें क्योंकि ये आपकी आर्थिक स्थिति पर बुरा प्रभाव डाल सकती हैं। साथ ही कहा जाता है कि धन की अलमारी में ये सब चीजें रखने से मां लक्ष्मी और भगवान कुबेर की कृपा नहीं बरसती है।

गलत तरीके से कमाया धन

अगर आपने कुछ गलत तरीके से पैसा कमाया है तो आप इसे मेहनत से कमाए पैसों के साथ बिलकुल ना रखें क्योंकि ऐसा करने से धीरे-धीरे आपके साथ कंगाली की स्थिति बनना शुरु हो सकती है। शास्त्रों में बताया जाता है कि अनैतिक तरीके से कमाया हुआ पैसा व्यक्ति की सुख-संपन्नता छिन लेता है।

लूटपाट, ठगी का पैसा

वास्तुशास्त्र के अनुसार, चोरी, लूटपाट या ठगी से कमाया हुआ धन घर में कभी नहीं टिकता और इससे घर में अस्थिरता आती है। ऐसा धन इंसान के बुरे वक्त में बिलकुल काम नहीं आता है और ना ही जिंदगी में कभी टिक पाता है।

टूटा-चटका हुआ शीशा

ज्योतिषाचार्य के अनुसार, कुछ लोगों की आदत होती धन की तिजोरी में शीशा लगवाने की, तो आपको बता दें कि पैसों की अलमारी में शीशा तो लगवा सकते हैं, लेकिन ध्यान रहे कि वह शीशा टूटा या चटका हुआ ना हो, इसके साथ ही शीशा तभी लाभ देगा जब तिजोरी दक्षिण दिशा में होगी।

कुंवारी कुंती के गर्भ में आए बगैर कैसे एक ही दिन में पैदा हो गए थे कर्ण

जब कुंती कुंवारी थीं तो उन्होंने कर्ण को जन्म दे दिया था। कर्ण का जन्म भगवान सूर्य के कुंती के पास आने से हुआ। वह महज एक दिन में ही पैदा हो गए और वह भी बगैर कुंती के गर्भ में आए बगैर। आखिर ऐसा कैसे हो सकता है। इसकी क्या वजह महाभारत और शास्त्रों में बताई गई। इसके बारे में जो बताया गया, वो हैरत में डालने वाला है।

कर्ण का जन्म कुंती से हुआ, जो यदुवंशी राजा शूरसेन की पुत्री थीं। उन्होंने अपने महल में आए दुर्वासा ऋषि की श्रृद्धा के साथ आवभगत की। उनकी आवभगत से ऋषि खुश हो गए। उन्होंने कहा, मैं तुम्हें एक गुप्त मंत्र सिखाऊंगा। इस मंत्र को जपने के बाद तुम जिस देवता को पुकारोगी, वो तुमसे मिलने आएगा। तुम्हें अपनी महिमा के अनुसार पुत्र प्रदान करेगा।

...और तब सूर्यदेव कुंती के सामने आ गए एक दिन कुंवारी कुंती ने कौतुहलवश जब आकाश में सूर्य को चमकते देखा, तो उसे लगा कि क्या अगर वह मंत्र पढ़कर सूर्य को बुलाएगी तो वह आएंगे। ये सोचते हुए उसने मंत्र पढ़ा और सूर्य देव का ध्यान किया।एकाएक आकाश में अंधेरा छा गया। क्योंकि चमकदार सूर्यदेव आकाश को छोड़कर कुंती के पास आ पहुंचे। सूर्य की किरणें उनके चारों ओर चमक रही थीं। लंबे और भारी सोने के झुमके और कुंडल उनके कानों में लटके हुए थे।

सूर्य ने कहा, कुंती तुम्हें अब मुझसे पुत्र तो मिलेगा ही

वह अविश्वसनीय तौर पर सुंदर थे। सूर्यदेव ने कहा, तुमने मुझे बुलाया इसलिए मैं आय़ा हूं और अब तुम्हें अपने समान बलवान और पराक्रमी पुत्र दूंगा। कुंती डर गई। बोली, सूर्यदेव ऐसा कैसे हो सकता है,

मेरे तो कोई पति नहीं है, ऐसे में मेरा पुत्र कैसे हो सकता है। सूर्य का जवाब था, ये तो टाला ही नहीं जा सकता, क्योंकि तुमने मेरा आह्वान करके मुझको बुलाया है लेकिन तुम डरो मत।

डरी हुई कुंती ने एक दिन में बच्चे को जन्म दिया सुर्यदेव ने आगे कहा, अब तुम मेरे पुत्र को जन्म दोगी, देवताओं के बच्चे एक दिन में ही पैदा हो जाते हैं, तुम डरो मत। अगली शाम कुंती ने एक सुंदर शिशु को जन्म दिया। वह सोने का कवच और कुंडल पहने हुए जन्मा। वह अपने पिता सूर्य के तेज से चमक रहा था। जो कुछ हुआ, उसके बारे में कहीं उसके पिता न जान जाएं, इससे भयभीत कुंती ने शिशु को एक पुआल की टोकरी में रखा और टोकरी में रखकर यमुना नदी में बहा दिया। इस प्रार्थना के साथ कि उसका ये पुत्र सुरक्षित रहे।

फिर कर्ण को अधिरथ और राधा ने पाया

यमुना में बहते हुए कर्ण को अधिरथ और राधा ने पाया। उन्होंने उसका पालन-पोषण किया।महाभारत में ये जिक्र है कि कुंती ने नवजात कर्ण को गंगा में बहाया था, दरअसल ये यमुना आगे जाकर गंगा में मिलीं, वहीं शिशु किनारे लगकर राधेय को मिला।

क्या बगैर गर्भ में आए भी जन्म हो सकता है

अब ये जानते हैं कि क्या कर्ण का जन्म कुंती के गर्भ में आए बगैर हुआ था या कुंती ने उन्हें बकायदा गर्भ में धारण किया था। महाभारत की कथा के अनुसार, कर्ण का जन्म बिना कुंती के गर्भ में आए ही हुआ था। यह एक दैवीय और चमत्कारिक घटना थी, जो कुंती को ऋषि दुर्वासा द्वारा दिए गए एक विशेष वरदान के कारण संभव हुई।

ये कैसे संभव हुआ होगा

महाभारत में इस घटना को मानवीय तर्क से समझाने की बजाय, दैवीय हस्तक्षेप और चमत्कार के रूप में प्रस्तुत किया गया है। ये घटना ये दिखाती है कि देवताओं और ऋषियों की शक्ति से ऐसी घटनाएं संभव हो सकती हैं, जो सामान्य मानवीय प्रक्रिया से परे हैं। इसे वैज्ञानिक दृष्टि से नहीं, बल्कि धर्म, आध्यात्मिकता और प्रतीकात्मक दृष्टिकोण से समझा जाना चाहिए।

क्या देव पुत्र एक दिन में हो सकता है

अब अगले सवाल पर आते हैं कि क्या ये संभव है कि देवता और मनुष्य के संयोग से जन्म की घटना एक दिन में हो सकती है। तो इसका जवाब हां है। चूंकि यह पूरी घटना दैवीय शक्तियों से हुई, इसलिए इसमें साधारण गर्भधारण और जन्म की प्रक्रिया शामिल नहीं थी। यही कारण है कि कर्ण का जन्म एक ही दिन में हुआ, जो शास्त्रों और पौराणिक कथाओं की चमत्कारिक कहानियों का हिस्सा है।

भारतीय पौराणिक कथाओं में ये मान्यता है कि देवताओं या ऋषियों द्वारा दी गई शक्तियों से संतान का जन्म एक दिन में या तुरंत हो सकता है। ये ईश्वर की अनंत शक्ति और समय की भौतिक सीमाओं से परे उनकी क्षमता को दिखाने का एक प्रतीक है।

ये दैव शक्तियां किसी भी नियम को बदल सकती हैं

दैवीय शक्तियो सर्वसमर्थ होती हैं। वे किसी भी नियम को बदल सकती हैं, चाहे वह भौतिक हो या नैतिक। तो ये भी कहना चाहिए कि चूंकि बाद में पांचों पांडव भाइयों का जन्म भी कुंती और माद्री ने इसी तरीके से संभव किया, लिहाजा उसके लिए उन्होंने गर्भ धारण नहीं किया बल्कि उन्हें एक दिन में ही पैदा किया।

बहुत चमत्कारिक है हकीक, कितने तरीके का होता है ये रत्न

यदि कठिन मेहनत और प्रयास के बाद भी आपको पैसों की किल्लत बनी रहती है या फिर आपके पास पैसा नहीं टिकता है तो धन की देवी मां लक्ष्मी की कृपा पाने के लिए आपको हकीक पत्थर से जुड़ा यह उपाय अवश्य करना चाहिए। अपनी आर्थिक दिक्कतों से मुक्ति पाने के लिए किसी भी शुक्रवार को माता लक्ष्मी की पूजा में हकीक पत्थर की माला से ॐ ह्रीं ह्रीं श्रीं श्रीं लक्ष्मी वासुदेवाय नमः मंत्र का कम से कम 108 बार यानि एक माला जप जरूर करें। जप के बाद हकीक की माला को श्रद्धा और विश्वास के साथ माता लक्ष्मी को अर्पित कर दें। आर्थिक दिक्कत को दूर करने का यह काफी कारगर उपाय है, जिसका शुभ परिणाम शीघ्र ही दिखने लगता है।

यदि आप किसी परीक्षा-प्रतियोगिता की तैयारी में जुटे हुए हैं और आपको अपनी सफलता को लेकर जरा सी भी आशंका है तो अपने आत्मविश्वास को बनाए रखने और परीक्षा में सफलता की प्राप्ति के लिए हकीक पत्थर किसी ज्योतिषी से सलाह लेकर अवश्य धारण करना चाहिए। आप हकीक पत्थर को अंगूठी, ब्रेसलेट या फिर लॉकेट में

धारण कर सकते हैं। हालांकि आप इसे चाहे जिस चीज में जड़वा कर धारण कर सकते हैं, लेकिन इस बात को जरूर सुनिश्चित कर लें कि यह पत्थर आपके शरीर को स्पर्श करता रहे।

हकीक पत्थर करिअर की तरह कारोबार को आगे बढ़ाने के लिए भी अत्यंत ही शुभ और प्रभावशाली माना गया है। मान्यता है कि यदि किसी भी शुक्रवार को दो हकीक पत्थर को व्यवसाय स्थल की चौखट पर बांध दिया जाए तो व्यापार में धन लाभ में आ रही सारी बाधाएं दूर होती हैं और इसमें दिन दोगुनी रात चौगुनी तरक्की होती है। धन लाभ की कामना को पूरा करने के लिए आप इस लकी स्टोन को अपने कैशबॉक्स में विशेष रूप से रखें।

ज्योतिष के अनुसार यदि आपको किसी कार्य में तमाम प्रयास के बाद भी सफलता नहीं मिल पा रही है तो आप 11 हकीक पत्थर को लेकर किसी मंदिर में जाकर यह कहते हुए चढ़ा दें मेरा यह कार्य शीघ्र ही पूरा हो जाए। हकीक पत्थर के इस उपाय से आपके कार्य में आ रही अड़चनें दूर होंगी और कार्य विशेष में सफलता प्राप्त होगी।

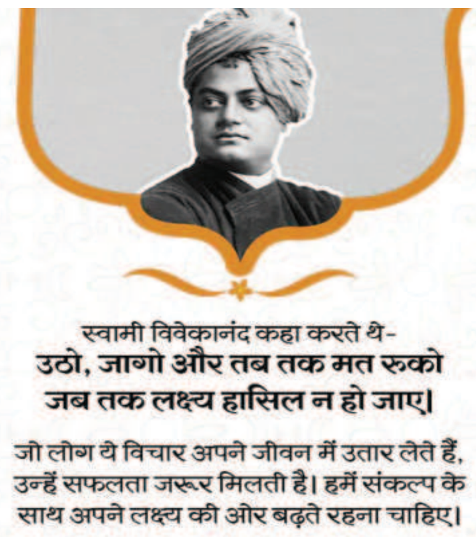

एनिमल को एंटी फेमिनिस्ट फिल्म नहीं मानतीं तृप्ति डिमरी

बोलीं- फिल्मों को टैग नहीं देती, बस किरदार अच्छा लगा तो हां कर देती हूं

तृप्ति डिमरी ने साल 2023 में फिल्म एनिमल में जोया का रोल निभाया था, जिससे उन्हें बॉलीवुड में एक अलग पहचान मिली थी। अब हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान तृप्ति ने बताया कि उन्होंने एनिमल फिल्म क्यों की, जिसे कुछ लोग एंटी फेमिनिस्ट फिल्म मानते हैं। जबकि इससे पहले उन्होंने मजबूत महिला के कई किरदार निभाए थे।

फिल्मफेयर से बातचीत में तृप्ति डिमरी ने कहा, 'मैं एनिमल को एंटी फेमिनिस्ट फिल्म नहीं मानती। मैं फिल्मों को इस तरह के टैग नहीं देती। जब मैंने बुलबुल और कला फिल्में की थीं, तो मैंने नहीं सोचा कि मैं फेमिनिस्ट फिल्म कर रही हूं। मैं सिर्फ किरदारों से जुड़ी और निर्देशकों पर विश्वास किया और मुझे लगा कि यह करना सही है।

तृप्ति ने कहा, 'जब एनिमल मुझे ऑफर हुई, तो मैंने संदीप सर से मिलकर कहानी के बारे में ज्यादा नहीं सुना। लेकिन उन्होंने मेरे किरदार के बारे में बताया। मेरे लिए खास बात ये थी कि अब तक मैंने हमेशा अच्छे और प्यारे किरदार किए हैं, जिसमें लोग अंत में सहानुभूति दिखाते हैं। मुझे लगा कि यह एक अच्छा मौका है, जहां मैं कुछ अलग कर सकती हूं।'

तृप्ति ने कहा, 'संदीप सर ने मुझे मेरे किरदार के बारे में एक दिलचस्प बात बताई थी। वह चाहते थे कि मेरी आंखों में मासूमियत और दयालुता दिखाई दें। लेकिन मेरे अंदर एक लक्ष्य होना चाहिए, जिसे मुझे हासिल करना है। उस लक्ष्य तक कैसे पहुंचूं, यह मेरा काम था। ये मुझे एक चुनौतीपूर्ण और दिलचस्प लगा तो मैंने हां कर दिया।'

तृप्ति की मानें तो सिर्फ ये एक कारण नहीं था फिल्म को हां कहने का। बल्कि, हर किसी का सपना होता है बड़ी फिल्म करने का। उस समय तक उन्होंने बुलबुल, कला जैसी फिल्में की थीं, और जो फिल्में उन्हें ऑफर हो रही थीं, वे इसी तरह की थीं। ऐसे में उन्हें लगा कि यह एक बहुत अच्छा मौका है, इसलिए उन्होंने हां कह दिया।

इन फिल्मों नजर आ चुकी हैं तृप्ति डिमरी

तृप्ति डिमरी एनिमल, कला, बुलबुल, बैड न्यूज और विक्की विद्या का वो वाला वीडियो जैसी फिल्मों में नजर आ चुकी हैं।

फिल्ममेकर निखिल आडवाणी ने बताई करण से झगड़े की वजह

बोले- 'कल हो ना हो' की सफलता का क्रेडिट नहीं मिला, फिर रिश्ते बिगड़ गए

फिल्ममेकर निखिल आडवाणी ने अपने हालिया इंटरव्यू में करण जौहर के साथ झगड़े और धर्मा प्रोडक्शंस छोड़ने पर बात की। उन्होंने बताया कि आखिरकार उनके और करण के बीच दरार क्यों आई। हालांकि, बाद में दोनों ने अपना झगड़ा सुलझा लिया था।

निखिल आडवाणी ने कहा, 'मैंने धर्मा प्रोडक्शंस छोड़ दिया था, क्योंकि मैं परेशान था। करण और मेरी लड़ाई हो गई थी। कुछ लोग कह रहे थे कि मैंने उनकी तीनों सबसे बड़ी हिट फिल्मों को डायरेक्ट किया था, जबकि कुछ कह रहे थे कि मैंने 'कल हो ना हो' डायरेक्ट नहीं किया था। बहुत कन्फ्यूजन और गुस्सा था।'

निखिल ने आगे कहा, 'अब भी हम बहुत करीब हैं। सौभाग्य से 20 साल बाद हमने सब कुछ पीछे छोड़ दिया है। हम दोनों बड़े हो गए हैं। हम समझ गए हैं कि फिल्में तो फिल्में हैं और जिंदगी ही जिंदगी है। मैं उनके पिता के बहुत करीब था। हमारे बीच कोई क्रिएटिव मतभेद नहीं था, बल्कि इससे ज्यादा यह एक इमोशनल टकराव था। आप अन्य लोगों की बात कैसे सुन सकते हैं, जो मेरे बारे में ऐसा कह रहे हैं? मेरी पूरी बात यह थी कि लोग मुझे एक लव स्टोरी के लिए क्रेडिट नहीं दे रहे हैं, इसलिए मैं छह लव स्टोरी बनाऊंगा।'

निखिल आडवाणी की मानें तो जब उनकी फिल्में फ्लॉप हो रही थीं, तो इंडस्ट्री के लोगों ने उनका फोन उठाना और बात करना बंद कर दिया। उनके और जॉन अब्राहम के रिश्ते में भी दूरियां आ गईं।

निखिल ने कहा, 'मैं और जॉन दूर हो चुके थे। मैंने अनिल कपूर और गोविंदा से 10 साल तक बात नहीं की। जब मैं और जॉन मिलते हैं तो हम इंडस्ट्री या फिल्मों के बारे में बात नहीं करते। हम पॉलिटिक्स, फूड और फिटनेस जैसी चीजों के बारे में बात करते हैं।'

अर्जुन कपूर मजाकिया अंदाज में कहा- एक तो मुझे बेवकूफ बनाया, उसके कारण काम भी नहीं मिला

अर्जुन कपूर और वरुण धवन बचपन से अच्छे दोस्त हैं। दोनों ने एक साथ एक्टिंग की ट्रेनिंग भी ली थी। हाल ही में अर्जुन ने एक इंटरव्यू में बताया कि जब वे दोनों साथ में एक शॉर्ट फिल्म बना रहे थे, तब वह अपनी एक्टिंग से खुश नहीं थे। उन्होंने मजाक करते हुए कहा कि शायद उनकी खराब परफॉर्मेंस की वजह से उन्हें करण जौहर की धर्मा प्रोडक्शंस से ज्यादा काम नहीं मिला।

अर्जुन कपूर से उनके और वरुण के साथ मिलकर एक प्रोडक्शन कंपनी शुरू करने के फैसले के बारे में पूछा गया था। इसका जवाब देते हुए अर्जुन ने कहा, ''वरुण ने मुझे बेवकूफ बनाया। उन्होंने मुझसे कहा कि सात मिनट की शॉर्ट फिल्म में मेरा अच्छा रोल है। हम उस समय बैरी जॉन की एक्टिंग क्लास ले रहे थे। उन्होंने फैसला लिया कि वह (वरुण) फाइनल फिल्म का निर्देशन करना चाहते हैं। मैंने भी कहा ठीक है और वह कितना बुरा करेगा?'

अर्जुन कपूर ने कहा, 'इस फिल्म का निर्देशन वरुण धवन ने किया था। फिल्म की शूटिंग पूरी हो गई थी। लेकिन जब मैंने फिल्म का फाइनल एडिट देखा तो मुझे पता चला कि असल में वह फिल्म में हीरो था और मैं विलेन था। फिल्म की शूटिंग के दौरान वरुण ने मुझे कुछ नहीं बताया था। इसके बारे में मुझे बाद में पता चला था।'

अर्जुन ने आगे कहा, 'उस फिल्म में उनके डायलॉग बिल्कुल सही हैं, 'वो सिर्फ दिखता है मासूम स्वामी टाइप का। इस फिल्म को आप यूट्यूब पर देख सकते हैं। यह उन रेयर फिल्मों में से एक है, जिसमें वरुण को टी-शर्ट पहने देखा जा सकता है। लेकिन मैं आपको नाम नहीं बता रहा हूं, क्योंकि मुझे इस पर बहुत प्राउड नहीं है।'

अर्जुन ने मजाकिया अंदाज में कहा, 'वरुण ने करण जौहर को भी फिल्म दिखाई थी। मुझे लगता है कि यही कारण है कि एक समय मुझे धर्मा से कम काम मिला।'

इंद्र कुमार बोले- माधुरी को मनहूस मानते थे इंडस्ट्री वाले:उनकी हर फिल्म फ्लॉप हो जाती थी

डायरेक्टर इंद्र कुमार ने खुलासा किया है कि 80 के दशक में माधुरी दीक्षित की कोई फिल्म नहीं चल रही थी। जिस फिल्म में वे नजर आतीं, वह फिल्म फ्लॉप हो जाती। इस वजह से इंडस्ट्री के लोग उन्हें मनहूस मानने लगे थे। डायरेक्टर्स उन्हें अपनी फिल्म में कास्ट करने से कतराते थे।

इंद्र कुमार ने माधुरी पर जताया था भरोसा

उन्होंने आगे बताया- उस समय तक एक इंटरव्यू आ चुका था जिसमें कहा गया था कि माधुरी एक मनहूस एक्ट्रेस हैं। वह जिस भी फिल्म में होती हैं, वह फ्लॉप हो जाती है। फिर भी मैंने 1988 में माधुरी के साथ फिल्म बेटा और दिल दोनों में काम करना शुरू कर दिया। मुझे उन पर भरोसा था। मेरा दिल कह रहा था कि यार इसमें बात है, कुछ है इसमें।

तेजाब और राम लखन की सफलता के बाद माधुरी हिट एक्ट्रेस बनीं

इंद्र कुमार ने यह भी बताया कि दो धमाकेदार हिट फिल्में, तेजाब और राम लखन देने के बाद उनका फ्लॉप टैग गायब हो गया। उन्होंने कहा- इसके बाद, मैं भी भाग्यशाली रहा। मैंने अक्टूबर में फिल्म शुरू की और दिसंबर 1988 में तेजाब रिलीज हुई और जनवरी 1989 में राम लखन रिलीज हुई। इस तरह माधुरी का फ्लॉप वाला टैग हट गया था।

अभिजीत भट्टाचार्य को लीगल नोटिस भेजा गया

लिखित में माफी मांगने की उठाई गई मांग; सिंगर ने महात्मा गांधी को बताया था पाकिस्तान का राष्ट्रपिता

सिंगर अभिजीत भट्टाचार्य हमेशा अपनी बेबाकी के लिए जाने जाते हैं। हाल ही में उन्होंने एक इंटरव्यू में महात्मा गांधी को 'पाकिस्तान के राष्ट्रपिता' करार दिया, जिससे विवाद खड़ा हो गया है। इस मामले में अब उन्हें एक लीगल नोटिस भेजा गया है। दरअसल, अभिजीत ने कहा था कि महात्मा गांधी भारत के नहीं, बल्कि पाकिस्तान के राष्ट्रपिता थे।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, पुणे के वकील असीम सरोदे ने अभिजीत भट्टाचार्य को लीगल नोटिस भेजते हुए माफी की मांग की है। असीम सरोदे ने कहा कि अभिजीत भट्टाचार्य को अपने बयान के लिए लिखित में माफीनामा देना होगा। अगर उन्होंने ऐसा नहीं किया, तो उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

लीगल नोटिस में यह भी कहा गया है कि गांधी जी ने हिंदू और मुस्लिमों के बीच एकता बनाए रखने के लिए कड़ी मेहनत की और भाईचारे के विचारों को फैलाया। जब भारत को दो हिस्सों में बांटने की बात हो रही थी, तब महात्मा गांधी ने कहा था, अगर भारत का विभाजन हुआ, तो मेरी लाश के ऊपर होगा। मैं कभी भी भारत के विभाजन को स्वीकार नहीं करूंगा, जब तक मैं जिंदा हूं।

जानें क्या है पूरा मामला?

अभिजीत भट्टाचार्य शुभांकर मिश्रा के पॉडकास्ट में पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने कहा था, 'म्यूजिक कंपोजर आरडी बर्मन महात्मा गांधी से भी बड़े थे। जैसे महात्मा गांधी राष्ट्रपिता थे, वैसे ही संगीत की दुनिया में आरडी बर्मन राष्ट्रपिता थे।'

उन्होंने आगे कहा था, 'महात्मा गांधी भारत नहीं पाकिस्तान के राष्ट्रपिता थे। भारत तो पहले से ही भारत था, लेकिन पाकिस्तान को बनाया गया। महात्मा गांधी को गलती से यहां (भारत) का राष्ट्रपिता बता दिया गया। जन्मदाता तो वो थे। पिता वो थे, दादा वो थे, नाना वो थे...सबकुछ वही थे।'

उर्वशी रौतेला का नया गाना देख भड़के फैंस

कहा- कोरियोग्राफी अश्लील और घटिया, साउथ की डाकू महाराज के गाने में नंदमुरी बालाकृष्णा के साथ नजर आईं

हाल ही में साउथ फिल्म डाकू महाराज का गाना दबिड़ी दिबिड़ी रिलीज हुआ है। नए गाने में फिल्म के लीड एक्टर नंदमुरी बालाकृष्णा के साथ उर्वशी रौतेला डांस करती नजर आई हैं। हालांकि कई सोशल मीडिया यूजर्स और फैंस इस गाने को अश्लील और घटिया कह रहे हैं।

उर्वशी रौतेला ने हाल ही में अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट से गाना रिलीज होने की अनाउंसमेंट की थी। वीडियो के साथ एक्ट्रेस ने लिखा, ये रहा इलेक्ट्रिफाइंग द बि ड़ी दिबिड़ी का पूरा गाना हमारी मेगा पीरियड ड्रामा फिल्म डाकू महाराज से। मा से स ऑ फ

गॉड म्यूजिक थामन और नंदमुरी मालाकृष्णा की तरफ से ये एक परफेक्ट न्यू ईयर गिफ्ट है। एनर्जी एंजॉय कर सेलिब्रेट करें। फिल्म 12 जनवरी 2025 को वर्ल्डवाइड रिलीज होगी।

गाना रिलीज होते ही कई यूजर्स गाने की कोरियोग्राफी और डांस स्टेप देखकर भड़क गए हैं। एक यूजर ने भड़ककर लिखा, बीते कुछ समय में देखी गई सबसे घटिया कोरियोग्राफी। दूसरे यूजर ने लिखा, कितनी बुरी कोरियोग्राफी है।

वहीं एक ने लिखा, कितना बेकार स्टेप है और कोरियोग्राफी बहुत घटिया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X (पहले ट्विटर) पर एक यूजर ने गाने का वीडियो शेयर कर लिखा है, दुनिया में मैंने ये क्या देख लिया। एक बड़ा आदमी उस लड़की के साथ भद्दा डांस कर रहा है, जो उसकी बेटी हो सकती थी। ऐसे जीनियस कोरियोग्राफी के आइडिया कैसे आते हैं और क्यों हीरो ऐसा करने के लिए राजी हो जाते हैं। बहुत घटिया।

एक यूजर ने लिखा, क्रिंज प्रो मैक्स। अगर बॉलीवुड ऐसा करता तो लोग नेशनल संस्कार का हवाला देकर भड़क जाते और भारतीय कल्चर बचाओ के हैशटैग हर जगह ट्रेंड करते। लेकिन अब? सब चुप हैं। दोगलापन।

को-स्टार नंदमुरी बालाकृष्णा से एज गेप पर बोलीं उर्वशी रौतेला

कुछ समय पहले आईडीवा से बातचीत के दौरान उर्वशी रौतेला ने को-स्टार नंदमुरी बालाकृष्णा से उम्र के अंतर पर बात की थी। उन्होंने कहा था एक्टर 60-70 के दशक के हैं और उनकी उम्र में बड़ा फासला है। ये भारतीय सिनेमा के इतिहास का सबसे बड़ा एज गेप है, लेकिन ये अच्छा है। बताते चलें कि फिल्म डाकू महाराज 12 जनवरी को रिलीज होने वाली है। फिल्म में नंदमुरी बालाकृष्णा, उर्वशी रौतेला, बॉबी देओल और दुलकर सलमान अहम किरदारों में नजर आने वाले हैं।

सलमान खान संग क्यों फिल्म नहीं करतीं दीपिका, शाहरुख की फेवरेट कैसे बनीं?

दीपिका पादुकोण का नाम सुनते हैं कि दर्शकों के मन में एक खूबसूरत, टैलेंटेड एक्ट्रेस की इमेज बन जाती है। इस इमेज को बनाने के लिए दीपिका पादुकोण ने काफी मेहनत की है। अपने अब तक करियर में कई एक्टर्स के साथ काम चुकीं दीपिका, सलमान के साथ पर्दे पर नजर नहीं आईं। आखिर इसकी क्या वजह है? साथ ही शाहरुख क्यों उन्हें बार-बार अपनी फिल्मों में लेते हैं? करियर से हटकर दीपिका की पर्सनल लाइफ भी उतार-चढ़ावों से भरी रही, लेकिन अब वह एक खुशहाल जिंदगी जी रही हैं।

सलमान खान के साथ नहीं की फिल्म

स ल मा न खा न हमेशा से ही दीपिका पादुकोण के साथ फिल्मों में काम करना चाहते थे। जब दीपिका मॉडलिंग किया करती थीं, तब सलमान ने उन्हें अपनी फिल्म का ऑफर दिया था, तब दीपिका को फिल्मों में आने का मन नहीं था। इस ऑफर के दो साल बाद दीपिका पादुकोण ने बॉलीवुड में शाहरुख खान की फिल्म 'ओम शांति ओम' से एंट्री ली। बाद में भी कई बार सलमान खान ने अपनी फिल्मों के ऑफर दीपिका पादुकोण को दिए ले कि न उन्हें वे किरदार पसंद नहीं आए। ऐसे में कभी संयोग ही नहीं बना कि सलमान और दीपिका पादुकोण एक फिल्म में काम कर सकें। सलमान खान की इतनी फिल्मों के ऑफर ठुकराने के बाद भी दीपिका के उनके साथ काफी अच्छे हैं। वह सलमान खान की बहुत रिस्पेक्ट करती हैं।

शाहरुख खान संग ज्यादा पसंद की गईं

शाहरुख खान के साथ दीपिका ने अपने करियर की शुरुआत बॉ ली वु ड में की। आगे भी दोनों कई फिल्मों में साथ नजर आए। फिल्म 'पठान' और 'जवान' हालिया फिल्में हैं, जिनमें दीपिका और शाहरुख की जोड़ी नजर आईं। दर्शकों को काजोल के बाद शाहरुख खान, दीपिका पादुकोण के साथ पर्दे पर अच्छे लगते हैं। इन दोनों की अधिकतर फिल्में हिट रही हैं।

चर्चा में रहे रिलेशनशिप

करियर से हटकर दीपिका के रिलेशनशिप की बात की जाए तो उनका नाम कई लोगों के साथ जुड़ा। इनमें रणबीर कपूर, सिद्धार्थ माल्या, युवराज सिंह, महेंद्र सिंह धोनी जैसे नाम शामिल रहे। रणबीर कपूर के साथ तो दीपिका का रिश्ता लंबा चला, लेकिन बाद में दोनों की राहें जुदा हो गईं। फिर दीपिका पादुकोण की जिंदगी में रणवीर सिंह की एंट्री हुई, दोनों ने छह साल तक एक-दूसरे को डेट किया। साल 2018 में दोनों ने शादी कर ली। पिछले साल यानी 2024 में रणवीर सिंह और दीपिका के घर एक नन्ही परी आईं, दोनों ने अपनी बेटी का नाम दुआ रखा है।

इन फिल्मों ने बदली इमेज

करियर के शुरुआती दौर में दीपिका पादुकोण ने ग्लैमर्स रोल किए, वह हीरो की लव इंट्रेस्ट ही बनती रहीं। फिर दीपिका पादुकोण ने 'पीकू' और 'पद्मावत' और 'तमाशा' जैसी फिल्में कीं, इन फिल्मों ने दीपिका की इमेज को काफी हद तक बदल दिया, वह एक वर्सटाइल एक्ट्रेस बन गईं।

आगे बढ़ने के लिए 'सकारात्मक सोच' जरूरी

महात्मा गांधी का प्रसिद्ध कथन है कि नकारात्मकता से दूर रहते हुए पूरे मन से इंसान वैसा ही बनता जाता है, जैसी वह प्रयास करेंगे तो सफलता मिलनी तय है। सोच रखता है। यह कथन छोटे या बड़े हर व्यक्ति पर लागू होता है। आप जिंदगी में सफल तभी हो सकते हैं, जब आप सफलता हासिल करने के प्रति अपनी सोच को सकारात्मक रखेंगे। अगर अपनी खामियां ढूंढ-ढूंढकर खुद को कमतर ही आंकते रहेंगे तो कभी सफलता की ओर कदम नहीं बढ़ा सकोगे। दीजिए काबिलियत का सौ प्रतिशत अगर आप थोड़ी-सी परेशानियों से घिरने पर खुद की क्षमताओं पर ही संदेह करने लगेंगे तो सफल होना मुश्किल है। हो सकता है कि एक बार प्रयास करने पर सफलता न मिले लेकिन अगर आप

प्रभावित होता है मानसिक स्वास्थ्य नकारात्मक सोच वाले व्यक्ति अपने आसपास एक ऐसा नकारात्मक माहौल बना लेते हैं जो उनके साथ- साथ उनके आसपास के लोगों के मानसिक स्वास्थ्य पर भी बुरा असर डालता है इसलिए इससे जितना हो सके बचें।

लक्ष्य बनाकर चलें जिंदगी का लक्ष्य बनाकर चलें तो दिमाग को भटकने से बचाया जा सकता है। किसी भी अप्रिय स्थिति का सारा दोष खुद पर ही न मढ़ लें। इसके लिए परिस्थितियां भी दोषी हो सकती हैं। आपकी काबिलियत इसमें है कि आप इन परिस्थितियों को खुद पर हावी न होने दें।

'होटल इंडस्ट्री' सबसे अधिक रोजगार देने वाला क्षेत्र

वर्ष 2020 में शुरू हुई कोरोना वायरस महामारी से प्रभावित होने के पश्चात हॉस्पिटैलिटी इंडस्ट्री ने एक बार फिर रफ्तार पकड़ी है। इसमें तेजी आई है और माना जा रहा है कि आने वाले समय में इस क्षेत्र में बड़े पैमाने पर करियर के मौके पैदा होंगे।

आने वाले दिनों में इस इंडस्ट्री को सबसे अधिक रोजगार देने वाले क्षेत्र के रूप में देखा जा रहा है। अनुमान है कि वर्ष 2027 तक भारत में तीन करोड़ से भी ज्यादा अंतर्राष्ट्रीय पर्यटक पहुंचेंगे, जिसके चलते होटल और रैस्टोरैंट के क्षेत्र में करियर की संभावनाएं बढ़ेंगी।

कोरोना के बाद छात्रों को कांटैक्ट लैस हॉस्पिटैलिटी सर्विस देने का अभ्यास कराया जा रहा है। इसमें इम्युनिटी बढ़ाने वाले व्यंजनों की जानकारी, कॉटैक्ट लैस चैक-इन से लेकर चैक-आऊट की जानकारी, हाऊसकीपिंग, फ्रंट ऑफिस व कमरों का सैनिटाइजेशन भी सिखाया जा रहा है। जायकेदार खाना बनाने की कला के जरिए आप एक छोटे लोकल पब से लेकर फाइव स्टार या फिर इंटरनैशनल होटल में अपनी जगह बना सकते हैं। बस बनाना है ऐसा खाना कि सामने वाला सिर्फ खाना ही नहीं, बल्कि अपनी उंगलियां भी चाटता रह जाए।

अगर आपका इंट्रेस्ट कुकिंग, बेकिंग और लजीज खाना बनाने में है, अगर आप डिफरैंट डिशेज के साथ एक्सपेरिमेंट करना पसंद करते

हैं तो एक नया करियर ऑप्शन आपके इंतजार में है। होटल मैनेजमेंट में इन दिनों करियर बनाने के कई ऑपशन मौजूद हैं।

कोर्स एवं अवसर

बी.एस.सी. इन हॉस्पिटैलिटी एंड होटल एडमिनिस्ट्रेशन, डिप्लोमा इन कुकरी, क्राफ्टसमैनशिप कोर्स इन फूड एंड बेवरेज सर्विस मैनेजमेंट, सर्टीफिकेट कोर्स इन कुकरी सर्टीफिकेट कोर्स इन कुकरी फॉर होम मेकिंग, डिप्लोमा इन बेकरी एंड कंफैक्शनरी जैसे ढेरों कोर्स कर करियर बनाया जा सकता है।

सबसे अहम है कि आप फूड एंव बेवरेज डिवीजन सर्विस के अलावा बतौर शैफ बनकर अपने करियर को रौशन कर सकते हैं। मुख्य तौर पर होटल, रेस्तरां, क्रूज, टूरिज्म एसोसिएशन एयरलाइन कैटरिंग और केबिन सर्विस, क्लब मैनेजमेंट, लॉज, गैस्ट हाऊस भी होटल मैनेजमैंट पासआऊट प्रोफैशनल्स ही चलाते हैं।

बेकर्स के लिए भी जॉब ऑपशंस की कमी नहीं है। बेकरी, हॉट ब्रेड शॉप, डिपार्टमेंटल स्टोर्स, होटल और कैफे में भी बेकर्स की काफी डिमांड है।

पूरी दुनिया में टूरिज्म और

एविएशन ने होटल बिजनैस के लिए अवसरों को बहुत बड़ा बना दिया है। आने वाले समय में होटल इंडस्ट्री में जॉब की कमी नहीं होगी। इसके अलावा आप धीरे-धीरे खुद का होटल, बेकरी शॉप, रेस्तरां या फिर कैटरिंग बिजनैस भी शुरू कर सकते हैं।

योग्यता

इस फील्ड में सर्टीफिकेट कोर्स, डिप्लोमा व डिग्री कर सकते हैं। इन पाठ्यक्रमों में एडमिशन के लिए किसी भी मान्यता प्राप्त बोर्ड या विश्वविद्यालय से 12वीं या स्नातक होना जरूरी है। 12वीं में अंग्रेजी एक अनिवार्य विषय के रूप में पढ़ी होनी चाहिए।

इस इंडस्ट्री में कामयाब होने के लिए कुछ व्यक्तिगत गुणों का होना भी जरूरी है, जैसे मृदुभाषी होना। द्विभाशी (अंग्रेजी, हिन्दी) ज्ञान हो तो और भी बेहतर। बेहतर पर्सनैलिटी, सुनने-समझने की अच्छी आदत, समस्याओं को सुलझाने की योग्यता, लीडरशिप और मैनेजीरियल स्किल भी बेहद जरूरी हैं।

प्रमुख संस्थान

नैशनल काऊंसिल फॉर होटल मैनेजमेंट एंड कैटरिंग टैक्नोलॉजी, नोएडा www.nchm.nic.in इग्नू, मैदान गढ़ी, नई दिल्ली www.ignou.ac.in लक्ष्य भारती इंटरनैशनल होटल मैनेजमेंट संस्थान, नई दिल्ली www.lbiim.com कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरूक्षेत्र, हरियाणा।।

'वाणी में मिठास' यानी बातचीत की कला

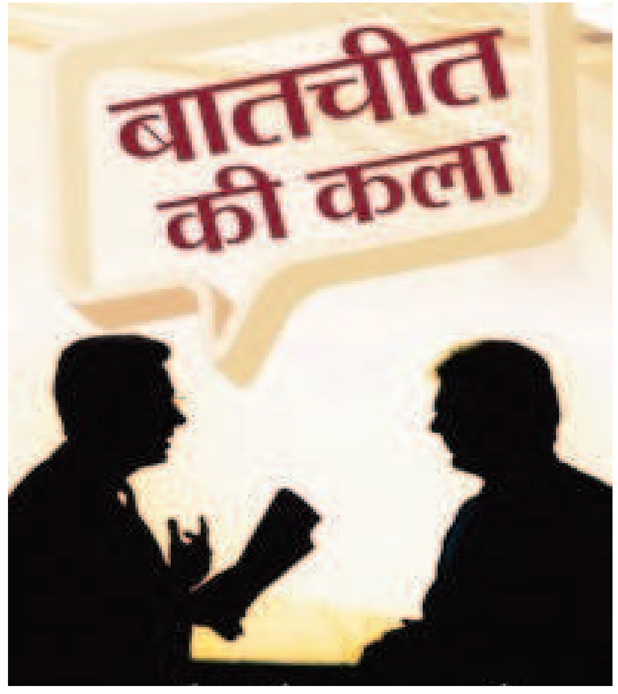

मनुष्य के व्यक्तित्व की पहचान उसके बातचीत करने के ढंग से होती है। भले ही कोई व्यक्ति कितना ही सुंदर हो, परंतु वाणी में कर्कशता या रूखापन हो तो वह कभी किसी को अपनी ओर आकर्षित नहीं कर सकता।इसके विपरीत सामान्य सा दिखने वाला व्यक्ति यदि सौम्य हैं और उसकी वाणी में मिठास है तो वह सहज ही सबको अपनी ओर आकर्षित कर लेगा। उचित - अनुचित का ज्ञान रखकर बोलने से आपका व्यक्तित्व प्रभावशाली बन सकता है इसलिए आवश्यक है तोल-मोल कर बोलना ।* अपनी आवाज पर ध्यान दें, बहुत ऊंचे स्वर में चिल्ला-चिल्लाकर न बोलें।

* बोलते समय विषय का पर्याप्त ज्ञान हो इसका ध्यान रखें ।* बोलते समय अवसर व स्थान का विशेष ध्यान रखें। अस्पताल में धीरे बोलें।

* दो लोगों के बीच कभी न बोलें। न ही बिन मांगे अपनी सलाह दें।* दूसरों की बात ध्यान से सुनें, तभी बोलें। साथ ही उनकी रुचि का ध्यान रखकर बोलें।* बोलते समय बेवजह न हाथ नचाएं, न आंखें मटकाएं, न दूसरों को छुएं।* कुछ खाते हुए कभी न बोलें। बोलते समय थूक के छींटें दूसरों पर न उड़ाएं।* किसी दूर खड़े व्यक्ति से दूर से ही चिल्लाकर बात करने की कोशिश न करें, पास जाकर बोलें। * बच्चों के स्कूल में उनकी अध्यापिकाओं आदि से शिष्टाचार से बोलें।* अपने उच्चाधिकारी होने का मान करते हुए अपने मातहतों को बिना सोचे-समझे कभी न बोलें। तुच्छ न समझें।

'वकालत' में बढिया करियर

यदि आप किसी भी प्रकार के अन्याय को देख विचलित होते हैं, यदि आपको चिंता है कि पड़ोस में जो व्यक्ति मोल-भाव कर रहा है, उसे उचित भाव नहीं मिल रहा एवं यदि आप एक नागरिक की हैसियत से अपने मूलभूत अधिकारों के प्रति सजग हैं तो आपको वह चाहिए, जो एक विधि व्यवसायी चाहता है।

यदि आप करियर के रूप में विधि को चुनते हैं तो आप एक वकील, सोलिसिटर, अधिवक्ता, विधि विशेषज्ञ एवं अंततोगत्वा एक न्यायाधीश बन सकते हैं। एक वकील होने के नाते आपका कार्य सिर्फ बहस करना या तर्क-वितर्क करना ही नहीं, आपको निरन्तर अध्ययन करना तथा खुद को दुनिया की नवीनतम घटनाओं से अद्यतन रखना होता है। एक सोलिसिटर के रूप में आपको क्लाइंट के साथ को ऑर्डिनेट करना व कागजी कार्रवाई करनी होती है, जबकि एक अधिवक्ता के रूप में आपको मामला माननीय न्यायाधीश के समक्ष प्रस्तुत करना होता है।

एक विधि विशेषज्ञ के रूप में आप कार्पोरेट फर्म के लिए कार्य करेंगे तथा फर्म के रूप में कार्रवाई करेंगे। इन गतिविधियों के अतिरिक्त, आप कार्पोरेट या वैयक्तिक, तकनीकी कानून पर सलाह, कार्पोरेट विलयन एवं अभिग्रहण, कानून का अनुपालन इत्यादि के लिए पक्षकारों के बीच उत्तम कार्य भी करेंगे। आप वास्तविक संपदा, बीमा, कराधान, संविदा इत्यादि के कार्यों को देखेंगे।

आपके पास देश ही नहीं, विदेशों में भी मौकों की कमी नहीं। उदाहरण के लिए, करिश्मा वोरा एक भारतीय वकील हैं, जिन्होंने इंगलैंड में काफी नाम कमाया है।

आवश्यक गुण

सफल अधिवक्ता में अच्छी वार्तालाप कला, अच्छे तर्क, विशलेषणात्मक सोच, एकाग्रता, धैर्य, अभिरक्षण, आत्मविश्वास, अच्छी संप्रेषण दक्षता, अच्छी आवाज, कूटनीति एवं विवेकशीलता, राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय विषयों के बारे में जागरूकता एवं पढ़ने की आदत होनी चाहिए।

किस तरह बन सकते हैं वकील

पहला मार्ग

किसी भी विषय में 10+2 करने के बाद आप बी.ए.एल. बी. एस.सी. कर ऑफ मास्टर एल.एल.एम. कर सकते हैं। यह विकल्प 5 वर्ष की अवधि का हो सकता है।

दूसरा मार्ग

किसी भी विषय में 10+2 करने के बाद आप किसी भी विषय में स्नातक करने के उपरांत 3 वर्ष की अवधि का एल.एल.बी. कोर्स कर सकते हैं।

रोजगार के अवसर

आप किसी सोलिसिटर फर्म में कार्पोरेट विधि/ दंड प्रक्रिया / आयकर कानून/ वास्तविक संपदा कानून एवं विधि के अन्य विशिष्ट क्षेत्र में विशेषज्ञता प्राप्त करने के लिए कार्य कर सकते हैं।

आपको सबसे पहले किसी वरिष्ठ वकील के अधीन कनिष्ठ वकील के रूप में प्रैक्टिस करनी होगी, बाद में एक कार्पोरेट या आपराधिक प्रक्रिया में स्वतंत्र वकील के रूप में कम्पनी के विधि एवं सचिवीय विभाग, सरकारी न्यायिक सेवा, जैसे-केंद्रीय सरकार विधि सेवा एवं राज्य सरकार विधि सेवा, आसूचना सेवाएं, जैसे केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो आदि में कार्य कर सकते हैं। सोलिसिटर के रूप में कार्य करने के लिए आप सोलिसिटर की परीक्षा दे सकते हैं। कानून की डिग्री पूरी होने एवं बार काऊंसिल से प्रमाण पत्र प्राप्त होने के बाद आप एडवोकेट के रूप में कार्य कर सकते हैं। आप रक्षा सेवाओं, जैसे आर्मी लॉ काडर्स, प्रबंधन परामर्श फर्म्स, कार्पोरेट लेखा परीक्षण फर्म, नोटरी के रूप में कार्य कर सकते हैं। नोटरी अर्थात पब्लिक ऑफिसर, जो कि राज्य सरकार द्वारा प्रलेखन, प्रमाणन एवं विभिन्न प्रकार के विलेख तथा प्रपत्रों के सत्यापन के लिए लोक अधिकारी के रूप में नियुक्त किए जाते हैं।

आप पत्रकारिता में भी जा सकते हैं, जहां आप विधि संबंधित विषयों पर समाचार पत्रों में तथा विधि पत्रिकाओं में एवं विधि पुस्तकों और आवधिक पत्रिकाओं में प्रकाशन हेतु लिख सकते हैं।

आप संपादकीय सहायक के रूप में प्रकाशकों के साथ कार्य कर सकते हैं, जिससे जरूरी अनुभव प्राप्त हो सकेगा। अध्यापन संस्थानों को भी वकीलों की आवश्यकता होती है, आप संकाय सदस्य के रूप में या अनुसंधान सहायक के रूप में काम कर सकते हैं।

टॉप करना है तो अपना लें ये टिप्स बहुत नजदीक है बोर्ड परीक्षा

सीबीएसई, आईसीएसई, आईएससी, यूपी, बिहार समेत अधिकांश बोर्ड परीक्षाओं का आयोजन फरवरी से अप्रैल 2025 के बीच किया जाएगा। इस साल 10वीं और 12वीं की परीक्षा देने वाले छात्र इन दिनों बोर्ड परीक्षाओं की अंतिम तैयारी में लगे हुए हैं। बोर्ड परीक्षा की तैयारी करने और टॉप करने के लिए अभी से पूरी तैयारी शुरू कर दें।

छात्रों को सबसे पहले एक सुव्यवस्थित टाइम-टेबल (बनाना जरूरी है। आइए जानते है किन बातों का ध्यान रखकर एग्जाम में टॉप कर सकते है। यहां जानें बोर्ड परीक्षा में टॉप करने के उपाय। इन सुझावों की मदद से आप परीक्षा में बेहतर स्कोर प्राप्त कर सकते हैं।

टाइम-टेबल बनाएं और पालन करें

आपका टाइम-टेबल सिर्फ एक योजना नहीं, बल्कि आपका मार्गदर्शक होना चाहिए। यह सुनिश्चित करता है कि आप पूरे दिन में पर्याप्त समय सभी विषयों को दे पा रहे हैं। विषयों के बीच बैलेंस बनाए रखें और मुश्किल विषयों के लिए ज्यादा समय तय करें। सुबह के समय गणित और विज्ञान जैसे विषयों की पढ़ाई करें क्योंकि इस समय आपका दिमाग सबसे अधिक सक्रिय होता है। आसान विषयों को दोपहर या शाम के लिए रखें।

समय का सही विभाजन करें

पढ़ाई के लिए दिनभर का समय तीन भागों में बांटें- सुबह, दोपहर और शाम। प्रत्येक विषय को उचित समय दें। उदाहरण के लिए, कठिन विषयों को 2 घंटे, आसान विषयों को 1.5 घंटे और रिवीजन को 1 घंटा दें। छोटे-छोटे ब्रेक के साथ पढ़ाई करने से थकान कम होती है और ध्यान केंद्रित रहता है।

रिवीजन को प्राथमिकता दें

हर दिन रिवीजन के लिए समय जरूर निकालें। दिनभर जो भी पढ़ा है, उसे रात को दोहराएं। सप्ताह के अंत में पूरे सप्ताह का रिवीजन करें। रिवीजन करने से याद की गई जानकारी लंबे समय तक बनी रहती है और परीक्षा के समय तनाव कम होता है।

मॉक टेस्ट और पुराने प्रश्न पत्र हल करें

मॉक टेस्ट और पिछले वर्षों के प्रश्न पत्र हल करना परीक्षा की तैयारी का महत्वपूर्ण हिस्सा है। इससे परीक्षा पैटर्न का अंदाजा होता है और समय प्रबंधन में सुधार होता है। यह आपके कमजोर क्षेत्रों को पहचानने और उन्हें मजबूत बनाने में मदद करता है।

खुद को पुरस्कृत करें

पढ़ाई को मजेदार बनाने के लिए खुद को लक्ष्य पूरा करने पर पुरस्कृत करें। यदि आप दिनभर का टाइम टेबल पूरा करते हैं, तो अपने पसंदीदा शो देखें या दोस्तों के साथ समय बिताएं। इससे आप अगली बार और बेहतर करने के लिए प्रेरित होंगे।

तेलंगाना हाईकोर्ट ने जूनियर असिस्टेंट समेत 1000+ पदों पर निकली वैकेंसी, 8 जनवरी से शुरू होंगे आवेदन

सरकारी नौकरी की तलाश कर रहे युवाओं के लिए एक बेहतरीन अवसर आया है। तेलंगाना हाईकोर्ट ने टेक्निकल और नॉन-टेक्निकल पदों पर 1000 से ज्यादा वैकेंसी निकाली है। कोर्ट मास्टर, कंप्यूटर ऑपरेटर, स्टेनोग्राफर, टाइपिस्ट, जूनियर असिस्टेंट और एग्जामनर जैसे पदों पर भर्तियां की जाएंगी। इच्छुक उम्मीदवार 8 जनवरी 2025 से आवेदन कर सकते हैं, जबकि आवेदन की अंतिम तिथि 31 जनवरी 2025 निर्धारित की गई है।

कुल 1385 वैकेंसी जारी

आयु सीमा

उम्मीदवारों की न्यूनतम आयु 18 वर्ष और अधिकतम आयु 34 वर्ष होनी चाहिए। आरक्षित वर्ग के उम्मीदवारों को नियमानुसार छूट दी जाएगी।

चयन प्रक्रिया

कुछ पदों के लिए कंप्यूटर बेस्ड लिखित परीक्षा का आयोजन किया जाएगा। जिसमें कुल 90 प्रश्न शामिल होंगे। 50 प्रश्न जनरल नॉलेज और 40 प्रश्न जनरल अंग्रेजी के पूछे जाएंगे। सभी प्रश्न 1 अंक के होंगे। पेपर को हल करने के लिए उम्मीदवारों को कुल 120 मिनट मिलेंगे।

आवेदन शुल्क

कुछ पदों के लिए ओसी व बीसी कैटेगरी उम्मीदवारों को 600 रुपए बतौर फीस देने होंगे। जबकि एससी, एसटी व ईडब्ल्यूएस व एक्स

सर्विसमैन के लिए फीस 400 रुपए तय की गई है।

कैसे करें आवेदन

सबसे पहले आधिकारिक वेबसाइट tshc.gov.in पर जाएं।

होम पेज पर दिए नोटिस पर क्लिक करें।

अलग-अलग पदों के लिए दिए गए लिंक पर क्लिक करें।

मांगी गई जरूरी जानकारी भरकर रजिस्ट्रेशन नंबर प्राप्त करें।

रजिस्ट्रेशन नंबर और पासवर्ड के जरिए लॉगिन करें।

सावधानी पूर्वक आवेदन फॉर्म भरकर सबमिट करें।

फॉर्म सबमिट करते ही यूनिक नंबर जनरेट हो जाएगा।

भविष्य के लिए आवेदन फॉर्म डाउनलोड करें।

अग्निवीर वायु भर्ती के लिए 7 से शुरू होंगे आवेदन

अग्निपथ योजना के तहत भारतीय वायुसेना ने अग्निवीर वायु पदों पर भर्ती के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू करने की घोषणा की है। इच्छुक उम्मीदवार 7 जनवरी से आवेदन कर सकते हैं। अग्निपथ योजना के तहत भारतीय वायुसेना ने अग्निवीर वायु पदों पर भर्ती के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू करने की घोषणा की है। इच्छुक उम्मीदवार 7 जनवरी 2025 से आवेदन कर सकते हैं। आवेदन की प्रक्रिया 27 जनवरी 2025 की रात 11 बजे तक जारी रहेगी। आवेदन के लिए अभ्यर्थी भारतीय वायुसेना की आधिकारिक वे ब सा इ ट (agnipathvayu.cdac.in) पर जाकर फॉर्म भर सकते हैं।

शैक्षणिक पात्रता और सीमा

इसके लिए वायु सेना ने आयु सीमा साढ़े 17 से 21 वर्ष तक रखी है। 12वीं पास युवक-युवती जिन्हें गणित, भौतिकी व अंग्रेजी में कुल औसत अंक 50 फीसदी और

अंग्रेजी में 50 फीसदी अंक होगा। वे इसके लिए योग्य होंगे।

परीक्षा और चयन प्रक्रिया

सलेक्शन लिखित परीक्षा और फिजिकल टेस्ट के आधार पर होगा। पहले चरण में लिखित परीक्षा 22 मार्च 2025 से ऑनलाइन मोड में आयोजित की जाएगी। परीक्षा की तारीख से 24-72 घंटे पहले अभ्यर्थियों को ईमेल के जरिए एडमिट कार्ड भेजा जाएगा। परीक्षा में निगेटिव मार्किंग भी होगी।

वहीं दूसरे चरण में शारीरिक दक्षता और मेडिकल जांच की जाएग। पुरुष अभ्यर्थियों को 1.6 किमी दौड़ 7 मिनट में पूरी करनी होगी। जबकि महिला अभ्यर्थियों को 1.6 किमी दौड़ 8 मिनट में पूरी करनी होगी।

आवेदन शुल्क

ऑनलाइन परीक्षा में शामिल होने के लिए रजिस्ट्रेशन के वक्त अभ्यर्थियों को परीक्षा शुल्क के तौर पर 550 रुपये जीएसटी अतिरिक्त के साथ भुगतान करना होगा। अगर किसी तकनीकी कारण से शुल्क एक से अधिक बार कट जाता है, तो एक्स्ट्रा राशि वापस कर दी जाएगी।

कैसे करें आवेदन?

सबसे पहले उम्मीदवार आधिकारिक वेबसाइट agni-pathvayu.cdac.in पर जाएं।

अब होमपेज पर आवेदन लिंक पर क्लिक करें।

इसके बाद सभी आवश्यक विवरण भरें और आवेदन पत्र जमा कर दें।

अंत में भविष्य के संदर्भ के लिए आवेदन पत्र का एक प्रिंटआउट ले लें।

एलन मस्क के भाई किंबल मस्क क्यों करते हैं खाना बनाने का काम? क्या है नेटवर्थ

नई दिल्ली, 5 जनवरी (एजेंसियां)। दुनिया के सबसे अमीर लोगों की जब भी बात होगी, उसमें टेस्ला और स्टारलिंक के मालिक एलन मस्क का नाम जरूर शामिल होगा. स्पेस बिजनेस और इलेक्ट्रिक गाड़ियों का साम्राज्य खड़ा करने वाले एलन मस्क को तो सभी जानते हैं, लेकिन क्या आप उनके भाई किम्बल मस्क के बारे में जानते हैं. चलिए, आज आपको उनकी जिंदगी के बारे में सबकुछ बताते हैं.

किम्बल मस्क क्या करते हैं?

एलन मस्क के भाई किम्बल मस्क का जन्म 1972 में प्रिटोरिया, दक्षिण अफ्रीका में हुआ था. उनकी मां, माये मस्क, एक मॉडल और डाइटीशियन थीं और उनके पिता, एरोल मस्क, एक इलेक्ट्रोमैकेनिकल इंजीनियर और प्रॉपर्टी डेवलपर थे. किम्बल ने अपनी स्कूली शिक्षा दक्षिण अफ्रीका में ही पूरी की और फिर अपने भाई एलन के साथ किंग्स्टन, ओंटारियो, कनाडा चले गए. उन्होंने क्वीन्स यूनिवर्सिटी से बिजनेस डिग्री हासिल की और 1995 में ग्रेजुएशन के बाद उन्होंने अपने करियर का आगाज किया.

शुरू में किम्बल ने एलन मस्क के साथ टेक्नोलॉजी सेक्टर में काम किया. 1994 में उन्होंने ज़िप 2 नाम की एक सॉफ्टवेयर कंपनी शुरू की, जो बाद में कॉम्पैक को 307 मिलियन डॉलर में बेच दी गई. इसके बाद, किम्बल X.com (जो बाद में पीएवाईपीएएल बना) में भी शामिल थे. इसके अलावा किम्बल ने अपने भाई के साथ स्पेसएक्स और चिपोटल जैसे बड़े ब्रांड्स में भी काम किया. हालांकि, बाद में उन्होंने इस लाइन को छोड़ दिया और अपने प्रेम यानी खाना बनाने की ओर मुड़ गए.

किचन रेस्टोरेंट ग्रुप की स्थापना

किम्बल को हमेशा से अच्छा खाना खाने और बनाने का शौक था. यही वजह है कि उन्होंने अपनी पहली पत्नी जेन लेविन के साथ मिलकर किचन रेस्टोरेंट ग्रुप की स्थापना की. बाद में उन्होंने क्रिस्टियाना वाइली से विवाह किया, जो एक एनवायरमेंटल एक्टिविस्ट हैं और अरबपति सैम वाइली की बेटी हैं. आज भी किम्बल का किचन रेस्टोरेंट ग्रुप अमेरिका के कई शहरों में चलता है और अपने शानदार खाने के लिए जाना जाता है.आपको बता दें, किम्बल मस्क ने न्यूयॉर्क के फ्रेंच कुकिंग इंस्टीट्यूट में पाक-कला यानी खाना बनाने की शिक्षा ली है. किम्बल का मानना है कि उनके लिए खाना पकाना सिर्फ एक शौक नहीं, बल्कि लोगों को जोड़ने का जरिया है.

किम्बल मस्क की संपत्ति कितनी है

एलन मस्क के भाई किम्बल मस्क की कुल संपत्ति 700 मिलियन डॉलर है. फोर्ब्स के अनुसार, उनकी संपत्ति का मेन सोर्स उनकी किचन रेस्टोरेंट ग्रुप से होने वाली कमाई, दूसरे बिजनेस और टेक्नोलॉजी में उनका निवेश हैं. हालांकि, इसके बावजूद भी किम्बल अपने भाई एलन मस्क की 200 बिलियन डॉलर की संपत्ति के मुकाबले बहुत पीछे हैं.

सैलरीड कर्मचारी 15 जनवरी तक जमा कराएं टैक्स इन्वेस्टमेंट प्रूफ:ऐसा न करने पर सैलरी से कट सकते हैं पैसे

नई दिल्ली, 5 जनवरी (एजेंसियां)। अगर आप सैलरीड कर्मचारी हैं और आपने टैक्स बचाने के लिए टैक्स सेविंग्स स्कीम में इन्वेस्टमेंट किया है। या घर के लिए लोन लिया है तो इसका प्रूफ जल्द से जल्द अपने दफ्तर के फाइनेंस डिपार्टमेंट में जमा कराएं। दरअसल, देश में ज्यादातर कंपनियों ने टैक्स सेविंग इन्वेस्टमेंट का प्रूफ जमा करने के लिए अपने कर्मचारियों को 15 जनवरी तक की डेडलाइन दी है।

कंपनियां क्यों मांगती हैं प्रूफ?

दरअसल, कंपनियां कर्मचारियों की सैलरी से हर महीने टीडीएस काटती हैं। कर्मचारी हर वित्त वर्ष की शुरुआत में अपनी कंपनी को बताता है कि वे टैक्स बचाने के लिए किन योजनाओं में निवेश कर रहे हैं या करने वाले हैं। कंपनियां उसी हिसाब से उनकी सैलरी से टैक्स काटती हैं।जनवरी में कंपनियां निवेश का सबूत मांगती हैं। इसके आधार पर कर्मचारी के पूरे वित्त वर्ष के टैक्स का कैलकुलेशन होता है। फिर कंपनियां उसी हिसाब से सैलरी से पैसा काटकर वित्त वर्ष खत्म होने से पहले यानी 31 मार्च तक इनकम टैक्स डिपार्टमेंट के पास जमा करती हैं।

अगर प्रूफ जमा नहीं किया तो क्या होगा?

अगर आपने कंपनी की तय डेडलाइन से पहले टैक्स-सेविंग का इन्वेस्टमेंट का प्रूफ नहीं जमा किया और आप आयकर के दायरे में आते हैं तो आपकी सैलरी से पैसे कट सकते हैं। ये पैसे जनवरी, फरवरी और मार्च की सैलरी से काटे जाएंगे। इसलिए अगर आप सैलरी से ज्यादा कटौती नहीं चाहते, तो डेडलाइन से पहले टैक्स-सेविंग इन्वेस्टमेंट का प्रूफ जमा कर दें।

15 जनवरी तक भर सकते हैं बिलेटेड इनकम टैक्स रिटर्न

सरकार ने बिलेटेड इनकम टैक्स रिटर्न फाइल करने की आखिरी तारीख को 31 दिसंबर से बढ़ाकर 15 जनवरी कर दिया है। अब लेट फीस के साथ 15 जनवरी 2025 तक आईटीआर भर सकते हैं। यदि किसी टैक्सपेयर ने पहले ही अपना आईटीआर दाखिल कर दिया है, लेकिन बाद में पता चलता है कि इसमें गलतियां हैं, तो वे भी अब 15 जनवरी तक रिवाइज्ड रिटर्न दाखिल कर सकते हैं।

एचडीएफसी की मार्केट वैल्यू 37,025 करोड़ कम हुई

टॉप-10 कंपनियों में से 4 की वैल्यू 96,606 करोड़ गिरी, बीते हफ्ते 524 अंक चढ़ा सेंसेक्स

मुंबई,5 जनवरी (एजेंसियां)। मार्केट वैल्यूएशन के लिहाज से देश की टॉप-10 कंपनियों में से 4 की वैल्यूएशन पिछले हफ्ते के कारोबार में 96,606 करोड़ रुपए कम हुई है। इस दौरान देश का सबसे बड़ा प्राइवेट सेक्टर बैंक एचडीएफस और आईसीआईसीआई बैंक की टॉप लूजर रहे। एचडीएफस बैंक का मार्केट कैप 37,025 करोड़ रुपए कम होकर 13.38 लाख करोड़ रुपए पर आ गई है। वहीं, आईसीआईसीआई बैंक की वैल्यू 29,325 करोड़ रुपए कम होकर 8.93 लाख करोड़ रुपए पर आ गई है।

एलआईसी की मार्केट वैल्यू 13,282.49 करोड़ रुपए बढ़ी

वहीं, जबकि बीते हफ्ते के कारोबार के बाद लाइफ इंश्योरेंस कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया यानी एलआईसी की मार्केट वैल्यू 13,282 करोड़ रुपए बढ़कर 5.75 लाख करोड़ रुपए पहुंच गई है। इसके अलावा, इंफोसिस, आईटीसी, एयरटेल की वैल्यूएशन में भी बढ़ोतरी हुई है।

बीते हफ्ते शेयर बाजार में रही थी तेजी

हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन यानी 3 जनवरी को सेंसेक्स 720 अंक की गिरावट के साथ 79,223 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 183 अंक की गिरावट रही, ये 24,004 के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 20 में गिरावट और 10 में तेजी रही। निफ्टी के 50 शेयरों में से 32 में गिरावट और 18 में तेजी रही। पिछले हफ्ते के कारोबार में सेंसेक्स 524 अंक चढ़ा। एनएसई सेक्टोरल इंडेक्स में आईटी सेक्टर सबसे ज्यादा 1.41% की गिरावट के साथ बंद हुआ। वहीं, बैंकिंग, फार्मा, हेल्थकेयर और फाइनेंशियल सर्विसेज 1% से ज्यादा की गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि, निफ्टी ऑयल एंड गैस में 1.26% और मीडिया सेक्टर में 1.70% की तेजी रही।

मार्केट कैपिटलाइजेशन क्या होता है?

मार्केट कैप किसी भी कंपनी के टोटल आउटस्टैंडिंग शेयरों यानी वे सभी शेयर, जो फिलहाल उसके शेयरहोल्डर्स के पास हैं, की वैल्यू है। इसका कैलकुलेशन कंपनी के जारी शेयरों की टोटल नंबर को स्टॉक की प्राइस से गुणा करके किया जाता है।मार्केट कैप का इस्तेमाल कंपनियों के शेयरों को कैटेगराइज करने के लिए किया जाता है, ताकि निवेशकों को उनके रिस्क प्रोफाइल के अनुसार उन्हें चुनने में मदद मिले। जैसे लार्ज कैप, मिड कैप और स्मॉल कैप कंपनियां।

मार्केट कैप = (आउटस्टैंडिंग शेयरों की संख्या) x (शेयरों की कीमत)

मार्केट कैप कैसे काम आता है?

किसी कंपनी के शेयर में मुनाफा मिलेगा या नहीं इसका अनुमान कई फैक्टर्स को देख कर लगाया जाता है। इनमें से एक फैक्टर मार्केट कैप भी होता है।

डिस्काउंट के बावजूद रूस की बजाय इस मुस्लिम देश से कच्चा तेल क्यों मंगा रहा भारत? इस रणनीति के पीछे की वजह

नई दिल्ली, 5 जनवरी (एजेंसियां)। रूस से भारत में कच्चे तेल के आयात में गिरावट आई है। दिसंबर के महीने में रुस से कच्चे तेल का आयात 13.2 परसेंट घटकर प्रतिदिन के हिसाब से 1.39 मिलियन बैरल रह गया है। जबकि नवंबर में यह आंकड़ा 1.61 मिलियन बैरल प्रतिदिन था। लंदन बेस्ड कमोडिटी डेटा एनालिटिक्स प्रोवाइडर वोर्टेक्सा के आंकड़ों से इसका खुलासा हुआ है। हालांकि, दिसंबर में दुनियाभर में कच्चे तेल के आयात के मामले में रूस पहले नंबर पर रहा। इसमें से 31 परसेंट कच्चे तेल का आयात अकेले भारत ने किया।

ये पांच देश रहे कच्चे तेल के सबसे बड़े सप्लायर

इसी दौरान देश के कुल कच्चे तेल आयात महीने दर महीने लगभग 4 परसेंट बढ़कर 4.46 मिलियन बैरल प्रतिदिन तक पहुंच गया है, जिसमें रूस के मुकाबले भारत ने कच्चे तेल का अधिक आयात इराक से किया.

वोर्टेक्सा में मार्केट एनालिस्ट जेवियर टैंग ने द फाइनेंशियल एक्सप्रेस को जानकारी दी, दिसंबर में दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में जिन देशों से कच्चे तेल का आयात किया उनमें रूस, इराक, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात और अंगोला शामिल रहे। इनमें से अंगोला अमेरिका को पीछे छोड़ते हुए कच्चे तेल का पांचवा सबसे बड़ा

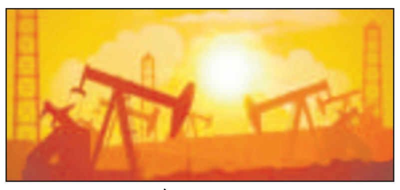

सप्लायर बन गया है। जेवियर ने कहा, रूस से कच्चे तेल में गिरावट की प्रमुख वजह यह है कि भारत में रिफाइनर अफ्रीका और मिडिल ईस्ट से इसे आयात कराने लगे हैं.

इन दो देशों से भारत में सबसे ज्यादा होता है कच्चे तेल का आयात

भारत रूस और सऊदी अरब सबसे ज्यादा कच्चे तेल का आयात करता है, लेकिन दिसंबर में इन दो देशों को पछाड़ते हुए कच्चे तेल के आयात में संयुक्त अरब अमीरात और इराक की हिस्सेदारी बढ़ गई है। भारत में कच्चे तेल के आयात में इराक की हिस्सेदारी बढ़कर 23 परसेंट हो गई है, जो पहले 16 परसेंट थी.

आंकड़ों के अनुसार, इराक से आयात पिछले महीने 48.3 परसेंट बढ़कर 1.03 मिलियन बैरल प्रतिदिन हो गया है। टैंग आगे कहते हैं, हालांकि, मिडिल ईस्ट के मुकाबले भारत प्रति बैरल पर डिसकाउंट को देखते हुए कच्चे तेल के आयात के मामले में भारत रूस को प्राथमिकता देता रहेगा।

आटा, तेल, दाल, चावल की महंगाई, प्रॉफिट के साथ कम कराएगी कमाई

नई दिल्ली, 5 जनवरी (एजेंसियां)। बढ़ती महंगाई, हाई प्रोडक्शन कॉस्ट और प्राइस स्टेबलाइजेशन संबंधी उपायों से प्रभावित रोजमर्रा में यूज होने वाले सामान बनाने वाली (एफएमसीजी) कंपनियों के ग्रॉस मार्जिन में अक्टूबर-दिसंबर तिमाही के दौरान गिरावट आने की आशंका है। इसके अलावा इन कंपनियों का प्रॉफिट भी काफी कम या स्थिर रह सकता है। कई एफएमसीजी कंपनियों के रेवेन्यू में निचले स्तर पर सिंगल डिजिट में वृद्धि की उम्मीद है। इसका एक कारण यह हो सकता है कि कई कंपनियों ने दिसंबर तिमाही में कोपरा, वनस्पति तेल और पाम ऑयल जैसे प्रोडक्ट्स की बढ़ती कॉस्ट के कारण कीमतों में बढ़ोतरी का विकल्प चुना है। कीमतों में बढ़ोतरी ऐसे समय में हुई है जब हाई फूड इंफ्लेशन के कारण कम खपत ने शहरी बाजार को प्रभावित किया है। हालांकि, ग्रामीण बाजार जिसका कुल एफएमसीजी बाजार में एक-तिहाई से थोड़ा अधिक हिस्सा है, इससे आगे रहा है।

डाबर और मैरिको जैसी कुछ लिस्टिड एफएमसीजी कंपनियों ने चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही के लिए अपने अपडेट साझा किया है। इसके आधार पर विश्लेषकों ने इन कंपनियों की मात्रा में वृद्धि निचले स्तर पर एकल अंक में या स्थिर रहने की उम्मीद जताई है। घरेलू फार्मा डाबर को दिसंबर तिमाही में निचले सिंगल डिजिट की वृद्धि की उम्मीद है। इस दौरान कंपनी का परिचालन मुनाफा स्थिर रह सकता है। डाबर ने कहा कि कुछ सेगमेंट्स में महंगाई दबाव देखने को मिला, जिसे आंशिक रूप से तकनीकी मूल्य वृद्धि और लागत दक्षता उपायों से कम किया जा सका.कंपनी ने कहा कि तीसरी तिमाही में एफएमसीजी सेक्टर के लिए ग्रामीण खपत बेहतर रही और यह शहरी क्षेत्र की तुलना में अधिक तेजी से बढ़ी। कंपनी के पास डाबर च्यवनप्राश, डाबर हनी, डाबर पुदीनहरा, डाबर लाल तेल, डाबर आंवला, डाबर रेड पेस्ट, रियल और वाटिका जैसे ब्रांड हैं। कंपनी ने कहा कि वैकल्पिक माध्यम मसलन आधुनिक व्यापार, ई-कॉमर्स और त्वरित वाणिज्य (क्विक कॉमर्स) ने मजबूत वृद्धि जारी रखी। वहीं सामान्य व्यापार, जिसमें मुख्य रूप से गली-मोहल्ले की किराना दुकानें शामिल हैं, को तिमाही के दौरान दबाव झेलना पड़ा। मैरिको ने भी कुछ इसी तरह की राय जताते हुए कहा कि तिमाही के दौरान क्षेत्र ने सतत मांग वृद्धि दर्ज की है। इस दौरान ग्रामीण खपत में सुधार हुआ है, जबकि पिछली तिमाही की तुलना में शहरी धारणा स्थिर रही है।

डॉलर के मुकबाले लुढ़कते रुपये से बढ़ेगी महंगाई, ये जरूरी सामान हो सकते हैं महंगे

नई दिल्ली,5 जनवरी (एजेंसियां)। डालर के मुकाबले रुपये के मूल्य में रिकॉर्ड गिरावट आ रही है। रुपया टूटकर अपने निचले स्तर 85.79 प्रति पर पहुंच गया है। यानी 1 अमेरिकी डॉलर कीमत 85 रुपए 79 पैसा हो गया है। रुपये के मूल्य में रिकॉर्ड गिरावट पर चिंता जताते हुए विशेषज्ञों का कहना है कि घरेलू मुद्रा के मूल्य में गिरावट से आयातित कच्चे माल के महंगा होने से उत्पादन लागत बढ़ेगी और कुल मिलाकर देश में महंगाई बढ़ सकती है जिससे आम लोगों की जेब पर प्रभाव पड़ेगा। जानकारों का कहन है कि कमजोर रुपये से मोबाइल फोन, टीवी, फ्रिज, एसी, पेंट आदि के दाम बढ़ जाएंगे। इसके अलावा विदेशों में पढ़ना, विदेशों में घूमने का बोझ भी बढ़ेगा।

महंगाई बढ़ेगी लेकिन फायदा भी होगा

डॉलर के मुकाबले रुपये के मूल्य में कमी के कारण आम लोगों पर पड़ने वाले प्रभाव के बारे में पूछे जाने पर जाने-माने अर्थशास्त्री और मद्रास स्कूल ऑफ इकनॉमिक्स के निदेशक प्रोफेसर एन आर भानुमूर्ति ने कहा, रुपये के मूल्य में गिरावट

आयातित मुद्रास्फीति (आयातित महंगे कच्चे माल) से चीजें महंगी होंगी। उन्होंने कहा, हालांकि, अगर इससे निर्यात को गति मिलती है तब आर्थिक वृद्धि और रोजगार पर सकारात्मक असर पड़ सकता है। यदि रुपये में गिरावट बाजार की ताकतों (मांग और आपूर्ति) के कारण होती है, तो उत्पादन वृद्धि और महंगाई दोनों बढ़ेंगे।

कमजोर रुपये से आयात होता है महंगा

इस बारे में आनंद राठी शेयर्स एंड स्टॉक ब्रोकर्स के निदेशक (जिंस और मुद्रा) नवीन माथुर ने कहा, रुपये की विनिमय दर में गिरावट का सबसे बड़ा असर महंगाई बढ़ने के रूप में होता है क्योंकि आयातित कच्चे माल और उत्पादन की लागत बढ़ जाती है जिसका बोझ अंततः उपभोक्ताओं को उठाना होता है।

चीन और अमेरिका के बाद दुनिया के सबसे बड़े मेट्रो नेटवर्क में भारत का भी बजा डंका

नई दिल्ली,5 जनवरी (एजेंसियां)। जब भी दुनिया में मेट्रो ट्रेन की बात होती है, भारत की मेट्रो का भी नाम उसमें प्रमुख रूप से शामिल होता है। दुनिया की 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाले देश में मेट्रो रेल नेटवर्क तेजी से फैल रहा है। भारत में मेट्रो रेल नेटवर्क बढ़कर 1000 किमी का हो गया है। इतने बड़े नेटवर्क के साथ भारत चीन और अमेरिका के बाद दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा मेट्रो रेल नेटवर्क वाला देश बन गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज दिल्ली मेट्रो की मजेंटा लाइन के एक्सटेंशन का उद्घाटन करेंगे। साथ ही वह यूपी के साहिबाबाद और दिल्ली के न्यू अशोक नगर के बीच बने दिल्ली-गाजियाबाद-मेरठ नमो भारत कॉरिडोर के 13 किलोमीटर लंबे हिस्से का भी उद्घाटन करेंगे। इसके साथ ही दिल्ली के लोग भी नमो भारत ट्रेन में सफर कर मात्र 35 से 40 मिनट में मेरठ पहुंच सकेंगे। दिल्ली में मेट्रो 2002 में शुरू हुई थी। हालांकि भारत में मेट्रो ट्रेन की शुरुआत 1984 में हो गई थी। कोलकाता में पहली मेट्रो ट्रेन चली थी।मेट्रो ट्रेन अब सिर्फ दिल्ली और कोलकाता तक ही सीमित नहीं है। देश के कई राज्यों में इसका विस्तार हो गया है। मेट्रो ट्रेन अब देश के 11 राज्यों के 23 शहरों में चलती है। साल 2014 में यह ट्रेन मात्र 5 राज्यों और 5 शहरों में चलती थी। अभी मेट्रो ट्रेन का नेटवर्क लगातार बढ़ रहा है। मध्यप्रदेश समेत देश के कई राज्यों में इसे चलाने की तैयारी है।भारत मेट्रो रेल नेटवर्क 1000 किलोमीटर का हो गया है। इतने बड़े नेटवर्क के साथ भारत का स्थान चीन और अमेरिका के बाद तीसरे स्थान पर है। साल 2014 में मेट्रो रेल नेटवर्क मात्र 248 किलोमीटर का था। ऐसे में पिछले 10 वर्षों में मेट्रो नेटवर्क में 3 गुना वृद्धि हुई है।पिछले साल एक कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा था कि अगले दो-तीन साल में भारत मेट्रो नेटवर्क के मामले में अमेरिका को पीछे छोड़कर दूसरा सबसे बड़ा मेट्रो नेटवर्क होगा।

5 लाख लगाकर 15 लाख कमाने का सुनहरा मौका

नई दिल्ली, 5 जनवरी (एजेंसियां)। हर माता-पिता का सपना होता है कि वो अपने बच्चों की अच्छी परवरिश करे। उसकी तमाम इच्छाओं की पूर्ति करें ।उनके भविष्य के बारे में चिंता करे कि कैसे उनका बच्चा आर्थिक रूप से मजबूत बने ताकि आगे चलकर पैसों की कमी के चलते उसे किसी के सामने हाथ फैलाना ना पड़े। पैरेंट्स अपने बच्चों के भविष्य सहेजने के लिए हर दिन कुछ ना कुछ सेविंग्स करते हैं। इसलिए पैरेंट्स बच्चों के जन्म लेते ही तमाम तरह की फाइनेंशियल प्लानिंग करने लगते हैं। बच्चे के जन्म के साथ ही कुछ पैरेंट्स पीपीएफ, आरडी, सुकुन्या जैसी कई योजनाओं में निवेश करना शुरू कर देते हैं। इसके अलावा कुछ लोग बच्चे की भविष्यकी जरूरतों को पूरा करने के लिए

फिक्स्ड डिपॉजिट यानी एकमुश्त रकम जमा करने की प्लानिंग करते हैं। आइए आज हम आपको पोस्ट ऑफिस की एक ऐसी स्कीम के बारे में बताते हैं जो कम समय में अधिक रिटर्न उपलब्ध कराता है। इस स्कीम के तहत पांच लाख रुपये को 15 लाख रुपये तक बना सकते हैं। पोस्ट ऑफिस की ये स्कीम कमाल की है। आम लोगों में यह स्कीम बेहद ही लोकप्रिय है।

पोस्ट ऑफिस टर्म डिपॉजिट स्कीम में लगाए पैसा

अगर आप एकमुश्त रकम निवेश करना चाहते हैं तो पोस्ट ऑफिस टर्म डिपॉजिट यानी पोस्ट ऑफिस एफडी आपके लिए सबसे बेहतर विकल्प है। पोस्ट ऑफिस की इस स्कीम में 5 साल की एफडी पर अच्छा रिटर्न मिल रहा है। यह बैंकों से बेहतर ब्याज उपलब्ध कराती है। इस स्कीम के जरिए आप चाहें तो रकम को तीन गुना से भी ज्यादा कर सकते हैं यानी अगर आप 5,00,000 रुपये का निवेश करते हैं तो 180 महीने में आप 15,00,000 प्राप्त कर सकते हैं। जानिए कैसे काम करता है यह स्कीम

ऐसे बनेंगे 5 लाख से 15 लाख रुपये

5 लाख को 15 लाख बनाने के लिए कुछ नहीं करना है। 5 लाख रुपये की रकम आपको 5 साल के लिए पोस्ट ऑफिस की एफडी में जमा करा देना है। पोस्ट ऑफिस 5 साल की एफडी पर 7.5 फीसदी की ब्याज दर देता है। 5 साल बाद मैच्योरिटी अमाउंट बढ़कर 7,24,974 रुपये हो जाएगा, लेकिन यह राशि निकालनी नहीं होगी।, बल्कि अगले 5 साल के लिए फिर से जमा कर देनी है। इस तरह 10 साल में आपको 5 लाख की रकम पर ब्याज के जरिए 5,51,175 रुपये मिलेंगे और आपकी रकम 10,51,175 रुपये हो जाएगी।इसी तरह एक बार फिर 5 साल के लिए फिक्स करना होगा, यानी आपको इसे 5-5 साल के लिए दो बार फिक्स करना होगा, इस तरह आपकी रकम कुल 15 साल के लिए जमा होगी।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

श्री कालयुक्त संवत्सर-विक्रम संवत-2081
शक संवत- 1946 सूर्य - उत्तरायणे - ऋतु - शिशिर
महावीर निर्वाण संवत -2051,हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000 सूर्योदय - 06-51 सूर्यास्त. -17-52
भोग्य कलि वर्ष-426875
कलियुग संवत् -5125 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949125
सृष्टि ग्रहारंभ संवत-1955885125

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य-	धनु	मे	धनु----	05-19 बजे
चंद्र-	मीन	मे	मकर...	07-25 बजे
मंगल	कर्क	मे	कुंभ -	09-15 बजे
बुध-	धनु	मे	मीन-	10-53 बजे
गुरु-	वृष	मे	मेष---	12-29 बजे
शुक्र-	कुंभ	मे	वृष---	14-14 बजे
शनि-	कुंभ	मे	मिथुन	16-15 बजे
राहु-	मीन	मे	कर्क...	18-27 बजे
केतु-	कन्या	मे	सिंह---	20-39 बजे
			कन्या---	22-46 बजे
			तुला----	00-52 बजे
			वृश्चिक...	03-01 बजे

दिशाशूल - दक्षिण - जीरा खाकर घर से निकले
तिथि- सप्तमी . 18-23 तक उपरान्त अष्टमी
मास - पौष शुक्ल , सोमवार 06 January
नक्षत्र - उ.भाद्रपद 19-06 तक उपरान्त रेवती
योग - परिघ 02-04 तक उप शिव
करण- गर 07-20 तक उप वणिज
विशेष:- गुरु गोविंद सिंह ज.
व्रत -त्योहार - गुरु राजेंद्र सूरीश्वर जन्म पुण्य

विशेष:- राशिफल गृहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए ।

राहुकाल 08:12 से 09:36 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो.9247132654,8309517693

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	06:51 - 08:12	शुभ	चंचल.	17:52 - 19:32	शुभ
काल	08:12 - 09:36	अशुभ	रोग.	19:32 - 21:09	अशुभ
शुभ	09:36 - 10:59	शुभ	काल.	21:09 - 22:45	अशुभ
रोग	10:59 - 12:22	अशुभ	लाभ.	22:45 - 00:22	शुभ
उत्पात	12:22 - 13:45	अशुभ	उत्पात	00:22 - 01:59	अशुभ
चंचल.	13:45 - 15:09	शुभ	शुभ	01:59 - 03:36	शुभ
लाभ	15:09 - 16:32	शुभ	अमृत	03:36 - 05:13	शुभ
अमृत.	16:32 - 17:52	शुभ	चंचल	05:13 - 06:51	शुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)
आज का दिन प्रशासनिक नौकरियों में या किसी भी क्षमता में सरकार के लिए काम कर रहे लोगों के लिए विशेष रूप से उपयोगी है। जो भी विस्तारपूर्ण काम काज जो काफी समय से लंबित था , उसे करने के लिये आज प्रयत्न करे क्यों की वह आसानी से समाप्त हो जाएगा । अगर आप अपने वर्तमान कार्यस्थल पर बैचनी या फंसा हुआ सा महसूस कर रहे है।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)
आपके कार्यस्थल पर तनाव का माहौल है। यह तनाव का माहौल आपकी वजह से नहीं बल्कि , व्यापार में कुछ भारी नुकसान की वजह से हो सकता है। अपने आप में नकारात्मक ऊर्जा न भरे बल्कि इसके बजाय नकारात्मक विचारों की इस लहर के घेरे में आ रहे हैं, उन सभी लोगो को प्रेरित करने का प्रयास करें। आपके खर्चो का प्रबंधन करने के लिए विभिन्न स्रोतों से आवश्यक धन की प्राप्ति होगी ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,)
एक मालिक के रूप में, अपने अधीनस्तों के लिए आपमें एक दिल है । उन्हें ज्यादा उत्साह के साथ प्रदर्शन करने के लिए आपकी प्रशंसा की जरूरत है। उनसे बात करें और उन्हें प्रोत्साहित करने के लिए आप किसी पार्टी का आयोजन भी कर सकते है । वे इसके लिए आप का आदर करेंगे। आप एक बड़ी परियोजना के लिए उन्हें प्रेरित भी करते रहे ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)
आज आपको अत्यधिक खर्चो का सामना करना पड़ सकता है इसलिए नहीं की वो खर्चे दूर नहीं किये जा सकते थे बल्कि इसलिए की आप खुद उन खर्चो को करना चाहते थे । यह ठीक है की आप अपने मुश्किल समय के लिए पैसे बचाते है जो की बुद्धिमता वाला काम है लेकिन आज आप अपने या अपने किसी ख़ास व्यक्ति जो आपके बहुत निकट है के लिए किसी छोटी सी पार्टी का अयोजन कर सकते है।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)
आपकी लंबित कई प्रतिबद्धताएं है जिन्हे आपको आज आसानी से पूरा करने के लिए समय मिलेगा , हालांकि आप अपने आप को बेचैन , असावधान और सुस्त महसूस करेंगे । परिणाम के रूप में, आपका कार्य लंबित होता जाएगा , क्योकि आपका ध्यान केंद्रित नहीं है, इसलिए एक दिन की छुट्टी ले और आराम करे । यह काफी हद तक आपके तनाव को दूर करने में मदद करेगा ।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
आज आप सकारात्मक ऊर्जा से भरे हुए हैं और आज आपके हैरान होने की संभावना है , क्यों की आपके प्रबंधन कौशल की वजह से आप पाएंगे की अपने कितना कुछ पाया है । आपके सारे बकाया कार्य पूर्ण हो जाएंगे और मुश्किल परियोजनाओं के रास्ते में जो रुकावट थी , वो पूरी तरह से खत्म हो जाएंगी ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)
अपने हाल फिलहाल इसलिए धन खोया क्यों की आपने अविवेकपूर्ण तरीके से जल्दी पैसे देने वाली मृगतृष्णाओ वाली परियोजनाओं में पैसे लगाया । इस तरह की और परियोजनाओं आपके समक्ष आएगी लेकिन आपको अपने विवेक का इस्तेमाल करना है अन्यथा आप वित्तीय परेशानी में फँस सकते है ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)
आप बहुत ही आराम से संवाद स्थापित कर रहे है , लेकिन कुछ लोग इसमें अड़चन डाल सकते है और उनके हस्तक्षेप की वजह से एक बहुत ही नाटकीय दृश्य आपके कार्यालय में पैदा हो सकता है। आपका दृष्टिकोण संगठन के लाभ के खिलाफ माना जाएगा , इसलिए बेहतर है की एक कदम पीछे रखे , ताकि इसका असर दुसरो पर हो । इस बीच में अपने व्यक्तिगत विकास पर ध्यान दें।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)
आज आपको अपना कठोर और मजाकिया दृष्टिकोण को बदलने की जरूरत है, बेहतर होगा कि आप लोगों की भावनाओं से सम्बन्ध स्थापित करे और साथ ही साथ ये जानने की भी कोशिश करे कि वे क्या चाहते हैं और कौन सा रास्ता उन्होंने अपनाया है ! ध्यान देने योग्य बात ये है की आपको समझना होगा की चीज़े कैसे कार्य कर रही है बजाय की आप अपना तरीका अपने सहकर्मियों पर थोपे ।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)
धन से संबंधित कुछ समस्याए आ सकती है । आपको ये समझना होगा की कौन सा खर्च जरुरी और गैर जरुरी है अन्यथा आपको वित्तीय संकट से गुजरना पड़ सकता है । अगर आप अपनी आय बढ़ाना चाहते है तो आपको कुछ नवीनतम प्रोद्योगिकी का समावेश करना होगा और वो आप पर निर्भर करेगा की आप उसका कितना फायदा उठा सकते है क्यों की वह आपके मेहनत और उस प्रोद्योगिकी के आज के समय में महत्व पर भी निर्भर करेगा ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)
लालच आज आपके रास्ते में दिखाई देगा, लेकिन आवश्यक है की आप सही मार्ग पर चले । गलत और छोटे रास्ते अंत में आपके करियर के लिए हानिकारक हो सकते है । सही रास्ता चुनना इतना आसान नहीं होगा और ये तभी हो सकता है जब लालच आप पर हावी न हो । अगर आप अपने से यह नहीं कर सकते हैं, तो एक सच्चे शुभचिंतक की सहायता ले सकते है जो आपको मजबूत रहने में मदद करेगा ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)
आज का दिन सट्टा उद्यमों के लिए सबसे उपयुक्त है । आज एक लॉटरी टिकट या कंपनियों के शेयरों में निवेश करने से धन वृद्धि का एक उच्च मौका है। आपको किसी से एक अच्छा सुझाव मिल सकता है और अगर आप उसे समय पर करते हैं , तो आप अपनी आय बढ़ा सकते हैं। आज का दिन आपके के लिए शांतिपूर्ण रहेगा ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

मिनी इंग्लैंड से भूतिया शहर बना केजीएफ

30 लाख टन सोने का भंडार, पर माइनिंग बंद; लोग बोले- कुली जैसी जिंदगी

बेंगलुरु, 5 जनवरी (एक्सक्लूसिव डेस्क)। केजीएफ में मिले सोने की कीमत बहुत ज्यादा होती है, लेकिन उसे बाहर निकालने वाले हाथों का भी अपना एक इतिहास होता है। यह डायलॉग डायरेक्टर प्रशांत नील और एक्टर यश की कन्नड़ फिल्म केजीएफ का है। केजीएफ यानी कोलार गोल्ड फील्ड्स। यह कर्नाटक के कोलार जिले में स्थित एक शहर है। बेंगलुरु से करीब 100 किमी दूर इस जगह का इतिहास और वर्तमान फिल्म से काफी अलग है।

ब्रिटिश और भारत सरकार ने 1880 से 2001 तक, 121 सालों के दौरान केजीएफ से 900 टन से ज्यादा सोना निकाला। 2001 में गोल्ड माइनिंग पर रोक लग गई। केजीएफ को एक समय 'सोने का शहर' और 'मिनी इंग्लैंड' कहा जाता था। आजादी के सालों पहले यहां के लोगों तक वो हर सुविधाएं पहुंच गई थीं, जो तब देश के गिने-चुने शहरों में होती थीं, लेकिन अब इसे भूतिया शहर (वीरान) कहा जाता है। पिछले 24 सालों में केजीएफ ने समृद्धि से गरीबी तक का सफर देखा है। हाल ही में केजीएफ के मजदूरों और कर्मचारियों के एक संगठन ने पीएम मोदी को लेटर लिखकर दोबारा माइनिंग शुरू करवाने की मांग की। दावा है कि अगर केजीएफ में माइनिंग शुरू हुई तो भारत के लिए अगले 100 सालों तक यह फायदे का सौदा हो सकता है।

केजीएफ में साउथ अफ्रीका के बाद दुनिया की दूसरी सबसे गहरी सोने की खदान हैं। यहां छोटे-बड़े कुल 16 माइनिंग शाफ्ट (गहरे गड्ढे) हैं। करीब 12 किमी के दायरे में फैले इन शाफ्ट्स की गहराई लगभग 11 हजार फुट, करीब 3.5 किमी है, जो जमीन के नीचे करीब 1400 किमी लंबे टनल के जरिए एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं। कोलार गोल्ड फील्ड्स में सोने के भंडार का पता लगाने के लिए 1994, 1997 और 2000 में 3 पार्लियामेंट्री स्टैंडिंग कमेटियां बनाई गई थीं। कमेटियों ने 2010 में अपनी रिपोर्ट में बताया था कि केजीएफ में अब भी 30 लाख टन सोने का भंडार मौजूद है।

केजीएफ में दक्षिण अफ्रीका और पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया की तरह ही सोने का भंडार है। अरबों साल पहले सभी एक ही चट्टान का हिस्सा थे, जो टूट कर अलग हो गए। दक्षिण अफ्रीका हर साल 200 टन से ज्यादा सोना निकालता है। जबकि भारत में एक साल में सिर्फ 1 टन (1 हजार किलोग्राम) सोने का उत्पादन होता है।'

'1880 से 1956 के दौरान इंग्लैंड की जॉन टेलर एंड संस कंपनी केजीएफ से सालाना करीब 10 टन सोना निकालती थी। 2001 तक 3.5 KM की गहराई से कुल 900 टन से ज्यादा सोना निकाला गया। उसके नीचे और सोना मौजूद है। माइनिंग शुरू हुई, तो भारत को केजीएफ से सालाना 100 टन सोना मिल सकता है। 'भारत सरकार केजीएफ से अगले 100 सालों तक न सिर्फ मुनाफा कमा सकती है, बल्कि 2 लाख से ज्यादा लोगों को रोजगार भी मिलेगा। केजीएफ में 20 गोल्ड माइंस और बन सकते हैं।

केजीएफ में सोने के 27 लोड (चट्टानों के बीच नसों की तरह दिखने वाले सोने का लेयर) हैं। इनमें अब तक सिर्फ 2 लोड से सोना निकाला गया है। 25 लोड अभी भी जस के तस हैं। अंग्रेजों ने सिर्फ दो लोड से सोना निकालने के बावजूद सालों तक अपना खजाना भरा। सोचिए 25 लोड में और कितना सोना होगा।' केजीएफ में अंडरग्राउंड माइनिंग से सोना निकालने के बाद भी अवशेषों में छोटे-छोटे कण रहे जाते थे। शुरुआत में एक टन अवशेष से 60 ग्राम सोना निकलता था। धीरे-धीरे यह कम होता गया। 2001 में माइनिंग बंद होने के समय तक एक टन अवशेष से 34 ग्राम सोना मिल जाता था।'

'बीजीएमएल बंद होने के बाद सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था। कोर्ट ने 2013 में केंद्र सरकार को कंपनी की नीलामी का आदेश दिया, लेकिन सरकार पीछे हट गई। हमने इसके खिलाफ याचिका लगाई, तो कहा गया कि कंपनी दोबारा शुरू नहीं होगी। अगर आपको फिर से माइनिंग करनी है, तो अपने स्तर पर करिए।'

फोरम प्रेसिडेंट होने के नाते दिवाकरण ने कई बार इसकी पहल भी की, लेकिन कुछ नहीं हुआ। हाल ही में मोदी को अपना मास्टर प्लान भेजा है। अगर सरकार राजी हुई, तो हम ऑस्ट्रेलिया की तकनीक का इस्तेमाल करके दोबारा माइनिंग शुरू करेंगे। इससे मुनाफा भी होगा और लाखों लोगों को रोजगार भी मिलेगा।'

एडवोकेट पी राघवन ने बताया कि अंडरग्राउंड 1400 KM एरिया में फैले केजीएफ की बंद खदानों में 24 सालों के दौरान जहरीला साइनाइड मिला पानी भर चुका है। पूरी मशीनरी में जंग लग चुकी है। नई मशीनरी से बदलने के लिए बड़े पैमाने पर पैसों की जरूरत होगी, जिस पर सरकार खर्च नहीं करना चाहती।

भूतिया शहर' बनने की कहानी

2020 में रिलीज हुई एक डॉक्यूमेंट्री 'इन सर्च ऑफ गोल्ड' के मुताबिक, केजीएफ में 1880 में माइनिंग शुरू होने के कुछ समय के बाद ही ब्रिटिशर्स को बहुत फायदा होने लगा था। हालांकि बड़े पैमाने पर खुदाई के लिए उन्हें हजारों श्रमिकों की भी जरूरत थी।

जॉन टेलर एंड संस ने मद्रास प्रेसिडेंसी के पड़ोसी तमिल और तेलुगु भाषी क्षेत्रों से मजदूरों की भर्ती की। ब्रिटिशर्स ने उच्च पदों पर कब्जा कर लिया और एंग्लो-इंडियन लोग सुपरवाइजर्स का काम करते थे। पंजाबियों को सिक्योरिटी गार्ड्स के तौर पर रखा गया। धीरे-धीरे केजीएफ कई जाति के लोगों वाले शहर के तौर पर डेवलप होने लगा।

KGF का इतिहास

कोलार में करीब 2 हजार साल पहले से माइनिंग के दावे किए जाते हैं।

यहां इतना सोना था कि लोग हाथों से गड्ढा खोदकर सोना निकालते थे।

आजादी से पहले देश के 95% सोने की डिमांड KGF से पूरी होती थी।

- 1004 से 1116 ईस्वी में चोल साम्राज्य से जुड़े शिलालेखों और ग्रंथों में गोल्ड माइनिंग का जिक्र है।
- 1336 से 1646 तक विजयनगर राजवंश, 1750 से 1799 तक टीपू सुल्तान ने भी सोना निकाला।
- 1802 में ब्रिटिश सरकार के लेफ्टिनेंट जॉन वॉरेन ने कोलार में सोने के भंडार पर रिसर्च शुरू किया।
- 1804 से 1860 तक कोलार में कई रिसर्च और सर्वे के बाद अंग्रेजों ने खुदाई का फैसला किया।
- 1880 में इंग्लैंड की जॉन टेलर एंड संस नाम की कंपनी ने कोलार में माइनिंग शुरू की।
- 1943 तक अंग्रेजों ने KGF से 583 टन सोना निकाला और 1947 तक अपना खजाना भरते रहे।
- ब्रिटिश 1947 में भारत से चले गए। 1956 में कर्नाटक सरकार ने KGF को अपने हाथों में लिया।
- राज्य सरकार ने जॉन टेलर एंड संस को माइनिंग कंसल्टेंट अपॉइंट किया और माइनिंग जारी रखी।
- 1972 में केंद्र सरकार ने भारत गोल्ड माइन्स लिमिटेड (BGML) कंपनी को KGF सौंप दी।
- 1980 के दशक में BGML घाटे में जाने लगी, क्योंकि सोना निकालने में ज्यादा पैसा लग रहा था।
- 2001 में सोने के भंडार में कमी, हाई ऑपरेशन कॉस्ट और कम मुनाफे के कारण BGML बंद हो गई।

हाई क्वालिटी के अयस्क (जिन चट्टानों पर सोना या दूसरी धातुएं पाई जाती हैं) मिलते थे। इसका मतलब है कि सोना भी हाई ग्रेड का होता था। अंग्रेजों ने ज्यादा से ज्यादा सोना निकालने के लिए गहराई तक खुदाई शुरू कर दी। मजदूर जितनी गहराई में जाने लगे, उनके लिए चुनौतियां उतनी बढ़ने लगीं। अंदर का तापमान 55 डिग्री सेल्सियस तक होता था। ऊपर से घना अंधेरा।

शुरुआत में मजदूर मोमबत्ती की रोशनी के सहारे खुदाई करते थे। बाद में कार्बाइड लैंप आ गया। हालांकि 2 से 3 KM की गहराई में वह भी बेअसर होने लगा। फिर माइनिंग कंपनी ने मैसूरु (अब कर्नाटक) सरकार को बिजली की व्यवस्था करने के लिए मनाया।

1902 में केजीएफ के लिए खास तौर पर वहां से 220 किलोमीटर दूर शिवसमुद्रम में एक हाइड्रो इलेक्ट्रिक प्लांट स्थापित किया गया। इसी के साथ केजीएफ बिजली का इस्तेमाल करने वाला दुनिया का पहला माइनिंग क्षेत्र बन गया। एशिया में पहली बार इतनी लंबी ट्रांसमिशन लाइन के जरिए बिजली प्रोडक्शन और सप्लाई की गई थी। हालांकि यह बिजली इतनी ज्यादा थी कि माइनिंग कंपनी ने अपने कर्मचारियों और मजदूरों को भी मुफ्त में बिजली देना शुरू कर दिया। इससे केजीएफ देश के उन गिनती के शहरों में शामिल हो गया, जहां आजादी से पहले बिजली पहुंच गई थी।

बिजली आने से माइनिंग का काम तो तेज हो गया, लेकिन पानी की किल्लत बढ़ने लगी। लगातार खुदाई से मिट्टी और चट्टानों के पहाड़ बनने लगे थे। उससे सोना छानने के लिए पानी का कोई बड़ा स्रोत नहीं था। केजीएफ से समुद्र की दूरी 200 से 300 किलोमीटर थी। तब ब्रिटिश सरकार ने केजीएफ से 18 KM दूर बेतमंगला में एक आर्टिफिशियल झील बनवाई और वाटर फिल्टर सिस्टम भी तैयार किया।

इसके बाद ब्रिटिश सरकार और माइनिंग कंपनी से जुड़े लोग बड़े पैमाने पर केजीएफ का रुख करने लगे। उनके बड़े-बड़े बंगले और हवेलियां बननी शुरू हो गईं। अस्पताल, स्कूल, सोशल क्लब, बोटिंग लेक, गोल्फ कोर्स, स्विमिंग पूल और जिमखाना भी बना।

केजीएफ का तापमान काफी ठंडा था, इसलिए ब्रिटिश मॉडल के घर बनाए जाते थे, जिसके कारण इसे 'मिनी इंग्लैंड' कहा जाना जाने लगा। 1910 तक यह इलाका पूरी तरह से एक यूरोपीय टाउनशिप की तर्ज पर स्थापित हो चुका था। 1930 तक केजीएफ में काम करने वाले लोगों की संख्या 30 हजार तक पहुंच गई थी।

कर्नाटक के पड़ोसी राज्यों आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु से भी बड़ी संख्या में लोग खदानों में काम करने के लिए आने लगे थे। शहर की बढ़ती आबादी को बसाने के लिए 1903 में रॉबर्टसनपेट नाम का एक रेजिडेंशियल टाउनशिप बनाया गया। यह आधुनिक भारत के पहले प्लांड रेजिडेंशियल इलाकों में से एक है।

जॉन टेलर एंड संस कंपनी ने खदानों में काम करने वाले लोगों और उनके परिवारों के लिए एक हॉस्पिटल भी बनाया था। इसमें कई यूरोपीय डॉक्टर और नर्सें काम करती थीं। हॉस्पिटल में दो सौ से ज्यादा बेड थे। 1972 में KGF के राष्ट्रीयकरण के बाद हॉस्पिटल का नाम बीजीएमएल हॉस्पिटल रखा गया।

'मजदूर हर बार अपने साथ एक चिड़िया लेकर खदानों में उतरते थे। जहां चिड़िया मर जाती थी, वहीं पर रुक जाते थे, क्योंकि उससे नीचे ऑक्सीजन नहीं होता। तापमान भी लगभग 55 डिग्री रहता है। मजदूरों की सहूलियत के लिए सरकार ने खदानों में एसी लगवा दिया। यह दुनिया की पहला एयर कंडीशंड माइंस है।' माइनिंग बंद होने के बाद केजीएफ वीरान होने लगा। नौकरी और शिक्षा के लिए लोग घर छोड़कर दूसरे शहरों में पलायन करने लगे। आलीशान बंगले, क्लब, हॉस्पिटल, पोस्ट ऑफिस और दूसरी बड़ी इमारतें, जो एक समय में शहर का गौरव बढ़ाती थीं, वो अब जर्जर हो चुकी हैं। खंडहर इमारतों के चलते केजीएफ को अब घोस्ट टाउन यानी भूतिया शहर कहा जाता है।

जो लोग केजीएफ छोड़कर नहीं गए, उन्होंने आसपास के शहरों में काम ढूंढा। मौजूदा समय में केजीएफ के करीब 10 हजार लोग बेंगलुरु में काम करने के लिए जाते हैं। दोनों शहरों को जोड़ने वाली भारतीय रेलवे की 7 ट्रेनें ही इनकी लाइफलाइन है।

लोगों ने बताया कि उनका हर रोज करीब 6 से 7 घंटा ट्रेन के सफर में बीत जाता है। रात को घर लौटने के बाद मुश्किल से 3-4 घंटे का समय परिवारों वालों के साथ मिलता है। रविवार को पूरा दिन परिवार के साथ रहने की कोशिश करते हैं।

2001 में BGML बंद हुई, तब कंपनी में करीब 3800 कर्मचारी थे। उन्हें वॉलंटरी रिटायरमेंट लेना पड़ा। इनमें 1800 कर्मचारियों की ज्यादा उम्र के कारण मौत भी हो चुकी है। पिछले 24 साल से ये कर्मचारी और उनका परिवार केजीएफ में दोबारा माइनिंग शुरू करने और मुआवजे की मांग को लेकर कई कानूनी लड़ाई लड़ रहे हैं।

जॉइंट ट्रेड यूनियन फ्रंट के कन्वीनर जयकुमार कहते हैं, 'बीजीएमएल में काम करने वाले हजारों लोग और उनका परिवार हर रोज ट्रेन में धक्के खाते हुए बेंगलुरु में छोटा-मोटा काम करने के लिए जाते हैं।

वे केजीएफ और बेंगलुरु के बीच झूल रहे हैं। सरकारी कंपनी में सालों काम करने के बावजूद यहां के लोगों की जिंदगी कुली जैसी हो गई है।' कंपनी के अधिकारियों ने इसे लूट लिया। यहां की मशीनरी, वर्किंग यूनिट, इन्फ्रास्ट्रक्चर, भारत में अपनी तरह की अनोखी और पहली चीजें थीं। अधिकारियों ने बहुत प्लानिंग के तहत खदानों को पहले बंद करवाया। फिर यहां के सभी इन्फ्रास्ट्रक्चर को लूट लिया।'

बस्तर में सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़

चार नक्सली ढेर; एक जवान बलिदान

जगदलपुर, 5 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बस्तर क्षेत्र में सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ की खबर है। जिसमें चार नक्सली ढेर हो गए हैं। वहीं, डीआरजी का एक जवान बलिदान हुआ है। मौके से एके-47 और एसएलआर जैसे ऑटोमेटिक हथियार भी बरामद हुए हैं। मुठभेड़ में तीन जवानों के घायल होने की भी जानकारी मिल रही है।

जगदलपुर से वायुसेना का एमआई- 17 हेलिकाप्टर अबूझमाड़ के लिए रवाना किया गया है। मुठभेड़ में घायल हुए जवानों का रेस्क्यू करने में मदद करेगा। डीआरजी और एसटीएफ के तीन जवान घायल हुए हैं। सभी को सामान्य चोट है। चॉपर के जरिए सभी घायलों को इलाज के लिए ले जाया जाएगा रायपुर। मुठभेड़ में डीआरजी के प्रधान आरक्षक सन्नू कारम का पार्थिव शरीर भी घटनास्थल से लाने में एमआई-17 मदद करेगा।

जानकारी के मुताबिक, नारायणपुर और दंतेवाड़ा जिले की सरहद पर कल शाम 6 बजे से मुठभेड़ चल रही है। डीआरजी और एसटीएफ के जवानों ने मोर्चा संभाल रखा है। जवान सर्च ऑपरेशन चला रहे हैं। मुठभेड़ में दंतेवाड़ा डीआरजी के प्रधान आरक्षक सन्नू कारम बलिदान हुए हैं। ऑपरेशन में चार जिलों की डीआरजी और एसटीएफ शामिल हैं।

एक अधिकारी ने बताया कि नारायणपुर और दंतेवाड़ा जिलों की सीमा पर दक्षिण अबूझमाड़ के जंगल में उस समय गोलीबारी शुरू हो गई जब सुरक्षाकर्मियों की एक संयुक्त टीम नक्सल विरोधी अभियान पर निकली थी।

उन्होंने बताया कि गोलीबारी बंद होने के बाद चार नक्सलियों के शव और एके-47 राइफल तथा सेल्फ लोडिंग राइफल (एसएलआर) समेत स्वचालित हथियार मौके से बरामद किए गए हैं।

नगरीय निकाय चुनाव से पहले रुचिर गर्ग ने छोड़ा कांग्रेस का साथ, पार्टी से दिया इस्तीफा

रायपुर, 5 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ की पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार में सीएम भूपेश बघेल के मीडिया सलाहकार रहे वरिष्ठ पत्रकार रुचिर गर्ग ने कांग्रेस से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने बीते दिनों कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज को अपना इस्तीफा भेज दिया। इस बात की चर्चा है कि वो अब पत्रकारिता जगत में वापसी कर सकते हैं। उनके इस्तीफे से कांग्रेस में हलचल मच गई है।

बता दें कि रुचिर गर्ग ने वर्ष 2018 में एक बड़े मीडिया संस्थान से पत्रकारिता छोड़कर राजनीति में कदम रखा था। राहुल गांधी ने उन्हें पार्टी की सदस्यता दिलाई थी। अमर उजाला से टेलिफोनिक बातचीत में उन्होंने कहा कि वो कांग्रेस से इस्तीफा दे दिये हैं। पार्टी के राज्य इकाई प्रमुख दीपक बैज को अपना इस्तीफा भेज दिया है। हालांकि उनके इस्तीफे की असली वजह क्या है, ये अभी तक स्पष्ट नहीं हो पाई है।

प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की सरकार में गर्ग कोर टीम का अहम हिस्सा थे। उन्होंने ने विधानसभा चुनाव 2023 के बाद स्वयं को सक्रिय राजनीति से अलग कर लिया था। हाल ही में हुए दक्षिण विधानसभा चुनाव में उन्हें अहम जिम्मदारी दी गई थी पर उन्होंने इसे व्यक्तिगत कारणों से निभाने में असमर्थता जताई थी।

राहुल गांधी ने दिलाई थी सदस्यता

राहुल गांधी ने उन्हें कांग्रेस की सदस्यता दिलाई थी। वे भूपेश बघेल टीम में कोर कमेटी टीम का अहम हिस्सा थे। मीडिया सलाहकार के रूप में उनकी अहम जिम्मेदारी थी। उन्होंने रायपुर के एक बड़े मीडिया संस्थान से पत्रकारिता छोड़कर साल 2018 में राजनीति में कदम रखा था, तब उनके फैसले से सभी हैरान रह गये थे यहां तक कि खुद कांग्रेसी भी। क्योंकि उनकी कांग्रेस में प्रवेश बेहद ही गोपनीय तरीके से कराई गई थी। खुद कांग्रेस नेताओं तक को भी इसकी भनक तक नहीं लग पाई थी।

झारखंड में ठंड का कहर, स्कूलों की छुट्टियों को लेकर जारी हुआ आदेश

रांची, 5 जनवरी (एजेंसियां)। राज्य में कक्षा आठ तक के सभी स्कूल सात से 13 जनवरी तक बंद रहेंगे। राज्य सरकार ने शीतलहर एवं ठंड के बढ़ते प्रभाव को देखते हुए यह निर्णय लिया है।

स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग ने इस संबंध में आदेश जारी कर दिया। यह आदेश सभी सरकारी, गैर सरकारी सहायता प्राप्त, अल्पसंख्यक तथा निजी स्कूलों पर लागू होगा।

जारी आदेश में कहा गया है कि कक्षा नौवीं से 12वीं तक की कक्षाएं और सभी आवासीय स्कूल पूर्व की तरह संचालित होती रहेंगी।

सरकारी स्कूलों के संबंध में कहा गया है कि इन स्कूलों के शिक्षक नियमित रूप से स्कूल आते रहेंगे। इस दौरान ये यूडायस प्लस 2024-25, अपार आइडी क्रिएशन तथा हाउस होल्ड सर्वे का काम करते रहेंगे। बताते चलें कि छह जनवरी तक पहले ही स्कूलों में अवकाश घोषित है।

स्कूलों के समय में बदलाव की मांग की

दूसरी तरफ, हजारीबाग में तापमान में आए गिरावट के कारण ठंड काफी बढ़ गया है। वहीं इस भीषण ठंड में बच्चों के लिए सुबह के समय स्कूल जाना काफी मुश्किल साबित हो रहा है।

इसे लेकर लोगों ने जिला प्रशासन से स्कूलों के समय में बदलाव करने की मांग की है। ताकि छोटे बच्चों को अत्यधिक ठंड से बचाया जा सके। मांग करने वालों में आकाश कुमार सहित अन्य लोग शामिल हैं।

ठंड से बचाव के लिए कंबल का उपायेग करें : डॉ. राजीव रंजन

लोहरदगा के सेन्हा प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत गौसिया मस्जिद सेन्हा के समीप वार्ड संख्या एक के पंचायत जनप्रतिनिधि एवं चिकित्सा विभाग द्वारा जरूरतमंद वृद्ध एवं आचार लोगों के बीच कंबल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

वार्ड सदस्य अफसाना खातून ने कहा कि पंचायत क्षेत्र के लिए 145 कंबल मिला था। जिसमें वार्ड एक में 20 कंबल वितरण किया गया।

मौके पर चिकित्सक डॉ. राजीव रंजन ने कहा कि ठंड से बचाव के लिए लोगों के बीच कंबल वितरण किया जा रहा है, उसका उपयोग जरूर करें।

ठंड से बचने का यह भी उपाय

उन्होंने कहा कि आप हमेशा गर्म भोजन करें, पानी उबाल कर पीए। बासी भोजन से परहेज करें। इससे खांसी और नाक बहने की शिकायत हो सकती है। ऐसे में इस मौसम के लिए गरम खाना ही उपयोगी है।

उन्होंने कहा कि ठंड के मौसम अगर सिर दर्द और बुखार की शिकायत हो तो आप स्वास्थ्य केंद्र जाकर चिकित्सीय जांच करने के बाद ही कोई दवा का सेवन करें। मौके पर रुस्तम अंसारी अफसाना खातून, सफीक अंसारी आदि उपस्थित थे।

डॉ. मनमोहन सिंह का स्मारक बनाने के लिए विश्व हिन्दू तख्त देगा 21 लाख रुपये

अमृतसर, 5 जनवरी (एजेंसियां)। एंटी टेररिस्ट फ्रंट इंडिया और विश्व हिन्दू तख्त प्रमुख वीरेश शांडिल्य ने पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान को पत्र लिखकर पूर्व सिख प्रधानमंत्री पद्म विभूषण डॉ. मनमोहन सिंह का स्मारक और मैमोरियल गुरू नगरी अमृतसर में बनाने की मांग की। शांडिल्य ने कहा कि डॉ. मनमोहन सिंह ने अपने जीवनकाल में न केवल पंजाब बल्कि पूरे भारत का गौरव बढ़ाया। वे देश के पहले सिख प्रधानमंत्री बने और एक सफल अर्थशास्त्री के रूप में 140 करोड़ भारतीयों का दिल जीता। उन्होंने पत्र में डॉ. मनमोहन सिंह के विभिन्न योगदानों का उल्लेख करते हुए कहा कि उनका जीवन और कार्य पंजाब के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

वीरेश शांडिल्य ने मुख्यमंत्री से अनुरोध किया है कि इस मुद्दे पर पंजाब विधानसभा का विशेष सत्र बुलाया जाए और प्रस्ताव पारित कर अमृतसर में डॉ. मनमोहन सिंह का स्मारक स्थापित करने का निर्णय लिया जाए। इसके साथ ही, उन्होंने घोषणा की कि इस मैमोरियल के शिलान्यास के लिए एंटी टेररिस्ट फ्रंट इंडिया और विश्व हिन्दू तख्त की ओर से 21 लाख रुपये की राशि दी जाएगी।

शांडिल्य ने इस मैमोरियल में डॉ. मनमोहन सिंह से जुड़ी सभी ऐतिहासिक वस्तुओं और उनकी उपलब्धियों को शामिल करने का सुझाव दिया, जिससे यह स्थान उनकी स्मृतियों को संजोने का केंद्र बन सके।

उन्होंने यह भी अपील की कि यह स्मारक स्टैच्यू ऑफ यूनिटी की तर्ज पर बनाया जाए, जहां हर पंजाबी और डॉ. मनमोहन सिंह के प्रशंसक आर्थिक और अन्य प्रकार की सहायता देकर योगदान दें। पत्र के अंत में शांडिल्य ने कहा कि डॉ. मनमोहन सिंह की अंतिम अरदास में मुख्यमंत्री की उपस्थिति उनकी महानता के प्रति सम्मान को दर्शाती है, और यह स्मारक पंजाब सरकार द्वारा उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

मंईयां सम्मान योजना की लाभुकों के खाते में हेमंत सोरेन ऑनलाइन ट्रांसफर करेंगे 5000 रुपए

रांची, 5 जनवरी (एजेंसियां)। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन कल यानी सोमवार (6 जनवरी 2025) को मंईयां सम्मान योजना की 56 लाख से अधिक लाभुकों के खाते में पांच-पांच हजार रुपए ट्रांसफर करेंगे. झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के राष्ट्रीय महासचिव सह प्रमुख प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य ने यह जानकारी दी है. सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा है कि सामाजिक सुरक्षा हेमंत सोरेन सरकार की प्राथमिकता है. महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत बनाना और झारखंड की इंडिया गठबंधन सरकार का लक्ष्य है. झारखंड सरकार महिला सशक्तीकरण पर जोर दे रही है. सरकार ने प्रदेश की जनता से जो वादे किए हैं, सभी वादों को पूरा किया जाएगा.

चुनाव से पहले मंईयां सम्मान की राशि बढ़ाने का हुआ था फैसला

सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि सोमवार (6 जनवरी) को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन एकमुश्त 5000 रुपए महिलाओं के खाते में ट्रांसफर करेंगे. दिसंबर और जनवरी की किस्त एक साथ उन्हें दी जाएगी. झामुमो प्रवक्ता ने कहा, 'हमलोगों ने दिसंबर 2024 से 'झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना' के तहत मिलने वाली राशि को 1,000 रुपए से बढ़ाकर 2,500 रुपए करने का वादा किया था. हम वो वादा पूरा करने जा रहे हैं. दिसंबर में कुछ लाभुकों के खाते में पैसे ट्रांसफर किए गए थे. जिनके खाते में दिसंबर का पैसा नहीं गया है, उनके अकाउंट में 6 जनवरी को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन एक साथ 5000 रुपए डालेंगे.'

नामकुम में होगा भव्य कार्यक्रम, 3-4 लाख महिलाएं होंगी शामिल

राजधानी रांची के नामकुम में आयोजित भव्य समारोह में हेमंत सोरेन मंईयां योजना की लाभुकों के खाते में पैसे ट्रांसफर करेंगे. कार्यक्रम 28 दिसंबर 2024 को आयोजित किया गया था, लेकिन पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह के निधन के बाद देश में 7 दिन के शोक की वजह से कार्यक्रम को स्थगित करना पड़ा था. 6 जनवरी को होने वाले कार्यक्रम की तैयारी पूरी हो चुकी है. उपायुक्त और एसएसपी ने कार्यक्रम स्थल का जायजा लिया है. राज्य के सभी 24 जिलों से 3 से 4 लाख लाभुकों को रांची लाने की व्यवस्था की गई है.

10 साल की सजा और जुर्माना, फर्जी शादियों को लेकर सिंगापुर सरकार क्यों परेशान?

सिंगापुर, 5 जनवरी (एजेंसियां)। फर्जी शादी ने सिंगापुर की टेंशन बढ़ा दी है। इस मामले में हो रही लगातार वृद्धि से वहां की ऑथरिटी काफी परेशान है। इमीग्रेशन और चेकप्वाइंट ऑथरिटी (आईसीए) ने मामले की जानकारी देते हुए कहा कि इस मामले में लगातार तेजी देखी जा रही है। पिछले साल जनवरी से सितंबर तक फर्जी शादी के 32 केस सामने आए। वहीं, 2023 में यह आंकड़ा केवल चार का था यानी इस साल जनवरी से सितंबर तक फर्जी और नकली शादी के सिर्फ 4 केस सामने आए। ऑथरिटी का कहना है इस फर्जी शादी में आमतौर पर सिंडिकेट शामिल होता है और इससे सामाजिक समस्याएं पैदा हो सकती हैं। आईसीए ने इस मामले में कुछ लोगों को गिरफ्तार भी किया है, जो इस रैकेट में शामिल थे। ऑथरिटी ने कहा कि नकली और फर्जी शादी में शामिल लोगों की गिरफ्तारी एक संदिग्ध सिंडिकेट के खिलाफ गहन जांच के बाद की गई है। रिपोर्ट के मुताबिक, सिंगापुर में फर्जी शादी में अक्सर एक विदेशी महिला सिंगापुर के पुरुष को पैसे देकर शादी करवाने की व्यवस्था करती है, ताकि उसे यहां रहने या काम करने की अनुमति मिल सके। हालांकि, यह तब होता है जब दो लोग केवल आव्रजन लाभ प्राप्त करने के इरादे से शादी करते हैं। इमीग्रेशन और चेकप्वाइंट ऑथरिटी के अधिकारी ने कहा कि फर्जी शादी ने वाकई टेंशन बढ़ा दी है। वहीं, इस मामले को लेकर आईसीए के खुफिया विभाग के अधिकारी ने चेतावनी देते हुए कहा कि यह अवैध है और आईसीए ऐसी व्यवस्थाओं को खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध है। फर्जी शादी में शामिल होने के लिए दोषी पाए जाने वालों को 10 साल तक की जेल हो सकती है। एसजीडी10,000 यानी 6,25,671 रुपये तक का जुर्माना हो सकता है या दोनों हो सकते हैं। पिछले साल जून में 13 लोगों पर फर्जी शादी करने के आरोप लगाए गए थे।

अमेरिकी संसद में 6 भारतवंशियों ने ली सांसद पद की शपथ

'समोसा कॉकस' का क्यों होने लगा जिक्र?

वाशिंगटन, 5 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिका में भारतीय मूल के छह सांसदों ने शुक्रवार को प्रतिनिधि सभा के सदस्य के रूप में शपथ ली। अमेरिका के संसद के निचले सदन में पहली बार छह भारतवंशी पहुंचे हैं। इनमें से चार हिंदू हैं। जिन भारतीय-अमेरिकी सांसदों ने शपथ ली, उनमें अमी बेरा, प्रमिला जयपाल, रो खन्ना, राजा कृष्णमूर्ति, श्री थानेदार और सुहास सुब्रमण्यम शामिल हैं।

'समोसा कॉकस' का हुआ जिक्र

इसको लेकर भारतीय-अमेरिकी सांसद अमी बेरा ने एक पोस्ट भी किया। अमी बेरा ने कहा, "जब मैं 12 साल पहले पहली बार अमेरिकी संसद पहुंचा था, तो एकमात्र भारतीय अमेरिकी सदस्य था और अमेरिकी इतिहास में केवल तीसरा। अब हमारा गठबंधन छह सदस्यों वाला है। मैं आने वाले सालों में कांग्रेस सदन में और ज्यादा भारतीय अमेरिकियों का स्वागत करने के लिए उत्साहित हूं।" अमी बेरा के इस पोस्ट के बाद अमेरिकी राजनीति में 'समोसा कॉकस' शब्द का जिक्र एक बार फिर होने लगा है। इससे पहले साल 2016 में भी इस शब्द की खूब चर्चा हुई थी। तब पहली बार 5 भारतवंशी अमेरिकी संसद में चुनकर आए थे, जिसमें हाउस ऑफ रिप्रेंजेटेटिव के सदस्य राजा कृष्णमूर्ति भी थे। कृष्णमूर्ति ने ही इस शब्द को गढ़ा था।

क्या है 'समोसा कॉकस'?

दरअसल, अमेरिकी संसद के अंदर भारतीय मूल के सांसदों और प्रतिनिधि समूह को 'समोसा कॉकस' कहा गया है। इस बार 6 सांसद अमेरिकी के निचले सदन में है। समोसा भारतीय व्यंजन है और दुनियाभर में ये मशहूर है, इसलिए इसे भारतीय मूल के सांसदों से जोड़ा गया है।

इस बार ये हैं समोसा कॉकस का हिस्सा कैलिफोर्निया से निर्वाचित अमी बेरा ने लगातार सातवीं बार शपथ ली है। अमेरिकी संसद में बेरा सबसे सीनियर भारतीय सांसद हैं।

वर्जीनिया से निर्वाचित सुहास सुब्रमण्यम प्रतिनिधि सभा में सबसे नए भारतवंशी सदस्य हैं। पद की शपथ लेने के बाद सुहास ने कहा कि वो काम करने के लिए काफी उत्साहित हैं।

मिशिगन से श्री थानेदार भी इस कॉकस का हिस्सा हैं।

कैलिफोर्निया के 17वें कांग्रेस जिले से रो खन्ना और इलिनोइस के आठवें कांग्रेस जिले से राजा कृष्णमूर्ति चुने गए हैं। भारतवंशी महिला सांसद प्रमिला जयपाल वॉशिंगटन के सातवें कांग्रेस जिले से चुनी गई हैं। वह इस सदन में पहली और अकेली भारतवंशी महिला सांसद हैं।

प्रतिनिधि सभी में सबसे पहले भारतीय सांसद कौन थे?

दलीप सिंह सौंद प्रतिनिधि सभी में चुने जाने वाले सबसे पहले भारतीय सांसद थे। वो 1957 में चुने गए थे। इसके 5 पांच दशक बाद बॉबी जिंदल 2005 में सांसद बने थे।

सबसे बड़े बांध को लेकर भारत ने जताया ऐतराज तो सफाई देने लगा चीन, ब्रह्मपुत्र नदी पर बनने जा रहे डैम पर क्या कहा?

बीजिंग, 5 जनवरी (एजेंसियां)। भारत और चीन के रिश्तों में एक बार फिर खटास आने लगी है। इसका कारण चीन द्वारा यारलुंग त्सांगपो (ब्रह्मपुत्र) नदी पर दुनिया का सबसे बड़ा बांध बनाने की घोषणा करना है। तिब्बत में बनने जा रहे इस हाइड्रोपावर डैम का भारत पर प्रतिकूल असर हो सकता है, जिसको लेकर विदेश मंत्रालय ने चिंता भी जताई है। भारत के ऐतराज के बाद चीन ने भी सफाई दी है और कहा कि इससे किसी को कोई खतरा नहीं है।

भारत को क्या है चिंता?

दरअसल, यारलुंग नदी तिब्बत से होकर चीन से बहती हुई भारत आती है। यहां इसे ब्रह्मपुत्र कहा जाता है। इसके बाद ये अरुणाचल और असम के रास्ते बांग्लादेश में जाती है। चीन तिब्बत से आ रही यारलुंग नदी के निचले हिस्से में अरुणाचल की सीमा के पास ये बांध बना रहा है। सबसे बड़ा डैम होने के चलते इसमें काफी बड़ी मात्रा में पानी स्टोर किया जा सकता है। अब जब डैम बन जाएगा तो नदी के पानी का बहाव कैसा हो ये चीन के हाथ में होगा। कम मात्रा में पानी छोड़ने पर भारत में पानी की कमी होगी और ज्यादा पानी छोड़ने से बाढ़ भी आ सकती है। चीन ने आश्वासन दिया है कि इस परियोजना के लिए दशकों तक अध्ययन किया गया है। उसका कहना है कि इससे किसी को नुकसान नहीं होगा। चीन ने कहा कि इससे केवल साफ ऊर्जा का उत्पादन किया जाना है और निचले क्षेत्रों की सुरक्षा का पूरा ध्यान दिया जाएगा। भारत ने इससे पहले चीन के सामने इस मुद्दे को उठाया था। भारत ने कहा था कि इस डैम ने निचले क्षेत्रों को नुकसान हो सकता है। विदेश मंत्रालय ने ये भी कहा था कि इससे जलवायु परिवर्तन, पर्यावरण को नुकसान और निचले इलाकों में जल संकट हो सकता है।

सूडान में अर्धसैनिक बल के जवानों ने नागरिकों पर बरसाई गोलियां, 8 लोगों की मौत और 53 घायल

खार्तूम, 5 जनवरी (एजेंसियां)। सूडान की राजधानी खार्तूम और पश्चिमी सूडान के उत्तरी दारफुर राज्य के एल फशर शहर में अर्धसैनिक रैपिड सपोर्ट फोर्स (आरएसएफ) की तरफ से हमले किए गए। इन हमलों में कम से कम आठ नागरिक मारे गए और 53 अन्य घायल हो गए हैं। आरएसएफ मिलिशिया ने खार्तूम के उत्तर में ओमडुरमन शहर के इलाके और खार्तूम के पूर्व में शार्क अलनील (ईस्ट नाइल) इलाके में नागरिकों के खिलाफ गोलीबारी जारी रखी, इसमें 4 नागरिकों की मौत हो गई और 43 अन्य घायल हुए हैं। खार्तूम राज्य के स्वास्थ्य मंत्रालय ने एक बयान में ये बात कही है। घायलों को इलाज के लिए ओमडुरमैन के अल-नो और अबू सीद अस्पताल और शार्क के एल बान जदीद अस्पताल में ट्रांसफर कर दिया गया है। सिन्हुआ समाचार एजेंसी ने बताया कि अलनील इलाके में शनिवार को सूडानी सशस्त्र बल (एसएएफ) के 6 वें इन्फैंट्री डिवीजन ने एक बयान में कहा कि एल फशर में आवासीय पड़ोस पर आरएसएफ की तरफ से की गई गोलाबारी में चार नागरिक मारे गए और 10 अन्य घायल हो गए।

दिसबंर में आरएसएफ के हमलों में 20 की मौत

आरएसएफ ने अभी तक इन घटनाओं पर कोई टिप्पणी नहीं की है। इससे पहले दिसंबर में अर्धसैनिक रैपिड सपोर्ट फोर्स के हमलों में कम से कम 20 नागरिक मारे गए थे और 17 अन्य घायल हो गए थे। जिसमें एक नागरिक की मौत हो गई और एक लड़की घायल हो गई।

4 दिसंबर को, सूडान के दारफुर क्षेत्र के गवर्नर ने एलान किया कि सूडान में उत्तरी दारफुर राज्य के एक क्षेत्र में अर्धसैनिक रैपिड सपोर्ट फोर्स (आरएसएफ) के हमले में 20 नागरिक मारे गए थे।

फेसबुक पोस्ट में क्या बोले गवर्नर?

गवर्नर मिन्नी अर्को मिनावी ने अपने फेसबुक पेज पर एक पोस्ट में कहा, 'आरएसएफ ने एल फशर शहर के दक्षिण में अबू जेरिगा क्षेत्र में नरसंहार किया, जिसमें 20 नागरिकों की मौत हो गई और 17 अन्य घायल हो गए।' 10 मई, 2024 से एल फैशर में एसएएफ और आरएसएफ के बीच भीषण झड़पें हो रही हैं।' अंतरराष्ट्रीय संगठनों के अनुमान के अनुसार, अप्रैल 2023 के मध्य से सूडान एसएएफ और आरएसएफ के बीच विनाशकारी संघर्ष की चपेट में है, जिसमें सूडान के अंदर या बाहर, कम से कम 29,683 लोगों की जान चली गई।

क्या हैं ब्रिटेन का पाकिस्तानी 'ग्रूमिंग गैंग्स'? जिन पर 1400 बच्चियों के शोषण का आरोप

लंदन, 5 जनवरी (एजेंसियां)। ब्रिटेन के ग्रूमिंग गैंग्स की इन दिनों पूरी दुनिया में चर्चा हो रही है। खासकर सोशल मीडिया पर इन्हें लेकर काफी कुछ लिखा जा रहा है। इस बहस में दिग्गज अरबपति एलन मस्क और मशहूर लेखिका जेके राउलिंग जैसे हस्तियां भी कूद गई हैं। एलन मस्क ने तो ब्रिटेन के राजा किंग चार्ल्स से कीर स्टार्मर सरकार को बर्खास्त करने की ही मांग कर दी है क्योंकि स्टार्मर सरकार पर इन ग्रूमिंग गैंग्स के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं करने का आरोप लग रहा है। दरअसल इन ग्रूमिंग गैंग्स पर ब्रिटेन में 1400 बच्चियों को यौन शोषण और उनमें से कई को देह व्यापार में धकेलने, नशे का आदी बनाने के आरोप लग रहे हैं। ब्रिटेन में इन दिनों 'रॉदरहैम स्कैंडल' का मामला सुर्खियों में है, इसे 'ग्रूमिंग गैंग स्कैंडल' के नाम से भी जाना जाता है। साल 2022 में एक रिपोर्ट में दावा किया गया कि इंग्लैंड के रॉदरहैम, कॉर्नवाल, डर्बीशायर समेत कई शहरों में साल 1997 से 2013 के बीच करीब 1400 नाबालिग बच्चियों का संगठित अपराध के तहत शोषण किया गया। इन संगठित गैंग्स ने बच्चियों को बहला-फुसलाकर उनका शोषण किया और उनकी तस्करी की। इन बच्चियों का शोषण करने वाले लोगों में अधिकतर पाकिस्तानी मूल के लोग हैं।

यूक्रेन का रूस को जवाब

हमने उत्तर कोरियाई सैनिकों वाली रूसी बटालियन तबाह कर दी

कीव, 5 जनवरी (एजेंसियां)। रूस-यूक्रेन युद्ध को लेकर यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने बड़ा दावा किया। उन्होंने कहा कि पिछले दो दिनों से कुर्स्क क्षेत्र चल रही लड़ाई में रूस की सेना को बड़ा नुकसान हुआ है। हमने उत्तर कोरिया के सैनिक समेत रूस की पैदल सेना की एक बटालियन तबाह कर दी। यह जानकारी पूरी तरह से सही है। जेलेंस्की ने यूक्रेनी सेना के कमांडर इन चीफ की ओर से दी गई जानकारी साझा की। जेलेंस्की ने कहा कि कमांडर इन चीफ सिर्स्की ने मुझे रूस के खिलाफ की गई कार्रवाइयों की जानकारी दी। इसके मुताबिक पोक्रोवस्क के पास इन दिनों भीषण लड़ाई जारी है। रूस लगातार हमले करके अपने लोगों की एक बड़ी संख्या को खत्म कर रहा है। मैं यूक्रेनी ठिकानों की रक्षा करने और रूस को रोकने वाली हमारी सैन्य इकाई को बधाई देता हूं। यूक्रेनी राष्ट्रपति ने कहा कि कमांडर इन चीफ ने कुर्स्क क्षेत्र की स्थिति के बारे में भी बताया। कुर्स्क क्षेत्र के गांव मखनोवका के पास चल रही लड़ाई में रूस की सेना ने उत्तर कोरिया के सैनिकों और रूसी पैराटूपर्स समेत पैदल सेना की एक बटालियन खो दी। यह पूरी तरह से स्पष्ट है। वहीं रूसी बम हमलों के बाद सुमी क्षेत्र के शहर स्वेसा में बचाव अभियान चल रहा है। हमलों में एक आवासीय इमारत को निशाना बनाया गया। हमले में इमारत की पहली से पांचवीं मंजिल तक के अपार्टमेंट नष्ट हो गए। रूस ने आम यूक्रेनी नागरिकों पर हमला किया है। इसमें एक बच्चा और एक दो साल की बच्ची समेत सात लोग घायल हुए हैं। उनका इलाज चल रहा है। पीड़ितों की सहायता की जा रही है। जेलेंस्की ने कहा कि रूस ने सुमी के साथ ही खार्किव क्षेत्र पर भी हमले किए। जबकि चेर्निहिव क्षेत्र में मिसाइल हमले के बाद बचाव अभियान पूरा किया जा चुका है।

हमास ने बंधक महिला सैनिक का वीडियो जारी किया परिजन बोले- ये वो लिरी नहीं है, जिसे हम जानते हैं

तेलअवीव, 5 जनवरी (एजेंसियां)। हमास ने एक वीडियो जारी किया, जिसमें इस्राइल की बंधक महिला सैनिक लिरी अलबाग दिखाई दे रही है। हमास ने लिरी अलबाग को 7 अक्तूबर 2023 के हमले के वक्त अगवा कर लिया था। साढ़े तीन मिनट के इस वीडियो में तारीख नहीं दी गई है। वीडियो में अलबाग ने कहा कि वह बीते 450 दिनों से बंधक है, जिससे अंदाजा लगाया जा रहा है कि यह वीडियो हाल का ही है। इस्राइली मीडिया ने ये वीडियो जारी नहीं किया है। लिरी अलबाग (19 वर्षीय) इस्राइली सेना में सर्विलांस सैनिक के पद पर हैं और हमास के हमले के वक्त वह नाहल ओजी मिलिट्री बेस पर तैनात थी। हमास के हमले में इस बेस के 15 सर्विलांस सैनिक मारे गए थे और अलबाग समेत छह इस्राइली महिला सैनिकों को बंधक बना लिया गया था। अगवा की गई एक महिला सैनिक को रिहा कर दिया गया था और एक की कैद के दौरान ही मौत हो चुकी है। अब अलबाग समेत चार इस्राइली महिला सैनिक अभी भी हमास की कैद में हैं। गौरतलब है कि इस्राइल और हमास के बीच शांति समझौते की कोशिशें हो रही हैं और हमास द्वारा वीडियो जारी करना दबाव बनाने की रणनीति के तौर पर देखा जा रहा है। इस्राइली प्रतिनिधिमंडल इन दिनों हमास के प्रतिनिधिमंडल से शांति समझौते पर चर्चा के लिए कतर में मौजूद है। लिरी अलबाग का वीडियो जारी होने पर उसके माता-पिता ने भी एक वीडियो जारी किया। इस वीडियो में लिरी के परिजन बोले कि 'ये हमारी वो बेटी नहीं है, जिसे हम जानते हैं। वह बहुत बुरी हालत में है और उसकी मानसिक स्थिति भी ठीक नहीं लग रही है। हमेशा मजबूत और खुशदिल रहने वाली लिरी अपनी जिंदगी की भीख मांग रही है।' परिजनों ने प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और सरकार से अपील की कि 'वे बंधकों की रिहाई के बारे में फैसला लेते हुए यह सोचें कि ये उनके बच्चे हैं। लिरी जिंदा है और उसे जीवित घर आना चाहिए, ये आप (सरकार) पर निर्भर है।'

पाकिस्तान के 'दोस्त' से टैंक खरीदने जा रहा है बांग्लादेश! जानें भारत की क्यों बढ़ी टेंशन

ढाका, 5 जनवरी (एजेंसियां)। भारत और बांग्लादेश के बीच पिछले कुछ समय से तनाव की स्थिति बनी हुई है। इसी बीच बांग्लादेश ने भारत के खिलाफ एक और साजिश रचने की कोशिश शुरू कर दी है। तुर्की रिपोर्ट के मुताबिक, बांग्लादेश जल्द ही तुर्की से बख्तरबंद टैंक खरीदने की योजना बना रहा है और इसके लिए बातचीत भी शुरू हो गई है। हाल ही में बांग्लादेश ने भारत के साथ लगी सीमा पर तुर्की के बने ड्रोन तैनात किए हैं। ड्रोन तैनाती के बाद अब वह टैंक खरीदने पर विचार कर रहा है। पड़ोसी देश, बांग्लादेश की सीमा उत्तर, पूर्व और पश्चिम में भारत से लगती है। वहीं बांग्लादेश के दक्षिण में बंगाल की खाड़ी है। बांग्लादेश, म्यांमार के साथ भी 270 किलोमीटर की सीमा साझा करता है। कथित तौर पर बांग्लादेश, भारतीय और म्यांमार दोनो सीमाओं पर टैंक तैनात करने का प्लान बना रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, बांग्लादेश ने तुर्की की कंपनी ओटोकर ओटोमोटिव वे सवुन्मा सनाई ए.एस। के साथ बातचीत शुरू की है जहां वह अपनी बख्तरबंद कौर (टैंक कोर) के लिए 26 हल्के टैंक खरीदेगी। सूत्रों की माने तो तुर्की सरकार इसकी बोली में बांग्लादेश की मदद कर रही है।

अल्ताई या अरमा टैंक खरीदेगा बांग्लादेश ?

ओटोकर ओटोमोटिव कंपनी कई प्रकार के टैंकों का निर्माण करता है, जिसमें अल्ताई भी शामिल है। यह टैंक तुर्की के सेना का एक प्रमुख मॉडल है। इसका वजन लगभग 65 टन होता है। हालांकि अल्ताई टैंक बांग्लादेश की भौगोलिक परिस्थितियों के हिसाब से बहुत ज्यादा वजनदार है। इसलिए वह अरमा टैंक खरीदने पर विचार कर सकता है। यह अल्ताई की तुलना में काफी हल्का होता है। इसका वजन लगभग 19 टन होता है, जो बांग्लादेश के परिदृश्य लिए अनुकूल होगा।

बांग्लादेश के इस डील से भारत को कितना नुकसान?

बांग्लादेश मुस्लिम बहुल देश तुर्की से टैंक खरीदकर अपने सैन्य संबंध मजबूत करने की कोशिश में लगा है। वहीं हाल ही में कुछ समय पहले तुर्की ने पाकिस्तान को भी हथियार बेचे थे। मुस्लिम देश होने के नाते पाकिस्तान और तुर्की में अच्छे संबंध है। ऐसे में यदि बांग्लादेश के संबंध तुर्की के साथ अच्छे होते हैं तो यह भारत के लिए चिंता का विषय हो सकता है। ऐसा इसलिए क्योंकि तुर्की, पाकिस्तान का अच्छा दोस्त है। वहीं पाकिस्तान से भारत के रिश्ते हमेशा तनाव पूर्ण रहे हैं।

बंधकों की रिहाई के लिए इजराइल में 70 जगह प्रदर्शन, पीएम आवास से 4 को किया गिरफ्तार

तेल अवीव, 5 जनवरी (एजेंसियां)। गाजा जंग को 450 दिन से ज्यादा का समय बीतने के बाद भी बंधकों की रिहाई न हो पाने के बाद इजराइल में आए दिन प्रदर्शन हो रहे हैं। हुए ऐसे ही प्रदर्शनों में इजराइली पुलिस ने प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के घर बाहर प्रदर्शन कर रहे 4 लोगों को गिरफ्तार किया है। पीएम आवास ही नहीं बंधकों के दर्जनों परिवार सदस्य तेल अवीव में इजराइली राष्ट्रपति इसहाक हर्ज़ोग के निवास के बाहर एकत्र हुए और उनसे सरकार और प्रधानमंत्री पर बंधक डील को अंतिम रूप देने के लिए दबाव डालने का आग्रह किया।

बंधकों के परिवारों के अह्वान पर इजराइल में लगभग 70 जगह प्रदर्शन हुए। प्रदर्शनकारियों ने दोहा वार्ता में तेजी लाने और कैदियों की अदला बदली को जल्द अमल में लाने का अह्वान किया। इन प्रदर्शनों में सबसे बड़े प्रदर्शन तेल अवीव, जेरूसलेम और हाइफा में हुए। तेल अवीव में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शनों ने सुरक्षा मंत्रालय की ओर जाने वाली सड़क को जाम रखा। इजराइली बंदी परिवारों की कमेटी ने नेतन्याहू पर कैदियों की दुर्दशा के प्रति उदासीनता का आरोप लगाते हुए कहा, "वह नहीं चाहते कि युद्ध समाप्त हो और वह इसे लम्बा खींचने के लिए अभियान चला रहे हैं।" इजराइली नेशनल यूनिटी पार्टी के नेता बेनी गेंट्ज़ ने मंगलवार को कहा कि प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के लिए उनकी सरकार का बचा रहना गाजा में बंदियों की वापसी से ज्यादा जरूरी है। एक सम्मेलन में कहा, "गाजा युद्ध के तीन लक्ष्यों में से दो अभी तक प्राप्त नहीं हुए हैं – हमास के शासन का पतन और हमारे बंधकों की वापसी।" डील हो रही देरी पर इजराइलियों का गुस्सा तब और भड़क गया जब हमास की सैन्य विंग अल कस्साम ने 19 साल की इजराइली बंदी एलबाग का वीडियो जारी किया, जिसमें उन्होंने नेतन्याहू अपनी हिरासत का जिम्मेदार ठहराया है।

भारत का नाम लेकर तालिबान ने पाकिस्तान को दे डाली वॉर्निंग

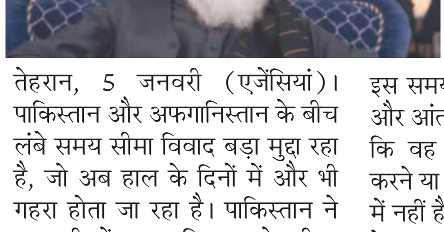

तेहरान, 5 जनवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच लंबे समय सीमा विवाद बड़ा मुद्दा रहा है, जो अब हाल के दिनों में और भी गहरा होता जा रहा है। पाकिस्तान ने हाल ही में अफगानिस्तान के भीतर आतंकवादी ठिकानों पर हवाई हमले किए, जिसमें कई तालिबान लड़ाके मारे गए। इसके बाद अफगानिस्तान ने जवाबी कार्रवाई का दावा किया। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने तालिबान को लेकर सख्त बयान दिया। उन्होंने कहा कि तालिबान को कुचले बिना पाकिस्तान आगे नहीं बढ़ सकता। इस बीच पाकिस्तान में अफगानिस्तान के एक हिस्से वखान पर कब्जा करने की बात चल रही है, जिस पर तालिबान भड़का हुआ है।

युद्ध को लेकर पाकिस्तान का इतिहास काफी खराब

तालिबान के उप विदेश मंत्री शेर मोहम्मद अब्बास ने भारत की जिक्र कर पाकिस्तान पर जमकर निशाना साधा। एक्स पर पोस्ट कर उन्होंने कहा, इस समय पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था और आंतरिक अस्थिरता इतनी खराब है कि वह वखान कॉरिडोर पर कब्जा करने या एक और युद्ध करने की स्थिति में नहीं है। इतिहास पाकिस्तान की सेना के नाम युद्ध में खराब रिकॉर्ड दर्ज है। भारत के साथ 1971 के युद्ध में पाकिस्तान को बड़ी हार का सामना करना पड़ा और पूर्वी पाकिस्तान (अब बांग्लादेश) हार गया। 93,000 से अधिक सैनिकों ने आत्मसमर्पण किया जो आधुनिक इतिहास में सबसे बड़ा आत्मसमर्पण है।

पाकिस्तान को याद दिलाई पुरानी हार

तालिबान के उप विदेश मंत्री ने कहा, 1973 और 1989 में जलालाबाद की लड़ाई और अफगानिस्तान के अंदर कुनार नदी की लड़ाई दोनों में पाकिस्तान को हार मिली थी। बाहरी युद्ध में पाकिस्तान की सेना को लगातार हार का सामना करना पड़ा। अपनी सीमाओं के बाहर पाकिस्तान कोई बड़ी जंग नहीं जीत पाया है। पाकिस्तान जैसे अपने देश में अल्पसंख्यकों पर अत्याचार करती है। बलूच और पश्तूनों लोगों के खिलाफ अत्याचार करती है, उस पर उसे काम करना चाहिए। वाखान कॉरिडोर पर पाकिस्तान का कब्जा करने का ख्याल मूर्खता से भरा है।

घुसपैठ करने को लेकर पाकिस्तान को दी चेतावनी

इस तरह से तालिबान ने पाकिस्तान को बड़ी चेतावनी दे डाली है कि अगर वह अफगानिस्तान में घुसपैठ या किसी हिस्से को तोड़ने की कोशिश करेगा तो वह उसकी बड़ी गलती होगी। इससे पहले पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने देश के राजनीतिक और सैन्य स्टेक होल्डर से एकजुट होने की अपील की और देश में बढ़ते सुरक्षा संकट से निपटने की आवश्यकता पर जोर दिया था।

सांस संबंधी लक्षणों की बारीकी से निगरानी चीन में फैले एचएमपीवी वायरस पर भारत में एडवाइजरी

बिजिंग, 5 जनवरी (एजेंसियां)। चीन में ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस (एचएमपीवी) का प्रकोप लगातार बढ़ रहा है। यह वायरस यहां बहुत तेजी से फैल रहा है। इसे कोरोना से ज्यादा खतरनाक बताया जा रहा है। इसके बढ़ते प्रकोप को देखते हुए चीन के कई राज्यों में इमरजेंसी घोषित कर दिया गया है। भारत सरकार भी इस वायरस को लेकर अलर्ट हो गई है। सरकार ने एचएमपीवी वायरस को लेकर एडवाइजरी भी जारी की है। सरकार ने सांस संबंधी लक्षणों और इन्फ्लूएंजा के मामलों की बारीकी से निगरानी के निर्देश दिए हैं। नेशनल सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र को निगरानी रखने के लिए कहा है। इसके अलावा भारत ने विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) से भी ताजा अपडेट साझा करने के लिए कहा है। सरकार का कहना है कि वह सांस संबंधी बीमारियों से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है।

एचएमपीवी पर भारत रख रहा कड़ी निगरानी

इसके अलावा भारत सरकार ने कहा कि इस वायरस के मामलों में असामान्य उछाल नहीं दिखा है। एचएमपीवी मामलों की जांच करने वाली लैब की संख्या बढ़ाई जाएगी आईसीएमआर पूरे साल एचएमपीवी वायरस के रुझानों की निगरानी करेगी। कोरोना के बाद चीन में एचएमपीवी वायरस के मामले सामने आए हैं। चीन के अस्पताल इस वायरस से ग्रसित मरीजों से भरे हुए हैं। भारत अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों के संपर्क में है। भारत सरकार इस मामले पर कोताही ना बरतते हुए संज्ञान लिया है। भारत में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय इस वायरस पर कड़ी निगरानी रख रहा है।

चीन के कई इलाकों में हालात बिगड़े

चीन के हालात पर भारत की नजर है। चीन के कई इलाकों में हालात बिगड़ गए हैं। चीन में मास्क वाला दौर फिर लौट आया है। वायरस की चपेट में हजारों लोग हैं। बुजुर्गों और बच्चों में तेजी से संक्रमण फैल रहा है। अस्पतालों के बाहर मरीजों की कतार लगी हुई हैं।

कोरोना की तरह ही है एचएमपीवी वायरस

डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ हेल्थ सर्विस (डीजीएचएस) के डॉक्टर अनिल गोयल का कहना है कि एचएमपीवी भी एक तरीके से नॉर्मल कोविड वायरस जैसा होता है या यूं कह लें कि निमोनिया या फ्लू जैसे वायरस की तरह ही एचएमपीवी वायरस है। इसके लक्षण भी वैसे ही हैं जैसे गला खराब होगा। नाक बहेगी, खासी और बुखार होगा। ये वायरस बच्चों में पाया जा रहा है। खासतौर से 5 साल के बच्चे या युवाओं में यह वायरस पाया जा रहा है। इस वायरस के लक्षण करीब करीब वही हैं। इसका बचाव वही है- 2 गज की दूरी मास्क है जरूरी। हैंड वॉश और जिनको खासी जुखाम और बुखार है, उनको अपने पास न बिठाए, उनके खाने के साथ उनके बर्तन न इस्तेमाल करें।

विधानसभा में दो चरणों में हो सकता है बजट सत्र

जयपुर, 5 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान में विधानसभा का सत्र इस माह के अंत में शुरू होने जा रहा है। यह बजट सत्र होगा, जिसमें सरकार बजट भी पेश करेगी। संभावना जताई जा रही है कि बजट सत्र 27 से 31 के बीच शुरू होगा, ज्यादा संभावना 31 जनवरी की बताई जा रही है।

सत्र को लेकर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी और संसदीय कार्यमंत्री जोगाराम पटेल के बीच बातचीत जारी है। तीनों में सहमति बनने के बाद विधि विभाग सत्र को लेकर राज्यपाल को फाइल भेजेगा। सत्र बुलाने के लिए 21 दिन पहले फाइल राजभवन भेजी जाती है।

प्रदेश सरकार का दूसरा सत्र पिछले वर्ष 6 अगस्त को खत्म हुआ था। विधानसभा का सत्र छह माह के अंदर बुलाना आवश्यक है। ऐसे में छह फरवरी तक सरकार को सत्र बुलाना जरूरी है।

इस सत्र में राज्यपाल का अभिभाषण भी होगा और उस पर बहस भी होगी। यह बजट सत्र संभवतः दो चरणों में हो सकता है। पहले चरण में राज्यपाल का अभिभाषण होगा और दूसरे सत्र में राज्य सरकार बजट पेश करेगी।

स्पीकर ने अफसरों की लगाई थी क्लास

हाल ही में स्पीकर वासुदेव देवनानी ने शुक्रवार को विधानसभा में विधायकों के लगाए सवालों, ध्यानाकर्षण प्रस्ताव और विशेष उल्लेख प्रस्तावों का समय पर जवाब नहीं देने को लेकर मुख्य सचिव सुधांश पंत सहित कई विभागों के एसीएस, प्रमुख सचिव और सचिवों की क्लास ली। उन्होंने बैठक में कहा था कि बार-बार हिदायत देने के बावजूद सवालों के जवाब नहीं देने वाले अधिकारियों को स्पष्ट किया कि लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी।

पेपर लीक मामले में फिर बड़ा एक्शन

9 और ट्रेनी एसआई सस्पेंड, 10 महीने बाद क्यों हुई कार्रवाई?

जयपुर, 5 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान पुलिस उप निरीक्षक भर्ती परीक्षा-2021 पेपर लीक मामले में राजस्थान पुलिस ने एक बार फिर बड़ा एक्शन लिया है। पेपर लीक और फर्जी अभ्यर्थियों की मदद से चयनित जोधपुर व पाली रेंज में पदस्थापित नौ उप निरीक्षकों को निलम्बित कर दिया है। बता दें कि इससे पहले 3 जनवरी को 11 एसआई को सस्पेंड किया गया था।

पुलिस महानिरीक्षक रेंज जोधपुर विकास कुमार ने इस संबंध में आदेश जारी किए। आइजी रेंज जोधपुर विकास कुमार ने बताया कि एसआइ भर्ती परीक्षा-2021 में धांधली व अनुचित साधनों का प्रयोग करने के संबंध में एसओजी ने मामला दर्ज किया था। जिसकी जांच चल रही है।

इसलिए 10 महीने बाद हुई कार्रवाई

उन्होंने बताया कि इसमें दोषी पाए जाने पर प्रोबेशनर उप निरीक्षकों को गिरफ्तार कर जेल भिजवाया था। 48 घंटे या अधिक समय तक न्यायिक अभिरक्षा में रहने वाले नौ प्रशिक्षु उप निरीक्षक जोधपुर व पाली रेंज में पदस्थापित हैं।

इन ट्रेनी एसआई पर गिरी गाज

नियम के तहत प्राबेशनर उप निरीक्षक जोधपुर ग्रामीण के गोपीराम जांगू, बाड़मेर की चंचल बिश्नोई, जालोर के अजय बिश्नोई व दिनेश कुमार, सिरोही के नरेश कुमार, दिनेश व प्रियंका बिश्नोई, जैसलमेर के हरखु व सुरेन्द्र बिश्नोई को निलम्बित किया गया। इन सभी लोगों ने हाल ही में नौकरी ज्वॉइन की थी।

2 दिन पहले ही ये हुए थे सस्पेंड

इससे पहले 3 जनवरी को जयपुर, कोटा और उदयपुर रेंज में तैनात एसआई पर गाज गिरी थी। जयपुर रेंज आईजी अजयपाल लांबा ने एसआई एकता, अविनाश व सुरजीत सिंह को सस्पेंड किया था।

वहीं, कोटा रेंज आईजी रविदत्त गौड़ ने मालाराम विश्नोई, चेतन सिंह और रेणु कुमारी को सस्पेंड किया था। इसके अलावा उदयपुर रेंज आईजी राजेश मीना ने राजेश्वरी, दिनेश विश्नोई, मनोहर, श्याम प्रताप सिंह और विक्रमजीत सिंह को सस्पेंड किया था।

अभी 15 न्यायिक हिरासत में

बता दें कि एसआईटी ने पिछले मार्च से अब तक कुल 45 ट्रेनी एसआई को गिरफ्तार किया था। जिनमें से 25 जमानत पर रिहा हो गए थे। जबकि 15 न्यायिक हिरासत में हैं। इनके में कुछ नियुक्तियां पाने वाले थे।

800 वर्ग गज जमीन के विवाद को लेकर फायरिंग

भरतपुर, 5 जनवरी (एजेंसियां)। भरतपुर के बयाना कस्बे में जमीन विवाद में रविवार को दो पक्ष आमने-सामने हो गए। इस दौरान एक पक्ष ने पिस्टल और 12 बोर बंदूक से फायरिंग भी की। घटना के वीडियो सामने आए हैं, जिसमें आरोपी बंदूक और पिस्टल लहराते और फायरिंग करते नजर आ रहे हैं। एडिशनल एसपी हरिराम कुमावत ने बताया- रविवार दोपहर 3:30 बजे पुलिस को सूचना मिली कि बयाना शहर के रिलायंस पेट्रोल पंप के आगे झगड़ा हो गया है। सूचना पर बयाना थाना पुलिस मौके पर पहुंची और पुलिस बल तैनात किया। पुलिस ने बताया कि पेट्रोल पंप के सामने 800 वर्ग गज जमीन को लेकर अंबा टॉकीज निवासी बाइक शोरूम मालिक भागसिंह सूपा और किसान समंदर गुर्जर के बीच डेढ़ साल से विवाद चल रहा है। दो दिन पहले शुक्रवार को नगरपालिका के अधिशासी अधिकारी और नायब तहसीलदार अंकुर जैन और राजस्व विभाग की टीम ने पुलिस की मौजूदगी में पैमाइश की थी। इस पर दोनों पक्षों ने सहमति जताई थी। रविवार को जब किसान समंदर गुर्जर जमीन पर निर्माण कराने के लिए पहुंचा तो भागसिंह पक्ष ने विरोध शुरू कर दिया। इस दौरान दोनों पक्षों में विवाद हो गया। इस बीच भागसिंह के एक मोटर गैराज में आग लग गई। भागसिंह पक्ष ने समंदर सिंह पक्ष पर गैराज में आग लगाने का आरोप लगाया। भागसिंह का बेटा जैनेंद्र सिंह इस दौरान हाथ में लाइसेंसी पिस्टल लिए नजर आया। पिस्टल से भी फायरिंग किए जाने की सूचना है। साथ ही उसके पक्ष के लोगों ने 12 बोर बंदूक से फायरिंग भी की। इस दौरान दुकान के शीशे फोड़ दिए। मौके से दो खाली कारतूस भी बरामद किए गए हैं। दोनों पक्षों की ओर से लाठियां लहराई गई। घटना में कोई घायल नहीं हुआ। एडिशनल एसपी हरिराम कुमावत ने बताया-पुलिस ने दोनों पक्षों से समझाइश कर झगड़ा शांत कराया। दोनों पक्षों को थाने बुलाया गया है।

आटे-साटे में शादी के एक साल बाद विवाहिता की मौत

भाई बोल-ससुराल वालों ने मर्डर कर टांके में डाला, मां की भी हत्या की

बाड़मेर, 5 जनवरी (एजेंसियां)। बाड़मेर में आटे-साटे में शादी के एक साल बाद युवती की टांके में डूबने से संदिग्ध अवस्था में मौत हो गई। लड़की के भाई कानाराम ने ससुराल वालों पर मर्डर करके टांके में डालने का आरोप लगाया है। इसके साथ ही कानाराम ने अपनी मां की हत्या का आरोप भी लगाया है। मामला बाड़मेर जिले के बीजराड़ थाने के सुखालिया गांव का है, जहां सुनीता (23) पत्नी दयाल कागा की घर के बने टांके में डूबने से मौत हो गई। डीएसपी जीवनलाल खत्री ने बताया- मृतका के पीहर पक्ष की ओर से रिपोर्ट देने पर दहेज हत्या व प्रताड़ना की रिपोर्ट दर्ज कर ली है। प्रथम दृष्टया टांके में गिरने से मौत होने सामाने आया है। मेडिकल बोर्ड से पोस्टमॉर्टम करवाया गया है। फिलहाल आगे जांच की जा रही है।

मृतका की मां की मौत मामले में एक एफआईआर पहले से दर्ज है। उसमें प्रथम दृष्टया रोड एक्सीडेंट में मौत होना बता रहे है। पुरानी एफआईआर और जांच रिपोर्ट देखने के बाद ही पता चल पाएगा।

पुलिस के अनुसार शनिवार शाम बीजराड़ निवासी सुनीता पत्नी दयाल कागा की मौत होने की सूचना मिली थी। इस पर चौहटन सीईओ जीवनललाल खत्री बीजराड़, थानाधिकारी मगाराम मय पुलिस जाब्ता मौके पर पहुंचे। बॉडी घर बने टांके के बाहर थी। पुलिस ने मृतका के पीहर को सूचना देकर बुलाया गया। वहीं एफएसएल और एमओबी की टीमों को बुलाकर मौके से सबूत जुटाए। रात को मृतका के शव को चौहटन हॉस्पिटल की मॉर्च्युरी में शिफ्ट करवाया गया।

वहीं, मृतका के भाई कानाराम का कहना है कि मई माह में दयाल कागा ससुराल गए थे और बहन को लेकर आ गया था। तब उन्होने मृतका की मां और पर हमला किया था। इस दौरान मृतका की मां थाने रिपोर्ट लिखवाने जा रही थी तभी कार ने टक्कर मारी इससे उसकी मौत हो गई थी। इसमें भी उनका ही हाथ था। ससुराल वाले सुनीता के साथ मारपीट करते रहते थे। उन्होंने मर्डर करके टांके में डाला है।

डीएसपी खत्री ने बताया कि दोनों पक्षों के बीच आटे-साटे में करीब एक साल पहले शादी हो रखी थी। दयाल कागा की बहन ससुराल जा नहीं रही थी। पीहर में रह रही थी। इनके बीच आपस में मन-मुटाव चल रहा था। पुलिस ने 304 बी, 498 सहित अन्य धाराओ में मामला दर्ज किया गया है। जांच में जो भी आएगा उसके अनुसार आगे कार्रवाई की जाएगी।

थप्पड़ कांड के बाद अब हथौड़ा कांड

थाने में पुलिसकर्मी ने साथी का सिर फोड़ा

कोटा, 5 जनवरी (एजेंसियां)। पिछले साल नवम्बर में सवाई माधोपुर जिले के मलारना डूंगर थाने में दो पुलिसकर्मियों में छुट्टी की बात को लेकर विवाद हुआ और दोनों ने एक दूसरे को चांटे जड़ दिए। इस घटना के बाद अब नया मामला कोटा जिले के गुमानुपरा थाने से सामने आया है। थाने में दो हेड कांस्टेबल में हुए विवाद के दौरान एक ने दूसरे पर वहां रखे हथौड़े से हमला कर दिया और उसका सिर फोड़ दिया। मामला गंभीर है और जिसके सिर में चोट लगी है उसकी हालत स्थिर बनी हुई है। मामले में आरोपी हेड कांस्टेबल के खिलाफ गंभीर धाराओं में केस दर्ज किया गया है।

कोटा जिले के पुलिस अधिकारी ने बताया कि हेड कांस्टेबल सुंदर और बलवीर में ये विवाद हुआ। दोनों थाने में आए थे और आमद दर्ज कराने को लेकर दोनों में कहासुनी हो गई थी। विवाद बढ़ने पर बलवीर सिंह ने सुंदर के सिर पर हथौड़ा दे मारा। जिससे सुंदर के सिर से खून बहने लगा। उसे तुरंत अस्पताल ले जाया गया और उसका इलाज शुरू किया गया। इस बीच थाने के पुलिसकर्मियों ने इस बारे में पुलिस अधिकारियों को सूचना दी।

गुमानपुरा क्षेत्र के पुलिस अधिकारी ने बताया कि फिलहाल सुंदर की हालत स्थिर बनी हुई है। उसने पर्चा बयान के आधार पर बलवीर के खिलाफ केस दर्ज कराया है। फिलहाल बलवीर थाना पुलिस की नजर में है और इस बारे में पुलिस के उच्च अधिकारियों को भी सूचना दे दी गई है। बलवीर से पूछताछ की जा रही है कि आखिर किस बात पर पूरा विवाद हुआ था।

मौत के कुएं में बाइक चलाने वाला बना शातिर चोर

पुलिस ने घेराबंदी करके पकड़ा, अब पहुंचा हवालात

बीकानेर, 5 जनवरी (एजेंसियां)। सर्कस में 'मौत के कुएं' में बाइक चलाने का अद्भुत कौशल रखने वाला 23 वर्षीय भीमला नायक, जिसने अपराध की दुनिया में अपनी चालाकी और रफ्तार से पुलिस को बार-बार चकमा दिया, आखिरकार बीकानेर पुलिस के शिकंजे में आ गया। नागौर जिले के खाटुबड़ी गांव का यह युवक चोरी और लूट के कई मामलों में वांछित था।

भीमला नायक ने सर्कस में 'मौत के कुएं' में बाइक चलाने से अपने सफर की शुरुआत की लेकिन जब सर्कस में रोजगार खत्म हो गया, तो उसने अपने इस अद्भुत हुनर को अपराध की दुनिया में आजमाना शुरू कर दिया। मॉडिफाइड बाइक के जरिए 150-170 किमी/घंटे की रफ्तार से भागने वाला यह शातिर अपराधी चोरी और लूट की घटनाओं को अंजाम देने लगा। बीकानेर, चुरू, नागौर और बाड़मेर जिलों में दर्ज 13 मामलों में यह वांछित अपराधी था। मकान किराए पर लेकर वह वारदात करता और फिर नई जगह शिफ्ट हो जाता। उसकी मॉडिफाइड बाइक और सर्कस में सीखी गई ट्रिक्स उसकी सबसे बड़ी ताकत थीं, जिनके जरिए वह हर बार पुलिस को चकमा दे रहा था

बीकानेर के मुक्ताप्रसाद थाना और साइबर सेल की टीम ने लगातार भीमला की हरकतों पर नजर रखी। करणी रीको इंडस्ट्रियल एरिया में 16 अक्टूबर को हुई लूट की घटना में एक व्यापारी पर चाकू से हमला कर बैग और पर्स छीनने के बाद पुलिस ने उसे पकड़ने की रणनीति बनाई।

जब पुलिस ने उसे घेरने की कोशिश की तो वह अपनी बाइक पर फिल्मी अंदाज में भागने की कोशिश कर रहा था लेकिन रेलवे फाटक बंद होने के कारण वह बाइक समेत गिर पड़ा और घायल हो गया, जिसके बाद पुलिस ने मौके पर ही उसे गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने भीमला के पास से चोरी की दो मोटरसाइकिलें और वारदात में इस्तेमाल की गई मॉडिफाइड बाइक जब्त की है।

दुष्कर्म और जबरन गर्भपात का आरोपी गिरफ्तार

पीड़िता की शिकायत पर पुलिस की त्वरित कार्रवाई

जालौर, 5 जनवरी (एजेंसियां)। जालौर कोतवाली पुलिस ने दुष्कर्म और जबरन गर्भपात करवाने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। मामला 3 जनवरी को उस समय सामने आया, जब एक पीड़िता ने पुलिस थाना कोतवाली में आरोपी के खिलाफ दुष्कर्म और जबरन गर्भपात करवाने का मामला दर्ज करवाया पुलिस ने आरोपी के खिलाफ त्वरित कार्रवाई करते हुए उसे गिरफ्तार किया और मामले की जांच शुरू की।

पीड़िता ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया कि आरोपी रुपाराम पुत्र हराराम चौधरी, निवासी जैसावास ने उसके साथ दुष्कर्म किया और फिर जबरन गर्भपात करवाया। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामले की जांच शुरू की और पीड़िता का मेडिकल परीक्षण कराया।

एसपी ज्ञानचंद यादव के निर्देशन में और थानाधिकारी जसवंत सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम द्वारा आरोपी रुपाराम को बागोड़ा पुलिस थाना क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया। फिलहाल आरोपी से पूछताछ जारी है और मामले की गहन जांच की जा रही है।

थानाधिकारी जसवंत सिंह ने बताया कि पीड़िता के बयान के बाद पुलिस ने आरोपी के खिलाफ त्वरित कार्रवाई करते हुए उसे गिरफ्तार किया है और आरोपी से पूछताछ की जा रही है।

टीकाराम जूली बोले- सरकार निजी शिक्षण संस्थाओं से मिलकर इन स्कूलों को बंद करना चाहती है

अलवर, 5 जनवरी (एजेंसियां)। सरकार निजी शिक्षण संस्थाओं से मिलकर इन स्कूलों को बंद करना चाहती है, ताकि गरीब बच्चों को अंग्रेजी शिक्षा से वंचित किया जा सके।

उन्होंने कहा है कि सरकार का यह फैसला जनविरोधी है। यह प्रदेश के भविष्य को बर्बाद करने की एक सोची समझी साजिश है। उन्होंने कहा कि यह गरीब और मध्यम वर्ग के बच्चों को अंग्रेजी शिक्षा से वंचित करने का एक हथकंड़ा है। जूली ने कहा है कि भाजपा सरकार की यह कोशिश प्रदेश के भविष्य को पीछे की ओर धकेलने और निजी स्कूलों को फायदा पहुंचाने के लिए है। उन्होंने कहा है कि भाजपा नेताओं के बच्चे महंगे स्कूलों और विदेशों में पढ़ते हैं। लेकिन वे गरीबों के बच्चों को अंग्रेजी शिक्षा देने के खिलाफ हैं।

उन्होंने यह भी कहा है कि सरकार द्वारा बनाई गई समीक्षा कमेटी राजनीतिक दुर्भावना से प्रेरित है और इसमें कोई शिक्षा विशेषज्ञ नहीं है। यह कमेटी पहले से ही अपना एजेंडा तय कर चुकी है और यह प्रदेश के भविष्य के लिए खतरनाक है। टीकाराम जूली ने चेतावनी दी है कि अगर भाजपा सरकार ने अंग्रेजी माध्यम स्कूलों के खिलाफ कोई भी जनविरोधी फैसला किया तो कांग्रेस पार्टी पूरे प्रदेश में जन आंदोलन करेगी और भाजपा सरकार को इसका जवाब देगी।

ऑनलाइन ठगी करने के लिए पश्चिम बंगाल से बुलाया

प्लेन में बैठकर आए आरोपी

झुंझुनू, 5 जनवरी (एजेंसियां)। पुलिस ने लोगों को आधार कार्ड फ्रेंचाइजी समेत नौकरी दिलाने का झांसा देकर ऑनलाइन ठगी करने के तीन आरोपियों को गिरतार किया है। आरोपियों के कब्जे से 5 लेपटॉप, 26 सिम, 6 एटीएम, 5 क्रेडिट कार्ड, 2 रजिस्टर, 46 आधार इनरोलमेंट ऑपरेटर आवेदन फार्म, एक चैक बुक, दस सेविंग अकाउन्ट कोंबो किट और तीन स्टाप बरामद किए गए हैं। एएसपी देवेंद्रसिंह राजावत ने बताया कि साइबर शिल्ड अभियान के तहत की गई कार्रवाई में पकड़े गए आरोपियों से शुरुआती पूछताछ में सामने आया कि आरोपियों ने कोटा में 5 लाख रुपए की ठगी की है। आरोपी राजस्थान के अलग-अलग स्थानों से करीब 60 लाख रुपए की ऑनलाइन ठगी कर चुके हैं। ठगी करने के लिए फ्रेंचाइजी के नाम पर व्हाट्सएप पर मैसेज भेजते थे। जैसे ही कोई उनसे संपर्क करता, वे लोग उससे रजिस्ट्रेशन के नाम पर खाते में पैसा डलवा लेते थे। फिर दो दिन में प्रोसेस पूरा होने का झांसा देकर ठगी करते थे। इसके बाद ब्लॉक कर देते थे। ऑनलाइन ठगी करने के मामले में पकड़े गए आरोपी सरदारशहर निवासी सरजीत गुर्जर ने ऑनलाइन ठगी करने के लिए पश्चिम बंगाल के दोनों आरोपियों को बाय एयर बुलवाया। सरजीत के कहने पर पश्चिम बंगाल के दोनों आरोपी एयरप्लेन से जयपुर पहुंचे और फिर सड़क मार्ग के माध्यम से झुंझुनूं आए। यहां पर तीनों ने मकान किराए पर लेकर ऑनलाइन ठगी करना शुरू कर दिया।

आरोपियों का पश्चिम बंगाल से रिकॉर्ड मंगवाया जा रहा है और कहां-कहां ठगी की, इस संबंध में पूछताछ की जा रही है। गिरतार आरोपी सरदारशहर निवासी सरजीत गुर्जर पुत्र दलवीर गुर्जर, बिष्णुपुर कालीमोंदिर खाल बोलिया, पश्चिम बंगाल निवासी पार्थो रॉय पुत्र उत्पल रॉय व नघाटा, तुंगी कृष्णगंज, पश्चिम बंगाल निवासी आनिन्दे सरकार पुत्र जयप्रकाश सरकार बैंक में आधार फ्रेंचाइजी के नाम पर ऑनलाइन ठगी करते थे और राज्य में कई जगह लाखों रुपए की ठगी कर चुके हैं।

आरोपी 15-20 दिन से शहर के पंचदेव मंदिर पर किराए का मकान लेकर लोगों से ठगी कर रहे थे। शुक्रवार देर शाम पुलिस को सूचना मिली कि शहर के फौज के मोहल्ले में कुछ युवक किराए पर मकान लेकर ठहरे हुए है और ऑनलाइन ठगी करते हैं। इस पर कोतवाली थानाधिकारी पवन कुमार चौबे के नेतृत्व में टीम गठित कर मौके पर दबिश दी। वहां सरदारशहर निवासी सरजीत गुर्जर, बंगाल के नादिया जिले के विष्णुपुर काली मंदिर खाल बोलिया के रहने वाला पार्थो रॉय तथा नघाटा तुगी के आनिन्दे सरकार मिले। उनके पास लैपटॉप, सिम, रजिस्टर, आधार एनरोलमेंट ऑपरेटर आवेदन फार्म, चेक बुक, एटीएम, क्रेडिट कार्ड, सेविंग अकाउंट कॉबो किट और स्टाप थे। सती से पूछताछ पर आरोपियों ने सच उगल दिया। आरोपियों से ऑनलाइन ठगी के और भी मामले सामने आ सकते हैं।

खेत पर काम कर रही पत्नी कुएं में गिरी

बचाने के प्रयास में पति भी कूदा, दोनों की मौत

अजमेर, 5 जनवरी (एजेंसियां)। दोनों बाहर नहीं निकल सके। करीब 8 घंटे की मशक्कत के बाद शव कुएं से निकाले जा सके। शव राजकीय अमृतकौर चिकित्सालय के चीरघर में रखवाए गए हैं। जवाजा थानाधिकारी महादेव ने बताया कि कालिंजर निवासी अशोक सिंह व पत्नी विमला खेत पर काम कर रहे थे। इस दौरान विमला खेत पर कुएं पर पानी लेने गई। इस दौरान असंतुलित होकर वह कुएं में गिर गई। अशोक को इसकी जानकारी लगी तो वो दौडकर पहुंचा। उसे बचाने के लिए वो भी कुएं में कूद गया। कुआं गहरा होने से वे वापस नहीं निकल सके। इधर इनके कुएं में गिरने की जानकारी लगते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंचे। इन्हें बाहर निकालने के प्रयास शुरू किए। सूचना मिलने पर जवाजा थाना पुलिस, दमकल, सिविल डिफेंस की टीम मौके पर पहुंची। ग्रामीणों के सहयोग से विमला के शव को निकाल लिया गया, जबकि अशोक का पता नहीं लगा। सरपंच ब्रजपालसिंह समेत ग्रामीणों ने ब्यावर से बड़ा जनरेटर मंगवाया। दो मोटर लगाकर पानी तोड़ने का प्रयास शुरू किया। जिला कलक्टर के निर्देश पर श्री सीमेंट से भी टीम मौके पर पहुंची। करीब 8 घंटे की मशक्कत के बाद अशोक का शव भी निकाल लिया गया।

लूट की झूठी सूचना देने पर गिरफ्तार, सीसीटीवी फुटेज खंगाले तो मामला निकला संदिग्ध

जयपुर, 5 जनवरी (एजेंसियां)। करधनी थाना पुलिस ने खुद के साथ लूट की झूठी सूचना देने के मामले में युवक को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस पूछताछ में सामने आया कि उसकी आर्थिक स्थिति खराब है।

मकान का काम चलने की वजह से उसे पैसों की जरूरत थी। इसलिए उसने जेवर घर पर रखकर लूट की झूठी सूचना दी थी। आरोपी की कबूलनामे को सुनकर पुलिस भी चौंक गई।

डीसीपी (वेस्ट) अमित कुमार ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी मनोज कुमावत (29) सदा विहार हाथोज का रहने वाला है। मनोज चौड़ा रास्ता स्थित मोहित सोनी की दुकान बजरंग ज्वैलर्स पर कुन्दन जड़ाई का काम करता है।

पुलिस को उसने बताया कि शुक्रवार रात 96 ग्राम वजन के गहनों की जड़ाई करके घर से जौहरी बाजार जा रहा था। कालवाड़ रोड पर एक पेट्रोल पंप के पास बाइक सवार दो युवकों ने उसे रोककर ज्वलनशील पदार्थ डालकर जेवर से भरा बैग छीन लिया।

पुलिस ने मामला दर्ज कर आस-पास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली तो मामला संदिग्ध लगा। पुलिस ने पीड़ित से पूछताछ की तो उसने लूट की झूठी सूचना देना कबूल कर लिया।

पुलिस के सामने पेश हुए अल्लू अर्जुन

हैदराबाद, 5 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। अपनी नवीनतम फिल्म पुष्पा-2 के प्रीमियर के दौरान भगदड़ के दौरान एक महिला की दुखद मौत से संबंधित मामले में आरोपी बनाए गए तेलुगू अभिनेता अल्लू अर्जुन अपनी जमानत शर्तों के तहत रविवार को यहां पुलिस के समक्ष पेश हुए। मामले में आरोपी नंबर 11 के रूप में सूचीबद्ध अर्जुन को 3 जनवरी को शहर की एक अदालत ने नियमित जमानत दे दी थी। अदालत के निर्देशों के अनुसार, अभिनेता को दो महीने की अवधि के लिए या आरोप पत्र दायर होने तक, जो भी पहले हो, हर रविवार को सुबह 10 बजे से दोपहर 1 बजे के बीच जांच अधिकारी के सामने पेश होना आवश्यक है।

इसके अलावा, अदालत ने पुष्पा स्टार को अदालत को पूर्व सूचना दिए बिना अपना आवासीय पता न बदलने का निर्देश दिया और बिना पूर्व अनुमति के देश छोड़ने पर रोक लगा दी। ये शर्तें तब तक लागू रहेंगी जब तक मामला सुलझ नहीं जाता। यह घटना 4 दिसंबर को हुई, जब हैदराबाद के संध्या थिएटर में भगदड़ जैसी स्थिति पैदा हो गई, क्योंकि प्रशंसक पुष्पा-2 के प्रीमियर के दौरान अभिनेता की एक झलक पाने के लिए इकट्ठा हुए थे। इस अफरा-तफरी में 35 वर्षीय महिला की मौत हो गई और उसका आठ वर्षीय बेटा घायल हो गया। इस घटना के बाद अल्लू अर्जुन, उनकी सुरक्षा टीम और थिएटर प्रबंधन के खिलाफ चिक्कड़पल्ली पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया। मृतक महिला के परिवार की शिकायत के आधार पर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं के तहत आरोप दर्ज किए गए।

इस मामले में अल्लू अर्जुन को 13 दिसंबर को गिरफ्तार किया गया था। हालांकि, तेलंगाना उच्च न्यायालय ने उन्हें 14 दिसंबर को अंतरिम जमानत दे दी थी, जो 10 जनवरी को समाप्त होने वाली है। इस बीच, अभिनेता जो उस अस्पताल का दौरा करना चाहते थे (जहां लड़के का इलाज चल रहा था) ने पुलिस द्वारा अपने फैसले पर पुनर्विचार करने के लिए कहने के बाद अपनी योजना रद्द कर दी। रामगोपालपेट पुलिस स्टेशन के एसएचओ ने रविवार को अस्पताल जाने की उनकी योजना के बारे में अल्लू अर्जुन को एक नोटिस दिया, जिसमें उनसे इस मामले में बढ़े हुए सार्वजनिक हित को देखते हुए अपने फैसले पर पुनर्विचार करने और अस्पताल के संचालन और अन्य रोगियों को कम से कम व्यवधान सुनिश्चित करने के लिए कहा गया। हालांकि, रिपोर्ट के अनुसार, अभिनेता ने अपनी कानूनी टीम की सलाह का हवाला देते हुए अस्पताल जाने का कार्यक्रम रद्द कर दिया।

आसिफाबाद का दौरा करेंगी एमएलसी के कविता

कुमराम भीम आसिफाबाद, 5 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस एमएलसी के कविता सोमवार को जिले का दौरा करने वाली हैं। कार्यक्रम के अनुसार, कविता सुबह 10 बजे इंदरवेल्ली मंडल केंद्र में इंदरवेल्ली शहीद स्तंभ पर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करेंगी, जैनूर मंडल में लड़कियों के आश्रम स्कूल और जैनूर मंडल केंद्र में सरकारी अस्पताल का दौरा करेंगी। वह देवुगुडा गांव में एक आदिवासी महिला से मुलाकात करेंगी, जिसके साथ एक ऑटो-रिक्शा चालक ने बलात्कार किया था। बाद में, कविता हाल ही में वानकीडी मंडल के धाभा गांव में भोजन विषाक्तता से मरने वाली चौधरी शैलजा के माता-पिता को सांत्वना देंगी। वह रेबेना मंडल के गोलेटी गांव में कोयला खनिकों से भी बातचीत करेंगी।

हमें मातृभाषा को नहीं भूलना चाहिए : मुख्यमंत्री

हैदराबाद, 5 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने रविवार को हैदराबाद में विश्व तेलुगु महासंघ के 12वें द्विवार्षिक सम्मेलन में भाग लिया। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने कहा कि विश्व तेलुगु महासंघ की शुरूआत तीन दशक पहले पूर्व मुख्यमंत्री और फिल्म अभिनेता एन टी रामाराव ने की थी। विश्व तेलुगु महासंघ सम्मेलन में भाग लेकर बहुत प्रसन्न हूं। उन्होंने कहा कि हिंदी के बाद, तेलुगु देश में सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा है। कई तेलुगु नेता राष्ट्रीय राजनीति में सक्रिय रहे हैं। नीलम संजीव रेड्डी, पीवी नरसिम्हा राव, एनटीआर, काका, जयपाल रेड्डी, वेंकैया नायुडू जैसे लोगों ने देश की राजनीति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इन दिनों, देश की राजनीति में तेलुगु नेताओं की भूमिका कम हो गई है। भले ही हम राजनीति, फिल्म और व्यवसाय में आगे हों, हमें मातृभाषा को नहीं भूलना चाहिए। हमें अपनी भाषा का सम्मान करने के अलावा विदेशी भाषा का ज्ञान भी हासिल करना चाहिए। तेलुगु भाषा के प्रति सम्मान दर्शाते हुए, राज्य सरकार हाल के दिनों में लोगों की सेवा में तेलुगु का प्रमुखता से उपयोग कर रही है। देश के अन्य राज्यों की यात्रा के दौरान बहुत से तेलुगु लोग मुझसे मिले। तेलुगु एनआरआई को तेलंगाना राज्य में निवेश करना चाहिए और राज्य के विकास में सहयोग करना चाहिए। सरकार ने तेलंगाना राइजिंग के नारे के साथ 2050 विकास योजना की परिकल्पना की है। फ्यूचर सिटी को दुनिया के सबसे बड़े शहर के रूप में विकसित करने की योजना तैयार की जा रही है। उन्होंने कहा कि तेलंगाना और एपी के दो तेलुगु राज्यों को आगे बढ़ना चाहिए ताकि वे विकास में दुनिया के साथ प्रतिस्पर्धा कर सकें।

हाइड्रा ने अवैध बहुमंजिला इमारत को किया ध्वस्त

हैदराबाद, 5 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। अयप्पा सोसाइटी, माधापुर में कथित रूप से अवैध रूप से निर्मित एक बहुमंजिला इमारत को रविवार को हाइड्रा द्वारा ध्वस्त किया जा रहा है। इमारत को ध्वस्त करने का काम डीआरएफ और राजस्व अधिकारियों द्वारा कड़ी पुलिस व्यवस्था के तहत किया जा रहा है। हाइड्रा अधिकारियों ने ध्वस्तीकरण की कार्रवाई शुरू करने से पहले शनिवार को इमारत का दौरा कर निरीक्षण किया था। जीएचएमसी की आपत्ति के बावजूद भवन का निर्माण अवैध रूप से किया गया। पुलिस ने सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए और इलाके की घेराबंदी कर दी।

किसानों से धोखाधड़ी के लिए माफी मांगें रेवंत : लक्ष्मण

हैदराबाद, 5 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राज्यसभा सदस्य और भाजपा ओबीसी मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के लक्ष्मण ने मांग की कि मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी किसानों से किए गए वादों को पूरा नहीं करके उन्हें धोखा देने के लिए सार्वजनिक रूप से माफी मांगें। रविवार को मीडिया से बात करते हुए लक्ष्मण ने कहा कि कांग्रेस सभी किसानों को फसल ऋण माफ़ी देने में विफल रही, वह हर फसल पर प्रति क्विंटल 500 रुपये का बोनस देने में विफल रही और अब उसने रैतु भरोसा योजना की राशि 15,000 रुपये प्रति एकड़ से घटाकर 12,000 रुपये कर दी है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने रैतु भरोसा योजना के तहत हर सीजन में 7,500 रुपये प्रति एकड़ देने का वादा किया था, लेकिन इसे घटाकर 6,000 रुपये कर दिया गया है। यह कांग्रेस के धोखेबाज रवैये का सबूत है। उन्होंने कहा कि अब तक ऋण माफी की राशि पाने वाले किसानों की कुल संख्या 25.35 लाख है और अभी भी 16.65 लाख किसान ऋण राशि का इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने वादे पूरे न करके किसानों का विश्वास खो दिया है। उन्होंने कहा कि तेलंगाना के किसान इस विश्वासघात को माफ नहीं करेंगे। वे सही समय पर कांग्रेस को करारा सबक सिखाएंगे।

सही नीतियां गरीबों और वंचितों के जीवन को बदल सकती है : शब्बीर अली

हैदराबाद, 5 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार के सलाहकार और वरिष्ठ कांग्रेस नेता मोहम्मद अली शब्बीर ने निजामाबाद के 11 छात्रों की उपलब्धि का जश्न मनाया, जिन्होंने 4 प्रतिशत मुस्लिम आरक्षण योजना के तहत एमबीबीएस सीटें हासिल कीं। रविवार को निजामाबाद के नॉलेज पार्क स्कूल में एक सम्मान समारोह में बोलते हुए, शब्बीर अली ने आरक्षण नीति के परिवर्तनकारी प्रभाव पर जोर दिया, साथ ही इसे रद्द करने के प्रयासों के खिलाफ चेतावनी भी दी। विज्ञान मेले के साथ आयोजित इस कार्यक्रम में अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान आरक्षण नीति को पेश करने में शब्बीर अली की महत्वपूर्ण भूमिका को मान्यता दी गई। नॉलेज पार्क स्कूल के प्रबंधन ने क्रिसेंट स्कूल के साथ मिलकर अपने 11 छात्रों को सम्मानित किया, जिन्होंने आरक्षण नीति के तहत एमबीबीएस सीटें हासिल कीं। शब्बीर अली ने उनकी उपलब्धियों की प्रशंसा की और कहा कि यह इस बात का प्रमाण है कि किस तरह नीति ने हाशिए पर पड़े समुदायों का उत्थान किया है। उन्होंने कहा, चालू शैक्षणिक वर्ष में लगभग 1,225 अल्पसंख्यक छात्रों ने 4 प्रतिशत आरक्षण या योग्यता के आधार पर एमबीबीएस में प्रवेश प्राप्त किया है। यह एक अभूतपूर्व मील का पत्थर है जो दर्शाता है कि सही नीतियां गरीबों और वंचितों के जीवन को कैसे बदल सकती हैं। आरक्षण नीति की ऐतिहासिक जड़ों पर विचार करते हुए शब्बीर अली ने कोटला विजय भास्कर रेड्डी के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार के दौरान 25 अगस्त, 1994 को जीओ एमएस नंबर 30 जारी करने को याद किया। उन्होंने इसे अविभाजित आंध्र प्रदेश में अल्पसंख्यकों के लिए समान अवसर पैदा करने के उद्देश्य से एक ऐतिहासिक निर्णय बताया। उन्होंने 2004 में वाई.एस. राजशेखर रेड्डी के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार के तहत नीति को लागू करने के संघर्ष को याद किया और इसकी रक्षा के लिए अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की। उन्होंने कहा, आज भी मैं इस नीति की रक्षा के लिए अदालत में लड़ रहा हूं।

बाघिन और उसके शावकों को जिप्सी से घेरने वालों पर एक्शन

कुमरमभीम आसिफाबाद, 5 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। नागपुर के उमरेड पवनी करहांडला अभ्यारण्य में एक बाघिन और उसके 5 शावकों को आगे पीछे से जिप्सी से घेरने का मामला तूल पकड़ लिया है। वीडियो वायरल होने के बाद वन विभाग ने 4 जिप्सी ड्राइवर और 4 गाइड को एक सप्ताह के लिए निलंबित और उन पर जुर्माना लगाया है। जिप्सी चालक को 2 हजार 500 रुपये और गाइडों को 450 प्रति व्यक्ति जुर्माना लगाया गया है।

वीडियो में साफ दिख रहा है कि एक बाघिन और 5 शावकों को कैसे घेरा जा रहा है। वीडियो में दिख रहा है कि एक बाघिन सबसे पहले झाड़ियों से बाहर निकलती है। वह झाड़ी के एक छोर से दूसरे छोर पर जाना चाहती थी, लेकिन दोनों तरफ से जिप्सी ने उसे घेर रखा था। बाघिन धीरे-धीरे आगे बढ़ती है तो उसके आगे वाली जिप्सी पीछे-पीछे जाती है। थोड़ी देर बाद बाघिन के शावक भी दिखते हैं। धीरे धीरे शावकों की संख्या 5 हो जाती है और वह अपनी मां के पीछे पीछे चलना शुरू करते हैं। जिप्सी चालक बाघिन के एकदम करीब जिप्सी लेकर पहुंच जाते हैं। दोनों तरफ से बाघिन को घेर लिया जाता है। जो कि वन प्राणी को इस तरह से घेरना गलत माना गया है।

नियमों का किया उल्लंघन

प्राप्त जानकारी के अनुसार मंगलवार को इन जिप्सी चालक और गाइड ने झील के पास बाघिन और उसके 5 शवकों को मार्ग से जाते समय सड़क पर काफी देर तक घेर कर रखा था। इस घटना का वीडियो वायरल हो गया। इसके बाद दोषियों के खिलाफ कार्रवाई का आदेश अधिकारियों ने दे दिया। दोनों ओर वन प्राणी को घेरना गलत है। यदि कोई नियम का उल्लंघन करता है तो उसके ऊपर सख्त कार्रवाई का प्रोविजन भी किया गया है। बाघ से कोई भी वाहन 30 मीटर की दूरी पर होना चाहिए। इसके अलावा बाघ के आगे और पीछे दोनों ओर से गाड़ियां खड़ी करना गलत है।

नारायणी गौ सेवा सदन अहलीवाहन नगर का कैलेंडर लॉन्च करते मुख्य अतिथि टी राजेंदर, एमएलसी दयानंद, पार्षद बी भैया लक्ष्मी, राजेश गोपाल बलदवा, जसमत पटेल, सोहन लाल डी राज रांका, श्रीनाथ एडवोकेट, उमेंद्र जयसवाल एडवोकेट और ट्रस्टी अमन सोनी, डी.पी.तिवारी, मोहन बाबू, पवन अग्रवाल, सज्जन डागा, केशव, कर्णकर।

एनआरआई माता-पिता को कड़ी चेतावनी

हादसे में एक व्यक्ति की मौत के बाद उठाया कदम

हैदराबाद, 5 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। प्रवासी भारतीयों के लिए दूर-दूर से भारत आए अपने परिवारों, जिनमें नाबालिग बच्चे और महिलाएं शामिल हैं, की देखभाल और सहायता करना एक कठिन कार्य है। सऊदी अरब के एनआरआई गड्डाम श्रीनिवास के परिवार में मची उथल-पुथल, जिनके नाबालिग बेटे और पत्नी को एक सड़क दुर्घटना के सिलसिले में गिरफ्तार किया गया था, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई थी, उस आघात का उदाहरण है, जिसे कई प्रवासी परिवार झेल रहे हैं। इस मामले में पुलिस की कार्रवाई ने न केवल एनआरआई माता-पिता को कड़ी चेतावनी दी है, बल्कि सकारात्मक प्रतिक्रिया भी मिली है, क्योंकि कई एनआरआई ने इसकी सराहना की है और इसे एक चेतावनी बताया है।

राजन्ना सिरसिल्ला जिले के रुद्रंगी के मूल निवासी श्रीनिवास परिवार के एकमात्र कमाने वाले हैं और सऊदी अरब में काम करते हैं जबकि उनकी पत्नी श्रीलक्ष्मी घर पर परिवार की देखभाल करती हैं। दंपति का बेटा संजय नाबालिग है। हालांकि, वह एक बाइक चलाता है, जिसे श्रीलक्ष्मी ने अपने नाम पर खरीदा था। हाल ही में, संजय की बाइक एक अन्य बाइक से टकराने से दुर्घटना में शामिल हो गया, जिसके परिणामस्वरूप एक बुजुर्ग व्यक्ति कांते रामुलु की मौत हो गई।

पुलिस ने वाहन की मालकिन श्रीलक्ष्मी को अपने नाबालिग बेटे को बिना लाइसेंस के वाहन चलाने देने के आरोप में गिरफ्तार किया। बाद में उसे जमानत पर रिहा कर दिया गया, जबकि संजय को नाबालिग हिरासत में भेज दिया गया। पुलिस आयुक्त वेंकटेश्वरलू ने बताया कि चंदुर्थी क्षेत्र में कई खाड़ी प्रवासी रहते हैं और यहां के कई पिता मध्य पूर्व में हैं, जिनकी अनुपस्थिति में कई नाबालिग वाहन चलाते हैं।

कांग्रेस से 6 वादों को पूरा करने की मांग

हैदराबाद, 5 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) कार्यकर्ताओं ने रविवार को विकाराबाद जिले में विरोध प्रदर्शन किया और कांग्रेस सरकार से अपनी छह गारंटियां पूरी करने की मांग की। पार्टी कार्यकर्ताओं का एक समूह विकाराबाद कस्बे के जेबीआर चौराहे पर इकट्ठा हुआ और रास्ता रोको प्रदर्शन किया। पार्टी कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस सरकार से मांग की कि विधानसभा चुनाव के दौरान पार्टी द्वारा किए गए छह वादों को पूरा किया जाए और लोगों के साथ न्याय किया जाए। विकाराबाद नगर पुलिस और स्थानीय यातायात पुलिस मौके पर पहुंची और प्रदर्शनकारियों को बलपूर्वक सड़क से हटाकर पुलिस थाने ले गई।

ट्रक ने बाइक को मारी टक्कर, एक ही परिवार के 3 की मौत

हैदराबाद, 5 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के उपनगरीय क्षेत्र मेडचल चेकपोस्ट पर रविवार को एक लॉरी ने बाइक को टक्कर मार दी, जिससे एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत हो गई। रिपोर्ट के अनुसार, पति, पत्नी, उनकी बेटी और बेटे सहित चार लोगों का परिवार मोटरसाइकिल पर जा रहा था, तभी एक लॉरी ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में पति, उसकी पत्नी और बेटी की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि लड़का गंभीर रूप से घायल हो गया और उसे अस्पताल ले जाया गया। पुलिस मौके पर पहुंच गई है।

सिरसिल्ला में मोबाइल टावर से लटका मिला व्यक्ति

राजन्ना-सिरसिल्ला, 5 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। रविवार को थंगल्लापल्ली मंडल के थादुर में एक 45 वर्षीय व्यक्ति कोमुरवेली श्रीनिवास को आत्महत्या के संदिग्ध मामले में मोबाइल टावर से लटका पाया गया। श्रीनिवास का शव ग्राम पंचायत में लगे मोबाइल टावर से लटका हुआ मिला। शव को देखने वाले ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया। परिजनों की शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आत्महत्या का कारण अभी पता नहीं चल पाया है।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग...

'आप-दा' से

जब भारत, दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी आर्थिक ताकत बनेगा।

पीएम मोदी जीत को लेकर आश्वस्त दिखे। कहा, मुझे विश्वास है कि दिल्ली विधानसभा में भी कमल खिलने वाला है। मैं दिल्ली भाजपा के सभी कर्मठ कार्यकर्ताओं से कहूंगा कि पूरी निष्ठा के साथ दिल्ली के हर कार्यकर्ता से मिलिए, उन्हें भाजपा के संकल्प से परिचित कराइए। ये भाजपा ही है, जो दिल्ली को, दुनिया की बेहतरीन राजधानी का गौरव दिला सकती है।

उन्होंने कहा, पिछले साल केंद्र की भाजपा सरकार ने दिल्ली में सुरक्षा, स्वास्थ्य सेवा और विकास संबंधी पहलों के लिए 75,000 करोड़ रुपये से अधिक आवंटित किए थे। हमारा उद्देश्य दिल्ली को एक ऐसी राजधानी में बदलना है जो भारत की समृद्ध विरासत को दर्शाती हो और वैश्विक व्यवस्था के अनुरूप अंतर्राष्ट्रीय समुदाय के लिए एक केंद्र के रूप में भी काम करे। दिल्ली को शहरी विकास के ऐसे मॉडल की जरूरत है, जो बाकी दुनिया के लिए एक मिसाल कायम करे। यह तभी हासिल किया जा सकता है, जब भाजपा को राज्य और केंद्र दोनों पर शासन करने का मौका दिया जाए।

नमो भारत कॉरिडोर...

दिल्ली-मेरठ आरआरटीएस कॉरिडोर 82.15 किलोमीटर लंबा है। दिल्ली के हिस्से में 14 किलोमीटर तो यूपी के हिस्से में करीब 68 किलोमीटर है। फेज-1 में प्रस्तावित दो अन्य कॉरिडोर दिल्ली से पानीपत कॉरिडोर की लंबाई 103.02 किमी जबकि वहीं, राजस्थान के अलवर और सराय काले खां के बीच के कॉरिडोर की लंबाई 106 किमी है।

सीएमआर कॉलेज...

वराहबतला अनंत नारायण, मदीरेड्डी जंगा रेड्डी, चमकुरा गोपाल रेड्डी ने अधीनस्थ कर्मचारियों केवी धनलक्ष्मी और आलम प्रीति रेड्डी पर दबाव डाला कि वे कॉलेज की प्रतिष्ठा की रक्षा के लिए घटना को उजागर होने से रोकें, लेकिन किसी भी समय सक्षम प्राधिकारी को घटना की सूचना देने में रुचि नहीं दिखाई। आरोपी आलम प्रीति रेड्डी, वराहबतला अनंत नारायण, मदीरेड्डी जंगा रेड्डी, चमकुरा गोपाल रेड्डी ने पुरुष आरोपियों को लड़कियों के छात्रावास के शौचालयों के पास रहने की जगह मुहैया कराई थी, जिससे आसानी से प्रवेश हो सके और पीड़ित लड़कियों की गोपनीयता और सुरक्षा को गंभीर खतरा हो।

पुलिस का दावा है कि आरोपी नंद किशोर कुमार और गोविंद कुमार ने अपना अपराध कबूल कर लिया और नंद किशोर कुमार और गोविंद कुमार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। कॉलेज स्टाफ और प्रबंधन यानी केवी धनलक्ष्मी, आलम प्रीति रेड्डी, वराहबतला अनंत नारायण, मदीरेड्डी जंगा रेड्डी, चमकुरा गोपाल रेड्डी के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज किए गए।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

कांग्रेस ने लोगों को बरगलाने में बीआरएस पार्टी को पीछे छोड़ दिया : बंडी संजय

हैदराबाद, 5 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंडी संजय कुमार ने आज आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ कांग्रेस सरकार ने अपने वादों से लोगों का ध्यान भटकाने के लिए बीआरएस पार्टी को पीछे छोड़ दिया है।

उन्होंने तंज कसते हुए कहा, सत्ता में आने के एक साल बाद भी कांग्रेस नेता छह गारंटियों को लागू नहीं कर रहे हैं। वे हर महीने कालेश्वरम परियोजना आयोग, बिजली आयोग, फोन टैपिंग मामले और ड्रग्स मामले के खिलाफ प्रचार करने में अपना समय बिता रहे हैं। उन्होंने आलोचना की कि आगामी स्थानीय निकाय चुनावों को ध्यान में रखते हुए रैतु भरोसा योजना के नाम पर एक नया नाटक शुरू किया गया है। उन्होंने दावा किया कि राज्य सरकार पर पिछले तीन फसल मौसमों के राज्य के किसानों को 12,000 प्रति एकड़ की दर से 18,000 प्रति एकड़ का बकाया है। इस हिसाब से 70 लाख किसानों के लिए राज्य सरकार पर 19,600 करोड़ का बकाया है। क्या ये सारा पैसा 26 जनवरी तक चुका दिया जाएगा? सीएम रेवंत रेड्डी को अपनी सरकार की ओर से इस सवाल का जवाब देना चाहिए। उन्होंने कहा कि रेवंत सरकार पर राज्य के बेरोजगार युवाओं को 48,000 रुपये प्रति व्यक्ति की दर से 50,000 करोड़ का बकाया है राज्य की महिलाओं को 30,000 रुपये की दर से 50,000 करोड़ रुपये और दिए जाएंगे। उन्होंने मांग की कि रेवंत सरकार को लोगों को जवाब देना चाहिए कि क्या वह 26 जनवरी, 2025 को सभी बकाया चुकाएगी या नहीं। उन्होंने भाजपा के राज्य महासचिव गुज्जुला प्रेमेंद्र रेड्डी, उपाध्यक्ष एनवीएसएस प्रभाकर, गंगिडी मनोहर रेड्डी, संकिनेनी वेंकटेश्वर राव, प्रवक्ता एनवी सुभाष, रानी रुद्रमादेवी, जेनवाड़ा संगप्पा और हनुमाकोंडा जिला अध्यक्ष राव पद्मा के साथ शहर में पार्टी के राज्य कार्यालय में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया।

ढाई दिन में सिडनी टेस्ट हारा भारत

ऑस्ट्रेलिया ने 6 विकेट से हराया, 10 साल बाद बीजीटी गंवाई; डब्ल्यूटीसी फाइनल की रेस से बाहर

सिडनी, 5 जनवरी (एजेंसियां)। भारतीय टीम सिडनी टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 6 विकेट से हार गई है। इस हार के साथ भारतीय टीम को बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में 3-1 की पराजय झेलनी पड़ी है। ऑस्ट्रेलिया ने भारत को इस सीरीज में 10 साल के बाद हराया है। इससे पहले कंगारु टीम ने 2014-15 के सीजन में एमएस धोनी की कप्तानी वाली टीम इंडिया से सीरीज जीती थी।

रविवार को मुकाबले के तीसरे दिन भारत ने ऑस्ट्रेलिया को 162 रन का टारगेट दिया, जिसे ऑस्ट्रेलियाई टीम ने दूसरी पारी में 4 विकेट खोकर हासिल कर लिया। ट्रैविस हेड 34 और ब्यू

वेबस्टर 39 रन पर नाबाद रहे। इन दोनों के अलावा, उस्मान ख्वाजा ने 41 और सैम कोंस्टास ने 22 रन बनाए। भारत से प्रसिद्ध कृष्णा ने 3 विकेट झटके। दिन के पहले सेशन में भारतीय टीम दूसरी पारी में 157 रन पर ऑलआउट हो गई।

इससे पहले ऑस्ट्रेलिया पहली पारी में 181 रन पर ऑलआउट हुई, जबकि भारत ने पहली पारी में 185 रन बनाए थे। इस तरह भारत को पहली पारी में 4 रन की बढ़त मिली थी।

भारत डब्ल्यूटीसी फाइनल की रेस से बाहर, ऑस्ट्रेलिया लगातार दूसरी बार फाइनल में

इस हार के बाद भारतीय टीम (50.00%) वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के मौजूदा साइकल में फाइनल की रेस से बाहर हो गया है, जबकि ऑस्ट्रेलिया (63.73%) ने लगातार दूसरी बार फाइनल में प्रवेश कर गई है।

सिडनी में मोहम्मद सिराज ने रचा इतिहास

खास क्लब में दर्ज कराया नाम

सिडनी, 5 जनवरी (एजेंसियां)। भारतीय टीम के स्टार तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने रविवार को इतिहास रचते हुए सिडनी में टेस्ट क्रिकेट में अपने 100 विकेट पूरे कर लिए। सिराज ने यह उपलब्धि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ जारी पांचवें टेस्ट के तीसरे दिन हासिल की। सिराज यह उपलब्धि हासिल करने वाले 24वें भारतीय गेंदबाज बन गए हैं।

सिराज ने अपना 36वां टेस्ट खेलते हुए यह उपलब्धि हासिल की है। उन्होंने अब तक 100 विकेट में अपने करियर के दौरान तीन बार पांच विकेट लेने का कारनामा भी किया। उस्मान ख्वाजा सिराज के 100वें टेस्ट विकेट बन गए हैं। सिराज की गेंद पर पुल शॉट खेलने के प्रयास में ख्वाजा ने भारत के विकेटकीपर

बल्लेबाज ऋषभ को कैच थमाया।

खास क्लब में शामिल हुए सिराज

हैदराबाद के 30 साल के सिराज रविचंद्रन अश्विन, जसप्रीत बुमराह और रवींद्र जडेजा के बाद वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप में 100 विकेट लेने वाले चौथे भारतीय गेंदबाज बन गए है। भारत के लिए डब्ल्यूटीसी में सबसे ज्यादा विकेट लेने का रिकॉर्ड अश्विन के नाम है। 18 दिसंबर 2024 को इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास लेने वाले 38 साल के स्पिनर ने 41 मैचों में 195 विकेट लेकर अपना करियर समाप्त किया। अश्विन के बाद इस लिस्ट में बुमराह का नंबर आता है, जिनके नाम 35 मैचों में 156 विकेट हैं। डब्ल्यूटीसी में जडेजा अब तक 39 मैचों में 131 विकेट ले चुके हैं।

सिराज ने 2020 में ऑस्ट्रेलिया में किया डेब्यू

सिराज ने 26 दिसंबर 2020 को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मेलबर्न में भारत के लिए अपना टेस्ट डेब्यू किया था। उन्होंने अपनी पहली ही सीरीज में प्रभाव डालते हुए दो पारियों में पांच विकेट लेकर अपनी तेज गेंदबाजी का हुनर दिखाया और भारत की जीत में अहम भूमिका निभाई। ऑस्ट्रेलिया में अपने प्रदर्शन के बाद वह सभी फॉर्मेट में टीम के लिए नियमित तेज गेंदबाज रहे हैं।

केपटाउन में आया सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन

मोहम्मद सिराज ने 3 जनवरी 2024 को केपटाउन में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया था। तब उन्होंने 9 ओवर में सिर्फ 15 रन देकर 6 विकेट झटके थे। उनकी गेंदबाजी सटीक और आक्रामक थी, जिसमें 3 मेडन ओवर भी शामिल थे।

देवजीत सैकिया ही बीसीसीआई के सेक्रेटरी बनेंगे

नॉमिनेशन फाइल किया, 12 जनवरी को बोर्ड मीटिंग में निर्विरोध चुने जा सकते हैं

मुंबई, 5 जनवरी (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के इंटरिम सेक्रेटरी देवजीत सैकिया ही बोर्ड के अगले सेक्रेटरी होंगे। उन्होंने सचिव पद के लिए नॉमिनेशन फाइल कर दिया है। 4 जनवरी को नॉमिनेशन की आखिरी तारीख थी, उनके अलावा किसी और ने नॉमिनेशन फॉर्म नहीं भरा। 12 जनवरी बीसीसीआई में सचिव और कोषाध्यक्ष के पद पर उपचुनाव होंगे। दूसरा कोई उम्मीदवार नहीं होने के चलते सैकिया ही सचिव पद पर कायम रहेंगे। उन्होंने दिसंबर में जय शाह की जगह संभाली थी, जो अब इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल के चेयरमैन बन गए हैं।

प्रभतेज भाटिया कोषाध्यक्ष होंगे

BCCI के कोषाध्यक्ष पद के लिए भी एक ही नॉमिनेशन फाइल हुआ। प्रभतेज सिंह भाटिया ने इस पद के लिए नामांकन भरा, ऐसे में उपचुनाव में उनका भी निर्विरोध ही चुना जाना कन्फर्म है। 4 जनवरी को शाम 5 बजे तक नामांकन भरना था। 6 जनवरी तक नॉमिनेशन की जांच होगी, फिर 12 जनवरी को इलेक्शन होंगे।

12 जनवरी को बीसीसीआई की मीटिंग भी

उपचुनाव कराने के लिए बीसीसीआई ने अब तक ऑफिशियल अप्रूवल नहीं लिया है। हालांकि, 12 जनवरी को ही बोर्ड की स्पेशल जनरल मीटिंग है। इलेक्शन कमिशन की पूर्व चीफ एके ज्योति बीसीसीआई उपचुनाव की इलेक्टोरल ऑफिसर

हैं। वह ही इलेक्शन कंडक्ट कराएंगी।

असम क्रिकेट एसोसिएशन का हिस्सा हैं सैकिया

देवजित सैकिया 6 दिसंबर को ही बीसीसीआई के इंटरिम सेक्रेटरी बनाए गए थे। वह असम क्रिकेट एसोसिएशन का हिस्सा हैं। जिन्होंने जय शाह की जगह ली। पहले खबरें आ रही थीं कि अरुण जेटली के बेटे रोहन जेटली सेक्रेटरी बनेंगे, लेकिन पिछले महीने ही जॉइंट सेक्रेटरी सैकिया का नाम आगे आ गया।

दूसरी ओर, भाटिया छत्तीसगढ़ क्रिकेट एसोसिएशन का हिस्सा हैं। वह आशीष शेलार की जगह कोषाध्यक्ष का पद संभालेंगे। आशीष महाराष्ट्र सरकार का हिस्सा बन गए और नियम के अनुसार, केंद्र व राज्य सरकार के मंत्री बीसीसीआई का हिस्सा नहीं बन सकते।

जॉइंट सेक्रेटरी का पद खाली होगा

सैकिया के सेक्रेटरी का पद संभालते ही जॉइंट सेक्रेटरी का पद खाली हो जाएगा। 12 जनवरी को मीटिंग में ही जॉइंट सेक्रेटरी के पद पर भी फैसला होगा। BCCI सेक्रेटरी पद पर सैकिया सितंबर तक ही बने रहेंगे। उसके बाद फिर चुनाव होंगे।

बीसीसीआई में अधिकारी पद पर एक मेंबर 3 साल के लिए ही बना रह सकता है, इसके बाद उन्हें 3 साल का कूलिंग ऑफ पीरियड सर्व करना होता है। सचिव के मौजूदा पद के 3 साल का कार्यकाल इसी साल सितंबर में खत्म होगा। सैकिया से पहले ढाई साल तक जय शाह इस पद पर नियुक्त हुए थे। सैकिया 12 जनवरी को उपचुनाव में सेक्रेटरी चुने जाएंगे। वह सितंबर में दोबारा इस पद के लिए भी अप्लाई कर सकते हैं।

राष्ट्रीय निशानेबाजी चैंपियनशिप

सौरभ चौधरी, वरुण तोमर एयर पिस्टल फाइनल में

नई दिल्ली, 5 जनवरी (एजेंसियां)। दुनिया के पूर्व नंबर एक निशानेबाज सौरभ चौधरी और कई अंतरराष्ट्रीय पदक विजेता वरूण तोमर ने यहां राष्ट्रीय निशानेबाजी चैंपियनशिप की पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल प्रतियोगिता के फाइनल में प्रवेश किया। रेलवे का प्रतिनिधित्व कर रहे सौरभ रविवार को सेना के वरूण के खिलाफ खिताब हासिल करने की कोशिश करेंगे।

क्वालिफिकेशन में कोई भी निशानेबाज सौरभ के कुछ दिन पहले बनाये गये 591 के राष्ट्रीय रिकॉर्ड से ज्यादा अंक नहीं बना सका। वरूण 585 अंक बनाकर 1339 निशानेबाजों में तीसरे स्थान पर रहे।

सेना के प्रद्युमन सिंह और हरियाणा के परमोद ने क्रमशः सीनियर और जूनियर फाइनल्स में जगह बनाई।

पुरूषों के फाइनल में सौरभ के साथ सेना के तीन निशानेबाज परमोद, मयंक चौधरी और आकाश भारद्वाज चुनौती पेश करेंगे। पंजाब के एकमात्र निशानेबाज गगनदीप 582 अंक से फाइनल के लिए क्वालीफाई कर पाये।

गंभीर ने टीम के हर खिलाड़ी को घरेलू क्रिकेट खेलने की सलाह दी

सिडनी, 5 जनवरी (एजेंसियां)। भारतीय टीम के हेड कोच गौतम गंभीर ने रविवार को रोहित शर्मा और विराट कोहली के भविष्य पर बात की है। उन्होंने सिडनी टेस्ट में 6 विकेट से हारने के बाद कहा- 'मैं किसी भी खिलाड़ी के भविष्य पर टिप्पणी नहीं कर सकता हूं। यह खिलाड़ियों पर निर्भर करता है, उनमें (रोहित-कोहली) भूख और कमिटमेंट्स हैं। उम्मीद है कि वे भारतीय क्रिकेट को आगे ले जाने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे।' उनसे रोहित-कोहली के भविष्य पर सवाल पूछा गया था।

बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में रोहित शर्मा और विराट कोहली का प्रदर्शन खराब रहा। ऐसे में इन दोनों के भविष्य पर सवाल उठा रहे हैं। एक दिन पहले रोहित शर्मा ने स्टार स्पोर्ट्स को दिए इंटरव्यू में कहा था कि वे खेलना चाहते हैं और अभी रिटायरमेंट नहीं ले रहे। रोहित को खराब फार्म के कारण सिडनी टेस्ट से ड्रॉप किया गया था।

किस मुद्द पर गंभीर क्या बोले?

हार पर...अगर दूसरी पारी में 250-275 बनाते तो चीजें अलग होतीं - सिडनी टेस्ट में मिली हार पर गंभीर ने कहा- 'मैं यह नहीं कहना चाहता कि बुमराह के न होने से हम नतीजे तक नहीं पहुंच सके। हमारे पास अपने कई पल थे, अगर बुमराह होते तो अच्छा होता। एक अच्छी टीम जीती है। जो केवल एक खिलाड़ी पर निर्भर नहीं है। अगर हम दूसरी पारी में अच्छी बल्लेबाजी करते और 250-275 रनों का लक्ष्य रखते, तो ऑस्ट्रेलिया के लिए चीजें मुश्किल हो सकती थीं। मोहम्मद सिराज की बॉडी लैंग्वेज शानदार थी।

ड्रेसिंग रूम के माहौल पर...मुझे सभी के लिए निष्पक्ष होना होगा

ड्रेसिंग रूम को प्रसन्न रखने के लिए मुझे ईमानदार और सभी के प्रति निष्पक्ष होना होगा। मैं अगर एक दो खिलाड़ियों के साथ पारदर्शी हूं। तो ये मेरा काम नहीं। मेरा काम है कि सबके साथ एक समान रहूं। चाहे वह डेब्यू करने वाला खिलाड़ी हो या 100 टेस्ट खेलने वाला खिलाड़ी हो।

रोहित-कोहली की फॉर्म पर - सभी खिलाड़ी घरेलू क्रिकेट खेलें

रोहित-कोहली जैसे बड़े खिलाड़ियों की फॉर्म पर गंभीर ने साफ तौर पर कहा कि वे चाहेंगे कि टेस्ट क्रिकेट को लेकर अगर कमिटेड हैं, तो सभी खिलाड़ी घरेलू क्रिकेट खेलें। उनका इशारा शायद सीनियर खिलाड़ियों की ओर था जो रणजी ट्रॉफी नहीं खेलते हैं।

रोहित के फैसले पर - जवाबदेही दिखाई है

गंभीर ने रोहित के खुद को ड्रॉप करने के फैसले पर कहा कि रोहित ने टॉप लेवल पर जवाबदेही दिखाई है। उन्होंने ट्रांजिसन के सवाल पर कहा- इसके बारे में बात करना अभी जल्दबाजी होगी। पता नहीं 5 महीने बाद हम कहां होंगे।

भारत ने 10 साल बाद गंवाई बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी

सिडनी टेस्ट हारने के साथ भारतीय टीम ने 10 साल बाद बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी गंवा दी। टीम 2014-15 के बाद से बीजीटी जीतते हुए आ रही थी। टीम ने सिडनी में खेला गया सीरीज का आखिरी मुकाबला 6 विकेट से गंवाया।

वीरेंद्र सहवाग के छोटे बेटे का बड़ा धमाका

झटक लिए 24 विकेट, मचाया कोहराम

नई दिल्ली, 5 जनवरी (एजेंसियां)। इंडियन क्रिकेट टीम के दिग्गज ओपनर रहे वीरेंद्र सहवाग अपनी आक्रामक बल्लेबाजी के लिए जाने जाते हैं. अब वीरेंद्र सहवाग के दोनों बेटे भी भारत के लिए इंटरनेशनल क्रिकेट खेलने की पूरी कोशिश कर रहे हैं. सहवाग के बड़े बेटे आर्यवीर सिंह ने हाल ही में काफी सुर्खियां बटोरी थीं. आर्यवीर सिंह एक बल्लेबाज हैं जो दिल्ली अंडर-19 टीम के लिए खेलते हैं. वहीं, उनके छोटे बेटे वेदांत सहवाग भी किसी से कम नहीं हैं. लेकिन खास बात ये है कि वेदांत बल्लेबाज नहीं बल्कि एक गेंदबाज हैं. वेदांत सहवाग ऑफ स्पिनर गेंदबाज हैं और उनके लिए विजय मर्चेंट ट्रॉफी काफी खास रही.

वीरेंद्र सहवाग के छोटे बेटे का बड़ा धमाका

14 साल के वेदांत ने अंडर-16 दिल्ली टीम की ओर से खेलते हुए

विजय मर्चेंट ट्रॉफी 2024-25 में अपनी छाप छोड़ी. इस टूर्नामेंट के दौरान वेदांत ने कई शानदार स्पेल फेंके. उन्होंने इस टूर्नामेंट में 5 मैच खेलते हुए कुल 24 विकेट अपने नाम किए. वीरेंद्र सहवाग ने भी सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर करते हुए अपने बेटे की गेंदबाजी की तारीफ की. वीरेंद्र सहवाग ने जो वीडियो शेयर किया उसमें वेदांत सहवाग गेंदबाज कर रहे हैं. इसके साथ वीरेंद्र सहवाग ने लिखा, 'वेदांत सहवाग अच्छा खेले, 5 मैच 24 विकेट, बढ़िया काम.'

वेदांत सहवाग की ओर से विजय मर्चेंट ट्रॉफी 2024-25 में कई शानदार स्पेल देखने को मिले. वह टूर्नामेंट में दिल्ली के लिए सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे. उन्होंने इस दौरान 2 बार पारी में 5 विकेट लेने का कारनामा किया और 2 बार पारी में 4-4 विकेट भी लिए. वहीं, उनका औसत 19.33 का रहा. बात दें, वेदांत सहवाग दिल्ली की ओर से 10 ये ज्यादा विकेट लेने वाले भी इकलौते गेंदबाज रहे. बाकी कोई भी गेंदबाज 10 विकेट का आंकड़ा पार नहीं कर सका.

आर्यावीर सहवाग ने भी मचाया था धमाल

वेदांत से पहले आर्यावीर सहवाग ने भी सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा था. आर्यावीर ने दिल्ली अंडर-19 टीम के लिए कूच बिहार ट्रॉफी में 297 रन की विस्फोटक पारी खेली थी. उन्होंने ये पारी मेघालय के खिलाफ खेली थी. बता दें, आर्यवीर पिता की ही तरह बल्लेबाजी में अपने आक्रामक शैली के लिए जाने जाते हैं.

बॉर्डर ने ऑस्ट्रेलिया को ट्रॉफी दी, गावस्कर को नहीं बुलाया

लिटिल मास्टर भड़के तो क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने गलती मानी

सिडनी, 5 जनवरी (एजेंसियां)। बीजीटी के प्राइज डिस्ट्रिब्यूशन में पूर्व भारतीय ओपनर सुनील गावस्कर को नहीं बुलाए जाने पर विवाद हो गया है। हालांकि, क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने विवाद बढ़ता देकर अपनी गलती मान ली है।

मेजबान बोर्ड ने रविवार को जारी एक स्टेटमेंट में कहा- 'गावस्कर को पता था कि अगर भारतीय टीम सिडनी टेस्ट जीत जाती और ट्रॉफी अपने पास बरकरार रखती तो वे भारतीय कप्तान जसप्रीत बुमराह को पुरस्कार प्रदान करते। हम मानते हैं कि अगर एलन बॉर्डर और सुनील गावस्कर दोनों मंच पर होते तो यह बेहतर होता।'

लिटिल मास्टर के नाम से मशहूर सुनील गावस्कर ने मामले पर नाराजगी जाहिर की थी। बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 1996 से खेली जा

रही है। मौजूदा सीरीज ऑस्ट्रेलिया के नाम रही। इसे कंगारुओं ने 3-1 से जीता।

ऑस्ट्रेलिया के सिडनी टेस्ट जीतने के बाद एलन बॉर्डर को प्राइज डिस्ट्रिब्यूशन के लिए बुलाया गया। उन्होंने सीरीज जीतने वाली ऑस्ट्रेलियाई टीम को ट्रॉफी दी। जबकि, सुनील गावस्कर 100 मीटर की दूरी पर थे, लेकिन उन्हें इस समारोह के लिए नहीं बुलाया गया।

मुझे पुरस्कार वितरण समारोह में जाकर खुशी होती। आखिरकार यह बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी है। जो कि ऑस्ट्रेलिया तथा भारत से जुड़ी है। मैं मैदान पर ही था। मुझे फर्क नहीं पड़ता कि ट्रॉफी ऑस्ट्रेलिया को दी जा रही थी। उन्होंने बेहतर क्रिकेट खेला और जीते। ठीक है। सिर्फ इसलिए कि मैं एक भारतीय हूं। अपने अच्छे दोस्त एलेन बॉर्डर के साथ ट्रॉफी प्रदान करके मुझे खुशी होती।

इस ट्रॉफी का नाम ऑस्ट्रेलिया और भारत के दो दिग्गज बल्लेबाजों (एलन बॉर्डर और सुनील गावस्कर) के नाम पर रखा गया था। क्योंकि 1996 में जब सीरीज का नाम बदला गया तब ऑस्ट्रेलिया से एलन बॉर्डर और भारत से सुनील गावस्कर का नाम ही सबसे दमदार पाया गया। तब टेस्ट खेल चुके करीब 2 हजार प्लेयर्स में ये दोनों ही ऐसे बैटर थे, जिनके नाम 10 हजार से ज्यादा टेस्ट रन थे। इसी वजह से भारत-ऑस्ट्रेलिया टेस्ट सीरीज का नाम बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी रखा गया।

किसने जीती थी पहली बीजीटी?

1996 में बीजीटी की शुरुआत हुई। पहली बार इस ट्रॉफी के तहत सिर्फ एक टेस्ट मैच दिल्ली में हुआ था। भारत ने सचिन तेंदुलकर की कप्तानी में 7 विकेट से जीत हासिल की। 152 रन बनाने वाले भारत के विकेटकीपर बैटर नयन मोंगिया प्लेयर ऑफ द मैच रहे। तब से अब तक दोनों टीमों के बीच 17 बीजीटी खेली गईं। 10 भारत ने जीतीं और 6 ऑस्ट्रेलिया के नाम रहीं। 2003-04 में एक सीरीज 1-1 से ड्रॉ भी हुई।

9 बीजीटी भारत में खेली गईं, इसमें 8 बार भारत को जीत मिली। एक बार ऑस्ट्रेलिया जीता। 8 बीजीटीका आयोजन ऑस्ट्रेलिया में हुआ। इसमें 5 बार ऑस्ट्रेलिया को जीत मिली। 2 बार भारत जीता और एक बार सीरीज ड्रॉ रही।

बाइडन से 'प्रेसिडेंशियल मेडल ऑफ फ्रीडम' सम्मान लेने नहीं पहुंचे लियोनल मेसी

वॉशिंगटन, 5 जनवरी (एजेंसियां)। लियोनेल मेसी ने 'प्रेसिडेंशियल मेडल ऑफ फ्रीडम' सम्मान समारोह से अपनी अनुपस्थिति पर सफाई दी है। उन्होंने अपनी अनुपस्थिति को फुटबॉल में मुश्किल शेड्यूल का हवाला दिया है। 'प्रेसिडेंशियल मेडल ऑफ फ्रीडम' उन व्यक्तियों को दिया जाता है, जिन्होंने अमेरिका की समृद्धि या सुरक्षा, मूल्यों, दुनिया में शांति या अन्य महत्वपूर्ण सामाजिक, सार्वजनिक या निजी प्रयासों में उत्कृष्ट योगदान दिया हो।

फुटबॉल के दिग्गज मेसी राष्ट्रपति जो बाइडन द्वारा चुने गए 19 लोगों में से एक थे। उन्होंने कहा कि वह इस सम्मान के लिए आभारी हैं और गर्व महसूस कर रहे हैं। आयोजित सम्मान समारोह में हिलेरी क्लिंटन, बास्केटबॉल के दिग्गज मैजिक जॉनसन, फैशन डिजाइनर राल्फ लॉरेन आदि जैसी प्रमुख हस्तियों ने भाग लिया, लेकिन मेसी की गैरमौजूदगी सुर्खियों में रही थी।

अर्जेंटीना को साल 2022 में विश्व चैंपियन बनाने वाले मेसी समारोह का विशेष आकर्षण थे। उनकी अनुपस्थिति ने फैंस को नाराज कर दिया और इसे अपमानजनक बताया। उनकी पीआर टीम ने बाद में समझाया कि मेसी शेड्यूलिंग को लेकर संघर्ष कर रहे हैं और पूर्व प्रतिबद्धताओं ने उन्हें सम्मान समारोह में हिस्सा लेने से रोक दिया। वहीं, यूएस एक्सप्रेस के मुताबिक, दिसंबर में यह जानने के बाद कि उन्हें राष्ट्रपति जो बाइडन से प्रतिष्ठित सम्मान मिलेगा, मेसी ने व्हाइट हाउस को एक पत्र भेजकर आभार व्यक्त किया था।

इस कार्यक्रम में शामिल नहीं होने के बाद मेसी ने भविष्य में अमेरिकी राष्ट्रपति से मिलने की उम्मीद जताई। व्हाइट हाउस ने फीफा और मेसी के क्लब को दिसंबर के अंत में सूचित किया था कि उन्हें यह सम्मान दिया जाने वाला है। इसके बाद मेसी ने क्लब के माध्यम से व्हाइट हाउस को एक पत्र भेजा जिसमें कहा गया है कि वह बहुत सम्मानित महसूस कर रहे हैं और यह सम्मान प्राप्त करना उनके लिए काफी मायने रखता है। हालांकि, मेसी के सामने पहले से ही काफी प्रतिबद्धताएं हैं, जिसकी वजह से वह हिस्सा नहीं ले पाएंगे।

हालांकि, उनकी प्रतिबद्धताओं और कार्यक्रमों के शेड्यूल का इस पत्र में कोई जिक्र नहीं किया गया था। मेसी की पत्नी एंटोनेला रोकुजो ने हाल ही में एक पूलसाइड तस्वीर साझा की थी। एंटोनेला ने अपने नए साल के जश्न की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर साझा की थीं। इससे पता चलता है कि फिलहाल मेसी अपने परिवार के साथ क्वालिटी समय बिता रहे हैं। मेसी आठ बार के बैलोन डी ओर सम्मान विजेता फुटबॉलर हैं।

विकसित भारत के लिए नए क्षेत्रीय विकास केंद्रों को बढ़ाती भारतीय रेल

नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री

के कर कमलों द्वारा

उत्तर रेलवे के नये जम्मू रेलवे डिवीजन

एवं

ट्विन सिटी सिकंदराबाद-हैदराबाद में चर्लपल्ली न्यू टर्मिनल स्टेशन

का

शुभारम्भ

और

ओडिशा में रायगड़ा रेल मंडल भवन

का

शिलान्यास

(वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से)

6 जनवरी 2025 | समयः प्रातः 11:00 बजे

विशेषताएं

नया जम्मू रेल मंडल

- भारत के प्रमुख शहरों और कस्बों को जम्मू-कश्मीर क्षेत्र से जोड़ेगा, जिससे लोगों की लंबे समय से चली आ रही मांग होगी पूरी।
- व्यापार, पर्यटन और आर्थिक अवसरों को बढ़ावा देकर क्षेत्र में विकास के लिए बनेगा गेम-चेंजर।
- जम्मू-कश्मीर के क्षेत्रों, जैसे उधमपुर-श्रीनगर-बारामूला और लेह-लद्दाख, को भारत के प्रमुख गंतव्यों से जोड़कर एकता और विकास को करेगा सुदृढ़।

रायगड़ा रेल मंडल भवन

- डिविजनल कंट्रोल ऑफिस, पर्यावरण-अनुकूल स्टाफ आवास और आधुनिक सुविधाओं के साथ कोरापुट, रायगड़ा और कालाहांडी में रेलवे संचालन को सशक्त बनाएगा।
- सुव्यवस्थित रेलवे प्रबंधन से ओडिशा में रेल संचालन की दक्षता को मिलेगा बढ़ावा।
- दक्षिण ओडिशा के जनजातीय क्षेत्र में कनेक्टिविटी को मजबूत करते हुए, विकास एवं आर्थिक प्रगति को मिलेगा बढ़ावा।

तेलंगाना में चर्लपल्ली न्यू टर्मिनल स्टेशन

- ट्विन सिटी में चर्लपल्ली पर विश्वस्तरीय, पर्यावरण-अनुकूल टर्मिनल, जो प्रदान करेगा उच्च स्तरीय सुविधाएं।
- इस से सिकंदराबाद, हैदराबाद और काचीगुडा के मौजूदा टर्मिनलों पर दबाव होगा कम।
- नई ट्रेनों के संचालन को सक्षम बना कर, तेलंगाना व आसपास के क्षेत्रों के लोगों के लिए बढ़ाएगा कनेक्टिविटी।

गरिमामयी उपस्थिती

अश्विनी वैष्णव
केंद्रीय मंत्री रेल, सूचना एवं प्रसारण, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी

जी किशन रेड्डी
केंद्रीय मंत्री
कोयला और खान

जिष्णु देव वर्मा
राज्यपाल, तेलंगाना

ए. रेवंत रेड्डी
मुख्यमंत्री, तेलंगाना

वी. सोमन्ना
केंद्रीय राज्य मंत्री, रेल और जल शक्ति

बंडी संजय कुमार
केंद्रीय राज्य मंत्री
गृह मंत्रालय

रवनीत सिंह
केंद्रीय राज्य मंत्री रेल और खाद्य प्रसंस्करण उद्योग

दुदिल्ला श्रीधर बाबू
सूचना प्रौद्योगिकी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स, उद्योग एवं वाणिज्य और संसदीय कार्य मंत्री, तेलंगाना सरकार

विजयलक्ष्मी आर. गढवाल
मेयर, ग्रेटर हेदराबाद नगर निगम

इटाला राजेन्दर
संसद सदस्य

DD NEWS पर लाइव प्रोग्राम देखें

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.